THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 52 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.6/7 2082 सोमवार, 19 मई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

16 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने रविवार को 16 राज्यों में आंधी-बारिश और तूफान का अलर्ट जारी किया है। जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है। राजस्थान में शनिवार को 3 जिलों में आंधी के साथ बारिश हुई। श्रीगंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, चूरू समेत कई शहरों में पारा 43ओसी से ऊपर दर्ज हुआ। मौसम विभाग ने आज राज्य के 5 जिलों में हीटवेव और 14 में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश में शनिवार को दिन के बाद मौसम बदला, भोपाल में बूंदाबांदी और इंदौर में तेज बारिश हुई। ग्वालियर में आंधी चली। मौसम विभाग ने आज राज्य के 21 जिलों में आंधी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है।

गुलज़ार हौज़ में आग से 17 की मौत

चारमीनार के पास बिल्डिंग में आग, मृतकों में 8 बच्चे भी थे-संकरी सीढ़ी से निकल नहीं पाए

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में चारमीनार के पास गुलज़ार हौज़ में रविवार सुबह एक इमारत में आग लग गई। हादसे में अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 8 बच्चे भी शामिल हैं। घटना के समय इमारत में 30 से ज्यादा लोग मौजूद थे। इनमें से 15 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया।

फायर ब्रिगेड की 11 गाड़ियां मौके पर पहुंची थीं। आग बुझाने के लिए दमकलकर्मियों को 2 घंटे मशक्कत करनी पड़ी। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है, लेकिन अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, हादसे में संपत्ति के नुकसान का अंदाजा भी नहीं लगाया जा सका है। फायर डिपार्टमेंट का कहना है कि सुबह 6:16 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। कई लोग बेहोशी की हालत में मिले और करीब 10 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के मुताबिक, बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर ज्वेलरी की दुकानें थीं

और ऊपर के फ्लोर पर लोग रहते थे। आग दुकानों में लगी और ऊपर तक फैल गई। बिल्डिंग में सिर्फ एक संकरी सीढ़ी थी, जिससे लोग बाहर नहीं निकल सके और दम घुटने से मौत हो गई।

पीएम मोदी ने हादसे पर दुख जताया :

घटना पर पीएम मोदी ने गहरा दुख जताया है। पीएमओ ने एक्स पर लिखा- हैदराबाद में आग की घटना में लोगों की मौत से बहुत दुख हुआ। जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उन्हें संवेदनाएं। घायलों के जल्दी ठीक होने की कामना करता हूं। पीएम राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की मदद दी जाएगी।

मंत्री प्रभाकर का दावा-ज्यादातर लोगों की मौत हो गई :

तेलंगाना के मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बताया कि आग सुबह करीब 6 बजे लगी और 6:16 बजे तक फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई थी। टीम ने सभी को बचाने की कोशिश की, लेकिन आग बहुत तेजी से फैल चुकी थी। उन्होंने बताया कि इमारत में रहने वाले ज्यादातर लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार से बात की है और सरकार की ओर से हरसंभव मदद देने का भरोसा दिया है।

चश्मदीद बोला-सभी मृतक एक ही परिवार के :

चश्मदीद जाहिद ने बताया कि आग इतनी भीषण थी कि मुख्य दरवाजे से अंदर नहीं जा सके, शटर और दीवार तोड़कर पहली मंजिल पहुंचे, लेकिन सब जल चुका था। फायर ब्रिगेड ने अच्छा काम किया, पर आग तेज थी। सभी मृतक एक ही परिवार के थे, पीछे से कोई रास्ता नहीं था।

स्काईलिफ्ट हाइड्रॉलिक प्लेटफॉर्म से बुझाई आग :

आग बुझाने में आधुनिक फायर रोबोट और ब्रोंटो स्काईलिफ्ट हाइड्रॉलिक प्लेटफॉर्म का भी इस्तेमाल किया गया है। ब्रोंटो स्काईलिफ्ट हाइड्रॉलिक प्लेटफॉर्म एक बड़ी फायर ब्रिगेड पर लगा होता है। इसमें एक लंबा हाइड्रॉलिक आर्म होता है, जो ऊपर-नीचे और घूम सकता है। इस आर्म के ऊपर एक प्लेटफॉर्म (टोकरी) होती है, जिसमें फायरमैन खड़े होकर ऊंची इमारतों तक पहुंच सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी भी मौके पर पहुंचे

अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक, उन्हें सुबह करीब 6.30 बजे एक फोन आया। इसके बाद वे घटनास्थल पर पहुंचे। इस दौरान कई लोग बेहोश पाए गए। उन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया। घटनास्थल का दौरा करने के बाद केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने मीडिया से कहा कि पुलिस ने बताया कि आग दुर्घटना में कई लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में कुछ बच्चे भी शामिल हैं।

हादसे में मरने वालों में 8 बच्चे

मृतकों के नाम	उम्र (साल में)	मृतकों के नाम	उम्र (साल में)
प्रहलाद	70	हामे	7
मुन्नी	70	प्रियांश	4
राजेंद्र मोदी	65	ऋषभ	4
सुमित्रा	60	इड्डु	4
पंकज	36	आरुषि	3
शीतल	35	अनुयान	3
वर्षा	35	ईराज	2
रजनी	32	प्रथम	1.5
अभिषेक	31		

भारत को दहलाने की थी साजिश : ट्रायल ब्लास्ट भी किया

> आईएसआईएस के दो ऑपरेटिव सिकंदराबाद से गिरफ्तार

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस ने रविवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन आईएसआईएस के दो ऑपरेटिव को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने काउंटर-इंटेलिजेंस ऑपरेशन के तरह दोनों को अपने गिरफ्त में लिया है। आरोप है कि दोनों आईएसआईएस ऑपरेटिव बड़े आतंकी हमलों की योजना बना रहे थे। इसके लिए दोनों ने एक सुनसान इलाके में ट्रायल विस्फोट किया था।

पुलिस ने बताया कि उन्होंने एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए दोनों को दबोचा है। आरोपियों की पहचान सिराज-उर-रहमान और सईद समीर के रूप में हुई है। सिराज को आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले से वहीं, समीर को सिकंदराबाद के भोईगुडा से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का कहना है कि हाल में दोनों ने ऑनलाइन माध्यम से विस्फोटक सामान खरीदे थे। पुलिस ने एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए विजयनगरम में सिराज के आवास पर छापा मारा, जिसके बाद समीर की गिरफ्तारी हुई। >14

लश्कर के गाजी का अंत : टॉप कमांडर सैफुल्लाह खालिद की पाकिस्तान में हत्या

इस्लामाबाद, 18 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक घटना ने लश्कर-ए-तैयबा और आतंकी नेटवर्कों में हड़कंप मचा दिया है। लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर रजाउल्लाह निजामानी उर्फ सैफुल्लाह खालिद की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। इसको सिंध प्रांत के मटली शहर के फालकारा चौक के पास मारा गया, जहां हमलावरों ने उसे घर से निकलते ही निशाना बनाया और मौके पर ही मौत के घाट उतार दिया। अबू सैफुल्लाह खालिद मालन क्षेत्र का निवासी था, लंबे समय तक कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा था। कश्मीर जिहाद से लौटने के बाद लश्कर-ए-तैयबा ने उसे गाजी अबू

भारत में तीन हमलों का था मास्टरमाइंड

सैफुल्लाह की उपाधि दी गई थी। संगठन ने उसे बेहद संवेदनशील बताया था और उसकी गतिविधियों पर सीमित रहने का निर्देश दिया था। उसे सुरक्षा भी दी गई थी, लेकिन जिस दिन वह मटली शहर में अपने घर से बाहर निकला, उसी दिन हमलावरों ने उसके सिर और सीने में गोलियां दाग दीं। अबू सैफुल्लाह भारत में लश्कर के कई बड़े हमलों का मास्टरमाइंड था। माना जाता है कि वह भारत में कम से कम तीन आतंकी हमलों की साजिश में मुख्य भूमिका निभा चुका था। साल 2001 में उत्तर प्रदेश के रामपुर स्थित सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पर हुए आतंकी हमले की साजिश रजाउल्लाह निजमानी ने रची थी। >14

'2029 तक देश की हर पंचायत में दो लाख पैक्स की स्थापना करेगी सरकार'

अहमदाबाद, 18 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने प्राथमिक कृषि ऋण समितियों को वित्तीय रूप से मजबूत बनाने पर जोर दिया है। उन्होंने रविवार को अहमदाबाद में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अवसर पर आयोजित 'सहकारी महासम्मेलन' में कहा कि केंद्र सरकार ने प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (पैक्स) को वित्तीय रूप से मजबूत बनाने के लिए कई अहम कदम उठाये हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि जल्द ही नए पैक्स के पंजीकरण के लिए नीति लाएगी।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार का लक्ष्य 2029 तक देश की हर पंचायत में पैक्स की स्थापना का है, इसके तहत दो लाख नई पैक्स और डेयरी शुरू की जाएंगी। साथ ही इन समितियों को 22 विभिन्न प्रकार के व्यवसायों से जोड़ा जा रहा है। इसके अलावा, यह बात भी सुनिश्चित की जाएगी कि पंजीकृत पैक्स वित्तीय रूप से कमजोर न हों। उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही आर्थिक संकट का सामना कर रही पैक्स के निपटारे और नई प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के पंजीकरण के लिए जल्द ही एक नीति बनाएगी। सहकारिता मंत्री ने कहा, जब तक बदलाव का लाभ पैक्स और किसानों तक नहीं पहुंचेंगे, तब तक सहकारिता क्षेत्र मजबूत नहीं हो सकता। शाह ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अवसर पर यहां 'विकसित भारत के निर्माण में सहकारिता की भूमिका' पर आयोजित सहकारी महासम्मेलन में कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के तौर पर मनाने का निर्णय लिया है। सहकारिता शब्द पूरे विश्व में आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना वर्ष 1900 में था। शाह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में 2021 से सहकारिता आंदोलन को पुनर्जीवित करने का एक बहुत बड़ा प्रयास हुआ। इसीलिए सहकारिता वर्ष की शुरूआत भारत में करने का निर्णय लिया गया।

केंद्र सरकार ने 22 विभिन्न प्रकार के व्यवसायों को पैक्स से जोड़ने का काम किया गया है। मुझे यकीन है कि आने वाले समय में एक भी पंजीकृत पैक्स वित्तीय रूप से बीमार नहीं होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डेयरी क्षेत्र में आइसक्रीम, चीज, पनीर बनाने, दूध को ठंडा रखने और वसा मापने जैसे उपकरणों के निर्माण के लिए सहकारी स्वामित्व वाली कंपनियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार डेयरी क्षेत्र में चक्रिय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की योजना बना रही है, जिसमें मरने वाले पशुओं की खाल, हड्डियों और सींगों के उपयोग के लिए सहकारी समिति का गठन किया जाएगा।

शशि थरूर विवाद से केरल कांग्रेस ने बनाई दूरी

उन्हें पार्टी से अनुमति लेनी चाहिए

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। केरल में कांग्रेस ने रविवार को शशि थरूर द्वारा केंद्र सरकार के आमंत्रण पर बहु-दलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के फैसले के बाद पैदा हुए विवाद से खुद को अलग कर लिया। पार्टी ने स्पष्ट किया कि इस मुद्दे पर टिप्पणी करना पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व का विषय है।

विपक्ष के नेता वीडी सतीसन ने एक पत्रकार के सवाल के जवाब में कहा कि शशि थरूर कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य हैं और उनके जैसे नेता पार्टी अनुक्रम में उनसे ऊपर हैं। एक सीडब्ल्यूसी सदस्य का पद काफी अहम होता है। इस विषय पर पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व अपनी राय देगा, और हम वही राय साझा करेंगे। हालांकि, वरिष्ठ कांग्रेस नेता तिरुवंचूर राधाकृष्णन ने थरूर से कांग्रेस सांसद के रूप में अपनी 'मुख्य जिम्मेदारी' निभाने की अपील की।

सीजेआई बोले-महाराष्ट्र के बड़े अफसर प्रोटोकॉल नहीं मानते

मुंबई, 18 मई (एजेंसियां)। भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई ने कहा कि मैं इस बात से निराश हूं कि महाराष्ट्र के बड़े अफसर प्रोटोकॉल का पालन नहीं करते। न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका ये तीनों लोकतंत्र के पिलर हैं। इन सभी को एक-दूसरे को सम्मान करना चाहिए।

सीजेआई ने कहा अगर भारत के चीफ जस्टिस पहली बार महाराष्ट्र आ रहे हैं तो ये उम्मीद की जाती है कि यहां के चीफ सेक्रेटरी, डीजीपी और मुंबई के पुलिस कमिश्नर को मौजूद रहना चाहिए। ऐसा न करना सोचने पर मजबूर करता है। सीजेआई गवई रविवार को मुंबई पहुंचे थे। यहां महाराष्ट्र-गोवा बार काउंसिल ने उनका सम्मान समारोह रखा था। लेकिन उनको रिसीव करने के लिए राज्य के मुख्य सचिव, डीजीपी और मुंबई पुलिस कमिश्नर नहीं पहुंचे। प्रोटोकॉल का पालन न करने पर सीजेआई गवई ने अपनी स्पीच में निराशा जाहिर की।

सीजेआई गवई ने मराठी में सभा को संबोधित करते हुए उन्हें मिले प्यार और स्नेह के लिए गहरा आभार व्यक्त किया। इसके पहले वे मुंबई में चैत्यभूमि डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर स्मारक भी गए। स्पीच के दौरान सीजेआई गवई अपने लिए लोगों का सम्मान और प्यार देखकर भावुक हो गए। >14

मायावती ने भतीजे को चीफ नेशनल को-ऑर्डिनेटर बनाया

नंबर-2 की पोजिशन, 16 महीने में दो बार हटाया-फिर वापसी की

लखनऊ/नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक बार फिर भतीजे आकाश आनंद को बड़ी जिम्मेदारी दी है। आकाश को चीफ नेशनल को-ऑर्डिनेटर बनाया है। यह नंबर-2 की पोजिशन है। यानी, मायावती के बाद अब पार्टी में आकाश होंगे। आकाश को अब तक का सबसे बड़ा पद दिया गया है। इससे पहले वह नेशनल को-ऑडिनेटर थे। मायावती के पार्टी में 3 नेशनल को-ऑर्डिनेटर हैं, जो अब आकाश आनंद को रिपोर्ट करेंगे। 16 महीने में मायावती ने आकाश को दो बार नेशनल को-ऑर्डिनेटर और उत्तराधिकारी बनाया था। लेकिन, दोनों ही बार हटा दिया गया। आकाश को 3 मार्च को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। 40 दिन बाद, सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के बाद मायावती ने उन्हें पार्टी में वापस लिया था। इसके बाद से ही उन्हें पार्टी में बड़ा पद मिलने की संभावना जताई जा रही थी।

करीब एक साल बाद रविवार को दिल्ली में बसपा की ऑल इंडिया मीटिंग हुई। इसमें मायावती के साथ आकाश आनंद भी शामिल हुए। वह मायावती के पीछे-पीछे मीटिंग हॉल तक पहुंचे। मायावती के कुर्सी पर बैठने तक आकाश साइड में खड़े रहे। बसपा की बैठक में मौजूद सभी राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों, मंडल को-ऑर्डिनेटरों और प्रभारी नेताओं की मौजूदगी में मायावती ने आकाश के नाम का ऐलान किया। उन्होंने कहा, आकाश को फिर से प्रमुख जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें पार्टी के भविष्य के कार्यक्रमों की अगुवाई का दायित्व दिया गया है। इस बार उम्मीद है कि आकाश, पार्टी और मूवमेंट के हित में पूरी सावधानी और मिशनरी भावना से योगदान देंगे। वह खरे उतरेंगे।

बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में बीएसपी अपने बलबूते पर चुनाव लड़ेगी। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में जनविरोधी सत्ता के विकल्प के रूप में बीएसपी को स्थापित करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को तन-मन-धन से जुटने का निर्देश दिया गया। बहुजन वालंटियर फोर्स (बीवीएफ) को दोबारा से पार्टी में सक्रिय करने का फैसला लिया गया है।

'सुप्रीम' फैसले पर राष्ट्रपति के सवालों से स्टालिन नाराज

गैर भाजपा शासी राज्यों के सीएम को लिखा पत्र

चेन्नई, 18 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु बनाम राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सवाल उठाए हैं। इसे लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने नाराजगी जताई है। अब सीएम स्टालिन ने गैर भाजपा शासित राज्यों के सीएम को पत्र लिखा है।

सीएम स्टालिन ने पत्र में लिखा है कि राष्ट्रपति ने केंद्र सरकार की सलाह पर संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट के सलाहकार अधिकार का उपयोग करते हुए 13 मई 2025 को 14 प्रश्न उठाए हैं। इसमे किसी राज्य या फैसले का जिक्र नहीं है, लेकिन यह साफ है कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा तमिलनाडु राज्य बनाम राज्यपाल के मामले में की टिप्पणियों पर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने लिखा कि तमिलनाडु के संबंध में आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला केवल मेरे ही नहीं बल्कि सभी राज्यों के लिए अहम है। सभी जानते हैं कि कैसे केंद्र सरकार ने राज्यपालों का उपयोग विपक्ष शासित राज्यों के कार्यों को बाधित करने के लिए किया है। राज्यपाल विधेयकों को मंजूरी देने में देरी करते हैं या उन्हें बिना वैध व कानूनी कारणों के रोके रखते हैं। वे नियमित कार्यों में हस्तक्षेप करते हैं, महत्त्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियों में बाधा डालते हैं और विश्वविद्यालयों के कुलपति के रूप में अपने पद का दुरूपयोग करते हैं।

स्टालिन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के राज्यपाल मामले में अपने फैसले में कहा कि राज्यपाल विधेयकों से संबंधित मामलों में राज्य मंत्रिमंडल की सलाह से बंधे हैं।

71 करोड़ के मनरेगा घोटाले में गुजरात के मंत्री का बेटा गिरफ्तार

देवगढ़बरिया, गुजरात के मंत्री बच्चूभाई खाबड़ के बेटे बलवंत खाबड़ को 71 करोड़ रुपये के मनरेगा घोटाले में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि कुछ अनुबंधित एजेंसियों को काम पूरा किए बिना या सामान की आपूर्ति किए बिना सरकार से भुगतान प्राप्त कराया गया था। पुलिस ने दाहोद जिले में तत्कालीन तालुका विकास अधिकारी (टीडीओ) दर्शन पटेल को भी गिरफ्तार किया। इससे अब तक गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या सात हो गई है। देवगढ़बरिया निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले बच्चूभाई खाबड़ पंचायत और कृषि राज्य मंत्री हैं। इस घोटाले में 35 एजेंसियों के मालिकों ने सरकारी अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके मनरेगा योजना के तहत भुगतान प्राप्त करने के लिए फर्जी कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र और अन्य सबूत पेश किए। इन लोगों ने 2021 और 2024 के बीच 71 करोड़ रुपये की हेराफेरी की। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बलवंत खाबड़ इनमें से एक एजेंसी के मालिक हैं, जिन पर आदिवासी बहुल दाहोद जिले के देवगढ़ बारिया और धनपुर तालुका के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में मनरेगा कार्यों में धोखाधड़ी करने का आरोप है। जिला ग्रामीण विकास एजेंसी की ओर से 71 करोड़ रुपये के घोटाले का खुलासा किए जाने के बाद पुलिस ने पिछले महीने मामला दर्ज किया था।

इसरो को लगा झटका

सैटेलाइट ईओएस-09 की लॉन्चिंग विफल, तीसरे स्टेज में आई तकनीकी खराबी

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। इसरो को सैटेलाइट ईओएस-09 की लॉन्चिंग में सफलता नहीं मिली है। बताया जाता है कि लॉन्चिंग के तीसरे स्टेज में तकनीकी खराबी के चलते यह मिशन असफल हो गया है।

तकनीकी खामी के चलते मिशन असफल

इसरो प्रमुख वी नारायणन ने बताया कि तीसरे स्टेज के दौरान तकनीकी खामी के चलते यह मिशन पूरा नहीं हो सका। पूरा विश्लेषण के बाद हम डिटेल्स में चीजों को बता सकेंगे। बता दें कि आज सुबह 5 बजकर 59 मिनट पर इसरो के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पीएसएलवी-सी61 रॉकेट द्वारा ईओएस-09 का प्रक्षेपण किया गया था। उन्होंने बताया कि सैटेलाइट के लॉन्च का पहला और दूसरा स्टेज सामान्य रहा लेकिन तीसरे स्टेज को पूरा नहीं किया जा सका। कुछ तकनीकी खामियों के चलते ऐसा हुआ है। अब हम इस डेटा का विश्लेषण करेंगे और फिर मिशन पर लौटेंगे। दरअसल, इस मिशन के तहत ईओएस-09 (पृथ्वी अवलोकन उपग्रह-09)को पृथ्वी की सूर्य समकालिक कक्षा (एसएसपीओ) में स्थापित करना था। इसका उद्देश्य रिमोट सेंसिंग डेटा मुहैया कराना था ताकि विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वालों को सटीक और नियमित डेटा मिल सके।

हाई-रिजॉल्यूशन इमेज मुहैया कराने में सक्षम

दिन-रात और किसी भी मौसम में पृथ्वी की सतह की हाई-रिजॉल्यूशन इमेज मुहैया कराने की दृष्टि से इसे डिजायन किया गया था। उन्नत रडार इमेजिंग तकनीक इसे बादलों, कोहरे या अंधेरे जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों में भी सटीक और उच्च-गुणवत्ता वाली तस्वीरें लेने में सक्षम बनाती है।

डिफेंस के क्षेत्र में अहम भूमिका

ईओएस-09 को देश की रक्षा गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने की दृष्टि से डिजाइन किया गया था। इससे सीमा की निगरानी, संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी और रणनीतिक क्षेत्रों की मैपिंग में सहायता मिलती। इसकी हाई-रिजॉल्यूशन इमेजिंग क्षमता सेना के लिए महत्वपूर्ण डेटा उपलब्ध कराने में सहायक साबित होती।

ऑपरेशन सिंदूर ब्रीफिंग पर टिप्पणी करने वाले प्रोफेसर गिरफ्तार

गुरूग्राम, 18 मई (एजेंसियां)। अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर हुई मीडिया ब्रीफिंग पर टिप्पणी की। इसके बाद उन्हें हरियाणा राज्य महिला आयोग के समन भेजा गया। अब उन्हें इसी मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है। उनके वकील ने भी इस बात की पुष्टि की है कि महमूदाबाद को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। हालांकि, महमूदाबाद ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर और इसमें शामिल महिला अधिकारियों पर उनके सोशल मीडिया पोस्ट महिला विरोधी नहीं थे।

इसे गलत तरीके से लिया जा रहा है। 7 मई को भारत ने पाकिस्तान और पीओके में पाकिस्तानी आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया। इसके बाद देश को मिशन के बारे में जानकारी देने के लिए विदेश सचिव के साथ कर्नल कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह को चुना गया। इसके बाद अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद ने सोशल मीडिया पर टिप्पणी की।

अब प्रोफेसर को गिरफ्तार कर लिया गया है। दरअसल, आयोग का कहना है कि उनकी टिप्पणियों ने भारतीय सशस्त्र बलों में महिला अधिकारियों को कमतर आंका और सांप्रदायिक कलह को बढ़ावा दिया है। महमूदाबाद को जो समन भेजा गया उनका उन्होंने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर और इसमें शामिल महिला अधिकारियों पर उनके सोशल मीडिया पोस्ट महिला विरोधी नहीं थे।

मिथुन चक्रवर्ती की बढ़ीं मुश्किलें, मुंबई नगर निगम ने भेजा नोटिस, वजह भी सामने आई

मुंबई, 18 मई (एजेंसियां)। बॉलीवुड स्टार मिथुन चक्रवर्ती की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने मिथुन चक्रवर्ती को उनके मलाड परिसर में ग्राउंड और मेजेनाइन फ्लोर के कथित अनधिकृत निर्माण के लिए कारण बताओ नोटिस भेजा है। मेजेनाइन फ्लोर एक आंशिक फ्लोर होता है, जो आम तौर पर दो फ्लोर के बीच बनाया जाता है। अपने जवाब में, अभिनेता ने दावा किया कि उन्हें मलाड के एरंगल में चल रहे बीएमसी अभियान के तहत नोटिस मिला है, जहां उनका परिसर स्थित है। उन्होंने कहा, 'मेरे पास कोई अवैध या अनधिकृत निर्माण नहीं है। सभी को नोटिस भेजा गया है, हम उनका जवाब दे रहे हैं।' 10 मई को जारी किए गए कारण बताओ नोटिस के अनुसार, मुंबई नगर निगम ने अभिनेता को अनधिकृत निर्माण के लिए मुंबई नगर निगम अधिनियम की धारा 475 ए के तहत मुकदमा चलाने की चेतावनी दी है। धारा 475 ए किसी भी अनधिकृत निर्माण को हटाने में विफल रहने पर दंड से संबंधित है। नोटिस में दो भूतल इकाइयों के साथ मेजेनाइन स्तर और तीन अस्थायी 10x10 इकाइयों का उल्लेख किया गया है, जो ईंट की चिनाई वाली दीवारों, लकड़ी के तख्तों, कांच के विभाजन और एसी शीट की छत के संयोजन का उपयोग करके बनाई गई हैं। नोटिस के अनुसार, ये निर्माण बिना अनुमति के किए गए थे। नोटिस में नगर निकाय ने अभिनेता को जवाब देने के लिए एक सप्ताह का समय दिया था कि उक्त भवन या कार्य को क्यों न हटाया जाए या उसमें परिवर्तन किया जाए या उसे गिरा दिया जाए या परिसर का उपयोग बहाल क्यों न किया जाए? गौरतलब है कि मिथुन चक्रवर्ती बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता हैं और उनकी काफी फैन फॉलोइंग भी है। एक जमाने में उनकी एक्टिंग और स्टाइल लोगों के सिर चढ़कर बोलती थी। वह अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते हैं।

स्वास्थ्य विभाग की महिला अधिकारी ने ली छह हजार की रिश्वत

सीहोर, 18 मई (एजेंसियां)। सीहोर जिले के भैरूंदा स्वास्थ्य विभाग की ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर और प्रभारी लेखापाल निशा अचले को 6 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त पुलिस ने रंगे हाथ पकड़ा है। लोकायुक्त पुलिस ने यह कार्रवाई रात के समय की, जब वह अपने घर के बाहर रिश्वत की राशि ले रही थीं। जानकारी के अनुसार, भैरूंदा क्षेत्र के गांव खजूरी की सीएचओ नर्मदी अश्वारे ने 15 मई को भोपाल लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक दुर्गेश राठौर को शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि भैरूंदा क्षेत्र में 27 उप-स्वास्थ्य केंद्र हैं। प्रत्येक केंद्र को वार्षिक 50 हजार रुपए और वेलनेस एक्टिविटी के लिए 5 हजार रुपए मिलते हैं। भैरूंदा स्वास्थ्य विभाग की ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर और प्रभारी लेखापाल निशा अचले द्वारा हर उप-स्वास्थ्य केंद्र से बिल-बाउचर जमा करने के बदले 2 हजार रुपए की रिश्वत मांगी जा रही थी। शिकायत के सत्यापन के बाद 16 मई को लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक भोपाल के निर्देशन में ट्रैप टीम बनाई गई। ट्रैप टीम में डीएसपी दिलीप झारबड़े, निरीक्षक उमा कुशवाह, प्रधान आरक्षक रामदास कुर्मी, नेहा परदेशी, यशवंत, आरक्षक चैतन्य प्रताप सिंह, अमित विश्वकर्मा और हिम्मत सिंह शामिल थे।

'चिकन पार्टी' वाला वीडियो मैंने ही बनाया था

मंत्री विजय शाह की सफाई के बाद 'चिकन पार्टी' की फाइल बंद

इंदौर, 18 मई (एजेंसियां)। वन विभाग के रेस्ट हाउस में कथित चिकन पार्टी का वीडियो खुद जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह ने ही बनाया था। इस पूरे मामले पर सफाई दी और कहा कि इसमें कोई ऐसा मामला नहीं है, जैसा दिखाया जा रहा है। जनवरी 2024 में दिए गए इंटरव्यू में शाह ने कहा- मैं उस दिन वन विभाग के रेस्ट हाउस में रुका था, लेकिन तब मैं मंत्री नहीं था। इसके बावजूद कर्मचारी मुझे मंत्री की तरह ही ले जा रहे थे। उन्होंने मुझे बताया कि मेरी मदद से जो फंड मिला था, उससे वहां सुविधाएं जुटाई गई हैं। वे ये सब दिखाना चाहते थे, इसलिए मैं उनके साथ गया और उसी दौरान मैंने खुद ही वह वीडियो बना लिया। शाह ने आगे कहा- कर्मचारियों ने पहले से ही भोजन का इंतजाम कर रखा था, उसमें चिकन भी बना था। लेकिन मैं खुद नॉनवेज खाता ही नहीं। न तो मेरे लिए कुछ अलग बनाया गया और न ही वहां कोई पार्टी जैसा आयोजन हुआ। शाह ने बताया कि कुछ महीने पहले ही उन्होंने चौकीदार हट के निर्माण के लिए बजट स्वीकृत करवाया था। जिस जगह वीडियो बना, वह चौकीदार हट है। पहले वहां की हालत बेहद खराब थी। हवाएं चलती थीं तो छत उड़ जाती थी। मैंने स्थायी रूप से पानी, सोलर एनर्जी और पक्की हट के लिए राशि स्वीकृत करवाई थी। चुनाव के बाद जब मैं वहां पहुंचा तो चौकीदार ने आग्रह किया कि देखिए साहब, आपके दिए पैसों से क्या बदलाव हुआ है। मैं सामान्य रूप से वहां चला गया। तब मैं मंत्री नहीं था, लेकिन उनके लिए तो मैं वही था। शाह ने वीडियो के वायरल होने पर कहा- 'इस मुद्दे को अनावश्यक तूल दिया जा रहा है। इससे किसी का कोई लाभ नहीं है। मैंने वन और वन्य जीवों के लिए जो काम किया है, उस पर किसी दिन विस्तार से बात करेंगे।' शाह ने दावा किया कि उनके कार्यकाल में मध्यप्रदेश को 'टाइगर स्टेट' का दर्जा मिला, जो वन संरक्षण के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जनवरी 2024 में मंत्री बनने के बाद जब जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह पहली बार इंदौर पहुंचे थे, उन्होंने कहा कि भाजपा पद को किसी की बपौती नहीं मानती। परिवर्तन आवश्यक है। पार्टी ने किसी को दरकिनार नहीं किया है, बल्कि पुराने नेताओं को अन्य जिम्मेदारियों में लगाया है।"

तिरंगा फहराकर या तिरंगे में लपेटकर वापस आऊंगा

ऑपरेशन सिंदूर पर कर्नल सोफिया की बहन को याद आए विक्रम बत्रा

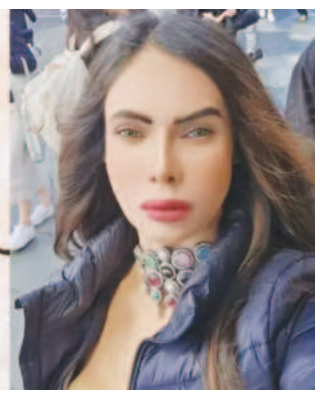

वडोदरा, 18 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बारे में देश को बताने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी प्रेस ब्रीफिंग के बाद से ही चर्चा में बनी हुई हैं अब इस ऑपरेशन को लेकर उनकी जुड़वा बहन शायना सुनसारा का एक बयान सामने आया है उन्होंने रविवार को गुजरात के वडोदरा में ऑपरेशन सिंदूर को समर्पित तिरंगा यात्रा में भाग लिया यहां उन्होंने कारगिल युद्ध में शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा का भी जिक्र किया शायना ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर देश के सभी सैनिकों का आभार जताया है उनका कहना था कि हमारे सैनिक देश की रक्षा करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं शायना सुनसारा ने तिरंगा यात्रा के दौरान कैप्टन विक्रम बत्रा का भी जिक्र किया उन्होंने कहा कि तिरंगे को देखकर मुझे कुछ पक्तियां याद आती हैं कैप्टन विक्रम बत्रा ने कहा था कि या तो मैं तिरंगा फहराकर वापस आऊंगा या तिरंगे में लिपटकर वापस आऊंगा, लेकिन वापस जरूर आऊंगा हमारे देश के सैनिक को जो निर्देश दिए जाते हैं, वह उन निर्देशों का पालन करने के लिए अपना जान की भी परवाह नहीं करते हैं

कौन हैं शायना सुनसारा?

शायना सुनसारा कर्नल सोफिया कुरैशी की जुड़वा बहन हैं शायना और कर्नल सोफिया दोनों का जन्म गुजरात के वडोदरा में एक सैन्य परिवार में हुआ था कर्नल सोफिया की तरह शायना भी काफी फेमस हैं शायना पेशे से एक मॉडल, फैशन डिजाइनर एक्टर और को प्रोड्यूसर हैं इसके साथ वह एक राइफल शूटिंग की अच्छी खिलाड़ी भी हैं शायना ने राइफल शूटिंग में गोल्ड मेडल अपने नाम कर चुकीं हैं

शायना को मिल चुका है दादा साहब फाल्के पुरस्कार

कर्नल सोफिया की बहन को 2018 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है शायना इंस्टाग्राम पर भी काफी एक्टिव रहती हैं वह इंस्टाग्राम पर फिटनेस से रिलेटेड वीडियो शेयर करती रहती हैं शायना को मिस गुजरात के खिताब से भी सम्मानित किया जा चुका हैं शायना को पर्यावरण से बहुत अधिक प्रेम है वह गुजरात में लगभग 1 लाख से ज्यादा पेड़ लगा चुकी हैं इतना ही नहीं शायना को गुजरात की 'वंडर वुमन' के नाम से भी जाना जाता है

'मैंने 2019 में भाजपा को सत्ता में आने से रोका

इसलिए ईडी ने मुझे गिरफ्तार किया', राउत का दावा

मुंबई, 18 मई (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने दावा किया है कि प्रवर्तन निदेशालय की ओर से कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उन्हें गिरफ्तार करने के पीछे मुख्य वजह यह थी कि उन्होंने 2019 में महाराष्ट्र में भाजपा को सत्ता में आने से रोका था। अपनी पुस्तक 'नरकतला स्वर्ग' (नरक में स्वर्ग) में राउत ने यह भी दावा किया कि उनके खिलाफ कार्रवाई इसलिए की गई, क्योंकि वह उस वर्ष सत्ता में आई उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार का सुरक्षा कवच थे। पुस्तक राउत के जेल में बिताए उन अनुभवों के बारे में है, जब ईडी ने उन्हें 2022 में ठाकरे सरकार के गिरने के तुरंत बाद कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। बाद में राउत को जमानत मिल गई थी। उन्होंने कहा, 'मेरे खिलाफ कार्रवाई के पीछे मुख्य कारण यह था कि मैंने भाजपा को सत्ता में आने से रोका। मैं ठाकरे सरकार के लिए एक सुरक्षात्मक दीवार था।' उन्होंने दावा किया, 'एकनाथ शिंदे सरकार असंवैधानिक तरीकों से बनाई गई थी। शिंदे और तत्कालीन उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस दोनों एक बात पर सहमत रहे होंगे कि अगर सरकार को काम करना है, तो राउत को सलाखों के पीछे होना चाहिए।'

'105 सीटें जीतने के बावजूद विपक्ष में बैठना पड़ा'

राउत ने कहा कि भाजपा इस बात से आहत है कि उसे 2019 के चुनावों में 288 सदस्यीय विधानसभा में 105 सीटें जीतने के बावजूद विपक्ष में बैठना पड़ा। शिवसेना ने शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ हाथ मिला लिया, जिससे भाजपा को विपक्ष में बैठना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि भाजपा 2019 में महाराष्ट्र में सरकार न बना पाने का कारण राउत को मानती है। भाजपा को हमेशा इसका अफसोस रहा है। भाजपा और शिवसेना ने 2019 का विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ा था, लेकिन मुख्यमंत्री पद को लेकर शिवसेना ने भाजपा से नाता तोड़ लिया। बाद में यह कांग्रेस और (अविभाजित) एनसीपी वाली महा विकास अघाड़ी का हिस्सा बन गई। एमवीए सरकार का नेतृत्व ठाकरे ने किया।

इसलिए रची गई सरकार को गिराने की साजिश

भाजपा के आलोचक माने जाने वाले राज्यसभा सांसद ने कहा कि पूर्व सहयोगी दल 2019 में उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री के रूप में नहीं देख सकता था, इसलिए उसके नेताओं ने उनकी सरकार को गिराने की साजिश रची। उन्होंने कहा कि सरकार के पास 170 विधायकों का बहुमत होने के कारण यह संभव नहीं था कि उनका 'ऑपरेशन लोटस' सफल हो। यही कारण है कि केंद्रीय एजेंसियां युद्ध के मैदान में उतरीं।

अनिल देशमुख, नवाब मलिक और संजय राउत को निशाना बनाया गया

उन्होंने कहा, 'अनिल देशमुख, नवाब मलिक और संजय राउत को लक्ष्य बनाया गया था।' संघीय एजेंसी ने एक राजनीतिक एजेंडा तय किया था और महाराष्ट्र में गिरफ्तार किए जाने वाले एमवीए नेताओं की एक सूची बनाई थी। किताब में दावा किया गया कि सूची में देशमुख, मलिक और राउत शामिल थे। देशमुख और मलिक दोनों एनसीपी से हैं और ठाकरे सरकार में मंत्री थे। ईडी ने अविभाजित शिवसेना के 40 विधायकों (शिंदे सहित) में से 11 पर शिकंजा कस दिया था, जिन्होंने ठाकरे के खिलाफ विद्रोह किया था। राउत ने दावा किया कि ईडी अविभाजित शिवसेना के कुछ सांसदों को भी गिरफ्तार करने जा रही थी।

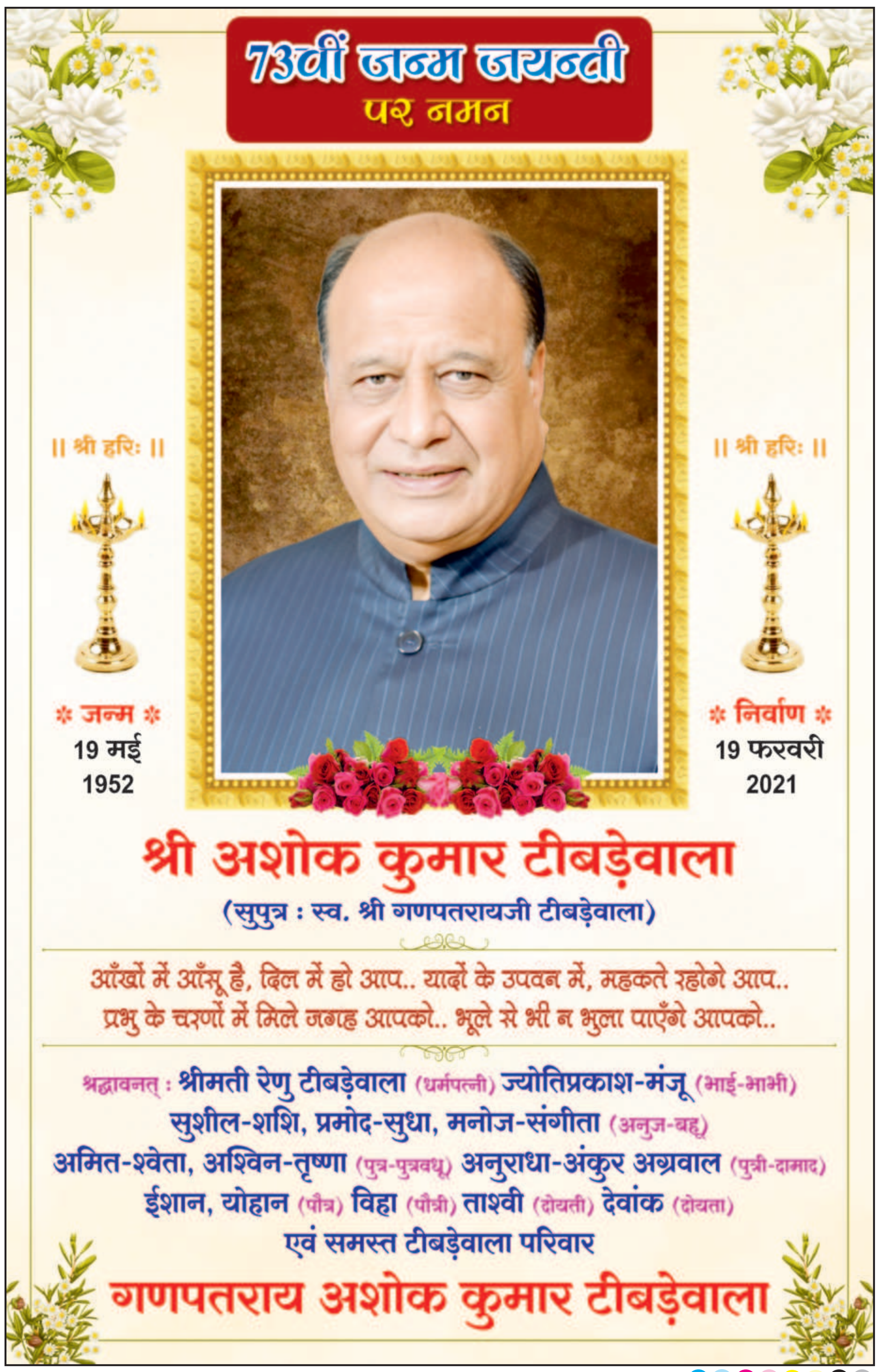

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 19 मई, 2025 3

सुविचार
जीत भले एक बार में ना मिले पर आपके पास एक हार का अनुभव है उससे आप आगे जीत सकते हो।

भावी पीढ़ी के लिए "एक राष्ट्र-एक चुनाव" कार्यक्रम की जरूरत : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री किशन रेड्डी ने आज शहर में आयोजित 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' राष्ट्रव्यापी जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि आजादी के 76 साल पूरे हो गए हैं, लेकिन अभी भी हम अंग्रेजों की नीतियों को अपना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हमेशा कहते हैं कि देश में मौजूदा राजनीतिक और आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार भारतीय कानूनों में बदलाव किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हालांकि उन्होंने कुछ कानून बदले हैं, लेकिन कानून बदलने के दौरान उन्हें संचालन दलों की ओर से अवरोधों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, इसके तहत प्रधानमंत्री लगातार कहते रहते हैं कि लोगों को एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए, लोगों के बीच जाएं और जागरूकता पैदा करने का प्रयास करें। इस प्रक्रिया में राजनीतिक दलों, बुद्धिजीवियों, विश्लेषकों पर दबाव डाला जाना चाहिए और यह एक जन आंदोलन बनना चाहिए। देश में जहां भी चुनाव होते हैं, पूरे देश में चर्चा होती है, इसलिए काम के कई घंटे बर्बाद होते हैं। अगर एक साथ चुनाव होते हैं तो ऐसी स्थिति से बचा नहीं जा सकता है। रेड्डी ने कहा कि देश में बदलाव की जरूरत है और उन्होंने कहा कि यह मोदी के नेतृत्व में आएगा। यह जीएसटी के मामले में हो सकता है, यह अनुच्छेद 370 के मामले में हो सकता है। यह मोदी की दृढ़ता से ही संभव हुआ है। ट्रिपल तलाक के मामले में भी यही सच है।

वोट के लिए ट्रिपल तलाक जारी रखा गया। सुप्रीम कोर्ट के फैसला देने के बाद भी इसे जारी रखा गया। रेड्डी ने कहा कि मोदी सरकार आतंकवाद को उसकी जड़ों से उखाड़ने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के बाद उन्होंने मोमबत्ती मार्च निकालकर अपनी संवेदना व्यक्त नहीं की बल्कि पाकिस्तान के ठिकानों को उड़ा दिया। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ियों को एक अच्छा देश प्रदान करने के लिए एक राष्ट्र एक चुनाव जरूरी है और कहा कि इसके लिए लोगों को सहयोग करना चाहिए।

सीएमओ ओएसडी बनकर ठगी करने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिसने खुद को मुख्यमंत्री कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) बताकर व्यापारियों को धमकाया और पैसे की मांग की। कुछ लोगों को व्हाट्सएप नंबर और ईमेल के ज़रिए संदेश मिला था जिसमें उनसे कुछ पैसे देने के लिए कहा गया था, नहीं तो अलग-अलग विभागों द्वारा छापे मारे जाएँगे। भेजने वाले ने अन्य मदद की भी मांग की थी। उस व्यक्ति ने खुद को तेलंगाना सीएमओ में काम करने वाला एक शीर्ष अधिकारी बताया था। एक व्यापारी ने सीएमओ से संपर्क कर उस व्यक्ति के बारे में पूछताछ की। इसकी जानकारी होने पर सीएमओ के अधिकारियों ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई। मामला दर्ज कर लिया गया है।

शब्बीर अली ने हज यात्रियों को विदाई दी

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने रविवार को निजामाबाद जिले के 390 हज यात्रियों को हार्दिक शुभकामनाएं और दिल से दुआएं दीं, जो नामपल्ली स्थित हज हाउस से 12वें काफिले के हिस्से के रूप में रवाना हुए। तेलंगाना राज्य हज समिति के अध्यक्ष खुसरो पाशा बियाबानी और अन्य गणमान्य लोगों के साथ शब्बीर अली ने हज यात्रियों को भावभीनी विदाई दी और उनसे जीवन में एक बार मिलने वाले इस अवसर को पूरी निष्ठा और अनुशासन के साथ अपनाने का आग्रह किया। प्रस्थान से पहले हज यात्रियों को संबोधित करते हुए शब्बीर अली ने उन्हें हज यात्रा की पवित्रता और आध्यात्मिक महत्व की याद दिलाई।

उन्होंने कहा कि पवित्र काबा की पहली झलक ईश्वरीय जुड़ाव का क्षण होता है और उस पल की गई प्रार्थनाएं अक्सर स्वीकार की जाती हैं। आध्यात्मिक ध्यान और व्यक्तिगत अनुशासन की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, हज कोई छुट्टी नहीं है। यह क्षमा मांगने, आत्मचिंतन करने और अपने अल्लाह से जुड़ने का अवसर है। मोबाइल फोन का इस्तेमाल आपातकालीन स्थितियों तक ही सीमित रखें और ध्यान भटकाने वाली चीजों से बचें। अपनी जुबान, दिल और दिमाग को अल्लाह की याद में व्यस्त रखें। शब्बीर अली ने अपने संबोधन का समापन एक दिल से की गई दुआ के साथ किया। अल्लाह आपके हज, आपकी दुआओं और आपके सभी प्रयासों को स्वीकार करे। हमारे देश और खासकर तेलंगाना की शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना करें।

मिस वर्ल्ड को सुरक्षा और तकनीकी उत्कृष्टता का प्रदर्शन

टीजीआईसीसीसी में प्रतिभागियों का दौरा

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रौद्योगिकी और सुरक्षा के प्रदर्शन में, 107 प्रतिभागियों ने आज तेलंगाना पुलिस एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र (टीजीआईसीसीसी) का दौरा किया, जहां उन्हें राज्य के उन्नत सुरक्षा नेटवर्क का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ। चल रहे 72वें मिस वर्ल्ड फेस्टिवल के हिस्से के रूप में आयोजित यह दौरा, विश्व स्तरीय सार्वजनिक सुरक्षा और सुरक्षित पर्यटन के लिए तेलंगाना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस दौरे की शुरूआत घुड़सवार पुलिस द्वारा प्रवेश द्वार से उतरने के स्थान तक भव्य अनुरक्षण के साथ हुई, जिसने इस अवसर को एक औपचारिक स्पर्श दिया।

अपनी प्रभावशाली लेकिन आकर्षक उपस्थिति के लिए जाने जाने वाले घुड़सवार पुलिस ने प्रतिभागियों को मैदान में घुमाया, जो तेलंगाना के सुरक्षा बलों के अनुशासन और ताकत को दर्शाता है। इसके बाद पाइप बैंड प्रदर्शन और एक आकर्षक डॉग शो के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया गया, जिसमें विभिन्न सुरक्षा अभियानों के लिए प्रशिक्षित के9 इकाइयों की सटीकता और चपलता का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में एक प्रभावशाली शस्त्र प्रदर्शनी भी शामिल थी, जिसमें प्रतिभागियों को तेलंगाना पुलिस द्वारा सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले उन्नत हथियारों और सुरक्षात्मक गियर को करीब से देखने का मौका मिला।

कमांड और कंट्रोल सेंटर में प्रवेश करने पर, प्रतिभागियों को अत्याधुनिक तकनीक और परिष्कृत प्रणालियों से परिचित कराया गया, जो हैदराबाद के सार्वजनिक सुरक्षा बुनियादी ढांचे की रीढ़ हैं।

टीजीआईसीसीसी, जिसे एकीकृत कमांड और कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) के रूप में भी जाना जाता है, एक अत्याधुनिक सुविधा है जिसे आपात स्थितियों की निगरानी, प्रबंधन और त्वरित और कुशलता से प्रतिक्रिया करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह हैदराबाद सिटी पुलिस के लिए तंत्रिका केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो महत्वपूर्ण स्थितियों के दौरान त्वरित और समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न डेटा स्रोतों, निगरानी फ़ीड और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों को एकीकृत करता है। प्रतियोगियों को सुविधा का विस्तृत दौरा कराया गया, जिसमें उन्होंने प्रत्यक्ष रूप से देखा कि कैसे सार्वजनिक सुरक्षा और शहरी प्रबंधन को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी, डेटा एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को सहजता से एकीकृत किया जाता है।

दौरे का समापन एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों को तेलंगाना की समृद्ध विरासत और कलात्मक विविधता की झलक देखने को मिली। इस यात्रा पर विचार करते हुए, मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन की अध्यक्ष और सीईओ जूलिया मोर्ले सीबीई ने कहा, सार्वजनिक सुरक्षा और नवाचार के लिए तेलंगाना सरकार की प्रतिबद्धता को देखना वास्तव में प्रेरणादायक है। टीजीआईसीसीसी इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि कैसे प्रौद्योगिकी और समर्पित पुलिसिंग एक साथ मिलकर निवासियों और आगंतुकों के लिए एक सुरक्षित वातावरण बना सकती है। इस यात्रा ने हमारे प्रतियोगियों को जीवंत, सुरक्षित समुदायों के निर्माण में सुरक्षा के महत्व की गहरी समझ दी है। तेलंगाना के विश्व स्तरीय सुरक्षा बुनियादी ढांचे का अनुभव करने के इस अनूठे अवसर ने न केवल राज्य की तकनीकी क्षमता को उजागर किया, बल्कि वैश्विक पर्यटन के लिए एक अग्रगामी गंतव्य के रूप में इसकी स्थिति को भी मजबूत किया।

जैसे-जैसे प्रतियोगी 72वें मिस वर्ल्ड पेजेंट में अपनी यात्रा जारी रखेंगे, टीजीआईसीसीसी की यह यात्रा निस्संदेह एक यादगार अनुभव रहेगी, जो एक प्रगतिशील और स्वागत करने वाले समाज को आकार देने में सुरक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करेगी।

शहर में लगी आग से पूर्व सीएम केसीआर स्तब्ध

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सीएम और बीआरएस पार्टी प्रमुख केसीआर ने गुलजार हौज में आग दुर्घटना में 17 लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने राज्य सरकार को आग दुर्घटना में घायल लोगों को बेहतर चिकित्सा उपचार प्रदान करने और मृतकों के परिवारों को पर्याप्त वित्तीय सहायता प्रदान करने की सलाह दी। उन्होंने सरकार को सतर्क रहने और भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उचित सावधानी बरतने की भी सलाह दी। उन्होंने मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। केसीआर ने मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने कहा कि हैदराबाद के पुराने शहर में गुलजार हाउस में आग दुर्घटना के विवरण के बारे में जानकर वह स्तब्ध और दुखी हैं। उन्होंने कहा, यह दुखद घटना बहुत ही हृदय विदारक है। मैं इस त्रासदी में अपनी जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। केटीआर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आग पर जल्द ही काबू पा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को जिम्मेदारी लेनी चाहिए और घायलों को बेहतर मुफ्त इलाज मुहैया कराने के लिए विशेष व्यवस्था करनी चाहिए। केटीआर ने सुझाव दिया कि स्थानीय बीआरएस पार्टी के नेताओं को दुर्घटना स्थल पर राहत कार्यों में भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को आग दुर्घटना के कारणों की गहन जांच करनी चाहिए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए। केटीआर ने सरकार से प्रभावित परिवारों को पर्याप्त मुआवजे की घोषणा करने का आग्रह किया। उन्होंने हैदराबाद के सभी लोगों से इस त्रासदी के समय में एकजुट होकर पीड़ितों का समर्थन करने की अपील की। (एनएसएस) पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक हरीश राव ने आज दुख व्यक्त करते हुए कहा कि आग की घटना बेहद दर्दनाक थी। उन्होंने सरकार से आग में फंसे परिवारों को बचाने और घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य और हैदराबाद शहर में आग की दुर्घटनाओं की श्रृंखला के बावजूद, सरकार निवारक उपाय करने में बुरी तरह विफल रही है और कहा कि गर्मी के मौसम में आग दुर्घटनाओं को रोकने के लिए निवारक रणनीति अपनाने में सरकार की विफलता उसकी लापरवाही को दर्शाती है। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि वह अपनी आंखें खोले और अग्निशमन विभाग की तैयारियों की तुरंत समीक्षा करे। हरीश राव ने मांग की कि सरकार आग पीड़ितों के परिवारों को 25-25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा करे।

एटीएम से अतिरिक्त नोट निकलने पर उमड़ पड़ी भीड़

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात पुराने शहर के याकूतपुरा स्थित एक एटीएम केंद्र पर सचमुच नकदी की बारिश हो गई। मोइनबाग स्थित अनमोल होटल के पास स्थित एटीएम सेंटर पर पहुंचे लोग यह देखकर आश्चर्यचकित रह गए कि एटीएम मशीन में उन्होंने जितनी राशि डाली थी, उससे कहीं अधिक नकदी निकल रही थी। स्थानीय निवासी 2 लोगों ने कथित तौर पर 3,000 रुपये डाले और उन्हें हैरानी हुई कि मशीन से 4,000 रुपये निकल गए। जब उन्होंने ट्रांजेक्शन हिस्ट्री चेक की तो उन्हें एसएमएस मिला कि उनके खाते से 3,000 रुपये कट गए हैं।

एटीएम केंद्र पर उपस्थित कुछ अन्य लोगों ने भी इसे आजमाया और उन्हें यह देखकर आश्चर्य हुआ कि मशीन से वास्तव में निकासी के लिए दर्ज की गई राशि से अधिक राशि निकल रही थी। इस बारे में सुनते ही लोग एटीएम सेंटर की ओर दौड़ पड़े और पैसे निकालने लगे।

एक व्यक्ति ने बताया कि उसने 1500 रुपए डाले थे और मशीन से 1800 रुपए निकले। घटना को देखने वाले एक स्थानीय निवासी ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को तितर-बितर किया। बाद में पुलिस ने एटीएम सेंटर का शटर गिरा दिया और उसे बंद कर दिया। बैंक अधिकारियों को भी इसकी सूचना दी गई। बैंक अधिकारियों ने पुलिस को बताया कि मशीन में कुछ तकनीकी समस्या आ गई होगी और इसी वजह से अतिरिक्त राशि निकल रही थी। बाद में पुलिस ने एटीएम सेंटर पर लोगों की भीड़ को रोकने के लिए चौकी तैनात कर दी। बाद में बैंक अधिकारी रात में पहुंचे और समस्या को ठीक किया।

हेडमास्टर ने एसएससी टॉपर्स को भेजा विशाखापत्तनम

पेड्डापल्ली, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए एक स्कूल के प्रधानाध्यापक ने एक अभिनव विचार अपनाया और दो एसएससी टॉपरों को विशाखापत्तनम दौरे पर ले गए। बेगमपेट हाई स्कूल में पढ़ने वाली पगला रसिता और श्रीमंथुला रोहिता माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र परीक्षा में उच्चतम अंक हासिल करके मंडल टॉपर बनीं। रसिता को 558 अंक मिले, वहीं रोहिता को 557 अंक मिले। छात्रों के प्रदर्शन से प्रभावित होकर स्कूल के प्रधानाध्यापक मलका रामकिशन राव रविवार को उन्हें पर्यटक स्थलों को दिखाने के लिए विमान से विशाखापत्तनम ले गए। प्रधानाध्यापक ने अपने खर्च पर छात्रों को पर्यटक स्थलों की सैर कराई। बेगमपेट के निवासियों ने छात्रों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए रामकिशन राव की सराहना की। हेडमास्टर ने भी छात्रों को प्रोत्साहित करके एसएससी में शत-प्रतिशत परिणाम प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत की थी।

मैलारदेवपल्ली में आग लगने की घटना में 50 लोगों को बचाया गया

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मैलारदेवपल्ली में आग लगने वाली इमारत में फंसे 50 लोगों को रविवार सुबह दमकल कर्मियों ने बचा लिया। बचाए गए लोगों में 15 साल से कम उम्र के 16 बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, सुबह करीब सात बजे उदमगड्डा स्थित एक भूतल एवं तीन मंजिली इमारत में आग लग गई। सूचना मिलने पर चंद्रायनगुट्टा से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और इमारत में फंसे 50 लोगों को बचाया। दमकलकर्मियों ने सीढ़ियों की मदद से इमारत में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इमारत में रहने वाले लोग निचली मंजिलों पर आग लगने की सूचना मिलने पर इमारत की छत पर पहुंचे थे। दमकलकर्मियों ने 90 मिनट के भीतर आग पर काबू पा लिया। अधिकारियों को संदेह है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी।

केसीआर ने शहीद किस्तैया की बेटी को आर्थिक सहायता दी

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी प्रमुख और तेलंगाना के पहले मुख्यमंत्री केसीआर एक बार फिर शहीद पुलिस कांस्टेबल किस्तैया के परिवार के साथ खड़े हुए हैं, जिन्होंने तेलंगाना राज्य के गठन के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। केसीआर ने किस्तैया की बेटी की मेडिकल शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की है। वादे के मुताबिक केसीआर शहीद कांस्टेबल किस्तैया के परिवार को अपना समर्थन जारी रखेंगे। रविवार को केसीआर ने एर्रवली स्थित अपने आवास पर किस्तैया के परिवार के सदस्यों से विनम्रतापूर्वक मुलाकात की। उन्होंने किस्तैया की पत्नी को उनकी बेटी प्रियंका की पीजी मेडिकल शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की। प्रियंका ने केसीआर के पूर्ण वित्तीय समर्थन से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की। केसीआर ने यह जानकर खुशी व्यक्त की कि किस्तैया के बेटे राहुल की शादी तय हो गई है। उन्होंने किस्तैया के परिवार को आश्वासन दिया कि भविष्य में भी उनका पूरा समर्थन जारी रहेगा।

बारातियों को ले जा रही मिनीवैन पलटी

30 लोग घायल, 4 की हालत गंभीर

आदिलाबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात सिरिकोंडा मंडल के नेराडिगोंडा (जी) गांव में एक मिनीवैन के पलट जाने से बारात में शामिल दूल्हे सहित लगभग 30 लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि रात करीब 11.30 बजे गांव के पास एक मोड़ पर ब्रेक फेल होने के कारण वैन पलट गई, जिससे उसमें सवार 29 लोगों को मामूली चोटें आईं। उन्हें तुरंत राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस)-आदिलाबाद में भर्ती कराया गया। गांव के चार घायल रवदु, मंथु, कुमरा ईश्वर और गंगा प्रसाद की हालत गंभीर बताई जा रही है।

नेराडिगोंडा (जी) के एक युवक की शादी कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के जैनूर मंडल के बुसीमेट्टा गांव की एक लड़की के साथ 22 मई को होनी थी। घटना के समय दूल्हे के रिश्तेदार और परिवार के सदस्य शादी की रस्में निभाने के बाद नेराडिगोंडा (जी) जा रहे थे।

वे 10 मिनट में गांव पहुंचने वाले थे। दुर्घटना का कारण चालक द्वारा तेज गति से वाहन चलाना माना जा रहा है।

एलपीजी सिलेंडर से लदे ट्रकों के पास खड़े तेल टैंकर में लगी आग

हैदराबाद के चेर्लापल्ली में बड़ा हादसा टला

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चेर्लापल्ली में रविवार को उस समय एक बड़ा हादसा टल गया जब एलपीजी सिलेंडरों से लदे ट्रकों के पास खड़े तेल से भरे एक टैंकर में आग लग गई। यह घटना चेर्लापल्ली रोड पर हुई जहां तेल टैंकर एलपीजी सिलेंडरों से लदे ट्रकों के करीब खड़ा था। वाहन की बैटरी फटने के बाद तेल टैंकर में आग लग गई। सूचना मिलने पर चेर्लापल्ली फायर स्टेशन से एक दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर तुरंत काबू पा लिया। एहतियात के तौर पर, दमकल कर्मियों ने किसी भी दुर्घटना को रोकने के लिए एलपीजी सिलेंडर पर पानी छिड़का। बाद में एलपीजी सिलेंडर के ट्रकों को सुरक्षित दूरी पर ले जाया गया। बाद में क्रेन की मदद से तेल टैंकर को सड़क से हटाया गया।

एससीसीएल मेगा जॉब मेला गोदावरीखानी में किया जाएगा

पेद्दापल्ली, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को गोदावरीखानी स्थित जवाहरलाल स्टेडियम में आयोजित होने वाले मेगा जॉब मेले के लिए मंच पूरी तरह तैयार है। कोयला क्षेत्र के युवाओं और कोयला खनिकों के बच्चों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड एक रोजगार मेला आयोजित कर रही है और इसके लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। हैदराबाद और अन्य क्षेत्रों से लगभग 100 युवा इस मेले में भाग लेंगे तथा विभिन्न नौकरियों के लिए 3,000 युवाओं की भर्ती करेंगे।

एससीसीएल के चेयरमैन एन बलराम ने एक बयान में अन्य कोयला बेल्ट क्षेत्रों में भी इसी तरह के रोजगार मेले आयोजित करने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सिंगरेनी एससीसीएल में युवाओं को रोजगार प्रदान करने के साथ-साथ अन्य संगठनों में रोजगार हासिल करने में उनकी मदद करने के लिए कदम उठा रही है। उन्होंने युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाने को कहा। उन्होंने बताया कि एससीसीएल ने युवाओं को रोजगार सुरक्षित करने के लिए प्रशिक्षित करने हेतु रामागुंडम-I, मंदामरी और भूपालपल्ली क्षेत्रों में कौशल विकास केंद्र स्थापित किए हैं। उन्होंने युवाओं को उनके चुने हुए करियर में रोजगार सुरक्षित करने में मदद करने के लिए अधिक कोयला बेल्ट क्षेत्रों में और अधिक केंद्र स्थापित करने का आश्वासन दिया।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं. VSKP-ELG-TL-AC 25-26-04, दिनांक : 12.05.2025

कार्य का नाम : विशाखापट्टनम कोचिंग डिपो के 63 कोचों के लिए उच्च क्षमता IV कपलर (500 AMPS) और 150 वर्ग मि.मी. फीडर केबल का प्रावधान।

निविदा मूल्य (₹): 41,22,896.40, बिड सिक्योरिटा (₹): 82,500.00, पूरा होने की अवधि : 120 दिन।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक : 04.06.2025 को 1330 बजे, निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक : 04.06.2025 को 1600 बजे।

निविदा दस्तावेज के संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

निविदाकारों को इस निविदा के लिए जारी कोई भी शुद्धिपत्र के लिए वेबसाइट देखना जरूरी है।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (G), वाल्टियर

PR-133/Q/25-26

सपा-ब्रजेश पाठक के बीच जुबानी जंग

अब अखिलेश की एंट्री, लिखा-आपमें कभी ऐसा विचलन न था, बदलाव पर आत्ममंथन कीजिए

लखनऊ, 18 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के डीएनए को लेकर विवादित पोस्ट की गई। इस पर डीप्टी सीएम भड़क गए। उन्होंने सपा पर जमकर हमला बोला। यही नहीं उन्होंने सपा की सोच पर सवाल खड़ा करते हुए पोस्ट में डिंपल यादव तक का जिक्र कर डाला। सोशल मीडिया पर की गईं इन पोस्ट के बाद सियासी बयानबाजी शुरू हो गई। कई जिलों में भाजपाइयों ने सपा के खिलाफ प्रदर्शन करके पुतला तक पूंका।
जारी बयानबाजी के बीच अब अखिलेश यादव ने अपने एक्स हैंडल से एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने ब्रजेश पाठक को आत्ममंथन करने की सलाह दी है। अखिलेश ने लिखा कि आपके विचारों में पहले कभी भी ऐसा विचलन न था। जिससे आप व्यक्तिगत स्तर पर आदर्श को भूल जाएं और अपना शाब्दिक संतुलन खो बैठें। आपको एकांत में बैठकर चिंतन करना चाहिए।

आपके बयान भी किसी तरह उचित नहीं ठहाराए जा सकते

अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि 'हमने उप मुख्यमंत्री की टिप्पणी का संज्ञान लेकर पार्टी स्तर पर उन लोगों को समझाने की बात कही है जो समाजवादियों के डीएनए पर दी गई आपकी 'अति अशोभनीय टिप्पणी' से आहत होकर अपना आपा खो बैठे। हमने उनसे आश्वासन ले लिया है कि आगे से ऐसा न हो। लेकिन, आपसे भी यही आशा है कि आप जिस तरह की बयानबाजी निंरतर करते आए हैं उस पर भी विराम लगेगा। आप जिस स्तर के बयान देते हैं वो भले आपको अपने व्यक्तिगत स्तर पर उचित लगते हों, लेकिन आपके पद की मर्यादा और शालीनता के पैमाने पर किसी भी तरह उचित नहीं ठहाराए जा सकते है।'
उन्होंने आगे लिखा कि 'एक स्वास्थ्य मंत्री के रूप में आपसे ये अपेक्षा है कि आप ये समझते होंगे कि किसी के व्यक्तिगत 'डीएनए' पर भद्दी बात करना दरअसल किसी व्यक्ति नहीं वरन युगों-युगों तक पीछे जाकर उसके मूलवंश और मूल उद्गम पर आरोप लगाना है। ऐसे में आपसे आग्रह है कि राजनीति करते-करते आप अपनी नैतिकता न भूलिए और न ही धर्म जैसी संवेदनशील भावना को जाने-अंजाने में ठेस पहुंचाइए।'
इस बात को यहीं खत्म समझा जाए अखिलेश यहीं नहीं रुके उन्होंने आगे लिखा कि 'आशा है आप अपनी टिप्पणी के लिए अपने अंदर बैठे हुए उस अच्छे इंसान से क्षमा मांगेंगे, जो पहले ऐसा न था। आप यदि एकांत में बैठकर अपने विगत वर्षों के व्यवहार, विचार और व्यक्तित्व का निष्पक्ष अवलोकन करेंगे तो पाएंगे कि मूल रूप से आपके विचारों में पहले कभी भी ऐसा विचलन न था, न ही आपकी राजनीतिक आकांक्षाएं ऐसी थीं कि आप व्यक्तिगत स्तर पर आदर्श को भूल जाएं और अपना शाब्दिक संतुलन खो बैठें। आशा है इस बात को यहीं खत्म समझा जाएगा।'

सोते हुए किशोर को कोबरा ने दो बार डंसा, मौत

बागपत, 18 मई (एजेंसियां)। छपरौली के लूंब गांव में रात को होटल में सो रहे रसोइया मनोज (17) को कोबरा सांप ने दो बार डस लिया। उसे चिकित्सक के यहां ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। कोबरा सांप के डसने की पूरी घटना होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। रसोइया की मौत के बाद ग्रामीणों ने सांप को पकड़वा दिया। लूंब गांव निवासी कमलेश का छोटा बेटा मनोज गांव के ही एक होटल पर रसोइया था, जो रात में होटल में ही सो जाता था। शुक्रवार रात मनोज होटल में सो रहा था। रात करीब साढ़े तीन बजे एक सांप होटल के कमरे में आ गया। उसने मनोज के हाथ में डस लिया। मनोज उठा और आसपास देख लगा। कुछ दिखाई नहीं दिया तो वह सो गया। इसके बाद भी कोबरा सांप वहीं पर घूमता रहा और दोबारा मनोज के पेट पर डस लिया। इससे मनोज नींद से जाग गया और जैसे ही वह उठा तो बिस्तर पर सांप दिखाई दिया।

'जातीय जनगणना पर झूठ फैला रहे हैं राहुल गांधी'

जेडीयू ने साधा निशाना

सीवान, 18 मई (एजेंसियां)। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) सीवान इकाई की ओर से जिला अतिथि गृह के सभागार में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष चन्द्रकेतु सिंह ने कहा कि राहुल गांधी जातीय जनगणना को लेकर जो बयान दे रहे हैं, वह पूरी तरह से झूठ और भ्रम फैलाने वाला है। उन्होंने राहुल गांधी को 'राजनीतिक लंपट' बताया और कहा कि जनता उन्हें गंभीरता से नहीं लेती।
चन्द्रकेतु सिंह ने कहा कि जातीय जनगणना को सबसे पहले बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने शुरू किया। कांग्रेस पार्टी ने कभी भी इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया। राहुल गांधी इसे तेलंगाना मॉडल से जोड़ रहे हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि तेलंगाना ने बिहार का ही अनुसरण किया है। उन्होंने बताया कि तेलंगाना सरकार ने आज तक जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए, जबकि बिहार सरकार ने 215 पन्नों की रिपोर्ट जारी की है, जिसमें 215 जातियों की सूची दी गई है। राहुल गांधी ने जो यह आरोप लगाया कि उन्हें बिहार पुलिस ने रोका, वह पूरी तरह से झूठ है। अगर उन्हें रोका गया होता तो वे पहुंचे कैसे? यह सिर्फ एक राजनीतिक नाटक है। चन्द्रकेतु सिंह ने कांग्रेस को भी घेरा और कहा कि यह वही पार्टी है जिसने आपातकाल के समय संविधान और प्रेस की स्वतंत्रता को कुचला था, और आज लोकतंत्र की बातें कर रही है। इस मौके पर जदयू के अन्य वरिष्ठ नेता जैसे मुख्य प्रवक्ता निकेश चंद्र तिवारी, जिला प्रवक्ता सुनील कुमार, मीडिया प्रभारी संतोष कुंवर और जिला उपाध्यक्ष संजय कुमार सिंह भी मौजूद थे।

प्रशांत किशोर का बड़ा दांव

नीतीश के 'राम' पीके के साथ आरसीपी सिंह जन सुराज में आए

पटना, 18 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में मंत्री और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे आरसीपी सिंह ने जन सुराज की सदस्यता रविवार को ग्रहण कर ली। पिछले दिनों उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को छोड़कर अपनी नई पार्टी बनाई थी।
रविवार को उन्होंने इस पार्टी का विलय प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज में कर दिया। भाजपा में आने के पहले रामचंद्र प्रसाद सिंह जदयू कोटे से केंद्र में मंत्री बने थे। माना जाता है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मर्जी के खिलाफ तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साथ देने के कारण जदयू ने उनसे नाता तोड़ लिया था। बाद में जब नीतीश कुमार खुद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में वापस आए तो आरसीपी सिंह का भाजपा में रहना बेकार साबित हो रहा था। वह बिल्कुल किनारे पड़े थे। प्रशांत किशोर ने इस मौके का फायदा उठाया और उन्हें अपने साथ बुला लिया। आरसीपी सिंह ने बिहार में जनता दल यूनाइटेड के संगठन को खड़ा करने में बेहद अहम भूमिका निभाई थी और माना जा रहा है की पीके की नजर में यही खूबी उनके काम आएगी।

आरसीपी ने जदयू नेताओं से की यह अपील

पत्रकारों से बातचीत करते हुए आरसीपी सिंह ने कहा कि मैंने अपनी पार्टी आसा (आप सब की आवाज) का विलय जन सुराज में कर दिया। मैं जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर का आभार जताता हूं। आरसीपी सिंह ने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि अपनी पार्टी का विलय जनसुराज में करूंगा, लेकिन ऊपरवाले को यही मंजूर था। जनता दल यूनाईटेड के नेताओं से अपील है कि जो लोग सीएम नीतीश कुमार की असली सोच से जुड़े थे, वह अब हमारे साथ आ जाएं। क्योंकि अब जदयू में राजनीति और जनसेवा जैसी कोई चीज नहीं बची।

पिछले साल आरसीपी सिंह ने बनाई थी अपनी पार्टी

पिछले साल 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती पर जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र प्रसाद सिंह (आरसीपी सिंह) ने अपनी नई पार्टी बनाई थी। इसका नाम उन्होंने 'आसा' रखा था। मतलब समझाते हुए आरसीपी सिंह ने कहा था कि मेरी नई पार्टी का नाम आसा है।
इसका मतलब है आप सबकी पार्टी। उस वक्त आरसीपी सिंह ने पीएम नरेंद्र मोदी को भी धन्यवाद दिया था। पूर्व केंद्रीय मत्री ने यह भी दावा किया था कि 140 लोग अभी ही हमारी पार्टी से चुनाव लड़ने को तैयार थे हमारा संगठन प्रखंड स्तर से लेकर जिला, राज्य स्तर तक होगा।

सीबीआई और पुलिस अधिकारी बनकर ठगी व लूटपाट करते थे

> पटना पुलिस ने छापेमारी कर तीन को पकड़ा

पटना, 18 मई (एजेंसियां)। पटना पुलिस ने कुख्यात ठग गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह लोग खुद को सीबीआई का अधिकारी बताकर लोगों से ठगी और लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देते थे। श्री कृष्णपुरी थाना की पुलिस ने एक विशेष ऑपरेशन के तहत इस गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। गिरफ्तार किए गए अपराधी विभिन्न वेशभूषा धारण कर लूट की वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिसिया पूछताछ में तीनों से खुलासा किया कि तीनों फिल्म देखकर वारदात को अंजाम देते थे। कभी सेना का जवान, तो कभी पुलिसकर्मी और सीबीआई अधिकारी बनकर वारदात करते थे।

लूट की घटना का भी खुलासा किया

पटना पुलिस ने 10 मई को शिवपुरी अंडर पास के निकट हुई एक लूट की घटना का भी खुलासा किया है। इस केस की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस ने पहले चिरौयाटांड़ पुलि के पास से एक अपराधी को पकड़ा था। इसकी निशानादेही पर दो और लोगों को अगमकुंआ शीतला मंदिर इलाके से पकड़ा गया है। तीनों से पूछताछ के बाद मामले का खुलासा किया। पुलिस के अनुसार, यह गैंग फिल्म और वेब सीरीज देखकर लूट की योजना बनाता था।

तीनों के पास यह सब सामान मिले

गिरफ्तार किए गए अपराधियों के पास से पुलिस ने सेना की वर्दी, नकली सीबीआई आई कार्ड, दो देसी पिस्टल, एक कट्टा, तीन जिंदा कारतूस, दो बाइक, खाली चेक और दो हेलमेट बरामद किए हैं। यह सामग्री इस बात का प्रमाण है कि गैंग ने कितनी संगठित तरीके से अपराधों को अंजाम दिया। पुलिस अब इन अपराधियों के अन्य मामलों की जांच में जुटी हुई है ताकि उनकी पूरी गतिविधियों का पर्दाफाश किया जा सके।

तस्करों ने सिपाही को कुचलकर मार डाला

जौनपुर, 18 मई (एजेंसियां)। यूपी के जौनपुर में गो-तस्करों ने चेकिंग के दौरान सिपाही को पिकअप से कुचलकर मार डाला। वारदात के बाद पुलिस बदमाशों का पीछा करना शुरू कर दिया। जगह-जगह बैरिकेडिंग कराई। आसपास के थानों को अलर्ट भेजा। इधर, बदमाश भागते हुए एक गांव में पहुंचे। वहां पुलिस को चकमा देने के लिए पिकअप को छोड़ दिया। फोन करके दो बाइक मंगाईं। फिर 3-3 बदमाश दोनों बाइकों पर सवार हो गए। वहां से यू-टर्न लिया और जहां सिपाही को रौंदा था, उसे क्रॉस करते हुए निकल गए।
लेकिन पुलिस ने 24 किमी दूर जाने पर तस्करों को घेर लिया। खुद को घिरता देख गो-तस्करों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। फिर दोनों तरफ से फायरिंग शुरू हो गई। इस दौरान पुलिस की गोली से बदमाश सलमान मारा गया। वहीं, नरेंद्र यादव और गोलू यादव को पैर में गोली मारकर पकड़ लिया गया।

महज एक फीट जमीन के लिए वृद्ध महिला की पीट-पीटकर हत्या, दो महिलाएं गिरफ्तार-पांच आरोपी अब भी फरार

बेगूसराय, 18 मई (एजेंसियां)। बेगूसराय के साहेबपुरकमाल थाना क्षेत्र में एक फीट ज़मीन को लेकर हुए विवाद में 72 वर्षीय वृद्ध महिला की हत्या कर दी गई। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए दो महिलाओं को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि नामजद सात आरोपियों में से पांच अभी फरार हैं। यह हृदयविदारक वारदात शनिवार को प्रकाश में आई, जब महिला का शव उसके ही घर में बरामद हुआ।

दीवार फांदकर घुसे थे हमलावर

घटना साहेबपुरकमाल थाना क्षेत्र के पंचवीर पंचायत के वार्ड संख्या 13 की है। मृतका की पहचान 72 वर्षीय सबिया खातून के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, हमलावर पड़ोसी थे, जो घर की दीवार फांदकर अंदर घुसे और महिला की गला दबाकर हत्या कर दी। शव की जांच में गले पर जख्म और हाथ-पैर पर चोट के कई निशान पाए गए।

दो महिलाएं गिरफ्तार

साहेबपुरकमाल थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में मृतका के पड़ोसी मो. फिरोज और मो. सउफ की पत्नियों नूर सवा खातून (40 वर्ष) और बेगम खातून (42 वर्ष) को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पुलिस ने कुल सात लोगों को नामजद आरोपी बनाया है, जिनमें से पांच फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इस हत्या से ठीक चार दिन पहले भगवानपुर थाना क्षेत्र के नौला गांव में एक युवक की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह मामला भी भूमि विवाद से जुड़ा था। ऐसे में जिले में बैक-टू-बैक दो हत्याएं प्रशासन के लिए चेतावनी के संकेत हैं। सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद भूमि विवाद के मामलों का जमीनी निपटारा न होने के चलते अब विवाद अपराध में तब्दील हो रहे हैं।

मुसहरी अंचल में फैले भ्रष्टाचार की अब होगी जांच

> अपर मुख्य सचिव को सौंपी गई जिम्मेदारी

मुज्जफरपुर, 18 मई (एजेंसियां)। राज्य के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने मुजफ्फरपुर जिले के मुसहरी अंचल कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार, दलाली और अनियमितताओं की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। विभाग के मंत्री संजय कुमार सरावगी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विभागीय अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह को जांच सौंप दी है।
सूत्रों के अनुसार, मंत्री सरावगी को यह जानकारी राज्य के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के माध्यम से मिली। डिप्टी सीएम को जिले के दौरे के दौरान आम नागरिकों और कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं ने मुसहरी अंचल कार्यालय में दलालों के दखल, अवैध वसूली और काम के बदले घूसखोरी की शिकायतें दी थीं। इसके बाद मंत्री सरावगी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एसीएस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने को कहा।

डीएम से मांगी गई रिपोर्ट

जांच का जिम्मा संभालते हुए अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने मुजफ्फरपुर जिला प्रशासन को निर्देश दिया है कि वे एक पखवाड़े के भीतर पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट सौंपें। उन्होंने जिले के डीएम से विशेष रूप से मुसहरी अंचल कार्यालय की कार्यप्रणाली, भ्रष्टाचार के आरोपों और दलालों की संलिप्तता पर रिपोर्ट मांगी है।

हत्या के बाद सामने आया बड़ा नेटवर्क

इस पूरे मामले ने तूल तब पकड़ा जब बीते मंगलवार को मुजफ्फरपुर शहर के मिठनपुरा थाना क्षेत्र में एक जमीन कारोबारी मोहम्मद जावेद और उसके सहयोगी राजू साह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने जब घटनास्थल से मृतकों की स्कूटी और उनके निजी कार्यालय की तलाशी ली, तो वहां से दाखिल-खारिज समेत कई राजस्व से जुड़े दस्तावेज बरामद किए गए। इनमें रजिस्टर-2 के मूल दस्तावेज और सरकारी डोंगल जैसे साक्ष्य भी शामिल थे, जिनका इस्तेमाल सिर्फ अंचल कार्यालय के हल्का कर्मचारी करते हैं। प्रारंभिक जांच में यह भी पता चला है कि हत्या से कुछ देर पहले मोहम्मद जावेद और राजू साह अंचल कार्यालय से निकलकर जिला स्कूल के पास चाय दुकान पर रुके थे। वहीं किसी से विवाद और हाथापाई हुई थी, जिसके कुछ देर बाद बाइक सवार अपराधियों ने दोनों को गोली मार दी।

अंचल कार्यालय में वर्षों से था दबदबा

जांच में यह भी सामने आया है कि मृतक मोहम्मद जावेद का मुसहरी अंचल कार्यालय पर वर्षों से प्रभाव था। वह कथित तौर पर लोगों के जमीन से जुड़े काम कराने के बदले मोटी रकम वसूलता था।

हाईवे पर बड़ा हादसा तीन लोगों की मौत

नवादा, 18 मई (एजेंसियां)। नवादा-जमुई पथ पर शनिवार देर रात शहर के कोनियापर के पास सड़क हादसे में एक ही गांव के तीन लोगों की मौत हो गई। दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को बेहतर इलाज के लिए पावापुरी बीम्स रेफर किया गया है। सभी मृतक और घायल नरहट थाना क्षेत्र के छोटी पाली गांव के रहने वाले हैं।
मृतकों में पूर्व उप मुखिया पंकज चंद्रवंशी, नथ्थू चंद्रवंशी और कारू चंद्रवंशी शामिल हैं। दुर्गा चंद्रवंशी और जयनंदन चंद्रवंशी गंभीर रूप से घायल हैं। जानकारी के अनुसार, छोटी पाली गांव निवासी गणेश सिंह के बेटे की शादी थी। बारात रुपौ थाना क्षेत्र के धनवां गांव गई थी।

स्वामी प्रसाद बोले-भाजपा ने ऑपरेशन सिंदूर का मजाक बनाया

पाकिस्तान से युद्धविराम मिलीभगत, यूपी में उपद्रवी सीएम की बिरादरी के

सुलतानपुर, 18 मई (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने पहलगाम हमले के बदले भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि यह मजाक बनकर रह गया। पाकिस्तान से युद्ध का मामला अपने आप में टांय-टांय फिस्स हो गया। अगर भाजपा सरकार की ओर से पाकिस्तान पर हमले का फैसला लिया गया तो फिर बैक नहीं होना चाहिए था।
आतंकवादियों के सफाए तक यह जंग जारी रहनी चाहिए थी। 24 घंटे के अंदर दोनों देशों ने एकाएक युद्ध विराम की घोषणा कर दी। ऐसा लगता है कि जैसे यह मिलीभगत का खेल रहा हो। स्वामी प्रसाद मौर्या ने ये बातें रविवार को सुलतानपुर में कहीं।

भाजपा ने शहादत का माखौल उड़ाया

भाजपा सरकार सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए ऐसे कुचक्र समय-समय पर रचती रहती है। ऑपरेशन सिंदूर केवल मजाक बना। बहनों के सिंदूर का मजाक उड़ाया गया। ऐसा लगा कि जैसे यह नूराकुश्ती रही हो, दिखावा और छलावा रहा हो। तमाम अमर सपूत, नौजवानों और पर्यटकों ने जो अपनी शहादत दी थी, उसका माखौल उड़ाया गया।

यूपी सरकार गूंगी बहरी, सिर्फ तमाशा देख रही

डबल इंजन की भाजपा सरकार, देश और प्रदेश दोनों ही जगह पूरी तरह से फ्लॉप है। पूरे प्रदेश में जंगलराज है। एक जाति विशेष के लोग खुलेआम पूरी तरह मुख्यमंत्री की मौजूदगी में बल्लम, बरछी, भाला, तलवार और बंदूक लहरा करके कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री और उनकी सरकार गूंगी-बहरी बनकर तमाशा देख रही है। किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। आए दिन अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति, पिछड़े नौजवानों की हत्या हो रही है। बहन बेटियों के रेप की घटना आम हो गई है।

90% उपद्रवी सीएम की बिरादरी के

प्रदेश में उपद्रव की घटना करने वाले 90 फीसदी लोग मुख्यमंत्री की बिरादरी के हैं। ऐसे अपराधियों पर मुख्यमंत्री की मेहरबानी है। किसी सामान्य व्यक्ति पर छोटी से गलती हो जाती है तो उसके घर बुलडोजर चल जाता है। उसके खिलाफ दर्जनों एफआईआर हो जाती है, वह जेल की सलाखों के पीछे चला जाता है। आपराधिक कृत्य करने वालों को लाइसेंस मिला हुआ है, जो कानून की धज्जियां उड़ाने के बाद भी उन्हें छूट दी जा रही है। उनकी सारी गलतियां माफ की जा रही हैं।

इंजीनियर को डायबिटीज और हाइपरटेंशन फिर भी किया हेयर ट्रांसप्लांट

सामने आई चौंकाने वाली बात

कानपुर, 18 मई (एजेंसियां)। हेयर ट्रांसप्लांट के बाद दो इंजीनियरों की मौत हो चुकी है जबकि दो की हालत बिगड़ गई। जांच समिति को विनीत के मृत्यु संबंधी अभिलेख देख प्रक्रिया करने में लापरवाही मिली। इंपायर क्लीनिक में इंजीनियर विनीत दुबे के हेयर ट्रांसप्लांट करने में घोर लापरवाही बरती गई। उन्हें डायबिटीज और हाइपरटेंशन की समस्या थी, लेकिन फिर भी प्रक्रिया अपनाई गई। इसकी वजह से उनके मस्तिष्क में सूजन के साथ संक्रमण हुआ और यही उनकी मौत का कारण बना। यह खुलासा सीएमओ की ओर से गठित समिति की जांच में सामने आया है। समिति के अधिकारियों को इंजीनियर के मृत्यु संबंधी अभिलेख मिल गई हैं। इनमें मस्तिष्क में सूजन और संक्रमण होने की बात लिखी गई है।
डॉ. अनुष्का तिवारी ने हेयर ट्रांसप्लांट करने से पहले जांच में किसी तरह का कोई एहतियात नहीं बरती। ट्रांसप्लांट के बाद उनके सिर में बैक्टीरियल संक्रमण की वजह से भी इंसेफ्लोपैथी होने की आशंका भी जताई जा रही है। विनीत दुबे और मयंक कटियार प्रकरण में गठित जांच कमेटी ने शनिवार को अभिलेख जुटाने शुरू कर दिए।

विनीत का डेथ सर्टिफिकेट मिला

पुलिस ने जो अभिलेख अभी तक जुटाए हैं, उससे प्रकरण की परतें खुलने लगी हैं। इसमें लापरवाही सामने आ गई है। कमेटी को अभी विनीत का डेथ सर्टिफिकेट मिला है। इसे सर्वोदयनगर स्थित एक अस्पताल से जारी किया गया है। विनीत को 14 मई को इस अस्पताल में भर्ती किया गया था और 15 मई को सुबह पांच बजकर सात मिनट पर उनकी मौत हो गई थी। यह माना जा रहा है कि हेयर ट्रांसप्लांट के बाद सिर में बैक्टीरियल संक्रमण की वजह से भी इंसेफ्लोपैथी हो सकती है।

जासूसी कांड की तह तक पहुंचने की कोशिश में जांच एजेंसियां

अब मिलिट्री इंटेलिजेंस भी ज्योति मल्होत्रा से करेगी पूछताछ

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा पर पाकिस्तान के लिए जासूसी करने का आरोप है। हरियाणा की हिसार पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में उसे गिरफ्तार किया है। ज्योति पर पाकिस्तान को भारत की गोपनीय सैन्य जानकारियां भेजने का आरोप है। ज्योति मल्होत्रा 'ट्रैवल विद जो' नाम से यूट्यूब चैनल चलाती है। ज्योति के साथ ही एक और नाम जुड़ रहा है, वो नाम है-एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश । दानिश पाकिस्तान हाईकमिशन में काम करता है।

बारी-बारी से होगी पूछताछ

जासूसी के मामले में हरियाणा पुलिस के अलावा इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) की टीमें भी ज्योति मल्होत्रा से बारी-बारी से पूछताछ करेगी। ज्योति मल्होत्रा के मोबाइल फोन और बरामद इलेक्ट्रॉनिक गजेट्स फोरेंसिक जांच के लिए भेजे जाएंगे। इस बीच ज्योति मल्होत्रा की ट्रेवल हिस्ट्री भी खंगाली जा रही है। साल 2023 से लेकर साल 2025 तक उसने भारत के किन किन राज्यों का टूर किया और 2023 से 2025 तक करीब 8 देशों की टूर की

तमाम जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही उसके बैंक खातों की भी जांच की जाएगी।

पाकिस्तान में हुई मुलाकात को लेकर भी पूछताछ

पाकिस्तान में मौजूद किरदार,अली आहवान, शाकिर, राणा शहबाज से ज्योति की पाकिस्तान में हुई मुलाकात को लेकर भी पूछताछ जारी है। ज्योति की भारत की गोपनीय जानकारी दानिश तक पहुंचाने में क्या ज्योति का कोई और भी मददगार है? यह भी पता लगाया जा रहा है। इसके अलावा पंजाब की रहने वाली गिरफ्तार महिला गजाला, यासीन मोहम्मद, कैराना का रहने वाला एक अन्य आरोपी नोमान इलाही ,नूह से गिरफ्तार अरमान और देविंदर सिंह के मोबाइल फोन का डेटा भी खंगाला जा रहा है। पुलिस ये भी पता लगाने में जुटी है कि क्या गिरफ्तार सभी आरोपी एक दूसरे से जुड़े थे? क्या दानिश ने सबको अलग अलग वक्त में जासूसी के लिए ट्रैप किया?

मनी ट्रेल की जांच

आरोपियों के पास यूपीआई और अन्य माध्यमों से जो पैसा पहुंचा है उन मनी ट्रेल की जांच भी की जा रही है। पूछताछ में इस बात का भी खुलासा हुआ है की दानिश से सभी आरोपी मोबाइल फोन पर हुई बातचीत और मैसेज और चैट्स के दौरान एक कोड नेम से बात करते थे। गिरफ्तार आरोपियों ने अपने मोबाइल फोन में पाकिस्तान के नंबरों को अलग अलग कोड नेम से सेव किया हुआ था।

कैराना पर टिकी निगाहें

जांच एजेसियों की निगाहें सबसे ज्यादा यूपी के कैराना पर भी टिकी हुई हैं। गिरफ्तार नुमान इलाही पाकिस्तान आईएसआई का बड़ा मोहरा हो सकता है। कैराना के पाकिस्तान कनेक्शन को जांच एजेसियां खंगाल रही हैं। कैराना में रहनेवाले कई मुस्लिम परिवार के रिश्तेदार पाकिस्तान में रहते है। सूत्रों के मुताबिक कैराना से तालुक रखने वाले कुछ लड़के फिलहाल पाकिस्तान में आईएसआई हैंडलर्स बनकर बैठे हुए हैं जिसमें इकबाल काना, दिलशाद मिर्जा, हमीदा, शाहिद शामिल है जो पाकिस्तान में बैठकर देश-विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। इतना ही नहीं कैराना का रहने वाला शाहिद भी पाकिस्तान में आईएसआई एजेंट के तौर पर दुबई, मोरक्को, अफगानिस्तान आदि जगहों की यात्रा कर आईएसआई के लिए एजेंट तैयार करने के टास्क का हिस्सा बताया जाता है।

आईएसआई के लिए काम करने का आरोप

पिछले कुछ सालों में कैराना और उसके पास के कस्बे में रहने वाले कई लड़कों को पाकिस्तान आईएसआई के लिए काम करने के आरोप में गिरफ्तार भी किया जा चुका है। पिछले साल शामली जिले के कलीम और उसके भाई तहसीम को एसटीएफ ने आईएसआई एजेंट होने के आरोप में गिरफ्तार किया था। दोनों भाइयों पर आईएसआई के संपर्क में रहने और सोशल मीडिया व्हाट्सएप आदि के जरिए सूचनाएं भेजने का आरोप था। कांधला निवासी सरदार अली भी साल 2023 में पकड़ा गया था। उस पर भी पाकिस्तानी आतंकी वारस का सहयोगी होने का आरोप था। वारस भी साल 2000 में गिरफ्तार हुआ था और फिलहाल जेल में है। 17 जून 2021 को बिहार के दरभंगा रेलवे स्टेशन पर पार्सल ब्लास्ट किया गया था। हालांकि ब्लास्ट में कोई जनहानि नहीं हुई थी, लेकिन जांच के दौरान एनआईए की टीम ने कैराना में छापेमारी कर ब्लास्ट मामले में सलीम टुइयां और कफील को भी गिरफ्तार किया था। 1995 में कैराना के ही रहने वल्वे इकबाल कान को दिल्ली में 361 पिस्तौल की खेप के साथ पकड़ा गया था। बाद में वो पाकिस्तान भाग गया था।

रुड़की में ई-रिक्शा चालक की निर्मम हत्या

बुरी तरह से कुचला सिर तेजाब भी डाला, काली पन्नी में बंधी मिली लाश

रुड़की, 18 मई (एजेंसियां)। रुड़की में एक ई-रिक्शा चालक की निर्मम हत्या का मामला सामने आया है। रविवार को युवक का शव रसूलपुर फोरलेन के किनारे एक काली पन्नी में बंधा मिला। युवक का सिर पत्थर से कुचला हुआ है साथ ही उसके गले में बेल्ट बंधी मिली। जानकारी के अनुसार, मृतक युवक मुन्ना ई रिक्शा चलाता था। वह गंग नहर कोतवाली क्षेत्र के सुनहरा गांव का रहने वाला था। वह शुक्रवार दोपहर से लापता था। किसी ने पुलिस को सूचना दी कि पन्नी में बंधा एक शव रसूलपुर फोरलेन के किनारे पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। युवक का शव काली पन्नी से लिपटा हुआ था। सिर को भारी पत्थर से कुचला हुआ था। वहीं, पहचान मिटाने के लिए शरीर पर तेजाब भी डाला हुआ था।

डिवाइडर पार कर मिलिट्री ट्रक से टकराई कार, खिलौने की तरह हुई चकनाचूर

मोगा, 18 मई (एजेंसियां)। पंजाब के मोगा में एक दर्दनाक सड़क हादसे का मामला सामने आया है। इस हादसे में कार चालक घायल हो गया है। घायल को आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए लुधियाना रेफर कर दिया गया है। ये हादसा मोगा-लुधियाना जी टी रोड पर हुआ है। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि एक स्विफ्ट कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा जाती है। कार हवा में उड़ती हुई दूसरी दिशा से आ रही मिलिट्री ट्रक से टकरा जाती है। पूरी घटना पास में ही लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। दरअसल, मोगा-लुधियाना रोड पर एक बड़ा हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि एक कार लुधियाना की ओर से आ रही थी। इसी बीच स्विफ्ट कार बेकाबू हो कर डिवाइडर से टकरा गई। इसके बाद कार चालक ने नियंत्रण खो दिया और दूसरी तरफ जा कर सामने से आ रहे मिलिट्री ट्रक से जा टकराई। इस हादसे में कार चालक बुरी तरह घायल हो गया है। घटना के बाद कार चालक को आनन-फानन में मोगा के सरकारी अस्पताल में लाया गया। यहां कार चालक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे लुधियाना रेफर कर दिया गया।

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई घटना

जी टी रोड पर हुए इस दर्दनाक हादसे का वीडियो भी सामने आया है। ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटनास्थल पर पास में ही लगी सीसीटीवी कैमरे में ये पूरी घटना कैद हो गई। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कार डिवाइडर से टकराने के बाद हवा में उछल कर सड़क पार कर जाती है। इसी दौरान सामने से एक मिलिट्री ट्रक गुजरता है, जिससे कार की जोरदार टक्कर हो जाती है। बताया जा रहा है कि कार का टायर फटने की वजह से यह हादसा हुआ है।

'पाकिस्तान को एहसास नहीं है यह नया भारत है', तिरंगा यात्रा में बोले सांसद रमेश बिधूड़ी

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और उसके बाद उत्पन्न हुए तनावपूर्ण माहौल में पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए भारतीय सेना की बहादुरी, साहस और पराक्रम को सम्मानित करने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की ओर से पूरे देशभर में भव्य तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं इसी क्रम में दिल्ली के तुगलकाबाद विधानसभा क्षेत्र के लाल कुआं इलाके में एक विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व लोकसभा सांसद रमेश बिधूड़ी ने खुद भाग लिया और लोगों को संबोधित किया

पाकिस्तान को एहसास नहीं है यह नया भारत है- रमेश बिधूड़ी

सांसद रमेश बिधूड़ी ने इस अवसर पर कहा कि, भारतीय जवानों के सम्मान में ये यात्रा निकाली जा रही है पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है, लेकिन उसे यह एहसास नहीं है कि यह नया भारत है, जो पहले चेतावनी देता है और फिर हमला करता है पिछली सरकारों के विपरीत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब देश के लिए साहसपूर्वक और निर्णायक रूप से काम कर रहे हैं

सेना और पीएम को और शक्ति मिले उसके लिए ये यात्रा- रमेश बिधूड़ी

बिधूड़ी ने आगे कहा कि, "हम सभी बीजेपी कार्यकर्ता और सामाजिक संस्थाओं के सदस्य मिलकर इस यात्रा में शामिल हुए हैं ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेना ने पाकिस्तान के अंदर छिपे 9 आतंकी ठिकानों को पूरी तरह से नष्ट कर एक मजबूत संदेश दिया है इस यात्रा के माध्यम से हम सेना के मनोबल को और ऊंचा करना चाहते हैं, साथ ही प्रधानमंत्री को और अधिक शक्ति एवं समर्थन देना चाहते हैं, ताकि वे इसी तरह सख्त निर्णय लेते रहें पाकिस्तान को यह साफ संकेत देना जरूरी है कि भारत अब चुप नहीं बैठने वाला" गौरतलब है कि तिरंगा यात्रा का आयोजन सिर्फ दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे देश में हो रहा है महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली के अनेक जिलों में ये यात्राएं निकाली जा रही हैं, जिनमें आम लोग, युवा, सामाजिक संगठनों के सदस्य और बीजेपी कार्यकर्ता उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं

भारत और पाकिस्तान में आज नहीं होगी बातचीत

भारतीय सेना ने पाक डिप्टी पीएम के दावे को किया खारिज

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने कहा है कि आज 18 मई को भारत और पाकिस्तान के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) के बीच कोई बातचीत होगी। भारतीय सेना की यह प्रतिक्रिया पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री इशाक डार के दावे पर आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ के बीच रविवार को बातचीत होगी। उनका कहना था कि सीजफायर समझौता 18 मई तक लागू था। भारतीय सेना ने स्पष्ट किया है कि आज कोई डीजीएमओ स्तर की बातचीत नहीं होगी। सेना ने यह भी कहा कि 12 मई को हुई बातचीत में फायरिंग रोकने के समझौते की कोई अंतिम तिथि निश्चित नहीं थी। पाकिस्तानी डिप्टी पीएम के अनुसार, भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ को रविवार को बात करनी थी. उन्होंने यह भी कहा कि सीजफायर यानी युद्धविराम का समझौता 18 मई तक के लिए था। हालांकि, भारतीय सेना ने इस दावे को खारिज कर दिया है। सेना का कहना है कि आज कोई डीजीएमओ स्तर की बातचीत नहीं होने वाली है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसहाक डार ने 15 मई गुरुवार को दावा किया था कि पाकिस्तान और भारत के सैन्य अभियान महानिदेशकों ने संघर्षविराम पर चर्चा के लिए हॉटलाइन पर बात की। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच अब 18 मई को बातचीत होगी। भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन तक सीमा पार से ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद सैन्य संघर्ष रोकने के लिए 10 मई को सहमति बनी थी। डार ने पाकिस्तानी संसद को बताया कि पाकिस्तान के डीजीएमओ मेजर जनरल काशिफ अब्दुल्ला और उनके भारतीय समकक्ष लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने बुधवार दोपहर हॉटलाइन पर बात की।

राजोआना की दया याचिका वापस नहीं लेगी एसजीपीसी

मुख्यमंत्री बेअंत सिंह हत्या मामले में सुनाई गई थी फांसी की सजा

अमृतसर, 18 मई (एजेंसियां)। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने स्पष्ट कर दिया कि वह बलवंत सिंह राजोआना की दया याचिका वापस नहीं लेगी राजोआना को पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के मामले में दोषी करार देते हुए वर्ष 2007 में फांसी की सजा सुनाई गई थी हालांकि, एसजीपीसी ने 2012 में संविधान के अनुच्छेद 72 के तहत उनके लिए दया याचिका दायर की थी, जिस पर अब तक कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि इस मुद्दे पर वरिष्ठ कानूनी विशेषज्ञों के साथ गहन बैठक के बाद याचिका वापस न लेने का फैसला किया गया उन्होंने बताया कि राजोआना ने खुद एसजीपीसी से याचिका वापस लेने की अपील की थी, लेकिन सभी विशेषज्ञों का एकमत मत था कि यह लड़ाई जारी रहनी चाहिए धामी ने कहा, हमें देखना होगा कि केंद्र सरकार इस याचिका पर क्या रुख अपनाती है, लेकिन अब इसे वापस लेने का कोई औचित्य नहीं है धामी ने केंद्र सरकार की निष्क्रियता पर भी सवाल उठाए और इसे गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन की संज्ञा दी उन्होंने कहा कि एसजीपीसी पिछले कई सालों से इस मामले में संवैधानिक और कानूनी प्रयास कर रही है, लेकिन सरकारों द्वारा बार-बार निर्णय टालना न केवल न्याय प्रक्रिया में देरी है, बल्कि यह राजोआना के मौलिक अधिकारों का भी उल्लंघन है उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार अब इस याचिका पर जल्द निर्णय ले इस अहम बैठक में वरिष्ठ अधिवक्ताओं पूरन सिंह हुंदल, जी एस बल, अमर सिंह चहल, राजविंदर सिंह बैंस, सिख विद्वान डॉ केहर सिंह और पूर्व आईएएस अधिकारी काहन सिंह पन्नू जैसे प्रमुख लोग शामिल हुए गौरतलब है कि 31 अगस्त 1995 को चंडीगढ़ स्थित सिविल सचिवालय के बाहर हुए धमाके में मुख्यमंत्री बेअंत सिंह सहित 17 लोग मारे गए थे

सागर होगा देश का पहला टाइगर रिजर्व जहां बाघ, तेंदुआ और चीते रहेंगे एक साथ, डब्ल्यूआईआई का बड़ा ऐलान

सागर, 18 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सागर जिले में स्थित वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में बहुत जल्द चीते की बसाहट की 15 साल पुरानी संकल्पना साकार होने वाली है दरअसल, भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) देहरादून ने चीते की बसाहट के लिए दो नए स्थान चिन्हित किए हैं उनमें गुजरात के बन्नी ग्रासलैंड रिजर्व के अलावा सागर के टाइगर रिजर्व को शामिल किया गया है डब्ल्यूआईआई भारत में चीता प्रोजेक्ट की नोडल एजेंसी भी है माना जा रहा है कि अगले वर्ष तक यहां चीतों की शिफ्टिंग हो जाएगी अगर ऐसा होता है तो वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व देश का पहला ऐसा वाइल्डलाइफ एरिया होगा, जहां बिग केट फैमिली के तीन सदस्य एक साथ देखने मिलेंगे अभी रिजर्व में टाइगर और तेंदुए की बसाहट है सागर टाइगर रिजर्व में चीतों के आने से इस

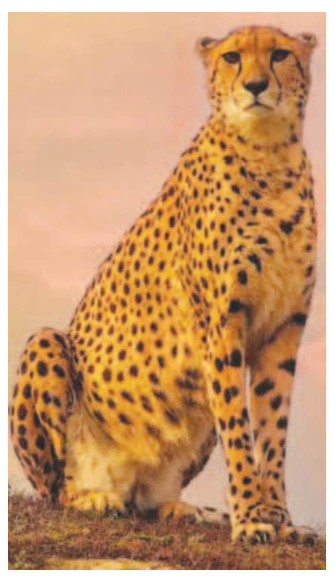

परिवार की तीन प्रजातियां हो जाएंगी बता दें कि देश में चीतों की बसाहट के लिए डब्ल्यूआईआई ने देश में सबसे पहले सागर के इस टाइगर रिजर्व को चिन्हित किया था वर्ष 2010 में यहां सर्वे किया गया था, जिसमें रिजर्व की तीन रेंज मुहली, सिंहपुर और झापन को चीता की बसाहट के अनुकूल माना गया था

चीते के लिए सागर रिजर्व सबसे बेहतर स्थान

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के डीआईजी डॉ वीबी माथुर और डब्ल्यूआईआई के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने डिप्टी डायरेक्टर डॉ एए अंसारी के साथ वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व की उक्त तीनों रेंज मुहली, झापन और सिंहपुर का दो दिन तक मैदानी मुआयना किया जानकारों के अनुसार यह तीनों रेंज चीता की बसाहट के लिए आदर्श स्थान हैं यहां लंबे-लंबे मैदान हैं जिनमें यह जीव दौड़-दौड़कर शिकार कर सकेगा इन तीनों रेंज का क्षेत्रफल करीब 600 वर्ग किलोमीटर है जबकि सागर रिजर्व का संपूर्ण क्षेत्रफल 2339 किलोमीटर है देश-दुनिया के लिए पहला प्रयोग होगा, जिसके तहत चीता-टाइगर और तेंदुए एक साथ रहेंगे टाइगर रिजर्व सागर मुख्य रूप से बालों का बसेरा बन चुका है ऐसे में वन्य जीव विशेषज्ञों द्वारा अक्सर यह सवाल उठाया जाता रहा है कि टाइगर की बसाहट के बाद क्या यहां चीता को लाया जा सकता है क्या वे यहां जीवित रह पाएंगे इसके जवाब में दूसरे वन्य जीव शास्त्रियों का कहना है कि यह संभव है क्योंकि चीता, तेंदुआ और बाघ के शिकार का तरीका और उनके टारगेट जीव-जंतु अलग-अलग होते हैं बाघ नीलगाय, भैंसा और हिरण प्रजाति के छोटे-बड़े जानवर का शिकार करता है वहीं तेंदुए मध्यम श्रेणी के जानवर जैसे जंगली सुअर, हिरण, नीलगाय, भैंसा के बच्चों का शिकार करता है जबकि चीता छोटी साइज के हिरण जैसे चीतल, काला हिरण और खरगोश सरीखे जानवरों का शिकार करता है अब रही इन तीनों जानवरों के आमने-सामने आने की बात तो चीता, सदैव बाघ व तेंदुए से दूरी बनाए रखता है यह ठीक उसी तरह से संभव है, जिस तरह से बाघ के साथ तेंदुए भी सर्वाइव कर लेते हैं

गांवों के विस्थापन के लिए 200 करोड़ का बजट

चीतों की बसाहट देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रोजेक्ट्स में से एक है ऐसे में इन जीवों की बसाहट से ज्यादा आवश्यक उनकी सुरक्षा व संरक्षण होगा इस लिहाज से वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में एक कमी यहां कई गांवों का विस्थापन का न होना है इनमें सबसे बड़ा गांव मुहली है जहां की आबादी करीब 1500 लोग हैं इसके अलावा, बाकी दो रेंज झापन और सिंहपुर में भी कुछ गांव हैं जहां से लोगों को विस्थापित करने के लिए शासन को करीब 200 करोड़ रुपए खर्च करने होंगे

2 युवकों से थे बेटी के रिलेशन, विरोध करने पर मां को मिली खौफनाक सजा

भुवनेश्वर, 18 मई (एजेंसियां)। जिस मां ने सड़क से उठाकर गले से लगाया, 13 साल तक पाला पोसा। बेटी उसी मां की कातिल बन गई, क्योंकि मां 2 युवकों के साथ उसके संबंधों का विरोध करती थी। लड़की की नजर मां की प्रॉपर्टी पर भी थी। इसलिए 13 साल की लड़की ने 2 युवकों के साथ मिलकर मां को नींद की गोलियां खिलाईं और फिर तकिए से मुंह दबाकर गला घोंटकर हत्या कर दी। क्योंकि महिला को दिल की बीमारी थी, इसलिए अपना गुनाह छिपाने के लिए लड़की ने रिश्तेदारों को झूठ बोला। लड़की ने रिश्तेदारों को बताया कि उसकी मां की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई और रिश्तेदारों की मौजूदगी में अंतिम संस्कार भी कर दिया गया, लेकिन मृतका के भाई के हाथ लड़की का मोबाइल लग गया, जिसमें युवकों के साथ चैट मिली। चैट पढ़ने से हत्याकांड का खुलासा हुआ। इंस्टाग्राम पर मिली चैट में हत्या की साजिश और तरीके का जिक्र था। गहने, कैश और प्रॉपर्टी हड़पने की बात भी लिखी थी। मृतका के भाई ने फोन और चैट पुलिस को सबूतों के तौर पर सौंपा। रिपोर्ट के अनुसार, हत्या की आरोपी लड़की की उम्र 13 साल है और वह 8वीं की छात्रा है। वह अपनी दत्तक मां 54 वर्षीय राजलक्ष्मी के साथ गजपति जिले के परलाखेमुंडी शहर में किराये के मकान में रहती थी। राजलक्ष्मी को लड़की सड़क किनारे लावारिस हालत में मिली थी। उस समय लड़की 3 दिन की थी, जिसे राजलक्ष्मी ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करके गोद ले लिया था, लेकिन 13 साल बाद लड़की ने अपने 2 पुरुष मित्रों के साथ मिलकर 29 अप्रैल को राजलक्ष्मी कर की हत्या कर दी। राजलक्ष्मी के पति की मौत लड़की को गोद लेने के एक साल बाद ही हो गई थी। पुलिस के अनुसार, राजलक्ष्मी की हत्या करने का मकसद प्रॉपर्टी हड़पना था। वह बेटी के 2 युवकों के साथ संबंधों का विरोध भी करती थी। राजलक्ष्यी की रोक-टोक से तंग आकर आरोपियों ने राजलक्ष्मी को नींद की गोलियां खिलाईं और फिर तकिए से उसका मुंह दबा दिया और गला घोंट दिया। लड़की ही राजलक्ष्मी को अस्पताल ले गई, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। अगले दिन राजलक्ष्मी के शव का अंतिम संस्कार भुवनेश्वर में उसके रिश्तेदारों की मौजूदगी में किया गया, जिन्हें बताया गया कि राजलक्ष्मी की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार, हत्याकांड का खुलासा करीब 15 दिन बाद हुआ, जब राजलक्ष्मी के भाई सिबा प्रसाद मिश्रा के हाथ लड़की का मोबाइल लगा। लड़की अपना फोन गलती से भुवनेश्वर में ही छोड़ आई थी। सिबा ने लड़की की इंस्टाग्राम पर चैट पढ़ी तो उसे सच का पता चला। सिबा ने 14 मई को परलाखेमुंडी पुलिस स्टेशन में लड़की के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। जांच करते हुए पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों में 13 साल की नाबालिग लड़की, मंदिर का पुजारी गणेश रथ (21) और उसका दोस्त दिनेश साहू (20) शामिल हैं, जो शहर के ही रहने वाले हैं।

दिल्ली के सरोजिनी नगर मार्केट में गरजा एनडीएमसी का बुल्डोजर, दुकानदारों में आक्रोश, जांच की मांग

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के मशहूर सरोजिनी नगर मार्केट में 18 मई की दरम्यानी रात एक ऐसी घटना हुई, जिसमें सैकड़ों दुकानदारों की नींद उड़ा दी रात के अंधेरे में अचानक न्यू दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने सैकड़ों पुलिसवालों और तीन जेसीबी मशीनों के साथ मार्केट में हुए अतिक्रमण पर धावा बोल दिया बिना किसी पूर्व सूचना के शुरू हुई इस बुलडोजर कार्रवाई ने दुकानदारों को सकते में डाल दिया दुकानदारों का आरोप है कि यह कार्रवाई गैरकानूनी थी और अनाधिकृत वेंडरों की मिलीभगत से की गई हर रोज की तरह मार्केट बंद होने के बाद रात 12 बजे एनडीएमसी के दर्जनों कर्मचारी, दिल्ली पुलिस के सैकड़ों जवान और अधिकारी अचानक सरोजनी नगर पहुंचे तीन जेसीबी मशीनों ने दुकानों के बाहर अतिक्रमण हुए हिस्से को तोड़ना शुरू कर दिया जब तक दुकानदारों को इसकी भनक लगी, तब तक कई दुकानों को नुकसान पहुंचाया जा चुका था सरोजिनी नगर मार्केट के दुकानदार अपनी दुकानों को बचाने के लिए मौके पर पहुंचे और कार्रवाई रोकने की गुहार लगाई, लेकिन उनकी एक न सुनी गई उल्टा बीच में आने वालों को पुलिस ने डंडों से पीटकर भगा दिया गया

'मैं हैरान हूं', राहुल गांधी के फैसले पर ही भड़के कांग्रेस एमपी कश्मीरी पंडित एक भूली प्रजाति की तरह लगने लगी है

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान और गुलाम कश्मीर में मौजूद आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। इस कार्रवाई में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। इस कार्रवाई के बाद दुनिया ने देखा कि किस तरह पाकिस्तान की सेना आतंकियों के जनाजे में शामिल हुए। पाकिस्तान का आतंकी प्रेम दुनिया के सामने जाहिर हो चुकी है। वहीं, अब भारत सरकार ने फैसला किया है कि पाकिस्तान की सच्चाई को दुनिया के सामने पेश किया जाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार ने सात ऑल पार्टी डेलिगेशन गठित किए हैं, जिनमें विभिन्न दलों के 51 सांसद और पूर्व मंत्री शामिल हैं। इसके अलावा विदेश मंत्री के 8 अधिकारी भी इस प्रतिनिधिमंडलों का हिस्सा है। गौरतलब है कि इस लिस्ट में किसी कश्मीर पंडित समुदाय के प्रतिनिधि का नाम नहीं है, जिस पर कांग्रेस के राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने नाराजगी जाहिर की है।

कश्मीरी पंडित समुदाय एक 'भूली हुई प्रजाति' लग रही: विवेक तन्खा

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को उजागर करने के उद्देश्य से सात बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों की सूची में अपने पसंदीदा व्यक्तित्वों को शामिल किया है, उन्होंने कहा कि कश्मीरी पंडित एक 'भूली हुई प्रजाति' की तरह लगते हैं। तन्खा ने एक्स पर लिखा, विश्व की राजधानियों में 7 सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने की अवधारणा सराहनीय है, लेकिन दुर्भाग्य से यह कुछ अपवादों को छोड़कर सरकार के पसंदीदा लोगों की एक लंबी सूची की तरह लग रहा है!! मुद्दा 'जम्मू-कश्मीर' है, लेकिन 7 प्रतिनिधिमंडलों में से किसी में भी एक भी कश्मीरी पंडित नहीं है। ऐसा लगता है कि यह एक भूली हुई प्रजाति है।

राहुल गांधी के फैसले पर विवेक तन्खा ने जताई हैरानी

गौरतलब है कि विवेक तन्खा ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के फैसले पर ही सवाल खड़े कर दिए। दरअसल, उन्होंने कहा कि यह परेशान करने वाला है कि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा प्रस्तुत सूची या लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी द्वारा दिए गए चार नामों में भी कश्मीरी पंडितों का नाम नहीं था।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 19 मई - 2025

युद्ध में सेना जीती राजनीति हारी

रघु ठाकुर

जैसा कि अनुमान था कि भारत पाकिस्तान के बीच का अघोषित युद्ध कुछ ही दिनों में बंद हो जायेगा, यद्यपि यह भारत की जनता की इच्छा नहीं थी, और न ही किसी भी समझदार व्यक्ति की। क्योंकि आजादी के बाद से लगातार देश पाकिस्तानी सीमा से तनाव-हिंसा और युद्ध झेलता रहा है। इसलिए इस बार लोगों की यह इच्छा थी कि भारत पाकिस्तान के बीच इस संघर्ष का स्थाई हल निकल जाये। इसका मौका भी पाकिस्तान ने स्वयं दिया था जब उसने पहलगाम में 26 निर्दोष पर्यटकों को आतंकवाद का शिकार बनाया। यह आतंकवादी पाकिस्तान की सेना के ही अघोषित अंग जैसे थे और उसके कई प्रमाण भी मिले। पहलगाम में जो हथियार या गोली वगैरा मिले थे वे भी पाकिस्तानी सेना के थे। भारत के द्वारा प्रत्युत्तर दिए जाने के बाद जो आतंकवादियों के ठिकाने तबाह हुए और जो आतंकवादी मारे गए वे भी पाकिस्तानी सेना के ही थे। क्योंकि पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों के द्वारा उनके दफनाने और सेना की सैल्यूट के जो फोटोग्राफ स्वतरू पाक सेना ने जारी किए थे, उन्हें सारी दुनिया ने देखा है। पाकिस्तान का पहलगाम आतंकी हमले में हाथ होने का यह स्पष्ट प्रमाण था जिसे झुठलाने की कोई जुर्रत पाकिस्तान नहीं कर सकता। सलिए जब पाकिस्तान ने सुरक्षा परिषद की समिति की बैठक में इस मामले को उठाया तो सुरक्षा परिषद की समिति के सदस्यों को वह संतुष्ट नहीं कर सका और समिति ने कोई प्रस्ताव नहीं किया। दुनिया के दो छोटे-छोटे देशों ने, जिसमें तुर्किए व एक अन्य देश ने ही पाकिस्तान का समर्थन किया। बाकी पूरी दुनिया ने पाकिस्तान को अपराधी माना और भारत का समर्थन किया। सुरक्षा परिषद की समिति में पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी। दुनिया के तमाम शक्तिशाली देशों ने भारत के पक्ष में समर्थन किया और पाकिस्तान की आलोचना की। यह एक प्रकार से भारत के द्वारा की गई आक्रामक प्रतिक्रिया का समर्थन था। यहां तक कि दुनिया के इस्लामी देशों के संगठन ने भी पाकिस्तान का समर्थन नहीं किया। और एक प्रकार से भारत के पक्ष का ही समर्थन किया। इतना बड़ा विश्व जनमत इससे पहले कभी भी भारत के साथ नहीं था। इसलिए देश को उम्मीद थी कि भारत इस बार निर्णायक हल करेगा और सत्तर वर्ष पुरानी त्रुटि में सुधार कर पाक अधिकृत कश्मीर को वापस लेगा। यह इसलिए भी जरूरी था क्योंकि आतंकवादियों का प्रवेश द्वार पीओके ही है तथा भारत की सीमा से सटे होने की वजह से पाकिस्तान इसका इस्तेमाल एक आधार के रूप में करता है। लोगों को इस बार इसलिए भी निर्णायक हल की उम्मीद थी क्योंकि लोगों में यह जुमला चलता था कि मोदी है तो मुमकिन है। श्री नरेन्द्र मोदी भी जिस प्रकार पिछले तीन दशकों से आतंकवाद, पीओके, कश्मीर समस्या पाकिस्तान को लेकर पूर्ववर्ती सरकारों को कोसते रहे हैं, जो कि उचित भी था, इसलिए लोगों को उम्मीद थी कि इस बार श्री नरेन्द्र मोदी अवश्य कुछ निर्णायक कदम उठायेंगे। घटना के बाद जिस तत्परता से श्री नरेन्द्र मोदी ने बैठकें कीं और गोली के बदले गोला जैसे जुमले फेंके उससे देश बहुत आशान्वित था। परंतु जिस प्रकार अचानक दस मई की शाम को भारत के डीजीएमओ की पाकिस्तान के डीजीएमओ से फोन पर बात हुई और युद्ध विराम का निर्णय हुआ वो न केवल लोगों को आश्चर्यजनक या उम्मीद के परे था, बल्कि श्री नरेन्द्र मोदी की बहादुरी के प्रति निराशा पैदा करने वाला था। रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह तो विभाग सम्हालने के बाद से ही यह जुमला बोलते रहे हैं कि मैंने सेना को खुली छूट दे दी है। पहली गोली हम नहीं चलायेंगे। लेकिन यदि पहली गोली दुश्मन की ओर से चलती है तो उसका कड़ा जवाब देंगे। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद श्री मोदी विदेश के दौरे को रद्द कर भारत आये तो उन्होंने भी यही बयान दिया कि हमने सेना को कह दिया है कि कब कहां कैसे करना है यह उसको तय करना है। इसका मतलब है कि इसके पहले सेना को आतंकवादी हमलों का प्रतिकार करने की छूट नहीं थी और पिछले दस वर्षों से रक्षामंत्री जी सेना को गुमराह कर रहे थे। उन्होंने सेना के बंधे हाथ खोले नहीं थे और बंधे हाथ तो पांच मई को श्री नरेन्द्र मोदी ने खोले हैं। यह लोकतांत्रिक परम्परा थी कि प्रधानमंत्री सारे घटनाक्रम को राष्ट्रपति जी को ब्रीफ करते, सर्वदलीय समिति की जो बैठकें बुलाई गयीं उनमें शामिल होते और देश के नाम संदेश जारी कर तथ्यों को रखते। परंतु फिर एक बार प्रधानमंत्री ने यह बताने का प्रयास किया है कि जनतंत्र और जनतांत्रिक परम्पराये, संविधान और संवैधानिक परम्परायें उनके लिए कोई मायने नहीं रखतीं। सर्वदलीय बैठक में दिल्ली में रहते हुए भी प्रधानमंत्री का शामिल न होना क्या जनतंत्र का मजाक उड़ाना नहीं है? प्रधानमंत्री और उनका एनडीए मात्र 42 प्रतिशत मतों का प्रतिनिधित्व करता है। 58 प्रतिशत उनके और एनडीए के पक्ष में नहीं है। परंतु देश के संसदीय विपक्ष ने और छोटी बड़ी सभी पार्टियों ने बिना शर्त आवश्यक कार्रवाई करने के लिए भारत सरकार और सेना का समर्थन किया। सारी दुनिया में भारत की एकजुटता का संदेश गया। जबकि पाकिस्तान दुनिया में विभाजित नजर आया। यह एक बड़ी जनतांत्रिक उपलब्धि थी। इसके बाद भी प्रधानमंत्री ने देश की संवैधानिक परम्परा और प्रतिपक्ष का सम्मान नहीं किया। वे भूल गए कि जिन श्रीमती इन्दिरा गांधी को वे और उनकी मातृसंस्थायें तानाशाह कहती हैं उन्होंने भी 1971 में सारे विपक्ष को साथ लेने का प्रयोग किया था। यहां तक कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शीर्ष नेतृत्व से भी सम्पर्क कर सहयोग मांगा था तथा जयप्रकाश जी को भारत का पक्ष प्रस्तुत करने के लिए विश्व भ्रमण पर भेजा था। पाकिस्तान के डीजीएमओ और भारत के डीजीएमओ के बीच दस मई की शाम पांच बजे से ही युद्ध विराम हो गया। 12 मई को फिर एक बार टेलीफोन पर औपचारिक चर्चा हुई और सहमति हो गई। इतनी घटनाओं के बाद कल 12 मई को प्रधानमंत्री ने पहली बार अपना मुंह खोला और देश के समक्ष कुछ बिंदु प्रस्तुत किये। हालांकि उनके आठ मुद्दों में कुछ भी नया नहीं है। केवल लगभग वही सब बातें हैं जो सरकारी पक्ष की ओर से पहले भी कही जाती रही थीं। युद्धविराम की घोषणा के समय और बाद में 12 मई को प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि अब अगर कोई हमले की घटना होगी तो उसे युद्ध माना जायेगा। अभी तक विधिवत युद्ध की घोषणा नहीं हुई थी। जो हो रहा था वह अघोषित युद्ध था। यह भी आश्चर्यजनक था कि दस मई के युद्धविराम की घोषणा के बाद तथा 12 मई को प्रधानमंत्री के उपदेशात्मक बयान के बाद भी पाकिस्तान की ओर से युद्धविराम का उल्लंघन हुआ है। दस मई को युद्धविराम के बाद भी रात में पाक सेना ने भारत की सीमा में हमले किये और 12 मई को भी मीडिया के अनुसार कुछेक स्थानों पर युद्धविराम का उल्लंघन हुआ। यह युद्धविराम वास्तव में युद्ध विराम है या युद्ध विश्राम है यह भविष्य के गर्भ में है। प्राचीनकाल में सेनायें दिनभर लड़ती थीं, रात में विश्राम करती थीं, अगले दिन की लड़ाई की तैयारी के लिए। यह युद्ध विराम भी कहीं ऐसा ही तो नहीं है जो कुछ दिन के बाद फिर नये रूप रणनीति व ताकत के साथ शुरू हो। इस युद्धविराम के बाद एक और नई बहस शुरू हुई है। वह यह कि भारत ने युद्धविराम का फैसला स्वेच्छा से किया या अमेरिका जैसी विदेशी शक्ति के प्रभाव में। अमेरिका के बड़बोले राष्ट्रपति ने तो सार्वजनिक रूप से बयान दिया है कि उन्होंने रात भर भारत पाकिस्तान को समझाया। कुछ इस आशय की खबरें भी आईं कि अमेरिका ने भारत को व्यापार रोकने की धमकी दी। हालांकि भारत सरकार की ओर से इसका औपचारिक खंडन किया गया है। ट्रम्प व श्री मोदी के बीच कौन सच्चा कौन झूठा की बहस होगी तो एक भारतीय होने के नाते मैं श्री मोदी को सच्चा मानूंगा। यह भी खबरें मीडिया में आईं हैं कि पाकिस्तान ने परमाणु हमले की तैयारी की थी और उसकी सूचना के बाद भारत ने युद्धविराम का निर्णय किया। श्री मोदी के बयान से कि हमें परमाणु युद्ध की धमकी न दें, भी इस सूचना की पुष्टि जैसी है। मैं नहीं जानता कि यह कितनी सही है। परंतु अगर यह सही है तो फिर भारत के राजनेताओं को यह भी मालूम होना चाहिए कि गांधी-लोहिया-और उनके अनुयायी के रूप में यह लिखता कहता रहा हूं कि परमाणु हथियार के बाद भारत पाकिस्तान बराबरी के मुकाबले में आ गये हैं।

शशि थरूर की मुरीद बीजेपी

विदेश जाने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शशि थरूर को पीएम मोदी ने जो इज्जत बख्शी है उससे कांग्रेस का तिलमिलाना स्वाभाविक है। कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने थरूर पर कटाक्ष करते हुए पार्टी लाइन से अलग होने तक का आरोप मढ़ दिया है। फिर भी थरूर के खिलाफ कोई भी एक्शन लेने से पहले कांग्रेस को सौ बार विचार करना होगा। भाजपा के इस कदम से उसके और कांग्रेस में मतभेद बढ़ गए हैं। उन पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस में होने और कांग्रेस का होने में जमीन-आसमान का फर्क है। सरकार ने इस मामले में ईमानदारी नहीं, सिर्फ शरारत दिखाई है और वह ध्यान भटकाने का खेल खेल रही है क्योंकि उसका नैरेटिव 'पंचर' हो गया है। रमेश का तर्क यह भी है कि यह अच्छी लोकतांत्रिक परंपरा नहीं है। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की मीटिंग में कुछ लोगों ने शिकायत की थी कि थरूर पार्टी लाइन से भटक रहे हैं। फिर भी थरूर का सरकारी प्रस्ताव स्वीकार करना, पार्टी को चुनौती देने जैसा ही है। इसके बाद भी कांग्रेस दम साधे समय का इंतजार कर रही है, क्योंकि इस समय वह शशि थरूर के खिलाफ कोई कदम नहीं उठा सकती है। केरल में आने वाले चुनाव में पार्टी को लेफ्ट फ्रंट और बीजेपी से कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है। बीजेपी को कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगाने का इससे बढ़िया मौका आखिर फिर कब मिलता? कांग्रेस को भी पता है कि बीजेपी थरूर के कंधे पर बंदूक रखकर चला रही है। सबसे बड़ी बात यह है कि शशि थरूर की छवि जेंटलमैन की है, ऐसे में कांग्रेस कोई रिस्क नहीं लेना चाहती। बीजेपी भी कांग्रेस से पूछ रही है कि आखिर उन्हें कांग्रेस ने क्यों नहीं चुना। दूसरी ओर जयराम रमेश कह रहे हैं कि सरकार ने पहले अपने हिसाब से नाम तय कर लिए और बाद में औपचारिक रूप से नाम मांगे। रमेश ने इसे 'बेईमान' और 'शरारतपूर्ण' कदम बताया है। थरूर ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल में चुना जाना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने यह भी कहा कि यह मामला राष्ट्रीय हित से जुड़ा है और इसे राजनीतिक नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। थरूर पहले यूएन में सचिव जैसे महत्वपूर्ण पद पर काम कर चुके हैं। वे विदेश मंत्रालय में राज्यमंत्री भी रह चुके हैं। पिछले साल कांग्रेस ने उन्हें विदेश मामलों की स्थायी समिति का अध्यक्ष बनाने की सिफारिश की थी। खास बात यह है कि इंडिया गठबंधन में कांग्रेस के सहयोगी डीएमके की कनिमोझी और एनसीपी की सुप्रिया सुले ने प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनने के प्रस्ताव को पाकर खुश हैं। सरकार ने कांग्रेस के इस दावे को खारिज कर दिया है कि पार्टी को यह तय करना का पूरा अधिकार है कि प्रतिनिधिमंडल में कौन शामिल होगा। कांग्रेस के रुख पर बीजेपी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। भाजपा शशि थरूर की वाकपटुता, यूएन में उनके लंबे अनुभव और विदेश नीति पर उनकी गहरी समझ की मुरीद है।

यूपी की राजनीति में गिरती भाषा और बढ़ती ट्रोलनीति

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में हाल के दिनों में जिस तरह की तीखी बयानबाजी और सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाली बहसों ने तूल पकड़ा है, उसमें सबसे हालिया और विवादास्पद मामला समाजवादी पार्टी के मीडिया सेल द्वारा उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक को लेकर की गई अभद्र टिप्पणी है। यह मामला न सिर्फ एक राजनीतिक टकराव का प्रतीक है, बल्कि यह दर्शाता है कि किस प्रकार डिजिटल युग में राजनीतिक दलों की ओर से किए गए पोस्ट सीधे सामाजिक सौहार्द, नैतिक मर्यादा और राजनीतिक विमर्श की गरिमा पर असर डाल सकते हैं। 16 मई को सपा मीडिया सेल के एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल से एक पोस्ट किया गया जिसमें बृजेश पाठक के डीएनए पर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई। इस पोस्ट में उपमुख्यमंत्री की तुलना सोनागाछी और जीबी रोड जैसे देश के रेड लाइट एरिया से जोड़ते हुए यह कहा गया कि उनका डीएनए इन क्षेत्रों में नियमित रूप से आने वाले लोगों से मिलाया जाना चाहिए, ताकि उनकी वास्तविक पहचान सामने आ सके। पोस्ट में जिस प्रकार के शब्दों और प्रतीकों का इस्तेमाल किया गया, वह न केवल अभद्र था, बल्कि महिलाओं और वंचित वर्गों के प्रति भी एक अपमानजनक दृष्टिकोण को उजागर करता है। यही कारण था कि इस पोस्ट को लेकर तीव्र राजनीतिक प्रतिक्रिया सामने आई और बृजेश पाठक ने स्वयं इसे अपनी दिवंगत माता-पिता का अपमान बताते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव से सार्वजनिक रूप से पूछा कि क्या यही उनकी पार्टी की भाषा है। बृजेश पाठक ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि समाजवादी पार्टी के नेताओं ने जिस स्तर की मानसिकता का परिचय इस पोस्ट के माध्यम से दिया है, वह न केवल स्त्री विरोधी है बल्कि पतित सोच को भी दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीति में विचारों का विरोध होता है, लेकिन किसी के चरित्र और पारिवारिक पृष्ठभूमि पर इस तरह के व्यक्तिगत हमले करना राजनीति को गटर में ले जाने जैसा है। उन्होंने अखिलेश यादव से यह स्पष्ट करने को कहा कि क्या यह उनकी पार्टी की अधिकृत नीति है या किसी असंतुलित व्यक्ति की निजी राय, जिसे पार्टी ने अनुमति दे दी। उन्होंने कहा कि समाजवाद के नाम पर सपा जिन बातों को बढ़ावा दे रही है, वह केवल गाली-गलौच, जातिगत विद्वेष और अनैतिक आचरण का पर्याय बन चुका है। इस पूरे मामले ने भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को भी सक्रिय कर दिया। लखनऊ महानगर भाजपा अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने हजरतगंज थाने में समाजवादी पार्टी के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। एफआईआर में यह कहा गया कि यह पोस्ट न केवल जातीय विद्वेष फैलाने वाली है, बल्कि महिलाओं का घोर अपमान करती है और समाज में आपसी सद्भाव को बिगाड़ने का प्रयास करती है। इसके अलावा पार्टी कार्यकर्ताओं ने लखनऊ में विरोध प्रदर्शन करते हुए अखिलेश यादव का पुतला जलाया और समाजवादी पार्टी के मीडिया सेल पर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि अगर इस प्रकार की अभद्रता के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की ओर से कोई सार्वजनिक माफी नहीं मांगी जाती, तो वे आंदोलन तेज करेंगे। वहीं अखिलेश यादव ने इस पूरे प्रकरण पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि उन्होंने अपने सभी कार्यकर्ताओं से संयमित भाषा का प्रयोग करने को कहा है। लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि उपमुख्यमंत्री को भी अपनी भाषा और व्यवहार पर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीति में यदि सत्ता पक्ष की ओर से निरंतर अपमानजनक आरोप लगाए जाएंगे, तो विपक्षी कार्यकर्ताओं में भी प्रतिक्रिया की भावना उत्पन्न होगी। अखिलेश का यह बयान इस ओर इशारा करता है कि वे इस मामले में पूरी तरह सपा की सोशल मीडिया टीम के साथ खड़े हैं और उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यदि भाजपा को ऐसी टिप्पणियों से आपत्ति है तो उन्हें भी अपने नेताओं के बयानों की जांच करनी चाहिए।

भारत-रूस-चीन सम्बन्धों के रोड़ों को समझिए

कमलेश पांडेय

चूंकि रूस, भारत का सबसे भरोसेमंद देश है, इसलिए उसकी चिंता को भारत हमेशा अपनी चिंता समझता आया है। ठीक इसी प्रकार से रूस को भी भारत की चिंताओं को अपनी चिंता समझनी चाहिए, भले ही वह चीन से ही जुड़ी हुई क्यों न हो! अक्सर देखा जाता है कि भारत-पाकिस्तान मामलों में रूस मुखर हो जाता है, लेकिन भारत-चीन मामलों में मौन! आखिर ऐसा क्यों और कबतक? वहीं, भारत का नया दोस्त अमेरिका, भारत-चीन मामलों में तो मुखर रहता है, लेकिन भारत-पाकिस्तान मामलों में वह थोड़ा पाकिस्तान की तरफ झुक जाता है, ताकि युद्ध बढ़े, हथियार बिकें! भारत इन कूटनीतिक चतुराइयों को बखूबी समझते आया है, इसलिए वह गुटनिरपेक्ष बने रहते हुए भी अमेरिका के मुकाबले रूस से ज्यादा सहानुभूति रखता है। कूटनीतिक मामलों के जानकारों के मुताबिक, भारत-रूस जैसे मजबूत देशों के 'कॉमन शत्रु' अमेरिका-ग्रेट ब्रिटेन समझे जाते हैं। इसलिए यूरोप-अमेरिका खासकर यूएसए-यूनाइटेड किंगडम से मुकाबले के लिए रूस को भारत की जरूरत हमेशा पड़ेगी। भले ही चीन उसके साथ हो किन्तु उसके अलावा भारत की जरूरत भी उसे निश्चित रूप से पड़ेगी, क्योंकि मौजूदा भू-राजनीतिक समीकरण में गुटनिरपेक्ष भारत जिसके पाले में जायेगा, उसे मनोवैज्ञानिक बढ़त मिलेगी। इसलिए वक्त का तकाजा है कि नई दिल्ली-मॉस्को डिप्लोमैटिक एक्सप्रेसवे को बहुत ही तल्लीनता पूर्वक नया आकार दिया जाए। इस नजरिए से रूस के अलावा चीन को भी समझदारी दिखानी पड़ेगी, अन्यथा पश्चिमी देश अपने दूरगामी हितों की पूर्ति के लिए उसे नष्ट करके ही दम लेंगे। इस बात में कोई दो राय नहीं कि चीन को मजबूत आर्थिक व वैज्ञानिक ताकत बनाने में अमेरिका की बड़ी भूमिका है। हालांकि अब चीन, अमेरिका के लिए भस्मासुर बन चुका है, इसलिए अमेरिका उसे पड़ोसियों के साथ उलझाकर बर्बाद करना चाहता है ताकि दुनिया के थानेदार के रूप में उसकी गद्दी सुरक्षित रहे। याद दिला दें कि जैसे यूएसएसआर को अमेरिका ने 1980 के दशक में छिन्न-भिन्न करवा दिया और उसके मजबूत उत्तराधिकारी रूस को यूक्रेन से अवतक उलझाए रखा है। वहीं, चीन को ताइवान-भारत से उलझाकर बर्बाद करना चाहता है। जबकि भारत के खिलाफ पाकिस्तान-बंगलादेश की पीठ ठोकने में कभी प्रत्यक्ष तो कभी छुपे रुस्तम की भूमिका निभाता है। इसलिए रूस-चीन-भारत के त्रिकोण और ब्रिक्स देशों के नेतृत्व को बारीक कूटनीति करनी होगी, ताकि दुनिया पर पश्चिमी देशों के शिकंजे को कमजोर करके एशियाई हित साधा जा सके। इस प्रकार भारत-रूस के ऐतिहासिक सम्बन्धों की दिशा में यदि कोई बाधक तत्व है तो वह चीन की भारत सम्बन्धी 'खलनीति' वाली कूटनीति! देखा जाए तो जिस तरह से चीन ने कभी भारतीय भूभाग रहे स्वायत्त तिब्बत प्रदेश पर 1950 के दशक में कब्जा जमाया और उसे जायज ठहराने के लिए 1962 में भारत पर युद्ध थोपा दिया, वह उसकी दुष्टता की पराकाष्ठा थी। ततपश्चात चीन ने पाकिस्तान जैसे दुश्मन देश को संरक्षण दिया, जो भारतीय गरिमा के खिलाफ है। चूंकि चीन, अपनी कूटनीति के तहत भारत के पड़ोसी देशों-नेपाल, भूटान, म्यांमार, श्रीलंका, मालदीव, पाकिस्तान, बंगलादेश, अफगानिस्तान के अलावा विभिन्न अरब देशों-ईरान, टर्की और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों-इंडोनेशिया, मलेशिया आदि को भारत के खिलाफ भड़काते हुए पाकिस्तान के करीब लाने में मदद करता है, इसलिए भारत को रूस के अलावा अमेरिका और यूरोप को भी साधना पड़ा! दरअसल, दुनियावी भू-राजनीति में 1980 के दशक के उत्तरार्द्ध में सोवियत संघ के पतन और भूमंडलीकरण, निजीकरण के बाद वर्ष 2000 के दशक में एक ऐसा मोड़ आया, जब पूरी दुनिया ने यह महसूस किया कि बेलगाम इस्लामिक आतंकवाद के उन्मूलन के लिए भारत और अमेरिका-यूरोप का साथ आना जरूरी है। चूंकि इस मुद्दे पर दोनों समूहों की चिंताएं साझी प्रतीत हो रही थीं। इसलिए भारत ने भी अमेरिका से दोस्ती का हाथ बढ़ाया, जो कि रूस को नागवार गुजरी। यह बात एक हद तक इसलिए भी सही थी कि अमेरिका-यूरोप कभी भी किसी देश के प्रति वफादार नहीं रहते। इसलिए भारत सदैव इस नई दोस्ती से सतर्क रहा। उसने उत्साहपूर्वक कभी भी रूस-चीन विरोधी पहल में बढ़चढ़ कर हिस्सा नहीं लिया। सिर्फ अपने प्रतिरक्षात्मक हितों को ही वरीयता दिया। इसलिए ढाई दशक बाद ही सही लेकिन ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद दिखाई पड़ी अमेरिकी-यूरोपीय बौखलाहट ने भारत के कान खड़े कर दिए हैं। पहलगाम आतंकी बारदात के बाद शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर में भारत की सफलता से घबराए अमेरिका ने जिस तरह से चीन को साधकर आईएमएफ से उसे अरबों डॉलर की मदद दिलवाई, उससे वह बेनकाब हो चुका है। भारत के लिए अमेरिका-इंग्लैंड शुरू से ही अविश्वसनीय रहे हैं। चूंकि, इन नए रिश्तों के प्रति भारत शुरू से ही चौकन्ना रहा है, इसलिए आज भी भारतीय हित सुरक्षित हैं। कहना न होगा कि अफगानिस्तान-पाकिस्तान में धार्मिक आतंकवाद का बीजारोपण और उन्हें परोक्ष संरक्षण अमेरिका-यूरोप की गुप्त आधिकारिक और कारोबारी नीति रही है, जिनका मकसद एशिया में पहले सोवियत संघ (रूस) और अब चीन व भारत के प्रभाव को कम करना है। इसलिए भारत इनके साथ शुरू से ही फूंक फूंक कर कदम बढ़ा रहा है। यही वजह है कि भारत के रिश्ते सबके साथ समझदारी भरे हैं चूंकि भारत स्वहित के अलावा साउथ ग्लोबल यानी तीसरी दुनिया के देशों का भी हित साधना चाहता है, इसलिए वह जी7 के दांवपेचों को अच्छी तरह से समझता है और जी 20 में उन्हें संतुलित करता है। ऐसे में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव द्वारा 15 मई 2025 को यह कहना कि पश्चिम के देश भारत और चीन को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा कर रहे हैं, सही वक्त पर उठाई हुई सटीक आवाज है। लिहाजा, इस मामले में भारत और चीन को इतिहास की गलतियों को करेक्ट करते हुए आगे बढ़ना होगा, क्योंकि दोनों परमाणु शक्ति सम्पन्न देश हैं। दरअसल, मास्को में एक समिट के दौरान उन्होंने एशिया पैसिफिक क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि ये देखना जरूरी है कि अभी क्या हो रहा है? क्योंकि पश्चिम के देशों ने अपनी नीति को मोटे तौर पर चीन विरोधी दिशा देने के लिए इस क्षेत्र को हिंद प्रशांत क्षेत्र कहना शुरू कर दिया है। उन्होंने खुलासा किया कि इसके जरिए पश्चिम देश इस उम्मीद में हैं कि पड़ोसी देशों चीन और भारत के बीच टकराव पैदा किया जा सके। इसके साथ ही लवरोव ने आसियान का भी जिक्र किया और कहा कि पश्चिम के देश आसियान की भूमिका को भी कम करने की भी कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पश्चिमी देश दुनिया के दूसरे हिस्सों की तरह यहां भी प्रभावशाली रोल में आना चाहते हैं, जिससे आसियान की केंद्रीयता प्रभावित हो सके।

मालदार दूल्हा ढूंढने वालों खुद से भी सवाल करो!

डॉ सत्यवान 'सौरभ'

भारत में दहेज प्रथा एक ऐसा सामाजिक अभिशाप है जो आज भी गहरे तक जड़ें जमाए हुए है। दहेज लेना न सिर्फ एक अपराध है, बल्कि यह उस महिला के सम्मान का अपमान है जिसे एक बेटी, पत्नी और बहू के रूप में समाज में उच्च स्थान दिया जाता है। परंतु, यह प्रथा केवल पुरुषों के लालच तक सीमित नहीं है, बल्कि कई बार इसे बढ़ावा देने में खुद परिवार और समाज की सोच भी शामिल होती है। दहेज के विरोध में बोलना एक बात है और अपने घर की बेटियों के लिए एकलौता मालदार दूल्हा ढूंढना दूसरी। यह विरोधाभास हमारी मानसिकता की गहरी खाई को उजागर करता है। हम एक ओर दहेज का विरोध करते हैं, पोस्ट लिखते हैं, नारे लगाते हैं, और दूसरी ओर जब अपनी बेटियों की शादी की बात आती है, तो संपन्न परिवार और मोटी तनख्वाह वाले लड़के की खोज में जुट जाते हैं। यह दोहरी सोच एक ऐसी सामाजिक बीमारी है जो हमें अपने मूल्यों से दूर कर रही है। यह मानसिकता केवल दहेज तक सीमित नहीं है। यह हमारी सोच का एक व्यापक हिस्सा है जो समाज के हर पहलू में दिखाई देता है। उदाहरण के लिए, जब हम किसी लड़की के लिए लड़का देखते हैं, तो हम उसकी शिक्षा, विचारधारा, और चरित्र से अधिक उसकी आर्थिक स्थिति को महत्व देते हैं। यह सोच न केवल लड़कियों को वस्तु की तरह पेश करती है, बल्कि लड़कों पर भी आर्थिक दबाव डालती है कि वे एक 'आदर्श वर' बनने के लिए अपने कैरियर और कमाई पर अधिक ध्यान दें। इस सोच का सबसे बड़ा उदाहरण तब देखने को मिलता है जब शादी के विज्ञापनों में 'अच्छे परिवार', 'सरकारी नौकरी', और 'खूब कमाने वाले लड़के' की मांग की जाती है। यह केवल एक आर्थिक सुरक्षा की मांग नहीं है, बल्कि एक गहरी मानसिकता का परिचायक है, जो यह मानती है कि लड़की को खुश रखने के लिए धन ही सबसे महत्वपूर्ण तत्व है। यह न केवल विवाह को एक व्यापार बना देता है, बल्कि एक सच्चे रिश्ते की नींव को भी कमजोर करता है। ऐसी स्थिति में सवाल यह उठता है कि क्या हम सच में इतने असुरक्षित हैं कि हमें अपनी बेटियों की खुशियों के लिए एक मात्र आर्थिक स्थिरता की जरूरत है? क्या हमें यह समझने में अब भी देरी है कि एक अच्छे इंसान का मोल उसके चरित्र, विचार और व्यवहार से आंका जाना चाहिए, न कि उसकी जेब की गहराई से? इस मानसिकता से बाहर निकलना जरूरी है। यह तब ही संभव है जब हम अपने बेटों को यह सिखाएं कि उनकी कीमत उनके चरित्र से है, न कि उनके वेतन से। हमें अपनी बेटियों को यह सिखाना होगा कि उनका मूल्य उनकी खुद की पहचान से है, न कि किसी के नाम के साथ जुड़ने से। इसके लिए एक सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। हमें अपने समाज में इस दोहरे मापदंड को समाप्त करना होगा और ऐसी पीढ़ी का निर्माण करना होगा जो सच्चे अर्थों में समानता और सम्मान का अर्थ समझे। हमारे समाज में दहेज की परंपरा का इतना गहरा प्रभाव है कि लोग इसे सम्मान का प्रतीक मानते हैं। कई बार तो इसे शान और प्रतिष्ठा की बात समझा जाता है, और जो इसे नहीं मानता, उसे समाज में कमतर माना जाता है। यह सोच केवल बेटियों को नहीं, बल्कि पूरे समाज को कमजोर करती है। यह परिवारों को कर्ज में डुबोती है, रिश्तों में दरारें डालती है और समाज की नींव को हिला देती है। दहेज के खिलाफ लड़ाई तब ही सफल होगी जब हम इस समस्या को केवल कानून से नहीं, बल्कि अपनी मानसिकता से भी मिटाएंगे। हमें ऐसे समाज का निर्माण करना होगा जहां लड़कियों की शिक्षा, आत्मनिर्भरता और स्वतंत्रता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। इसके अलावा, हमें अपने बेटों को यह सिखाना होगा कि वे अपने जीवनसाथी का चयन केवल उनकी योग्यता, चरित्र और विचारधारा के आधार पर करें, न कि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को देखकर। यह बदलाव केवल एक व्यक्ति की सोच से नहीं, बल्कि पूरे समाज की सोच में बदलाव लाने से संभव है। समय आ गया है कि हम दहेज की इस बिमारी को जड़ से उखाड़ फेंके और एक ऐसे समाज की नींव रखें जहां विवाह एक समान और सम्मानजनक बंधन हो, न कि आर्थिक सौदेबाजी का माध्यम। हमें यह समझना होगा कि शादी एक पवित्र संबंध है, न कि व्यापार। सिर्फ कानून बनाना ही काफी नहीं है। हमें अपने विचारों, परंपराओं और सोच में बदलाव लाना होगा। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे घरों में बेटियों और बेटों को समान रूप से महत्व दिया जाए। हमें अपने बेटों को जड़ से यह सिखाना होगा कि वे अपने जीवनसाथी का सम्मान करें, उन्हें एक समान साथी मानें, न कि एक वस्तु के रूप में।

साहित्य का सेल्फी प्रेमी और लेखक

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

शहर में खबर उड़ी कि कोई बड़ा साहित्यकार पधारे हैं। मैं भी लपककर मिलने चला गया - जैसे कुत्ते के आगे हड्डी डाल दी जाए तो वो भौंकते हुए दौड़ता है। उनसे मिलते ही मैंने अपने घर को 'पावन' करने का निमंत्रण दिया। लेकिन उन्होंने भावनाओं पर चूना फेरते हुए सवाल दाग दिया- "तुम्हारा नाम श्रेष्ठ साहित्यकारों की किसी लिस्ट में है?" मैं ठहरा लेखक, वो भी हाशिए का। सिर हिलाकर इंकार किया। तो जनाब ने ऐसी संवेदना जताई जैसे मैंने बता दिया हो कि मैं अनाथ हूं- "च..च..ऽ..ऽ..च्च..ऽ..!" और फिर अपनी रैंकिंग ऐसे गिनाई जैसे शेयर मार्केट की रिपोर्ट पढ़ रहे हों। "देखो, पचास वालों में नवें पर, सौ वालों में दसवें पर, पर तीसरी में तिरसठवें पर ठेल दिया कमबख्तों ने!" मानो तीसरी सूची वालों ने उनके साथ कोई वैश्विक षड़यंत्र रच डाला हो। कुछ पल तो वे वैसे चुप रहे जैसे नेता संसद में विपक्ष की बात सुन रहे हो, फिर अचानक पूछ बैठे-"किस विधा में लिखते हो, तुम?" मैंने डरते-डरते कहा, "व्यंग्य लिखता हूं... पर अब एक उपन्यास भी लिखा है।" चेहरे पर वैसी मुस्कान आई जैसी डॉक्टर मरीज के एक्स-रे में कैंसर देखकर लाता है-"क्या भूमिका मुझसे लिखवानी है?" मैंने कहा-"जी नहीं।" फिर पूछे, "तो प्रकाशित करवाना है?" जैसे मैं उनकी चौखट पर प्रकाशन की भीख मांगने आया हूं। मैंने साफ किया- "छप चुका है... भेंट देने आया हूं।" उन्होंने किताब ऐसे पकड़ी जैसे कोई सरकारी बाबू फाइल पकड़ता है-बेमन से। किताब को उलट-पुलट कर पूछा, "कितनी रॉयल्टी देगा बंदा?" जैसे प्रकाशक नहीं, साहूकार हो। मैंने कहा—"निशुल्क योजना में छपा है, रॉयल्टी नहीं मिलेगी।" चेहरे पर ऐसा भाव आया जैसे चाय में मक्खी गिर गई हो। फिर सवाल—"कोई शिक्षा बोर्ड या यूनिवर्सिटी ने इसे सिलेबस में लिया है?" मैंने जवाब दिया, "जी नहीं, चार महीने ही हुए हैं।" तो वे हंसे... नहीं नहीं, ठहाका था! ऐसा ठहाका जैसे संसद में बहुमत मिल गया हो। बोले, "मेरा उपन्यास दो महीने में कोर्स में लग गया था।" फिर एक-एक विश्वविद्यालय गिनाने लगे-मानो आकाशवाणी पर वर्ल्ड कप की घोषणा हो रही हो। मैं अवाक! लेकिन वे अविराम! पूछे-"तुम्हारी इस किताब को कोई पुरस्कार मिला?" मैंने कहा, "प्रविष्टि नहीं भेजी, कोई विज्ञप्ति नहीं निकली।" उन्होंने ऐसा मुंह बनाया जैसे मैंने चाय में नमक डाल दिया हो। बोले, "मेरे कहानी संग्रह के विमोचन के तीसरे दिन ही पुरस्कार घोषित हो गया था।" उनके अंदाज में ऐसा ठाठ था जैसे कोई बड़प्पन की थाली परोस रहा हो, और मैं उस थाली में से बस चम्मच मांगने गया हूं। अब आई सबसे तगड़ी पंचलाइन-"तुम्हारी इस किताब पर कोई शोध हुआ?" मैंने कहा, "अभी तो आई है, सर।" फिर से वही करुणा की मुस्कान-जैसे डॉक्टर कह रहा हो, "लिवर काम नहीं कर रहा बेटा।" बोले, "तो मेरी किसी किताब पर शोध कर डालो, डॉक्टर हो जाओगे।" जैसे डिग्रियां घर बैठे बाँटी जा रही हों और मैं मूर्ख, यूं ही पसीना बहा रहा हूं। मैंने भी मन ही मन सोचा- 'भाईसाब तो आत्मप्रशंसा के विश्वकप के कप्तान हैं।'

स्वर्ग मिलेगा या नर्क? यमराज के इस मंदिर में होता है फैसला, अंदर जाने से कतराते हैं लोग

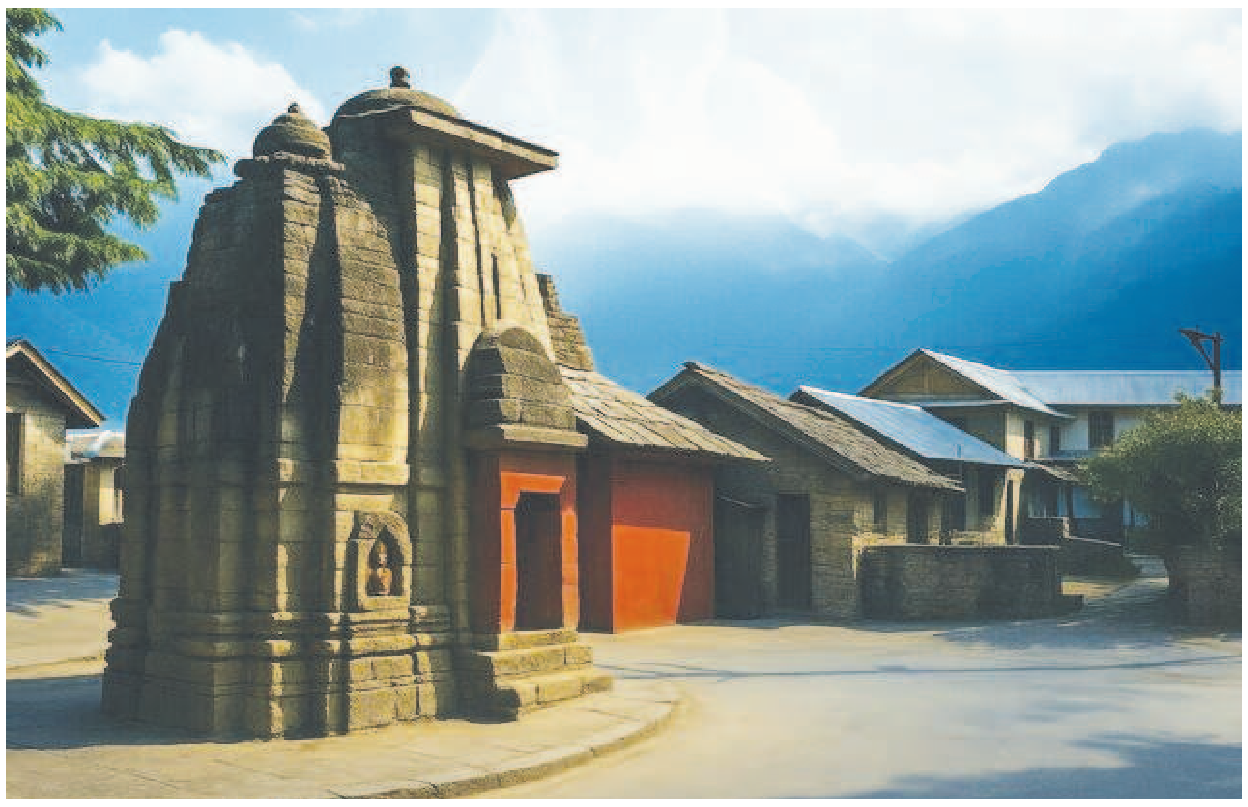

भारत एक ऐसा देश है जहां हर मंदिर के पीछे कोई न कोई रहस्य जरूर होता है। लेकिन क्या आपने कभी यमराज के मंदिर के बारे में सुना है? वही यमराज जिन्हें मृत्यु का देवता कहा जाता है।

आमतौर पर लोग भगवान शिव, विष्णु या देवी-देवताओं के मंदिर में दर्शन करने जाते हैं, लेकिन हिमाचल प्रदेश के एक गांव में ऐसा मंदिर है, जहां लोग भीतर जाने से डरते हैं। वे बाहर से ही सिर झुका लेते हैं और हाथ जोड़ लेते हैं। ऐसा माना जाता है कि यहां आत्माओं का हिसाब-किताब होता है और यमराज खुद निर्णय लेते हैं कि आत्मा को स्वर्ग मिलेगा या नरक।

आखिर कहां है यह मंदिर?

यह अनोखा मंदिर हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के भरमौर इलाके में स्थित है। इस जगह को धरमराज मंदिर कहा जाता है। यह मंदिर देखने में बिल्कुल साधारण घर जैसा लगता है, लेकिन इसके भीतर जो मान्यताएं हैं, वे इसे बेहद खास बनाती हैं। ऐसा कहा जाता है कि जब किसी की मृत्यु होती है, तो यमदूत उसकी आत्मा को इसी मंदिर में लाते हैं।

चित्रगुप्त का भी है एक कमरा

मंदिर के अंदर एक कमरा है जिसे चित्रगुप्त का कमरा कहा जाता है। इस कमरे में कोई मूर्ति नहीं है, लेकिन माना जाता है कि यहीं चित्रगुप्त आत्मा के कर्मों का लेखा-जोखा पढ़ते हैं। यमदूत आत्मा को यहां लाकर चित्रगुप्त के सामने खड़ा करते हैं, जहां उसके पूरे जीवन के अच्छे और बुरे कर्म सामने आते हैं।

यमराज करते हैं फैसला

चित्रगुप्त के कमरे के सामने एक और कमरा है, जिसे यमराज की अदालत कहा जाता है। यहीं यमराज बैठकर यह फैसला करते हैं कि आत्मा को स्वर्ग भेजा जाए या नर्क। यह अदालत किसी इंसानी अदालत से कहीं अधिक रहस्यमयी मानी जाती है, क्योंकि यहां इंसान नहीं, आत्माएं पेश होती हैं।

चारों दिशाओं में हैं चार द्वार

मंदिर के चारों ओर चार दरवाजे हैं, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे सोना, चांदी, तांबा और लोहा- इन धातुओं से बने हैं। गरुड़ पुराण में भी इनका ज़िक्र आता है। आत्मा को किस द्वार से बाहर ले जाया जाएगा, यह उसके कर्मों पर निर्भर करता है। जिसने अच्छे कर्म किए हों, उसे स्वर्ण द्वार से स्वर्ग ले जाया जाता है, जबकि पापी को लोहे के द्वार से नर्क की ओर भेजा जाता है।

18 साल बाद केतु का सिंह राशि में गोचर

मेष, धनु समेत 5 राशियों को चारों तरफ से होगा लाभ ही लाभ

केतु ग्रह 18 मई को कन्या राशि से निकलकर सिंह राशि में प्रवेश करने वाले हैं। वैदिक ज्योतिष में, केतु को एक छाया ग्रह माना जाता है, जो जीवन के कई पहलुओं पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। यह हर 18 महीने में एक राशि से दूसरी राशि में गोचर करता है, जिससे भाग्य, अवसरों और समस्याओं में महत्वपूर्ण बदलाव आते हैं। इस तरह केतु 18 साल बाद सूर्यदेव की राशि सिंह में प्रवेश करने वाले हैं। केतु जब भी राशि परिवर्तन करते हैं, उसका प्रभाव मेष से मीन तक सभी 12 राशियों पर पड़ने वाला है। कुछ राशियों के लिए केतु का सिंह राशि में गोचर उतार-चढ़ाव की स्थिति लेकर आएगा तो कुछ राशियों को केतु के गोचर से फायदा भी होने वाला है। आज हम उन राशियों के बारे में बताएंगे, जिनको केतु के गोचर से फायदा होने वाला है।

केतु के गोचर का मेष राशि पर प्रभाव

मेष राशि वालों के लिए केतु का गोचर फायदेमंद होने वाला है। केतु का गोचर रचनात्मक और प्रफेशनल प्रयास में अपार अवसर लेकर आएगा। साथ ही नेतृत्व करने की क्षमता में वृद्धि भी होगी। आपके द्वारा किए जा रहे कार्यों को पहचान मिलेगी और सभी आपके कार्यों से काफी प्रभावित भी होंगे। वित्तीय वृद्धि की संभावना बन रही है और जो लोग कलात्मक गतिविधियों में शामिल हैं, वे नए मील के पत्थर हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा, आप धार्मिक या शुभ अनुष्ठानों में शामिल हो सकते हैं, जो आपको आध्यात्मिक रूप से बढ़ने में मदद करेंगे।

केतु के गोचर का सिंह राशि पर प्रभाव

केतु आपकी राशि के लग्न भाव अर्थात पहले स्थान पर गोचर करने वाला है। इस दौरान वित्तीय समृद्धि के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे और कई कार्य समय पर भी पूरे होंगे। अगर आप नौकरी बदलने के बारे में सोच रहे हैं, तो आप प्रफेशनल लक्ष्यों से मेल खाने वाले नए अवसरों पर नजर रखें। आपके भाई-बहनों के साथ आपका संबंध मजबूत होगा और उनका समर्थन पर्सनल और प्रफेशनल स्थितियों में उपयोगी हो सकता है। व्यवसायी वित्तीय सफलता की उम्मीद कर सकते हैं क्योंकि उनके प्रयास लाभकारी परिणाम देने लगेंगे।

केतु के गोचर का वृश्चिक राशि पर प्रभाव

केतु का गोचर वृश्चिक राशि वालों के लिए लाभकारी सिद्ध होने वाला है। इस दौरान आपको पिछले निवेशों से लाभ होने की संभावना बन रही है, जिससे महत्वपूर्ण कमाई होगी।

सिंह राशि में केतु का गोचर वृश्चिक राशि वालों के लिए करियर और व्यवसाय दोनों में महत्वपूर्ण सुधार लाने की संभावना है। केतु का सिंह राशि में गोचर से वृश्चिक राशि वाले नौकरी की तलाश करने वालों को अंततः काम मिल सकता है, जबकि जो काम कर रहे हैं, उनको करियर में उन्नति और वित्तीय स्थिरता की उम्मीद कर सकते हैं। वहीं व्यापार में नए अवसरों के लिए द्वार खुलेंगे और कई प्रतिष्ठित ऑर्डर भी आपको मिल सकते हैं।

केतु के गोचर का धनु राशि पर प्रभाव

केतु का गोचर धनु राशि वालों के लिए शुभ फलदायी साबित होने वाला है। इस दौरान आपके द्वारा की गई मेहनत का फल मिलेगा और अच्छा धन लाभ होने की भी संभावना बन रही है। यह समय विशेष रूप से उन लोगों के लिए नए अवसर प्रदान करेगा जो रोजगार में हैं। करियर की चुनौतियां कम हो सकती हैं और विकास और उपलब्धियों के नए अवसर उभरेंगे। वित्तीय रूप से यह अवधि अनुकूल प्रतीत होती है, जिसमें वृद्धि और स्थिरता के अवसर हैं। केतु के सिंह राशि में गोचर से धनु राशि वालों का स्वास्थ्य भी अच्छा रहने की संभावना है, जिससे आप पर्सनल व प्रफेशनल लाइफ में नई ऊर्जा लगा सकें। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रा की संभावना है, जो दिलचस्प अनुभव और सीखने के अवसर प्रदान कर सकती है।

केतु के गोचर का कुंभ राशि पर प्रभाव

केतु का गोचर कुंभ राशि वालों के लिए कल्याणकारी साबित होगा। इस दौरान कुंभ राशि वालों को अच्छे अवसर मिलेंगे, जिससे नौकरी की उपलब्धियां, धन लाभ और व्यवसाय का विस्तार शामिल है। केतु का प्रभाव उन्हें पिछले अवरोधों को दूर करने और जीवन पर एक नई दृष्टिकोण प्राप्त करने में मदद करेगा। करियर में उन्नति और वित्तीय स्थिरता भी संभावित है, जिससे यह दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने का शुभ समय बनता है। व्यवसाय मालिक नए अनुबंधों और संबंधों की उम्मीद कर सकते हैं, जो उनके व्यवसाय को बढ़ाने में मदद करेंगे।

जेठ में सूखे तुलसी पौधे को फेंके नहीं लकड़ी से घर में करें ये उपाय

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को लक्ष्मी स्वरूप माना गया है। तुलसी को माता का दर्जा भी दिया जाता है। मान्यता है कि जो जातक तुलसी पूजा करते हैं, उनके घर में कभी पैसों की कमी नहीं होती। साथ ही घर में सुख-समृद्धि और शांति का वास होता है। हालांकि, माह के अनुसार तुलसी पूजा का विधान भी बदलता है।

इन दिनों ज्येष्ठ माह की शुरुआत हो चुकी है। जेठ में गर्मी चरम पर होती है। सूरज आग उगलता है। इस कारण बड़े-बड़े पेड़ सूख जाते हैं। तमाम घरों में तुलसी भी सूख जाती हैं। अगर आपके घर में भी तुलसी सूख गई हैं तो उनकी लकड़ी को फेंके नहीं, बल्कि कुछ उपाय कर लें, घर में लक्ष्मी का वास होगा। उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज से जानें जेठ में तुलसी पूजन का विधान।।

आर्थिक तंगी: जेठ महीने में अगर तुलसी सूख गई हैं तो उसकी जड़ को एक पीले कपड़े में बांधकर अपने घर के मुख्य द्वार पर लटका दें। इससे हमेशा घर में लक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी। इस उपाय को करने से श्रीहरि प्रसन्न होते हैं और आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। साथ ही धन लाभ के योग बनते हैं।

सूखी तुलसी: सुखी तुलसी की लकड़ी थोड़ी लेकर एक बंडल बना लें और इसे सूत या फिर सफेद धागे से बांध दें। इसके बाद गंगाजल में डूबो दें। फिर हर सप्ताह इससे पूरे घर में गंगाजल छिड़क दें। ऐसा करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा समाप्त हो जाएगी।

सुख-समृद्धि: जेठ महीने में हर रोज तुलसी के पौधे में जल अर्पण अवश्य करना चाहिए। उस जल में थोड़ा सा दूध मिला लें। लाल चुनरी अवश्य अर्पण करें। साथ ही, हर संध्या का दीपक तुलसी पेड़ के नीचे जरूर जलाएं। इससे माता लक्ष्मी बेहद प्रसन्न होती हैं। घर में सुख-समृद्धि का वास होता है।

महिलाओं को कौन से पैर में बांधना चाहिए काला धागा?

ज्योतिषाचार्य रवि पाराशर के अनुसार, कोई महिला अगर पैरों में काला धागा बांधना चाहती हैं, तो इसके लिए बायां पैर उपयुक्त माना गया है। काला धागा बांधने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव अधिक होता है।

काला धागा किस दिन और कैसे बांधें?

काला धागा बांधने के लिए शनिवार का दिन सबसे शुभ माना जाता है। इस दिन सुबह स्नान करके स्वच्छ वस्त्र पहनें। फिर किसी शनि मंदिर जाएं, वहां तेल अर्पित करें और शनि देव से अपने मन की बात कहें। इसके बाद साफ-सुथरा काला धागा, जिसमें कोई गांठ न हो, अपने बाएं पैर में बांध लें।

कुछ लोग इसे सीधे ही पैरों में बांध लेते हैं, लेकिन अगर आप पहले उसे पूजा स्थल पर थोड़ी देर के लिए रखकर, मन में ध्यान करते हुए बांधें, तो उसका प्रभाव और अधिक बढ़ जाता है।

कहां बांधना चाहिए काला धागा?

पैरों में काला धागा टखने से थोड़ा ऊपर या नीचे बांधना चाहिए। यह न तो बहुत कसा हुआ हो और न ही बहुत ढीला। हालांकि इसे हाथ की कलाई या बाजू में भी बांधा जा सकता है, लेकिन पैरों में बांधना अधिक प्रभावशाली माना गया है।

काला धागा बांधने के फायदे

बार-बार बीमार पड़ने पर यह शरीर की ऊर्जा को संतुलित करता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है।

विवाह में बार-बार अड़चनें आ रही हों, तो शनिवार के दिन यह उपाय करने से सकारात्मक बदलाव आता है।

नौकरी या व्यापार में नुकसान या मेहनत का फल न मिलने पर यह उपाय राहत दिला सकता है।

अगर कुंडली में शनि, राहु या केतु की स्थिति अशुभ हो, तो काला धागा पहनना लाभकारी होता है।

घर में मानसिक अशांति या पारिवारिक झगड़े हो रहे हों, तो यह उपाय वातावरण को शांत करता है।

सपने में नजर आएं ये 5 चीजें तो समझ जाइए बदलने वाली है किस्मत!

स्वप्न शास्त्र के मुताबिक हर सपने का कोई न कोई मतलब जरूर होता है, साथ ही इनमें भविष्य से जुड़े संकेत भी छिपे होते हैं। प्राचीन ग्रंथों में स्वप्न शास्त्र के नाम से एक पूरी विद्या मौजूद है, जिसमें बताया गया है कि कौन सा सपना क्या इशारा करता है। इनमें से कुछ सपने जीवन में होने वाले बदलावों, लाभ या किसी बड़ी खुशी से जुड़े होते हैं। हर इंसान सोते समय सपने देखता है। अधिकतर सपने हमारे दिनभर के अनुभवों और सोच से बनते हैं, लेकिन कुछ सपने ऐसे होते हैं, जिनका सीधा संबंध हमारे आने वाले समय से होता है। स्वप्न शास्त्र में कई ऐसे सपनों का ज़िक्र है, जो अच्छे समय के आने का इशारा देते हैं। नीचे हम ऐसे ही पांच सपनों की बात कर रहे हैं, जो आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत से पहले दिखाई देते हैं।

चांद को देखना

अगर आप सपने में स्पष्ट और चमकता हुआ चंद्रमा देखते हैं, तो यह बहुत ही शुभ संकेत माना जाता है। यह सपना बताता है कि आपके घर में सुख-शांति और प्रेम का माहौल बनेगा। अगर परिवार में कोई तनाव या मतभेद चल रहा है, तो वह भी समाप्त हो जाएगा। यह सपना पारिवारिक एकता और मानसिक शांति का संकेत देता है।

नाखूनों को काटना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, अगर आप खुद को सपने में नाखून काटते हुए देखें, तो यह एक सकारात्मक संकेत है। यह सपना बताता है कि आप अपने जीवन से पुराने बोझ, बाधाएं या कर्ज से जल्द ही मुक्त हो सकते हैं। साथ ही, आर्थिक स्थिति में सुधार और आत्मविश्वास में वृद्धि भी देखने को मिल सकती है।

आकाश में उड़ना

सपने में खुद को उड़ता हुआ देखना बहुत शुभ संकेत माना गया है। यह सपना बताता है कि आपकी परेशानियों का समय अब खत्म होने वाला है और आप एक नई शुरुआत की ओर बढ़ रहे हैं। और जल्द ही आपको आर्थिक फायदा होगा।

नदी को देखना

बहती नदी को सपने में देखना इस बात का इशारा होता है कि आपके जीवन में कोई नई ऊर्जा आने वाली है। यह सपना यह भी दर्शाता है कि आपको कोई शुभ समाचार मिल सकता है, जैसे नौकरी में तरक्की, नया अवसर या पारिवारिक खुशियां।

खत्म हो गया था अर्जुन का युग

महाभारत में ये दिखाया गया हर योद्धा का समय और कर्म उसकी शक्ति को प्रभावित करता है। युद्ध के बाद अर्जुन का युग समाप्त हो चुका था।

दस्युओं के सामने उनकी असफलता यह संकेत थी कि उनका युद्ध-काल खत्म हो गया, इसके साथ ही उनके गांडीव और धनुर्विद्या का असर भी।

दस्युओं के सामने अर्जुन की नाकामी प्रतीकात्मक थी। जिसने उन्हें अहसास कराया कि बिना दैवीय समर्थन और आत्मविश्वास के सबसे महान योद्धा भी असफल हो सकता है। यह घटना अर्जुन को उनकी नश्वरता और कृष्ण पर उनकी निर्भरता का अहसास कराने के लिए भी थी।

तब अर्जुन की समझ में क्या आया

कृष्ण के निधन और दस्युओं के सामने असफलता के बाद अर्जुन को जीवन की नश्वरता का अंदाज हो गया। उन्हें लग गया कि उनका युग खत्म हो गया। ये भी समझ में आया कि अब तक वो जो कुछ थे, उसमें कृष्ण का योगदान बहुत ज्यादा था। ये भी समझ में आया कि समय अब बदल गया है। अब उन्हें अलग दृष्टिकोण के साथ जीवन बिताने की जरूरत है।

अर्जुन को यह उम्मीद नहीं थी कि उनके साथ दस्युओं के सामने ऐसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है, क्योंकि उनकी शक्ति, गांडीव, और कृष्ण का साथ उन्हें अपराजेय बनाता था। हालांकि कृष्ण के उपदेश और यादव विनाश जैसे घटनाक्रमों ने उन्हें जीवन की क्षणभंगुरता के बारे में तो समझा ही दिया था। दस्युओं के सामने उनकी असफलता उनके लिए अप्रत्याशित थी।

फिर अर्जुन ने क्या फैसला किया

दस्युओं के सामने असफलता के बाद अर्जुन ने अपने प्रिय गांडीव धनुष को त्यागने का निर्णय लिया। ये धनुष उनकी शक्ति और पहचान का प्रतीक था, अब वो केवल एक साधारण हथियार में बदल चुका था। महाभारत के अनुसार, अर्जुन ने गांडीव को अग्निदेव को लौटा दिया, जिससे उन्हें ये मिला था। इसका मतलब था कि एक योद्धा के रूप में उनका जीवन खत्म हो गया है।

इसके बाद उन्होंने अपने साथ तीर धनुष रखना बिल्कुल छोड़ दिया। कहा जा सकता है कि उन्हें सांसारिकता के जिन साधनों ने बांधकर रखा था, उससे उन्होंने छुटकारा पा लिया। ऐसे भी कृष्ण के नहीं रहने और दस्युओं से ऐसी हार के बाद अर्जुन को लगने लगा था कि अब इस दुनिया में उनका काम नहीं रह गया। लिहाजा अब उन्हें यहां से कूच के बारे में सोचना चाहिए।

इसके बाद उन्होंने और अन्य पांडवों ने हस्तिनापुर का शासन युधिष्ठिर के पुत्र परीक्षित को सौंपकर वैराग्य की ओर जाने का फैसला किया। वे हिमालय की ओर तप और मोक्ष की खोज में निकल पड़े। वो हिमालय की ओर निकल पड़े, जो उनकी अंतिम यात्रा थी। **(समाप्त)**

शिष्य अपने गुरु का: महात्मा विदुर ने बताया है कि शिष्य जब शिक्षा ग्रहण करके चला जाता है तो अपने गुरु का उपकार नहीं मानता है। वह अपने गुरु का अनादर करता है।

विवाहित बेटा अपनी माता का: जिन बेटों का विवाह हो जाता है, उनमें से अधिकांश अपनी माता के उपकारों को भूल जाते हैं। वे अपनी माता का अनादर करते हैं।

पुरुष स्त्री का: विदुर के अनुसार पुरुष जब काम वासना से पीड़ित होता है तो वह स्त्री से सहवास करता है। जब उसकी कामवासना शांत हो जाती है तो स्त्री का तिरस्कार कर देता है।

मालिक सहायक का: जिनके घर पर नौकर होते हैं, यदि वे काम करके चले जाते हैं तो उनका मालिक उनका उपकार नहीं मानता है। उपकार मानने की बजाय उसका अपमान करता है।

नदी पार करने वाला नाव का: जब कोई व्यक्ति नदी के किनारे होता है तो वह नाव में सवार होकर दूसरे किनारे पहुंच पर जाता है। एक बार नदी पार कर लेने के बाद वह नाव का आदर नहीं करता, उसका उपकार नहीं मानता है।

रोगी व्यक्ति डॉक्टर का: कोई व्यक्ति किसी रोग से पीड़ित होता है तो वह इलाज के लिए डॉक्टर के पास जाता है।

डॉक्टर उसे ठीक कर देता है। एक बार ठीक होने के बाद वह व्यक्ति उस डॉक्टर को भूल जाता है। उसका उपकार नहीं मानता।

चिरंजीवी के साथ नयनतारा की तीसरी फिल्म में बनेगी जोडी

मेगा स्टार चिरंजीवी की फिल्मों का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार करते हैं। इन दिनों चिरंजीवी निर्देशक अनिल रविपुडी की फिल्म को लेकर चर्चाओं में हैं, जिसकी कास्टिंग पर काम चल रहा है। इस फिल्म को अभी 'मेगा157' के नाम से बुलाया जा रहा है। अब इस फिल्म में साउथ की फीमेल सुपरस्टार की एंट्री हो गई है। जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह और भी बढ़ गया है।

तेलुगु सिनेमा में नयनतारा की वापसी

चिरंजीवी की 'मेगा157' को लेकर मेकर्स ने एक बड़ी घोषणा की है। मेकर्स ने फिल्म की लीड एक्ट्रेस का चयन कर लिया है। ये लीड एक्ट्रेस कोई और नहीं बल्कि साउथ की फीमेल सुपरस्टार कही जाने वाली अभिनेत्री नयनतारा हैं। इस फिल्म के जरिए नयनतारा तेलुगु सिनेमा में वापसी कर रही हैं।

नयनतारा के फिल्म में शामिल होने की घोषणा मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए की। निर्देशक अनिल रविपुडी ने नयनतारा की फिल्म में एंट्री करने की घोषणा करते हुए एक प्रोमो एक्स पर साझा किया। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा, "खूबसूरती की क्वीन नयनतारा का हमारे 'मेगा157' के सफर में स्वागत है। वह एक बार फिर हमारे मेगास्टार चिरंजीवी के साथ अपनी कला और खूबसूरती की शान लेकर आई हैं।"

चिरंजीवी के साथ नयनतारा की तीसरी फिल्म

मेकर्स की इस पोस्ट को चिरंजीवी ने री-शेयर करते हुए लिखा, "हैट्रिक फिल्म के लिए स्वागत है नयनतारा।" दरअसल, चिंरजीवी के साथ ये नयनतारा की तीसरी फिल्म है। इससे पहले नयनतारा और चिरंजीवी की जोड़ी 2019 में 'सई रा नरसिम्हा रेड्डी' और 2022 में आई 'गॉडफादर' में नजर आ चुकी है। इस फिल्म को निर्देशक अनिल रविपुडी की पिछली फिल्मों की तरह कॉमेडी-एक्शन एंटरटेनर बताया जा रहा है।

कन्नड़ विवाद पर सोनू निगम की बढ़ी मुश्किलें, गायक का बयान दर्ज करेगी बंगलूरू पुलिस

सोनू निगम ने अपने बंगलूरू कॉन्सर्ट के दौरान कन्नड़ भाषा पर कथित तौर पर विवादित टिप्पणी की थी, जिसके बाद उन पर एफआईआर की गई। हालांकि, बीते दिन उन्हें कोर्ट ने राहत देते हुए कहा था कि उन पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। लेकिन अब एक बार फिर से उनकी मुश्किलें बढ़ गईं हैं, क्योंकि बंगलूरू पुलिस गायक का बयान दर्ज करेगी। जानिए पूरी खबर।

सोनू निगम का बयान होगा दर्ज

एक रिपोर्ट के अनुसार जानकारी सामने आई है कि बंगलूरू पुलिस की टीम, जिसमें अवलाहल्ली पुलिस स्टेशन के एक इंस्पेक्टर और दो अन्य अधिकारी शामिल हैं। ये पूरी टीम मुंबई में हैं, जिससे सोनू निगम से पूछताछ की जा सके। इसके अलावा इस बयान की रिकॉर्डिंग की पूरी प्रक्रिया वीडियो में कैद की जाएगी। रविवार के दिन ही गायक से पूछताछ

की जा सकती है।

जानिए मामला और अपडेट

बंगलूरू कॉन्सर्ट के दौरान कुछ दर्शकों ने सोनू निगम से कन्नड़ में गाने का अनुरोध किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक गायक ने अनुरोध को अस्वीकार कर दिया और उन्होंने वहां मौजूद कुछ लोगों पर अशिष्टता का आरोप लगाया। सोनू निगम ने इस रवैये को पहलगाम आतंकी हमले की घटना से जोड़ा था। इसके बाद सोनू निगम पर शिकायत दर्ज कराई गई और उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया। हालांकि, इसके बाद उन्होंने सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी थी। हाल ही में कर्नाटक कोर्ट ने गायक पर किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई ना करने का आदेश दिया था।

सोनू निगम के करियर के बारे में

सोनू निगम के करियर की बात करें तो उन्होंने साल 1992 के टीवी सीरियल 'तलाश' से अपना करियर शुरू किया था। इसके बाद सिंगर 'बॉर्डर' फिल्म के 'संदेशे आते हैं' और 'परदेस' फिल्म के 'ये दिल दीवाना' गानों से काफी मशहूर हुए। अभी तक सोनू निगम ने कई हिट गाने दिए हैं, जो लोगों की जुबां पर हैं।

लोगों से घिर गईं तमन्ना भाटिया, जैसे-तैसे खुद को बचाया, फैंस बोले- ये लोग समझते नहीं

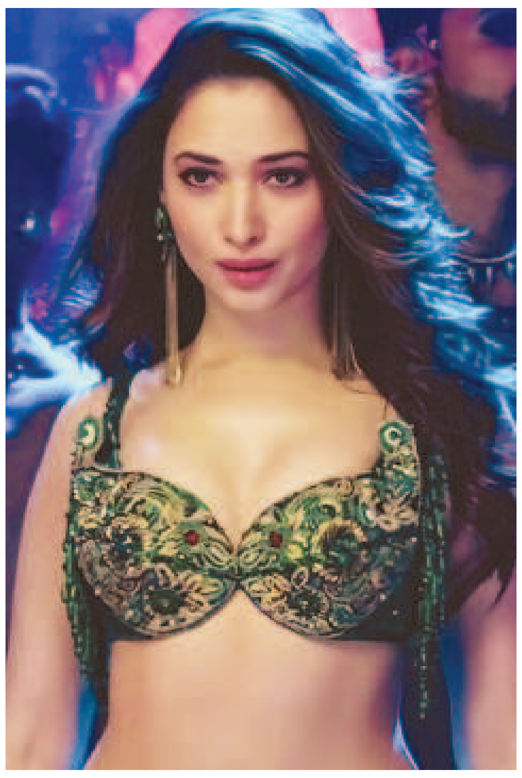

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह लोगों के बीच में हैं और असहज हैं। बीती रात तमन्ना भाटिया मुंबई में एक कार्यक्रम में पहुंची। तमन्ना ने यहां जी सिने अवार्ड में प्रस्तुति दी। जब वह प्रोग्राम वाली जगह से वापस जा रहीं थीं तो वह काफी असहज दिखीं। वह पुरुषों से दूरी बनाती हुई नजर आईं।

भीड़ से अपने आपको बचाती दिखीं तमन्ना

शोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि तमन्ना भाटिया छोटे कपड़ों में प्रोग्राम वाली जगह से वापस जा रही हैं। ऐसे में कई पुरुष उनके साथ तस्वीरें लेने के लिए उनके पास आ रहे हैं। तमन्ना भीड़ से बचते दिखीं और अपनी कार की तरफ जाती दिखीं। जब वह भीड़ से बच रही थीं तो उन्होंने अपने सीने पर हाथ रखा था।

तमन्ना के साथ नहीं थी सिक्योरिटी

वीडियो में देखा जा सकता है कि तमन्ना जब खुद को पुरुषों से बचाती हैं तो उनके आस-पास कोई भी सिक्योरिटी गार्ड नहीं है। पहले उनसे कई लोगों ने उनके साथ फोटो लेने को कहा बाद में उन्हें लोगों ने घेर लिया। पुरुषों से घिरीं तमन्ना ने अपने आपको असहज महसूस किया और वह जल्दी से उस जगह से चली गईं।

यूजर्स ने किए कमेंट

वीडियो पर कई सोशल मीडिया यूजर्स ने कमेंट किए हैं। एक यूजर ने लिखा है 'भाई वो असहज हो रही है। आप लोग समझते नहीं है।' एक दूसरे यूजर ने लिखा है 'इसीलिए इन लोगों को कलाकार नजरअंदाज करते हैं। वह कितना असहज हो रही है।' एक और यूजर ने लिखा है 'इनकी सिक्योरिटी कहां है?'

तमन्ना ने दिए आइटम नंबर्स

आपको बता दें कि हाल में तमन्ना भाटिया दो आइटम नंबर्स में नजर आईं हैं। उन्होंने स्त्री 2 फिल्म में 'आज की रात' और रेड 2 में 'नशा' गाने पर बेहतरीन डांस किया है। हाल ही में तमन्ना भाटिया कथित तौर पर विजय वर्मा के साथ ब्रेकअप को लेकर सुर्खियों में रही हैं।

मैं बहुत रोमांटिक लड़की हूं, जिंदगी में प्यार मोहब्बत, पति और बच्चे सब चाहिए : अनन्या

इंडस्ट्री में 6 साल पूरे कर चुकी अनन्या पांडे को उनकी हालिया रिलीज 'केसरीःचैप्टर 2' की भूमिका के लिए पसंद किया जा रहा है। फिल्म 'गहराइयां' और 'कॉल भी बे' जैसी सीरीज की इस एक्ट्रेस का मानना है कि करियर का शुरुआती दौर उनके लिए मुश्किल था, मगर अब वह अपने काम और लोगों के प्यार पर फोकस करती हैं।

मैं मानती हूं कि 'केसरीः चैप्टर 2' में जलियांवाला बाग कांड पर आधारित कहानी में मैंने 1920 के दौर की लड़की की भूमिका की, उसे लेकर लोगों को लगा नहीं था कि मैं ये भूमिका कर पाऊंगी। जाहिर सी बात है, उसमें पंजाबी का एक अलग तरह का डायलेक्ट था, मगर मैं ये जरूर कहना चाहूंगी कि फिल्म दर फिल्म दर्शकों को मेरा काम पसंद आता गया। 'गहराइयां', 'खो गए हम कहां', 'कंट्रोल सीटीआरएल' जैसी तमाम फिल्मों में एक्ट्रेस के रूप में मुझे पसंद किया गया। जब मैंने शुरुआत की थी, लोग हमेशा कहते थे, वेरी स्वीट, क्यूट, बबली, वो भी अच्छा ही था आगाज के हिसाब से। मगर अब लोग मेरी परफॉर्मेंस के बारे में बात करते हैं। एक कलाकार के रूप में मेरे काम और रोल के बारे में बात किए जाना मेरे लिए का फी संतुष्टिपूर्ण है। हा लां कि क म र्शि य ल सिनेमा में भी बहुत मेहनत लगती है। आज के दौर की एक्ट्रेसेस की सबसे बड़ी खूबी यही है कि वो खुद को ओब्जेक्टिफाई न होने देने को लेकर काफी सतर्क हैं। कमर्शियल फिल्म का हिस्सा होने के नाते हम सभी एक्ट्रेसेस इस बात को लेकर लड़ती हैं कि हमारा हिस्सा ज्यादा हो। हम फिल्म में कुछ जोड़ें। और ये बदलाव नजर आ रहा है।

जब मैंने शुरुआत की थी, लोग हमेशा कहते थे, वेरी स्वीट, क्यूट, बबली, वो भी अच्छा ही था आगाज के हिसाब से। मगर अब लोग मेरी परफॉर्मेंस के बारे में बात करते हैं।

ऐसे तो मेरे करियर में कई उतार-चढ़ाव रहे हैं, मगर मुझे लगता था कि शुरुआत में मैं जो कुछ भी कहती, तो मु झे मिसअंडरस्टुड समझा जाता था। मैं लोगों तक अपनी बात नहीं पहुंचा पा रही हूं। मेरे शुरुआती कई साल लोगों को खुश करने और उन्हें प्रभावित करने में लगे। मैं दूसरे लोगों के लिए सब कुछ कर रही थी। वो मेरे लिए बड़ा दुविधाजनक दौर था कि मैं समझने की कोशिश कर रही थी कि मैं कौन हूं।

मैं अक्षय कुमार सर के बारे में पहले कहूंगी, क्योंकि हाल ही में मैंने उनके साथ काम किया है। वह बेहद ही अनुशासित हैं। अलसुबह की शूटिंग में भी वह वर्कआउट करके आते हैं और एकदम समय की पाबंदी के साथ। उन्होंने सैकड़ों फिल्में की हैं, इसके बावजूद वह सेट पर हर चीज में रुचि लेते हैं। उन्हें मेरे और अपने साथी कलाकारों के बारे में जानना होता है कि हम क्या कर रहे हैं। वह चाहते हैं कि फिल्म चले और सभी की परफॉर्मेंस दमदार हो। शाहरुख सर से मैंने सीखा है कि हम पर्सनल और वर्क लाइफ को कैसे बैलेंस करें। वह इतने बड़े सुपरस्टार हैं, मगर इसके बावजूद वह अपने बच्चों की जिंदगी की पल-पल की खबर रखते हैं। वह कमाल के पिता है। वह बादशाह और किंग खान हैं, मगर हर व्यक्ति को बहुत खास महसूस करवाते हैं।

एक मजेदार बात बताऊं, मेरे पिता मुझसे ज्यादा मसरूफ हैं। वे हर लैंग्वेज की फिल्म कर रहे हैं। कभी वे गुजराती मूवी कर रहे होते हैं, तो कभी तमिल-तेलुगू। वे वेब सीरीज में भी काम कर रहे हैं और अपने काम को लेकर बहुत पैशनेट हैं। अगर उनका लुक टेस्ट होता है, तो वह फैमिली ग्रुप में तस्वीर भेज कर सभी का रिएक्शन जानते हैं। काम को लेकर वह बहुत उत्साहित रहते हैं। वह बहुत बड़े वर्कोहॉलिक हैं। उन्हें हमेशा कुछ न कुछ काम करना होता है। वह मुझे काम या एक्टिंग को लेकर कोई खास टिप्स नहीं देते, मगर यह जरूर कहते हैं कि अच्छे लोगों के साथ काम करो, क्योंकि काम करने वालों के साथ ही हमारा बहुत सारा वक्त बीतता है अब जैसे केसरी के लिए मैंने चार साल दिए। वह चाहते हैं, अपने करियर के निर्णय मैं खुद लूं।

मैं कितनी भी आत्मनिर्भर क्यों न हो जाऊं, मगर मुझे अपनी मां हमेशा चाहिए होती है। मैं अपनी मॉम से सब कुछ शेयर करती हूं। कई बार मेरे मन में कई तरह के बेवकूफी वाले सवाल आते हैं, वो सब भी मैं मां से पूछती हूं। वो मेरे लिए एक मोरल कंपास हैं, साउंडिंग बोर्ड हैं।

सच कहूं, तो मैंने अपने घर में अपने मॉम-डैड के रूप में एक ऐसा कपल देखा है, जिसमें दोस्ती पहले है। अगर वो लड़ते भी हैं, तो एक - दूसरे को मना लेते हैं। वो एक रियल कपल हैं। मेरे माता-पिता मुझसे हमेशा यही कहते हैं कि रिश्ते में पहले दोस्ती ढूंढो, वो हमेशा रहेगी। जैसे 'कुछ कुछ होता है' में एक लाइन है-प्यार दोस्ती है, तो मैं भी उसी में मानती हूं। आपका पार्टनर आपका बेस्ट फ्रेंड होना चाहिए। मैं जब छोटी थी, तभी से मैं होपलेस रोमांटिक लड़की रही हूं। मुझे जिंदगी में प्यार, मोहब्बत, पति और बच्चे सब चाहिए। मैं और मेरे जो भी दोस्त हैं, वो भी प्यार और शादी को लेकर ऐसा ही सोचते हैं। मैं सिचुएशनशिप, बैंचिंग, ब्रेड्क्रंबिंग जैसे टर्म्स के बारे में ज्यादा नहीं जानती।

अब ट्रोल्स का तो वही काम है। वे तो ये सभी के साथ करते हैं। मैं एक बात समझ चुकी हूं कि मैं सभी को खुश नहीं कर सकती। मैं अपना काम करने में यकीन करती हूं और जो प्यार देते हैं, उनकी क़द्र करती हूं। ट्रोल्स को इग्नोर करती हूं, क्योंकि जानती हूं कि ये कहीं नहीं जाने वाले। हां, इंसान हूं, तो बुरा लगता है कई बार, जब ये मेरे परिवार को निशाना बनाते हैं,मगर अब मैं लोगों के प्यार पर ज्यादा फोकस कर रही हूं, वो मुझे मिल भी ज्यादा रहा है।

राशा थडानी ने 'टिप टिप बरसा पानी' पर किया मां से भी तगड़ा डांस

राशा थडानी हमेशा से ही सोशल मीडिया पर सनसनी बनी हुई हैं। हालांकि, जब उन्होंने 2025 में 'आजाद' के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की, तभी दर्शकों ने उनके टैलेंट को देखा। राशा थडानी ने बीती रात अपनी मां रवीना टंडन के गाने पर एक अवॉर्ड फंक्शन में परफॉर्म किया। नई-नई स्टार को इस इवेंट में 1994 की फ़िल्म 'मोहरा' के चार्टबस्टर ट्रैक 'टिप टिप बरसा पानी' पर थिरकते हुए देखा गया।

अवॉर्ड फंक्शन में पीले रंग की थाई-हाई स्लिट साड़ी-ड्रेस में राशा थडानी ने डांस फ़्लोर पर धमाल मचा दिया। उन्होंने अपने बेहतरीन मूव्स दिखाए, जिसके बाद से ही लोग उन्हें रवीना टंडन की कार्बन कॉपी बता रहे हैं। राशा को कल रात इस इवेंट में 'एक दो तीन' गाने पर थिरकते हुए भी देखा गया।

राशा थडानी का डांस

राशा थडानी 'आज़ाद' के गाने 'उई अम्मा' से चर्चा में आ गई थीं, जिसका श्रेय उनकी शानदार स्क्रीन प्रेजेंस और परफेक्ट एक्सप्रेशन को जाता है। हालांकि, एक्ट्रेस ने कहा कि उनकी मां रवीना ने उन्हें रेखा,

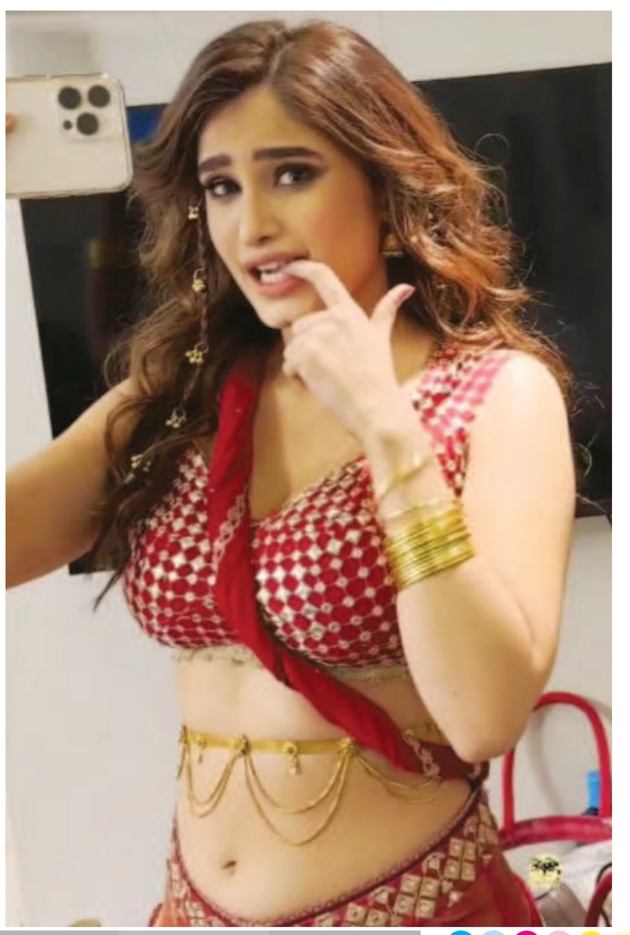

सरोज खान और साधना के एक्सप्रेशन को तोड़-मरोड़ कर ट्रेनिंग दिलवाई है ताकि वह बड़े पर्दे पर परफेक्ट दिखें।

राशा थडानी को मां ने दी सीख

राशा थडानी ने कहा, 'मेरी मां ने सिखाया, जब से मैंने यह तय किया या जब से मैंने इस फ़िल्म पर काम करना शुरू किया, तब से वो जानती थीं। वह मुझे रेखा जी, सरोज जी और यहां तक कि साधना जी के डांस को देखने के लिए बिठाती थीं। इसलिए वह मेरे लिए इसे समझाती थीं और कहती थीं 'यहां उनके हाव-भाव देखो, उनकी आंखें देखो, उनके होंठ देखो।'

मां रवीना समझाती थीं गाने

राशा ने आगे कहा, 'और वह इसे समझाती थीं। वो मुझे इसे सिर्फ़ मज़े के लिए देखने से ज़्यादा इसकी कला सिखाने की कोशिश करती थीं। इसलिए उस दिन भी हम यह फ़िल्म देख रहे थे, जिसमें साधना जी के साथ फ़िल्म झुमका गिरा रे थी। मैं इसे देख रही थी और मैं चौंक गई थी।' 'आजाद' के बाद राशा थडानी ने अभी तक अपनी दूसरी फिल्म की घोषणा नहीं की है।

सामंथा और राज लिव-इन में रहने का बना रहे प्लान?

नागा चैतन्य को तलाक देने के करीब 4 साल बाद सामंथा का नाम राज निदिमोरू के साथ जुड़ रहा है। खबर थी कि दोनों साथ में रहने जा रहे हैं, लेकिन इसको लेकर एक सच्चाई सामने आई है। इसके साथ ही ये भी पता चला है कि राज और उनकी बीवी की कोई बेटी नहीं है। सामंथा रुथ प्रभु और राज निदिमोरू अपने रिलेशनशिप की अफवाहों के कारण चर्चा में हैं। डायरेक्टर-एक्ट्रेस की जोड़ी ने 'द फैमिली मैन सीजन 2' और 'सिटाडेल हनी बनी' जैसी वेब सीरीज में साथ काम किया है। हाल ही में ऐसी खबरें आई थीं कि सामंथा और राज एक साथ रहने लगे हैं और वे एक घर की तलाश कर रहे हैं। हालांकि, यह खबर झूठी निकली। हिंदुस्तान टाइम्स के मुताबिक, सामंथा के मैनेजर ने इसे 'अफवाह' बताया।

सामंथा और राज एक साथ रहने पर विचार कर रहे हैं और प्रॉपर्टी की तलाश कर रहे हैं। उनका इरादा साथ रहने का है और वे इस दिशा में काम कर रहे हैं। राज ने 2022 में श्यामाली से आधिकारिक रूप से तलाक ले लिया और सिटाडेल के लिए साथ में काम करने के बाद उन्हें सामंथा में प्यार मिल गया।'

राज की नहीं है कोई बेटी!

सूत्र ने कहा, 'इस बीच राज को उनकी बेटी के साथ देखे जाने की खबरें झूठी हैं। उनकी कोई बेटी नहीं है और जिस बच्ची के साथ उन्हें देखा गया, वह उनके को-डायरेक्टर कृष्णा डीके की बेटी है।'

सामंथा

शेयर करती हैं राज संग फोटोज

सामंथा इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट करती रही हैं, जिसमें वह राज के साथ समय बिताती नजर आती हैं। हालांकि दोनों ने अपने रिश्ते के बारे में कुछ नहीं कहा है, लेकिन फैंस कह रहे हैं कि एक्ट्रेस के सोशल मीडिया पोस्ट से यह पुष्टि होती है कि वे डेटिंग कर रहे हैं।

सामंथा की तरफ से राज के साथ तस्वीरें पोस्ट करने के बाद फिल्म निर्माता की प त्नी श्यामाली डे ने अ प नी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया था। इसमें लिखा था, 'मैं उन सभी को आशीर्वाद और प्यार भेजती हूं, जो मेरे बारे में सोचते हैं, मुझे देखते हैं, मुझे सुनते हैं, मेरे बारे में सुनते

हैं, मुझसे बात करते हैं, मेरे बारे में पढ़ते हैं, मेरे बारे में लिखते हैं और आज मुझसे मिलते हैं।'

2022 में हुआ तलाक!

पिंकविला की रिपोर्ट में बताया गया है कि राज और श्यामाली का तलाक 2022 में गया। हालांकि, वैलेंटाइन डे 2023 पर श्यामाली ने अपने पति के लिए एक रोमांटिक पोस्ट शेयर किया था।

'होटल इंडस्ट्री' बनेगा सबसे अधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र

वर्ष 2020 में शुरू हुई कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित होने के पश्चात हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ी है। इसमें तेजी आई है और माना जा रहा है कि आने वाले समय में इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर करियर के मौके पैदा होंगे।

आने वाले दिनों में इस इंडस्ट्री को सबसे अधिक रोजगार देने वाले क्षेत्र के रूप में देखा जा रहा है। अनुमान है कि वर्ष 2027 तक भारत में तीन करोड़ से भी ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक पहुंचेंगे, जिसके चलते होटल और रैस्टोरैंट के क्षेत्र में करियर की संभावनाएं बढ़ेंगी।

कोरोना के बाद छात्रों को कांटैक्ट लैस हॉस्पिटैलिटी सर्विस देने का अभ्यास कराया जा रहा है। इसमें इम्युनिटी बढ़ाने वाले व्यंजनों की जानकारी, कॉटैक्ट लैस चैक-इन से लेकर चैक-आऊट की जानकारी, हाऊसकीपिंग, फ्रंट ऑफिस व कमरों का सैनिटाइजेशन भी सिखाया जा रहा है। जायकेदार खाना बनाने की कला के जरिए आप एक छोटे लोकल पब से लेकर फाइव स्टार या फिर इंटरनैशनल होटल में अपनी जगह बना सकते हैं। बस बनाना है ऐसा खाना कि सामने वाला सिर्फ खाना ही नहीं, बल्कि अपनी उंगलियां भी चाटता रह जाए।

अगर आपका इंट्रेस्ट कुकिंग, बेकिंग और लजीज खाना बनाने में है, अगर आप डिफरैंट डिशेज के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करते हैं तो एक नया करियर ऑप्शन आपके इंतजार में है। होटल मैनेजमेंट में इन दिनों करियर बनाने के कई ऑपशन मौजूद हैं।

कोर्स एवं अवसर

बी.एस.सी. इन हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन, डिप्लोमा इन कुकरी, क्राफ्टसमैनशिप कोर्स इन

फूड एंड बेवरेज सर्विस मैनेजमेंट, सर्टीफिकेट कोर्स इन कुकरी सर्टीफिकेट कोर्स इन कुकरी फॉर होम मेकिंग, डिप्लोमा इन बेकरी एंड कंफैक्शनरी जैसे ढेरों कोर्स कर करियर बनाया जा सकता है।

सबसे अहम है कि आप फूड एंव बेवरेज डिवीजन सर्विस के अलावा बतौर शैफ बनकर अपने करियर को रौशन कर सकते हैं। मुख्य तौर पर होटल, रेस्तरां, क्रूज, टूरिज्म एसोसिएशन एयरलाइन कैटरिंग और केबिन सर्विस, क्लब मैनेजमेंट, लॉज, गैस्ट हाऊस भी होटल मैनेजमैंट पासआऊट प्रोफैशनल्स ही चलाते हैं।

बेकर्स के लिए भी जॉब ऑपशंस की कमी नहीं है। बेकरी, हॉट ब्रेड शॉप, डिपार्टमेंटल स्टोर्स, होटल और कैफे में भी बेकर्स की काफी डिमांड है।

पूरी दुनिया में टूरिज्म और एविएशन ने होटल बिजनैस के लिए अवसरों को बहुत बड़ा बना दिया है। आने वाले समय में होटल इंडस्ट्री में जॉब की कमी नहीं होगी। इसके अलावा आप धीरे-धीरे खुद का होटल, बेकरी शॉप, रेस्तरां या फिर कैटरिंग बिजनैस भी शुरू कर सकते हैं।

योग्यता

इस फील्ड में सर्टीफिकेट कोर्स, डिप्लोमा व डिग्री कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों में एडमिशन के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 12वीं या स्नातक होना जरूरी है। 12वीं में अंग्रेजी एक अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ी होनी चाहिए।

इस इंडस्ट्री में कामयाब होने के लिए कुछ व्यक्तिगत गुणों का होना भी जरूरी है, जैसे मृदुभाषी होना। द्विभाशी (अंग्रेजी, हिन्दी) ज्ञान हो तो और भी बेहतर। बेहतर पर्सनैलिटी, सुनने-समझने की अच्छी आदत, समस्याओं को सुलझाने की योग्यता, लीडरशिप और मैनेजीरियल स्किल भी बेहद जरूरी हैं।

प्रमुख संस्थान

नैशनल काऊंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टैक्नोलॉजी, नोएडा www.nchm.nic.in इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली www.ignou.ac.in लक्ष्य भारती इंटरनैशनल होटल मैनेजमेंट संस्थान, नई दिल्ली www.lbiim.com कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र, हरियाणा।।

विदेश में पढ़ने के लिए सरकार देगी पैसा! जानिए छात्रों को मिलने वाली टॉप-5 एजुकेशन लोन स्कीम

विदेश में पढ़ाई करना हर किसी के बस की बात नहीं है, जिस वजह से सरकार छात्रों के लिए कई तरह की योजनाएं चलाती हैं। इन योजनाओं के जरिए छात्रों को एजुकेशन लोन दिया जाता है, ताकि वे विदेश में अपनी पढ़ाई पूरी कर पाएं। विदेश में पढ़ने के लिए लाखों रुपये की जरूरत होती है। हर किसी के पास इतना पैसा नहीं है, जिस वजह बहुत से छात्र एजुकेशन लोन लेते हैं। प्राइवेट बैंकों से लोन लेने पर मोटा ब्याज भी भरना पड़ता है। हालांकि, बहुत से स्टूडेंट्स को ये नहीं मालूम है कि विदेश में पढ़ने के लिए भारत सरकार और राज्य सरकारें भी एजुकेशन लोन देती हैं, जिसमें ब्याज दर काफी कम है। आइए सरकारों द्वारा दी जाने वाली टॉप-5 एजुकेशन लोन स्कीम के बारे में विस्तार से जानते हैं।

विद्या लक्ष्मी पोर्टल एजुकेशन लोन

विद्या लक्ष्मी पोर्टल सरकार की एक नई योजना है। यह एक ऐसा पोर्टल है, जहां छात्र लोन और स्कॉलरशिप के बारे में जानकारी पा सकते हैं, उनकी तुलना कर सकते हैं और उनके लिए आवेदन कर सकते हैं। आप कहीं से भी और कभी भी इसके लिए अप्लाई कर सकते हैं। विद्या लक्ष्मी एजुकेशन लोन की ब्याज दर 8.40% से शुरू होती है। विद्या लक्ष्मी पोर्टल पर 45 बैंक रजिस्टर्ड हैं। ये बैंक छात्रों को लोन की 139 योजनाएं देते हैं। जो छात्र विदेश में पढ़ना चाहते हैं, वे 1.5 करोड़ रुपये तक का लोन ले सकते हैं।

गुजरात सरकार एजुकेशन लोन फॉर स्टडीइंग अब्रॉड

गुजरात सरकार उन छात्रों की मदद करती है जो गुजरात के रहने वाले हैं और विदेश में पढ़ना चाहते हैं, लेकिन उनके पास पैसे की कमी है। इस योजना के तहत, गरीब छात्रों को लोन के ब्याज पर 100% सब्सिडी मिलती है। इसका मतलब है कि आप विदेश में पढ़ने के लिए लोन लेते हैं और पढ़ाई पूरी करने के बाद केवल वही राशि चुकाते हैं जो आपने उधार ली थी। ब्याज सरकार चुकाती है। अप्रूवल मिलने के बाद, योग्य छात्र इस सरकारी योजना के तहत विदेश में पढ़ने के लिए 4% ब्याज दर पर 15 लाख रुपये तक का लोन ले सकते हैं।

एजुकेशन लोन स्कीम ऑफ द

नेशनल बैकवर्ड क्लासेस फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन पिछड़े वर्ग के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस योजना के तहत, प्रोफेशनल, टेक्निकल और वोकेशनल कोर्स करने वाले छात्रों को लोन दिया जाता है। लोन लेने के लिए, छात्रों को यह दिखाना होगा कि वे BPL (गरीबी रेखा से नीचे) परिवार से हैं और उनकी पारिवारिक आय 3.00 लाख रुपये से कम है। इस योजना के तहत छात्र 20 लाख रुपये तक का लोन ले सकते हैं। इस लोन पर 4% ब्याज दर लगती है। महिला छात्रों को ब्याज दर में 0.5% की छूट मिलती है।

डॉ. अम्बेडकर सेंट्रल सेक्टर स्कीम

भारत सरकार अल्पसंख्यक समुदाय के प्रतिभाशाली छात्रों को यह लोन देती है। इस योजना में ब्याज पर 100% सब्सिडी मिलती है। डॉ. अम्बेडकर सेंट्रल सेक्टर स्कीम के तहत, छात्र विदेश में एम.फिल और पीएचडी कोर्स कर सकते हैं। इस सरकारी लोन को पाने के लिए छात्रों को कुछ शर्तों को पूरा करना होगा। डॉ. अम्बेडकर सेंट्रल सेक्टर स्कीम के तहत लोन की राशि तय नहीं है।

सेंट्रल सेक्टर इंटरेस्ट सब्सिडी

मानव संसाधन विकास मंत्रालय और उच्च शिक्षा विभाग ने यह योजना बनाई है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के छात्रों को भारत में टेक्निकल/प्रोफेशनल कोर्स करने के लिए ब्याज पर सब्सिडी देती है। इस योजना के लिए आवेदन करने वाले छात्रों को किसी मान्यता प्राप्त भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालय में एडमिशन लेना होगा। आवेदक के परिवार की कुल आय 4.50 लाख रुपये प्रति वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

आज भी नया सा लगता है 'पोल्का डॉट' का फैशन

फैशन के गलियारों में समय-समय पर बदलाव होते ही रहते हैं, पर कुछ फैशन ट्रैंड ऐसे होते हैं जो कभी पुराने नहीं होते। पोल्का डॉट भी इन्हीं में से एक है, जो एवरग्रीन टैंड है। तभी तो हर किसी के वॉर्डरोब में कम से कम एक पोल्का डॉट ड्रैस मिल ही जाती है। बॉलीवुड सैलीब्रिटीज भी पोल्का डॉट पर काफी भरोसा करती हैं। अगर आप भी अपने वार्डरोब में पोल्का को शामिल करने की सोच रही हैं तो इन टिप्स को फॉलो कर आप खुद को भीड़ से अलग दिखा पाएंगी।

पोल्का डॉट ड्रैस पहनते हुए रखें इन बातों का ध्यान

छोटी हाइट की लडकिया छोटे डॉट वाली ड्रैसेस कैरी करें।

पोल्का डॉट की शर्ट या टॉप कैरी करने के साथ सॉलिड यानी प्लेन पैंट पहनें। पोल्का डॉट को किसी मैचिंग ट्राऊजर और ब्लेजर के साथ भी ट्राई कर सकती हैं। पार्टी के लिए वैलवेट, सिल्क पोल्का डॉट पैटर्न को चुनें।

यूं पड़ा यह नाम

'पोल्का डॉट्स' नाम का उपयोग पहली बार 1857 में अमरीका में छपने वाली महिलाओं की एक मैग्जीन 'गोडेज लेडीज बुक' में गर्मियों में पहनने के लिए हल्के मलमल के स्कार्फ का वर्णन करने के लिए किया गया था जिसमें गोल पोल्का डॉट्स की कटाई की गई थी।

माना जाता है कि 'पोल्का' नाम उस समय प्रचलित एक डांस से प्रेरित है।

पोल्का डॉट साड़ी

देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा से आप पोलका डॉ फैशन में कुछ ट्रैडिशनल कैरी करने का आइडिया ले सकती हैं। फुल स्लीव्स रैड ब्लाऊज के साथ रैड एंड व्हाइट पोल्का डॉट साड़ी पहनकर कोई भी खूबसूरत दिख सकता है। इस लुक को कम्प्लीट करने के लिए बालों का जूड़ा बनाएं और साथ में रैड लिपस्टिक भी लगा सकती हैं।

पोल्का डॉट गाऊन

पोल्का डॉट का अमेजिंग स्टाइल गाऊन में भी कैरी किया जा सकता है। आलिया भट्ट का यह लुक ही देख लें, रैड कलर की लूज ड्रैस में वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इसके साथ गोल्डन हैवी इयररिंग्स और मैंचिंग ▪ हील्स पेयर कर आप अपनी खूबसूरती को और बढ़ा सकती हैं।

ब्लेजर जैसी ड्रैस

ब्लैक एंड व्हाइट पोल्का डॉट वाली ब्लेजर और शॉर्ट के साथ एक्स्ट्रा ग्लैमर जोड़ने के लिए बैल्ट को टीमअप कर सकती हैं। सारा अली खान का सिम्पल मेकअप और वेवी हेयर डू आपके लुक को स्पेशल बनाने में मदद करेगा।

पोल्का डॉट शॉर्ट ड्रैस

सोनल चौहान का यह लुक आप ट्राई कर सकती हैं। नहीं तो अनन्या पांडे (नीचे) जैसी ब्लैक पोल्का डॉट के साथ क्रॉप टॉप, शार्ट स्कर्ट और साथ में व्हाइट स्त्रीकर पेयर करें। वहीं बालों में कर्ल्स बनाकर आप अपनी लुक को और भी कूल बना सकती हैं।

रैट्रो लुक शर्ट

पोल्का डॉट के साथ रैट्रो लुक को रीक्रिएट करना चाहती हैं तो कैटरीना कैफ का यह लुक परफैक्ट रहेगा। ब्लैक एंड व्हाइट पोल्का डॉँट क्रॉप टॉप को फ्रंट में नॉट के साथ स्टाइल करने से आपका अंदाज एकदम अलग दिखेगा। आप चाहें तो इसके साथ लैदर की मिनी स्कर्ट पेयर कर सकती हैं। यकीन मानिए किसी की नजर आपसे नहीं हटेगी।

पोल्का डॉट फैशन की कुछ खास बातें

कई लोग इसे 'बाँदी प्रिंट' के नाम से भी जानते हैं, इसकी वजह है कि डिम्पल कपाडिया ने फिल्म 'बॉबी' में पोल्का डॉट की ड्रैसेज पहनी थीं जिसके बाद तो जैसे इस टैंड का बोलबाला हो गया था। खास बात है कि बच्चों से लेकर बड़ों तक में यह स्टाइल काफी लोकप्रिय हुआ था जो आज तक बरकरार है ।

सीएसआईआर आईआईटीआर लखनऊ में जूनियर स्टेनोग्राफर की भर्ती, 12वीं पास करें आवेदन

सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टॉक्सिकोलॉजी रिसर्च (IITR), लखनऊ ने जूनियर स्टेनोग्राफर के 4 पदों पर भर्ती के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी की है। इच्छुक और पात्र उम्मीदवार 7 मई 2025 से 31 मई 2025 तक संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट iitr.res.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

सीएसआईआर आईआईटीआर लखनऊ में जूनियर स्टेनोग्राफर के कुल 04 (चार) पद रिक्त हैं, जिनमें से 02 पद सामान्य वर्ग (यूआर), 01 पद ओबीसी वर्ग के लिए और 01 पद एससी वर्ग के लिए आरक्षित हैं।

जूनियर स्टेनोग्राफर पद के लिए योग्यता

सीएसआईआर-आईआईटीआर लखनऊ में जूनियर स्टेनोग्राफर के पदों के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के लिए आवश्यक है कि वे भारत के किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 (इंटरमीडिएट) परीक्षा उत्तीर्ण हों और अंग्रेजी या हिंदी में स्टेनोग्राफी में दक्षता रखते हों। न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 27 वर्ष निर्धारित की गई है, साथ ही आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को भर्ती नियमों के अनुसार आयु में छूट भी मिलेगी। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थियों को आधिकारिक अधिसूचना पढ़नी चाहिए।

आवेदन शुल्क और भुगतान प्रक्रिया

इस भर्ती में सामान्य, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क 500 रुपये रखा गया है, जबकि एससी, एसटी, पीएच वर्ग और सभी महिलाओं के लिए शुल्क माफ है। परीक्षा शुल्क का भुगतान केवल डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड या नेट बैंकिंग के माध्यम से ऑनलाइन किया जा सकता है।

ऐसे करें आवेदन

सबसे पहले, आधिकारिक वेबसाइट iitr.res.in पर जाएं।

होमपेज पर जूनियर स्टेनोग्राफर भर्ती 2025 की नोटिफिकेशन या लिंक पर क्लिक करें।

ऑनलाइन आवेदन करें वाले विकल्प पर क्लिक करें।

ऑनलाइन आवेदन फॉर्म में व्यक्तिगत, शैक्षिक, और संपर्क विवरण सही-सही भरें।

आवेदन शुल्क का भुगतान करें, भुगतान डेबिट/क्रेडिट कार्ड या नेट बैंकिंग से ही करें।

भुगतान के बाद फॉर्म को सबमिट करें। सबमिट करने के बाद आवेदन फॉर्म का प्रिंटआउट निकालकर भविष्य के लिए अपने पास रख लें।

भारतीय सेना में शामिल होने का सुनहरा मौका टीईसी जनवरी बैच के लिए आवेदन शुरू

भारतीय सेना ने 10+2 टेक्निकल एंट्री स्कीम (TES-54) के तहत जनवरी 2026 बैच के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस योजना के अंतर्गत और इच्छुक और योग्य अभ्यर्थियों से कुल 90 पदों पर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट joinindianarmy.nic.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

यह उन युवाओं के लिए सुनहरा अवसर है जो 12वीं (फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स) के बाद सीधे सेना में अधिकारी बनना चाहते हैं।

भारतीय सेना की 10+2 टेक्निकल एंट्री स्कीम के तहत जनवरी 2026 बैच में भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 13 मई 2025 से शुरू हो गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 12 जून 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। फॉर्म भरने की अंतिम तिथि भी 12 जून 2025 ही है।

पात्रता मानदंड

उम्मीदवार ने फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स विषयों के साथ 12वीं कक्षा उत्तीर्ण की हो तथा जेईई (मेन) 2025 में उपस्थित हुआ हो।

भारतीय सेना की 10+2 टेक्निकल एंट्री स्कीम (TES-54) के तहत आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के लिए आयु सीमा निर्धारित की गई है, जिसके अनुसार उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 16 वर्ष 6 माह और अधिकतम आयु 19 वर्ष 6 माह होनी चाहिए। आवेदक की जन्म तिथि 2 जुलाई 2006 से 1 जुलाई 2009 के बीच होनी चाहिए।

इतना लगेगा आवेदन शुल्क

सभी श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए आवेदन पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है। उम्मीदवारों से किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। केवल पात्र उम्मीदवारों को ऑनलाइन फॉर्म भरकर टीईएस 54 परीक्षा बैच 2025 के लिए आवेदन करना है।

चयन प्रक्रिया

उम्मीदवारों का चयन जेईई (मेन) स्कोर, शॉर्टलिस्टिंग, एसएसबी इंटरव्यू और मेडिकल परीक्षण के आधार पर किया जाएगा। अंतिम रूप से चयनित उम्मीदवारों को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी जैसी ट्रेनिंग दी जाएगी और प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उन्हें भारतीय सेना में स्थायी कमीशन दिया जाएगा।

कैसे करें आवेदन?

सबसे पहले आप आधिकारिक वेबसाइट joinindianarmy.nic.in पर जाएं।

यहां आप अपनी जानकारी भरकर खाता बनाएं।

इसके बाद सभी जानकारी सही-सही भरें।

अब जरूरी दस्तावेज जैसे 12वीं प्रमाणपत्र और फोटो अपलोड करें।

फॉर्म सबमिट करें और कन्फर्मेशन पेज का एक प्रिंटआउट ले लें।

क्या आप भी घूमना चाहते हैं मुकेश अंबानी का घर

2 रुपए में देखें आलीशान महल का कोना-कोना

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। अगर आप भी मुकेश अंबानी का घर घूमना चाहते हैं तो अब आपकी ये इच्छा पूरी हो सकती है वो भी सिर्फ 2 रुपए में। दरअसल, अब आप मुकेश अंबानी का पुश्तैनी घर घूम सकते हैं। गुजरात के चोरवाड़ में स्थित धीरूभाई अंबानी मेमोरियल हाउस, जो कभी मुकेश अंबानी और उनके परिवार का पुश्तैनी घर था, अब आम लोगों के लिए खुला है। यह वही जगह है जहां मुकेश अंबानी और अनिल अंबानी का बचपन बीता था। करीब 100 साल पुराने इस घर की कीमत लगभग 100 करोड़ रुपये बताई जाती है।

गुजरात में है पुश्तैनी घर

धीरूभाई अंबानी मेमोरियल हाउस, जो पहले अंबानी परिवार का निजी निवास था, अब एक संग्रहालय में बदल दिया गया है। इस दो मंजिला इमारत में गुजराती शैली की झलक है। घर का हर कोना अंबानी परिवार की संघर्ष और सफलता की कहानी बयां करता है। इसमें लकड़ी की नक्काशी वाली खिड़कियां, आंगन और खूबसूरत बगीचा है। यह घर धीरूभाई अंबानी के पिता हीराचंद गोर्धनभाई अंबानी का था और यहीं से अंबानी परिवार ने अपनी यात्रा की शुरुआत की थी।

पब्लिक के लिए खुला

साल 2011 में इस घर को सार्वजनिक संग्रहालय में तब्दील कर दिया गया, जहां धीरूभाई अंबानी की तस्वीरें, उनकी यादगार वस्तुएं और पुरस्कार रखे गए हैं। अमिताभ टीओटिया डिजाइन्स की मदद से घर का पुनर्निर्माण किया गया है, जिसमें सोलर लाइट, सागौन की लकड़ी और पुराना फर्नीचर बरकरार रखा गया है।

इस दिन घूम सकते हैं

अगर आप भी इस ऐतिहासिक घर को देखना चाहते हैं, तो मंगलवार से रविवार के बीच सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक यहां जा सकते हैं। टिकट की कीमत केवल 2 रुपये है। यहां आप अंबानी परिवार की प्रेरणादायक कहानी भी जान सकते हैं और उनके जीवन से जुड़ी किताबें भी खरीद सकते हैं।

एंटीलिया की कीमत

मुकेश अंबानी का मुंबई स्थित एंटीलिया दुनिया के सबसे महंगे निजी घरों में से एक है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 15,000 करोड़ है। यह 27 मंजिला इमारत 4,00,000 वर्ग फीट में फैली है, जिसमें 3 हेलीपैड, 168 कारों की पार्किंग, 50 सीटों वाला थिएटर, स्विमिंग पूल, स्पा, और बिना पारंपरिक एसी के ठंडा रखने की अनूठी तकनीक जैसी सुविधाएं हैं।

ट्रंप के जारी फरमान से भारत को हो सकता है 1 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। अमेरिका में गैर-नागरिकों के विदेश में धन भेजने (रेमिटेंस) पर पांच प्रतिशत का कर लगाने के प्रस्ताव को लेकर भारत में चिंता बढ़ रही है. आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने रविवार को कहा कि इससे भारतीय परिवारों और रुपए को नुकसान पहुंच सकता है. एक अनुमान के मुताबिक, इस कर की वजह से अमेरिका में रहने वाले भारतीयों पर सालाना 1.6 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का बोझ पड़ सकता है. यह प्रावधान 12 मई को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में पेश किए गए 'द वन बिग ब्यूटीफुल बिल' नामक व्यापक विधायी पैकेज का हिस्सा है. यह ग्रीन कार्ड और एच1बी वीजा रखने वालों सहित चार करोड़ से अधिक लोगों को प्रभावित करेगा. प्रस्तावित शुल्क अमेरिकी नागरिकों पर लागू नहीं होगा. खास बात तो ये है कि भारत को एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा यानी 12 बिलियन डॉलर तक का नुकसान हो सकता है. आइए आपको भी बताते हैं कि कैसे?

भारत को कितने नुकसान का अनुमान?

जीटीआरआई ने कहा कि अमेरिका में गैर-नागरिकों के विदेश में धन भेजने पर कर लगाने के प्रस्ताव से भारत में चिंता बढ़ रही है, क्योंकि अगर यह योजना कानून बन जाती है, तो भारत को सालाना विदेशी मुद्रा प्रवाह में अरबों डॉलर का नुकसान होगा. जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि पांच प्रतिशत कर से रेमिटेंस की लागत में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है. अगर धन प्रेषण में सालाना 10-15 प्रतिशत की गिरावट हुई तो भारत को 12-18 अरब डॉलर का नुकसान होगा. उन्होंने कहा कि इस नुकसान से भारत के विदेशी मुद्रा बाजार में अमेरिकी डॉलर की आपूर्ति कम हो जाएगी, जिससे रुपये पर गिरावट का दबाव बनेगा.

रुपए में आ सकती है गिरावट

श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक को मुद्रा को स्थिर करने के लिए अधिक बार हस्तक्षेप करना पड़ सकता है. इस वजह से रुपया 1-1.5 रुपये प्रति अमेरिकी डॉलर तक कमजोर हो सकता है.

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मार्च बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख के अनुसार, 2023-24 में भारत को अमेरिका से कुल 32.9 अरब डॉलर का रेमिटेंस मिला. इसका पांच प्रतिशत 1.64 अरब डॉलर होगा. आरबीआई के लेख में कहा गया कि रेमिटेंस से मिली राशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से परिवार के भरण-पोषण के लिए होता है, इसलिए इसकी लागत बढ़ने का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव होता है. इस लागत को कम करना वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण नीतिगत एजेंडा रहा है.

फिर शुरू होगी आईपीओ की हलचल

अगले हफ्ते 5 नए इश्यू में बोली लगाने का मौका, पैसा रखें तैयार

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। भारतीय आईपीओ बाजार में कुछ समय से शांति थी। अब अगले हफ्ते बाजार में रौनक आने वाली है। कुल 5 कंपनियां अपने शेयर जारी करने वाली हैं। बेलराइज़ इंडस्ट्रीज और बोराना वीव्स जैसी बड़ी कंपनियां भी आईपीओ लेकर आ रही हैं। इनके अलावा तीन छोटी एसएमई कंपनियां भी अगले हफ्ते आईपीओ लाने की तैयारी में हैं। इसके अलावा तीन कंपनियों की लिस्टिंग भी होगी। बेलराइज़ इंडस्ट्रीज एक ऑटो पार्ट बनाने वाली कंपनी है। यह कंपनी पुणे में है। बेलराइज़ इंडस्ट्रीज अपना आईपीओ 2,150 करोड़ रुपये का लाने वाली है। कंपनी ने शेयर की कीमत 85-90 रुपये प्रति शेयर तय की गई है। यह आईपीओ 21 मई को खुलेगा और 23 मई को बंद हो जाएगा। निवेशकों को कम से कम 166 शेयर खरीदने होंगे। यह पूरा आईपीओ नए शेयरों का है। इसमें 23.89 करोड़ इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। इसमें पुराने शेयर नहीं बेचे जाएंगे। कंपनी आईपीओ से मिलने वाले पैसों में से 1,618.1 करोड़ रुपये कर्ज चुकाने के लिए इस्तेमाल करेगी। बाकी पैसे कंपनी के सामान्य कामकाज में इस्तेमाल होंगे। कंपनी के ड्राफ्ट पेपर के अनुसार मार्च 2025 तक बेलराइज़ पर 2,904.5 करोड़ रुपये का कर्ज था। इसमें गैर-फंड आधारित कर्ज और ब्याज भी शामिल है। बोराना वीव्स सिंथेटिक कपड़ा बनाने वाली कंपनी है। यह कंपनी सूरत में है। बोराना वीव्स का आईपीओ 144.89 करोड़ रुपये का है। यह आईपीओ 20 मई को खुलेगा। यह तीन दिन का आईपीओ है और 22 मई को बंद हो जाएगा। इसमें 67.08 लाख नए शेयर जारी किए जाएंगे। शेयर की कीमत 205 से 216 रुपये प्रति शेयर तय की गई है। कंपनी आईपीओ से मिलने वाले पैसों का इस्तेमाल सूरत में चौथी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और सामान्य खर्चों को पूरा करने के लिए करेगी। फिलहाल कंपनी की सूरत में तीन यूनिट हैं। एकीकृत डेटा-टेक समाधान का आईपीओ 22 मई को खुलेगा और 26 मई को बंद होगा। कंपनी ने शेयर की कीमत 260 से 273 रुपये के बीच रखी है। कंपनी 144.47 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। आईपीओ 29 मई को लिस्ट हो सकता है।डार क्रेडिट एंड कैपिटल का आईपीओ 21 मई को खुलेगा और 23 मई को बंद होगा। कंपनी ने शेयर की कीमत 57 से 60 रुपये रखी है। कंपनी 25.66 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। यह आईपीओ 28 मई को लिस्ट हो सकता है।

विदेशी निवेशकों ने मई में 18,620 करोड़ निवेश किए

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच खरीदारी; अप्रैल में 4,223 करोड़ इन्वेस्ट किए थे

मुंबई, 18 मई (एजेंसियां)। विदेशी निवेशकों (एफआईआई) ने मई में अब तक 18,620 करोड़ रुपए का निवेश किया है। भारत पाकिस्तान तनाव के बावजूद एफआईआई भारतीय बाजार में लगातार खरीदारी कर रहे हैं। इससे पहले अप्रैल में 4,223 करोड़ रुपए की खरीदारी के साथ विदेशी निवेशक 2025 में पहली बार नेट बायर्स बने थे। वहीं साल के शुरूआती तीन महीनों में एफआईआई ने 1.4 लाख करोड़ रुपए की बिकवाली की थी। एफआईआई ने पहले दो महीनों जनवरी और फरवरी में एफआईआई ने 78,027 और 34,574 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे थे। मार्च में 3,973 करोड़ रुपए की बिकवाली हुई थी। अप्रैल के दो कारोबारी हफ्तों में एफआईआई ने 25,897 करोड़ रुपए की खरीदारी का रिकॉर्ड बनाया था। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप की नई टैरिफ नीति से बाजार में अनिश्चितता, वैश्विक मंदी, भारतीय शेयरों की हाई वैल्यूएशन और कॉरपोरेट इनकम में ग्रोथ को लेकर चिंताओं के कारण एफआईआई लगातार पैसे निकाल रहे थे।

शुक्रवार को एफआईआई ने 8,831.05 करोड़ के शेयर्स खरीदे

पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को एफआईआई नेट बायर्स बने रहे। वहीं डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स यानी डीआईआई नेट बायर्स बने रहे। प्रोविजनल डेटा के अनुसार, 16 मई को एफआईआई ने 8,831.05 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे, जबकि डीआईआई ने 5,187.09 करोड़ रुपए के शेयर्स खरीदे हैं। ट्रेडिंग सेशन के दौरान, डीआईआईएस ने 16,971.90 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 11,784.81 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे। वहीं एफआईआई ने 21,379.92 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 12,548.87 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे। यूएस प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प की 90 दिनों की अस्थायी टैरिफ राहत से भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते की चर्चाओं को गति मिलने की उम्मीद है। इन फैसलों के चलते एफआईआई ने पिछले 2 कारोबारी हफ्तों में 25,897 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

शुरूआती महीनों में हाई वैल्यूएशन की वजह से बिकवाली हुई

मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, 2025 के शुरूआती महीनों में भारत में हाई वैल्यूएशन की वजह से एफआईआई बिकवाली कर रहे थे। वे अपना पैसा चीन के शेयरों में लगा रहे थे, जहां वैल्यूएशन कम है। इतना ही नहीं एफआईआई फाइनेंशियल सर्विसेज में बड़े पैमाने पर बिकवाली कर रहे हैं, जबकि यह सेक्टर अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और इसकी वैल्यूएशन आकर्षक है।

16 मई को 200 अंक गिरा सेंसेक्स

शेयर बाजार में 16 मई को गिरावट रही। सेंसेक्स 200 अंक गिरकर 82,330 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 42 अंक की गिरावट रही। ये 25,019 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 14 में गिरावट और 16 में बढ़त देखने को मिली। आज बैंकिंग और आईटी शेयर्स में ज्यादा गिरावट है। वहीं एनर्जी और फाइनेंस शेयर्स मजबूती के साथ बंद हुए।

बायजू रवींद्रन : कुछ अमेरिकी गिद्ध ऋणदाताओं के लालच से बर्बाद हुआ शिक्षा मिशन, 100 करोड़ का लोन लेना बड़ी गलती

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। भारत की एक समय की मशहूर एडटेक दिग्गज कंपनी बायजूस के संस्थापक बायजू रवींद्रन ने पहली बार कंपनी के तेजी से उत्थान और पतन के बारे में खुलकर बात की है। इसे वह भारत के लिए एक खोया हुआ अवसर कहते हैं। उनका सपना दस लाख शिक्षण नौकरियां पैदा करने का था, लेकिन यह मिशन अमेरिका में कुछ गिरवींद्रन ने एक समाचार एजेंसी के साथ मुलाकात में कहा, दो साल पहले हम हजारों करोड़ रुपये पर बैठे थे। आज हमारे पास कुछ भी नहीं है। इसे पूरा करने के बाद हमने कुछ सौ करोड़ और जुटाए हैं, क्योंकि पिछले दो सालों में कई अच्छे लोगों ने हमारा समर्थन किया है। कुछ अमेरिकी और कुछ भारतीयों ने हमें निशाना बनाया। ये सब हेज फंड हैं। एक समय 22 अरब डॉलर के मूल्य वाली बायजूस को वित्तीय समस्याओं, विनियामक मुद्दों और कानूनी लड़ाइयों का सामना करना पड़ा है। इस कारण रवींद्रन बायजू इस समय दुबई में बस गए हैं। उन्होंने रणनीतिक चूक को स्वीकार किया और मजबूत इक्विटी विकल्पों के बावजूद 100 करोड़ रुपये का टर्म लोन लेने के कंपनी के विकल्प ने अंततः कंपनी को आक्रामक बाहरी दबावों के सामने उजागर कर दिया। द्ध ऋणदाताओं के लालच के कारण पटरी से उतर गया।

हम जल्दी लौटेंगे, पुनर्निर्माण करेंगे

रवींद्रन ने कहा, मैं हार नहीं मान रहा हूं। जैसे ही हम नियंत्रण में आएंगे और नियंत्रण 100 प्रतिशत मेरे पास होगा, हम पुनर्निर्माण करेंगे। बायजू 3.0 हमारा मिशन है। मैं यह बताने की स्थिति में नहीं हूं कि वह क्या होगा। मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि इसे फिर से उसी मिशन पर बनाया जाएगा, जो छात्रों में सीखने के प्रति प्रेम पैदा करना है। बायजू की सह-संस्थापक और बायजू रवींद्रन की पत्नी दिव्या गोकुलनाथ ने कहा, हम बाहर नहीं जाते। हम पार्टी नहीं करते। हम नेटवर्क नहीं बनाते। सब झूठ है। हमारे पास कोई लग्जरी कार या घर नहीं है। जब हालात खराब हो गए, तो जो लोग मायने रखते थे, वे हमारे साथ रहे। हमारा दायरा नहीं बदला। जब हम इतने ऊपर पहुंच गए, तब भी इसने हमें जमीन से जुड़ा रखा।

तीन-चार निवेशकों ने कंपनी को हथियाने की कोशिश की

बायजू ने कहा, मैं अपने सभी निवेशकों को दोष नहीं दे रहा हूं। मैं ऐसा व्यक्ति हूं जो हर संभव नुकसान उठाने की कोशिश करता हूं, लेकिन कुछ सड़े हुए लोग भी हैं। यह सिर्फ तीन या चार निवेशक हैं, जिन्होंने कुछ ऋणदाताओं के साथ मिलकर कंपनी का नियंत्रण अपने हाथ में लेने की कोशिश की है।

कुछ गलतियां हमने भी कीं

रवींद्रन ने कहा, जब हमने भारत से पूरी दुनिया में विस्तार करने की कोशिश की, तो हमने कुछ व्यावसायिक गलतियां कीं। शायद हम इसे थोड़ा धीरे कर सकते थे। हम बहुत जल्दी, बहुत तेजी से बढ़ रहे थे। हम भारत से 21 नए देशों में चले गए। लेकिन अगर आप मुझसे पूछें, 2019 से 2021 के संदर्भ में, कोविड युग में, हमारे पास 160 विश्व स्तरीय निवेशक और इक्विटी निवेशक हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे बाहरी झटकों के कारण निवेशकों द्वारा वादे गलत हुए, इससे योजनाएं प्रभावित हुईं।

खुद को भारत का बेस्ट फ्रेंड कहने वाले अमेरिका ने क्यों बर्बाद कर दिए 4 करोड़ के भारतीय आम?

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। फलों के राजा कहे जाने वाले आम की दुनियाभर में भारी डिमांड है। अमेरिका, भारतीय आमों का सबसे बड़ा खरीदार है, लेकिन हाल ही में भारत से भेजी गई आमों की 15 खेप को अमेरिका ने लौटा दिया या नष्ट कर दिया। इसका कारण विकिरण प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेजों में गड़बड़ी बताया गया। इन आमों की कुल कीमत 4 करोड़ रुपये से अधिक थी। ऐसे में खुद को भारत का बेस्ट फ्रेंड कहने वाले अमेरिका ने 4 करोड़ के भारतीय आम की खेप बर्बाद कर दी है।

अमेरिका में रोकी गई खेप

इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ये खेप लॉस एंजिल्स, सैन फ्रांसिस्को और अटलांटा के एयरपोर्ट्स पर रोकी गईं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि रेडिएशन प्रक्रिया के कागजात में गलतियां पाई गईं। यह प्रक्रिया फलों में मौजूद कीड़ों को मारने और उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए की जाती है। हालांकि, अमेरिकी सीमा शुल्क अधिकारियों ने दस्तावेजों में त्रुटियों का हवाला देते हुए खेप को स्वीकार नहीं किया।निर्यातकों के अनुसार, समस्या कीड़ों से नहीं, बल्कि कीड़ों को मारने की प्रक्रिया के दस्तावेजों में थी। ये आम 8 और 9 मई को मुंबई में विकिरणित किए गए थे, जहां अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) के एक अधिकारी की देखरेख में प्रक्रिया हुई। यह अधिकारी पीपीक्यू203 फॉर्म को प्रमाणित करता है, जो अमेरिका में आमों के आयात के लिए अनिवार्य है। नाम न बताने की शर्त पर एक निर्यातक के हवाले से इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट में कहा कि नवी मुंबई के विकिरण केंद्र में हुई गलतियों की सजा उन्हें भुगतनी पड़ी। उनके अनुसार, यूएसडीए के अधिकारी की उपस्थिति में भी प्रक्रिया में चूक हुई।अमेरिकी अधिकारियों ने विकल्प दिया कि या तो आमों को अमेरिका में नष्ट कर दिया जाए या भारत वापस भेजा जाए। लेकिन चूंकि आम जल्दी खराब हो जाते हैं और उन्हें वापस भेजने का खर्च काफी अधिक होता है, इसलिए सभी निर्यातकों ने उन्हें नष्ट करने का फैसला किया, जिससे उन्हें लगभग 4.28 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

लोन के पैसे से रक्षा बजट बढ़ाना चाहता है पाकिस्तान

आईएमएफ ने कर्ज के गलत इस्तेमाल पर चेतावनी दी; अगली किश्त के लिए 11 शर्तें बढ़ाई

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) ने पाकिस्तान को भारत के साथ बढ़ते तनाव पर चेतावनी दी है। आईएमएफ ने कहा है कि अगर हालात नहीं सुधरे, तो पाकिस्तान के 1 बिलियन डॉलर (करीब 8,542 करोड़) के बेलआउट प्रोग्राम की अगली किस्त रोकी जा सकती है। आईएमएफ ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव को बेलआउट प्रोग्राम के लिए खतरा बताया है। इसके साथ ही, लोन की अगली किश्त जारी करने के लिए पाकिस्तान पर 11 नई शर्तें लगाई गई हैं। अब लोन के लिए पाकिस्तान पर कुल शर्तें 50 हो गई हैं।

लोन के पैसे से रक्षा बजट बढ़ाना चाहता है पाकिस्तान

बेलआउट प्रोग्राम की पहली रिव्यू मीटिंग में आईएमएफ ने कहा कि अगर तनाव जारी रहा या और बढ़ा, तो पाकिस्तान का रक्षा बजट लोन पर बोझ बन सकता है। ये पहले ही 12% बढ़कर 2.414 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपया हो चुका है। पाकिस्तानी सरकार इसे 18% बढ़ाकर 2.5 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपया करने पर अड़ी है।आईएमएफ इसे फंड के दुरुपयोग होने का संकेत मान रहा है।

9 मई को 12 हजार करोड़ का लोन दिया

इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) के एग्जीक्यूटिव बोर्ड ने 9 मई को क्लाइमेट रेजिलिएंस लोन प्रोग्राम के तहत पाकिस्तान को 1.4 बिलियन डॉलर (करीब 12 हजार करोड़) का नया लोन दिया था। साथ ही, एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी के तहत मिल रहे 7 बिलियन डॉलर (करीब 60 हजार करोड़) की मदद की पहली समीक्षा को भी मंजूरी दी है। इससे पाकिस्तान को अगली किस्त के 1 बिलियन डॉलर (करीब 8,542 करोड़) मिलेंगे। इस रिव्यू अप्रूवल से 7 बिलियन डॉलर के सहायता प्रोग्राम के तहत कुल 2 बिलियन डॉलर का डिस्बर्समेंट हो गया है। रेजिलिएंस लोन से पाकिस्तान को तत्काल कोई राशि नहीं मिलेगी।

भारत ने कहा- आतंकवाद को फंडिंग करना खतरनाक

आईएमएफ की एग्जीक्यूटिव बोर्ड की मीटिंग में भारत ने पाकिस्तान को दी जा रही फंडिंग पर चिंता जताई और कहा कि इसका इस्तेमाल पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद फैलाने के लिए करता है। भारत समीक्षा पर वोटिंग का विरोध करते हुए उसमें शामिल नहीं हुआ। भारत ने एक बयान जारी कर कहा- आईएमएफ की मीटिंग से एक दिन पहले गुरुवार (8 मई) को भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा था कि पाकिस्तान को राहत देने से पहले आईएमएफ के बोर्ड को अपने अंदर गहराई से देखना चाहिए और तथ्यों को ध्यान में रखना चाहिए। पिछले तीन दशकों में आईएमएफ ने पाकिस्तान को कई बड़ी सहायता दी है। उससे चलाए गए कोई भी कार्यक्रम सफल नतीजे तक नहीं पहुंच पाए हैं। एमएफ एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है, जो देशों को आर्थिक मदद करती है, सलाह देती है और उनकी अर्थव्यवस्था पर नजर रखती है। इस संस्था की कोर टीम एग्जीक्यूटिव बोर्ड होता है। यह टीम देखती है कि किस देश को लोन देना है, किन नीतियों को लागू करना है और दुनिया की अर्थव्यवस्था पर कैसे काम करना है। इसमें 24 सदस्य होते हैं जिन्हें कार्यकारी निदेशक कहा जाता है। हर एक सदस्य किसी देश या देश के समूह का प्रतिनिधित्व करता है। भारत का एक अलग (स्वतंत्र) प्रतिनिधि होता है। जो भारत की तरफ से आईएमएफ में अपनी बात रखता है। साथ ही यह देखता है कि आईएमएफ की नीतियां देश को नुकसान न पहुंचाएं। संस्था किसी देश को लोन देने वाली हो, तो उस पर भारत की तरफ से राय देना।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947**,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426874**
सूर्योदय - 05-47
सूर्यास्त. - 18-38
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी **05-57** तक उपरान्त सप्तमी
मास - ज्येष्ठ कृष्ण , सोमवार **19 May**
नक्षत्र - श्रवण **19-29** तक उपरान्त धनिष्ठा
योग - शुक्ल **06-42** तक उप ब्रह्म
करण- वणिज **05-57** तक उप विष्टी (भद्रा)
विशेष:-
व्रत -त्योहार -

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष मे	वृष---	05-32 बजे
चंद्र-	चंद्र मे	मिथुन..	07-32 बजे
मंगल	कर्क मे	कर्क--	09-44 बजे
बुध-	मेष मे	सिंह---	11-55 बजे
गुरु-	मिथुन मे	कन्या...	14-02 बजे
शुक्र-	मीन मे	तुला....	16-08 बजे
शनि-	मीन मे	वृश्चिक..	18-18 बजे
राहु-	कुंभ मे	धनु.....	20-31 बजे
केतु-	सिंह मे	मकर...	22-38 बजे
		कुंभ...	00-28 बजे
		मीन....	02-10 बजे
		मेष.....	03-43 बजे

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:21 से 08:58 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05:47 - 07:21	शुभ	चंचल	18:38 - 20:04	शुभ
काल	07:21 - 08:58	अशुभ	रोग	20:04 - 21:27	अशुभ
शुभ	08:58 - 10:36	शुभ	काल	21:27 - 22:50	अशुभ
रोग.	10:36 - 12:13	अशुभ	लाभ	22:50 - 00:13	शुभ
उत्पात	12:13 - 13:50	अशुभ	उत्पात	00:13 - 01:35	अशुभ
चंचल	13:50 - 15:27	शुभ	शुभ	01:35 - 02:58	शुभ
लाभ	15:27 - 17:04	शुभ	अमृत.	02:58 - 04:21	शुभ
अमृत	17:04 - 18:38	शुभ	चंचल.	04:21 - 05:47	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी ,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते । हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज का दिन आपके लिए विशेष है क्योंकि आज आप किसी दूसरे शहर में रहने वाले से या विदेश में किसी से संपर्क स्थापित करेंगे । यह आपके करियर के लिए फायदेमंद होगा । अपने मेल देख लें क्योंकि मेलबॉक्स में कोई महत्वपूर्ण अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहा है। विदेश में रह रहा कोई मित्र आपको साथ काम करने के लिए आमंत्रित कर सकता है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आपको अपना अधूरा काम समय पर पूरा करने के बहुत से मौके मिलेंगे । आपकी दूसरी परेशानियां भी तुरंत दूर हो जायेंगी ,उनके बारे में चिंता ना करें । आज अधिक से अधिक काम करने की कोशिश करें क्योंकि आपको आज के अपने सब कामों में सफलता मिलेगी । आप अपने किसी करीबी से सलाह ले सकते हैं ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप किसी भी ,अच्छे-बुरे तरीके से अपना लक्ष्य पा लेने के मूड में हैं । काफी समय तक हाशिये पर रहने के बाद आपको आज अपने ग्रहों की बदौलत काफी आत्मविश्वास का अनुभव होगा । आप अपनी मानसिक प्रवृति के आधार पर फैसले ले सकते हैं,यकीन मानिए वे सही ही साबित होंगें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपको आगे बढने से बहुत से अवसर मिलेंगे लेकिन उन सबको हासिल करने की जल्दी में ना रहें । अपने सभी विकल्पों को ध्यान से सोच समझकर ही आगे बढ़ें । अपने दोस्तों के साथ भी बाँटें । यह ऐसा समय होगा जब आपको कई प्रयास करने होंगें । सब कुछ भाग्य पर ना छोड़ें । आपके कार्य ही आपके भाग्य का निर्माण करेंगे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
यह तो आप देख ही चुके की आकस्मिक प्रवृति पर आधारित फैसले कई बार सही साबित नही हुए हैं,इसीलिए यह जरूरी है कि आप अपने फैसले तर्क की कसौटी पर कसकर ही करें । ऐसा करना और भी जरूरी है क्योंकि कोई ऐसा है जो आपका करीबी होते हुए भी आपके खिलाफ साजिश कर रहा है । अगर एक बार आप सोच समझकर कोई फैसला ले लें तो उसे कार्यान्वित करने में हिचकिचाएं नही ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे । अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे । आपके लिए रोमांचक समय है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
यह आपके लिए अपने आप से किये हुए वादों और अपनी योजनाओं को अमल में लाने का बहुत अच्छा समय है । नयी योजनायें भी जल्दी ही कामयाब होंगीं । हालाँकि, दोस्तों के साथ मजे करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है । इसीलिए शाम को सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल होने की योजना बना सकते हैं ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आपके सब कामों और विचारों में एकाग्रता और शांति रहेगी । आप किसी विवाद से प्रभावित नही होंगे ,दरअसल कार्यस्थल पर भी ऐसी स्थिति बन सकती है कि आपको शान्तिदूत बनना पड़े । घर के सुधार का कोई कार्यक्रम बना सकते हैं या अपने घर की समस्याओं को सुलझाने या संबंधों को बेहतर बनाने के लिए काम कर सकते हैं ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज अपने अपने ही भीतर शक्ति का नया-अद्वितीय श्रोत ढूँढ लेंगे और आपको यह अनुभव होने लगेगा कि आप अपने जीवन में जिन समस्याओं से अब जूझ रहे हैं ,उनसे निपटने के लिए आपको किसी भी बाह्य मदद की जरुरत नही है । आप आसानी से खुद ही सब कर सकते हैं,इस बात का अनुभव आपको आज हो जाएगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपको आज खुद का ही चिंतन करना है । आपके जीवन में इस समय सब कुछ सही चल रहा है ,फिर भी आपको एक प्रकार की बेचैनी महसूस हो रही है जिसे आप व्यक्त नही कर पा रहे । इसका एकमात्र समाधान यह है कि आप खुद के बारे में शांत दिमाग से सोचें जिससे आपको अपनी स्थितियों को बेहतर तरीके से देखने में मदद मिलेगी और आप सही समाधान खोज पायेंगे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
अपने वादों का सम्मान करें । आपको इसके लिए अपने मजे तथा आनंद के समय से समझौता करना पड़ सकता है परन्तु अगर आप दूसरों को दुःख नही पहुंचना चाहते तो आपको यह करना पड़ेगा । आपकी कल्पनात्मक शक्ति आपको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करेगी । आप मानवीय आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं, आपकी प्रगति तय है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

भारत का पहला न्यूक्लियर टेस्ट जिसने बदल दी दुनिया

› बौखलाया था अमेरिका-चीन › 20 रुपए बीघा पर खरीदी गई टेस्टिंग साइट › फ्लाइट-सड़क से पहुंचे थे पुर्जे

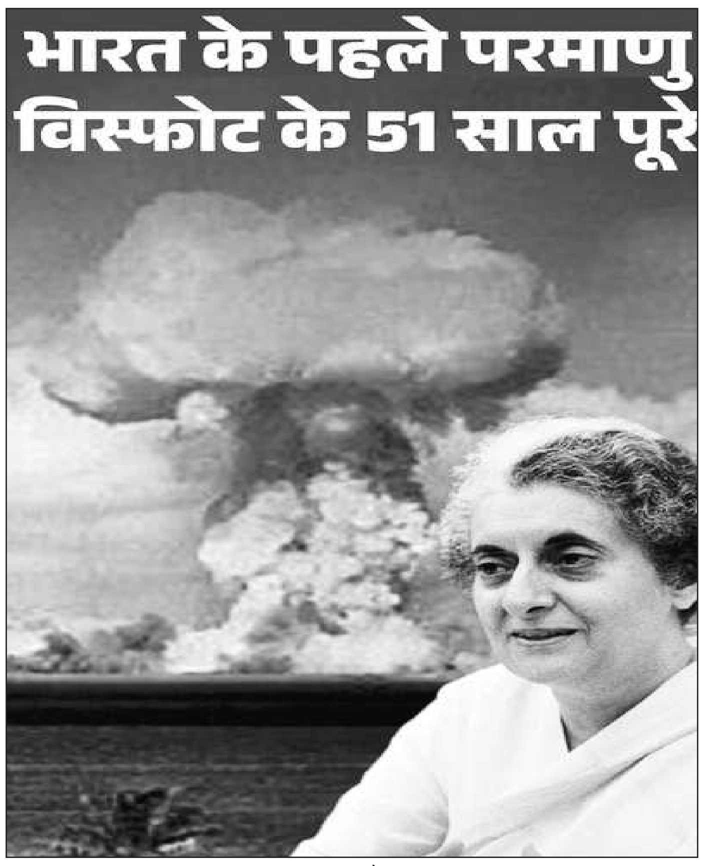

इतिहास में आज

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। 18 मई 1974 की सुबह यानी आज से ठीक 51 साल पहले। प्रधानमंत्री आवास में सुबह से ही चहल-पहल थी। इंदिरा गांधी लोगों से मिल जरूर रही थीं, लेकिन अंदर से बेचैन थीं। उन्होंने करीब 8.30 बजे अपने सेक्रेटरी पीएन धर को आते देखा, तो लगभग दौड़ते हुए खुद ही उनके पास पहुंच गईं। इंदिरा ने पूछा- क्या हुआ? धर बोले- बुद्ध मुस्कुराए हैं। इतना सुनते ही इंदिरा ने सुकून की एक गहरी और लंबी सांस ली। 1962 में चीन से युद्ध हारने के बाद मशहूर वैज्ञानिक होमी भाभा ने देश को परमाणु हथियार संपन्न बनाने पर काम शुरू कर दिया था, लेकिन 24 जनवरी 1966 को होमी भाभा की विमान दुर्घटना में मौत हो गई। भारत के न्यूक्लियर पावर बनने के सपनों को ये बड़ा झटका था। भाभा के बाद विक्रम सारा भाई को एटॉमिक एनर्जी कमीशन यानी एईसी का अध्यक्ष बनाया गया। ये वो समय था जब भारत कर्ज में डूबा हुआ था। इस वक्त न्यूक्लियर टेस्ट की बात ठंडी पड़ गई। विक्रम साराभाई के निधन के बाद भाभा के शिष्य होमी सेठना को जिम्मेदारी मिली। 1971 में पाकिस्तान से युद्ध में जब अमेरिका ने अपना 7वां बेड़ा भेजा और परमाणु बम की धमकी दी तो इंदिरा को लगा भारत को भी इसका जवाब तैयार करना होगा। इसके बाद इंदिरा ने परमाणु बम कार्यक्रम को तेजी से बढ़ा दिया। 1972 में इंदिरा ने परमाणु बम बनाने के लिए मौखिक आदेश दिया। तब होमी सेठना ने कहा कि मैडम हमें 18 महीने दीजिए। उस समय परमाणु बम परीक्षण के लिए 20 किलो प्लूटोनियम की जरूरत थी। परमाणु ऊर्जा करार के तहत भारत ने कनाडा से प्लूटोनियम लिया था, जिसका उपयोग पूर्णिमा रिएक्टर के लिए किया जा रहा था। बाद में इसका उपयोग ऊर्जा की बजाय बम बनाने में किया गया। 1973 तक मटेरियल लेवल की सारी परेशानी लगभग दूर हो चुकी थी।

› पोकरण में 20 रुपए बीघा पर खरीदी गई टेस्टिंग साइट

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के तत्कालीन निदेशक राजा रमन्ना अपनी बायोग्राफी 'इयर्स ऑफ पिलग्रिमेज' में लिखते हैं कि परमाणु परीक्षण के लिए हमने पोकरण का चयन किया, क्योंकि यहां इतनी आबादी नहीं थी। न ही बहुत ज्यादा जमीनी संसाधन थे। पोकरण रेंज के आसपास कई गांव हैं। ऐसा ही एक गांव खेतोलाई के स्कूल प्रिंसिपल सोहन राम विश्नोई बताते हैं कि 1960 के दशक में रक्षा विभाग ने उनके पिता और सैकड़ों किसानों को उनकी जमीन बेचने के लिए मजबूर किया था। तब ये जमीन चार रुपए बीघा पर खरीदी गई थी। लोग इसका विरोध कर रहे थे। 1974 में जब विरोध बढ़ा तो सरकार ने मुआवजा बढ़ाकर 20 रुपए बीघा कर दिया था।

› आर्मी ने कुआं खोदा तो पानी निकल आया, सूखे कुएं की तलाश थी

न्यूक्लियर वेपन आर्काइव के अनुसार, जोधपुर की 61 रेजिमेंट पुल और बंकर बनाने की एक्सपर्ट थी। उसे ही 107 मीटर गहरा एक शाफ्ट बनाने का काम सौंपा गया। जवानों को बस इतना बताया गया कि भूकंप को लेकर वैज्ञानिकों को कोई प्रयोग करना है। लोकल कमांडर ने इसे यह कहकर टाल दिया था कि ये उनका काम नहीं है। इसके बाद सेनाध्यक्ष जनरल गोपाल गुरुनाथ बेवूर को दखल देना पड़ा। उन्होंने इसके मौखिक आदेश दिए कि ये अपना भी काम है। इसके बाद जवानों ने कुएं की खुदाई की।

बाहरी दुनिया को बताया गया कि ओएनजीसी गैस के कुंओं के लिए खुदाई कर रही है। लोकल लोगों में बात फैलाई गई कि सेना के लिए पानी के कुएं खोदे जा रहे हैं। जनवरी 1974 में खुदाई के दौरान भूमिगत जल आ गया। खुदाई करने वाले जवान बहुत खुश हुए, लेकिन वैज्ञानिक बहुत निराश हुए। उन्हें परमाणु परीक्षण के लिए सूखा कुआं चाहिए था। वैज्ञानिकों ने उस कुएं को छोड़ दिया। इसके बाद एक और गांव खेतोलाई में खुदाई की गई। सूखे कुएं की पहचान के लिए एक लोकल जल विशेषज्ञ को भी बुलाया गया। इस तरह से सेना ने तय समय 15 फरवरी 1974 को सूखा कुआं खोद दिया, जिसे वैज्ञानिक शाफ्ट कहते थे।

› सलाहकारों के खिलाफ जाकर इंदिरा गांधी ने कहा-हम टेस्ट करेंगे

राजा रमन्ना लिखते हैं कि पहली बार डीआरडीओ और बार्क एक साथ इतने बड़े और सीक्रेट प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे। जब परीक्षण की तैयारी की गई तो इसकी खबर कुछ चुनिंदा लोगों को ही थी। पहले दौर की बैठक अप्रैल 1974 में की गई। पीएम इंदिरा गांधी के सेक्रेटरी पीएन हक्सर, पीएम के पूर्व प्रधान सचिव पीएन नाग चौधरी, रक्षामंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार एचएन सेठना, एईसी के तत्कालीन अध्यक्ष और भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र यानी बार्क के डायरेक्टर राजा रमन्ना ही इन बैठकों में शामिल थे। बैठक में नाग चौधरी ने इस परीक्षण का विरोध किया। उन्होंने कहा कि इससे हमारी इकोनॉमी बर्बाद हो जाएगी। अमेरिका और पश्चिमी देश कई तरह के बैन लगा देंगे। अर्थशास्त्री के रूप में हक्सर ने भी नाग से सुर में सुर मिलाया और कहा कि परमाणु बम के परीक्षण के लिए ये सही समय नहीं है, लेकिन पश्चिम देश थोड़े दिन चिल्लाएंगे फिर चुप हो जाएंगे। इसके बाद राजा रमन्ना ने कहा कि इस टेस्ट को रोका नहीं जाना चाहिए। एटम बम क्लब में आने से हम पर कोई देश दादागिरी नहीं कर पाएगा। उस समय तक एटम बम क्लब में पांच देश अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन और रूस ही थे। आखिर में इंदिरा गांधी ने कहा कि देश के लिए एटम बम का परीक्षण जरूरी है। हमें ये टेस्ट करना होगा। इसके लिए 18 मई 1974 बुद्ध पूर्णिमा का दिन चुना गया। ऑपरेशन का नाम दिया गया- स्माइलिंग बुद्धा।

उधर मुंबई स्थित ट्रॉम्बे परमाणु ऊर्जा प्रतिष्ठान में टेस्ट के लिए जरूरी प्लूटोनियम बॉल और ट्रिगर भी समय पर तैयार हो गया था। पीके अयंगर इन्हें कॉमर्शियल फ्लाइट से लेकर जोधपुर होते हुए पोकरण पहुंचे। वहीं आर गोपाल चिदंबरम दूसरे उपकरणों को सेना के काफिले के साथ मुंबई से पोकरण बाय रोड लेकर पहुंचे। बाकी टीम बचे हुए सामान के साथ पोकरण पहुंची। राजा रमन्ना, सेठना और नाग चौधरी एक ही विमान में जोधपुर पहुंचे। अब असेंबली का काम शुरू हो गया था और कुल मिलाकर ये अंतिम चरण में था। 14 मई 1974 को एल आकार के शाफ्ट में बिजली केबल डालने का काम सिस्टम इंटीग्रेटेड टीम के लीडर जितेंद्र नाथ सोनी और परमाणु डिवाइस रखने का काम डॉ. नागपट्टिनम संबाशिव वेंकटेशन ने किया। इसके बाद शाफ्ट को रेत से भर दिया गया। 15 मई को प्रधानमंत्री की अंतिम मंजूरी के लिए सेठना दिल्ली पहुंचे। उन्होंने वहां पहुंचकर इंदिरा गांधी से कहा कि हमने परमाणु डिवाइस को शाफ्ट में पहुंचा दिया है। अब हम इसे बाहर नहीं निकाल सकते।

इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई में गड़बड़ी, भगवान का नाम लेकर ट्रिगर दबाया

मचान के पास लगे लाउडस्पीकर से उल्टी गिनती शुरू हुई। उधर फोटोग्राफर भी चौकन्ने हो गए। पांच तक गिनती पहुंचते ही प्रणव ने हाई वोल्टेज स्विच ऑन किया। दस्तीकार ने जब इलेक्ट्रिसिटी मीटर को देखा तो वो चौंक गए। इलेक्ट्रिसिटी मीटर की रीडिंग बता रही थी कि न्यूक्लियर डिवाइस तक तय वोल्टेज का केवल 10 प्रतिशत ही सप्लाई हो रहा है।

दस्तीकार के असिस्टेंट भी ये देखकर घबरा गए। वो चिल्लाने लगे क्या हम इसे रोक दें...रोक दें। इस उठापटक में गिनती बंद हो गई। मचान पर बैठे रमन्ना और सेठना को जब गिनती की आवाज लाउडस्पीकर में सुनाई देनी बंद हो गई तो उन्होंने माना कि किसी तकनीकी खराबी के कारण टेस्ट रोक दिया गया है। उधर दस्तीकार लगभग चीखे- नहीं हम रुकेंगे नहीं, हम आगे बढ़ेंगे। ये बात रमन्ना और सेठना को नहीं पता थी। दस्तीदार ने अपने 'सौभाग्य' का लाल बटन दबाया।

बोकारो विधायक श्वेता सिंह का मामला राजभवन पहुंचा

भाजपा ने राज्यपाल को बताई गलतियां, दो पैन कार्ड को लेकर चर्चा में एमएलए

रांची, 18 मई (एजेंसियां)। बोकारो से कांग्रेस की विधायक श्वेता सिंह की ओर से की गई विभिन्न तरह की अनियमितताओं की शिकायत राजभवन तक पहुंच गई है। भाजपा के चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात पर विधायक श्वेता सिंह के खिलाफ लिखित शिकायत की है। भाजपा की ओर से राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, रांची विधायक सीपी सिंह, बोकारो से भाजपा के पूर्व विधायक बिरंची नारायण एवं प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद ने श्वेता सिंह के विरुद्ध गंभीर आरोपों की ओर ध्यान आकृष्ट किया।

भाजपा ने लगाए हैं कई गंभीर आरोप

भाजपा की ओर से राज्यपाल को सौंपे गए ज्ञापन में बोकारो विधायक श्वेता सिंह की ओर से गैर कानूनी कार्य करने, विधानसभा के नामांकन पत्र भरने के समय सूचना छुपाने, बीएसएल (एचएससीएल पीओओएल) के द्वारा आवंटित क्वाटर का नो ड्यूस सर्टिफिकेट संलग्न नहीं कर के गलत जानकारी शपथ पत्र के साथ देने, चार वोटर आईडी कार्ड रखने तथा दो पैन कार्ड रखने संबंधित आरोप लगाए गए हैं। राज्यपाल से मिले शिष्टमंडल ने उक्त प्रकरणों की निष्पक्ष जांच कराने तथा भारत निर्वाचन आयोग एवं आयकर विभाग द्वारा निर्धारित नियमों, दिशानिर्देशों एवं संबंधित विधिक प्रावधानों के अंतर्गत आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के लिए पहल करने का आग्रह किया।

दो पैन कार्ड का मामला पकड़ा तूल

विधायक श्वेता सिंह की शिकायत राजभवन तक जाने के पीछे की बात उनके नाम से दो पैन कार्ड होने के मामले से शुरू होती है। दरअसल, मीडिया में आई खबर के अनुसार बोकारो से कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह के नाम पर दो पैन (परमानेंट अकाउंट नंबर) कार्ड हैं। दोनों ही पैन कार्ड (सी92ए और सी1एसई) में पिता का नाम अलग-अलग दिया हुआ है। इनमें से एक पैन कार्ड रामगढ़ और दूसरा गुरुग्राम से बना है। गुरुग्राम से बने पैन कार्ड में श्वेता के पिता का नाम दिनेश कुमार सिंह लिखा है। जबकि 2010 में रामगढ़ से बने पैन कार्ड में उनके पिता का नाम संग्राम सिंह दर्ज है।

एक पैन में पति बने पिता जन्मतिथि एक

पैन कार्ड मामले में जो बात सामने आई है, उसके मुताबिक विधानसभा चुनाव के दौरान हलफनामे में पति के नाम के सामने संग्राम सिंह लिखा हुआ है। वहीं यह नाम एक पैन कार्ड में पिता के सामने लिखा हुआ है। असल में संग्राम सिंह श्वेता सिंह के पति हैं। वहीं दोनों ही पैन कार्ड में जन्म तिथि 19-06-1984 अंकित है।

झारखंड के दो सांसद 'पाक' को करेंगे बेनकाब

रांची, 18 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने शनिवार देर रात 59 सदस्यों वाले डेलिगेशन की घोषणा की है। इसमें 51 नेता और 8 राजदूत हैं। एनडीए के 31 और 20 दूसरे दलों के हैं, जिसमें 3 कांग्रेस नेता भी हैं। ये डेलिगेशन दुनिया के बड़े देशों, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सदस्य देशों का दौरा करेगा। वहां ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत का रुख रखेगा।

डेलिगेशन कब रवाना होगा, फिलहाल इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, डेलिगेशन के 23 या 24 मई को भारत से रवाना होने की बात कही जा रही है। इस डेलिगेशन में झारखंड के दो सांसदों को शामिल किया गया है। इसमें झारखंड मुक्ति मोर्चा से डॉ सरफराज अहमद और भाजपा से डॉ निशिकांत दुबे शामिल हैं।

हार्वेस्टर से टकराई बाइक, 3 युवकों की मौत

सक्ती, 18 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में रात को बाइक सवार हार्वेस्टर से टकरा गए। हादसे में 3 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि एक युवक का सिर धड़ से अलग हो गया। वहीं तीनों युवकों के शरीर के अंग अलग गए। वहीं हादसे के बाद से हार्वेस्टर चालक फरार है। मामला मालखरौदा थाना क्षेत्र का है। गुस्साए ग्रामीणों ने देर रात थाने में जमकर हंगामा किया, और सुबह सक्ती में 4 घंटे तक चक्काजाम किया, जिससे छपोरा, जैजैपुर, सक्ती मुख्य मार्ग बाधित रहा। हालांकि पुलिस ने मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद लोगों ने चक्काजाम समाप्त कर दिया।

कटर नहीं हटाया, जिस वजह से हादसा हुआ

घटना मिशन चौक-पिहरीद मुख्य मार्ग पर स्थित पेट्रोल पंप के पास हुई। जानकारी के अनुसार, यह हादसा हार्वेस्टर चालक की लापरवाही के कारण हुआ। बताया जा रहा है कि धान की कटाई के बाद हार्वेस्टर के सामने लगे खतरनाक कटर को हटाया नहीं गया था, और वह रिहायशी इलाके से होते हुए सड़क पर गुजर रहा था। रात के अंधेरे में मिशन चौक से पिहरीद की ओर जा रहे बाइक सवारों की हार्वेस्टर से आमने-सामने की टक्कर हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर मालखरौदा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मृतकों की पहचान ग्राम सतगढ़ निवासी नागेश्वर पिता दाऊलाल और शेर सिंह पिता परदेशी के रूप में हुई है, जबकि तीसरा युवक भी गांव का ही रहने वाला है।

पुलिस का कहना है कि हादसे की जांच के बाद ही पूरी सच्चाई सामने आ सकेगी। फिलहाल, घटना ने पूरे इलाके में शोक की लहर है और लोग हार्वेस्टर चालक की लापरवाही को लेकर आक्रोशित हैं। परिजन और ग्रामीण सक्ती में धरने पर बैठे हुए हैं।

बारिश के चलते नेशनल हाईवे पर जलभराव और कीचड़, घंटों तक फंसे रहे लोग

गौरेला पेंड्रा, 18 मई (एजेंसियां)। पेंड्रा रतनपुर बिलासपुर मार्ग पर निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग बारिश के कारण लोगों को समस्या का सामना करना पड़ा। कुछ घंटों की बारिश से हाईवे पर जलभरा हो गया। जिसके चलते कई वाहन फंस गए। लोगों को काफी समस्या का समना करना पड़ा। जानकारी के मुताबिक, जीपीएम जिले को संभाग मुख्यालय से जोड़ने वाले मुख्यमार्ग आरएमकेके रोड पर केदा और छतौना के बीच बने अस्थायी सड़क और पुलियाओं पर जलभराव और कीचड़ के चलते यातायात पूरी तरह ठप हो गया। बारिश के बाद निर्माण स्थल की हालत इतनी बदतर हो गई कि बड़े-बड़े मालवाहक ट्रक और बसें वहीं फंस गईं। स्थिति यह हो गई कि भारी वाहनों के साथ यात्री बसों की आवाजाही तक पूरी तरह रुक गई और घंटों तक यात्रियों को वहीं फंसे रहना पड़ा। कुछ यात्रियों को बस से उतरकर कीचड़ और पानी से भरे रास्तों से पैदल निकलना पड़ा। इस मार्ग पर आसपास के गांवों जैसे केदा, छतौना, गोढ़ी, अमदरहा आदि के लोगों का रोज आना-जाना होता है।

एडल्ट्री में रहने वाली पत्नी भरण-पोषण की हकदार नहीं

हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट का आदेश रद्द किया; शादी के बाद देवर के साथ अफेयर था

बिलासपुर, 18 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि अगर कोई पत्नी व्यभिचार (एडल्ट्री) में रह रही है और इस आधार पर उसे तलाक दिया गया है, तो वह पति से भरण-पोषण की हकदार नहीं हो सकती। कोर्ट ने रायपुर की फैमिली कोर्ट के दिए गए मासिक 4000 भरण-पोषण के आदेश को रद्द कर दिया है। रायपुर निवासी युवक की शादी साल 2019 में हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार हुई थी। विवाह के कुछ समय बाद पत्नी ने पति पर शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए साल 2021 में उसका घर छोड़ दिया और अपने भाई के घर जाकर रहने लगी। इसके बाद पति ने फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी दाखिल की, वहीं पत्नी ने भरण-पोषण की मांग करते हुए अलग से याचिका लगाई। पत्नी ने आरोप लगाया कि पति चरित्र पर संदेह करता है और मानसिक यातना देता है, इसलिए वह घर छोड़कर चली गई।

पति ने लगाए गंभीर आरोप

पति ने फैमिली कोर्ट में जवाब दाखिल करते हुए आरोप लगाया कि उसकी पत्नी के उसके छोटे भाई से (एडल्टरी) विवाहेतर संबंध हैं। उसने यह भी कहा कि उसकी पत्नी अन्य युवकों से भी संपर्क में है और जब उसने आपत्ति की, तो पत्नी ने झूठे प्रकरण में फंसाने की धमकी दी और कुछ आपराधिक प्रकरण भी दर्ज करवाए। फैमिली कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें और साक्ष्य सुनने के बाद व्यभिचार को आधार मानते हुए तलाक की डिक्री पति के पक्ष में पारित की, लेकिन पत्नी को राहत देते हुए मासिक 4000 भरण-पोषण देने का आदेश भी दिया।

दोनों पक्ष पहुंचे हाईकोर्ट

फैमिली कोर्ट के इस आदेश को लेकर पति-पत्नी दोनों हाईकोर्ट पहुंचे। पत्नी ने पति की आय का हवाला देते हुए 10 लाख की एकमुश्त राशि या 20,000 मासिक भरण-पोषण की मांग की। वहीं पति ने व्यभिचार में रहने वाली पत्नी को कोई भरण-पोषण नहीं दिए जाने की मांग की।

घर में लगी आग...बुजुर्ग जिंदा जला

दुर्ग, 18 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में एक घर में आग लगने से अंदर लेटा बुजुर्ग जिंदा जल गया। 65 साल का बुजुर्ग लकवा से पीड़ित था। आग लगने पर वह घर से बाहर नहीं निकल पाया। वहीं उनकी पत्नी शौच के लिए बाहर गई थी। मामला उतई थाना क्षेत्र के परसाई गांव का है। पुलिस प्रवक्ता एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया की घटना शनिवार रात की है। उन्हें सूचना मिली थी कि परसाई गांव में आग लग गई है। तुरंत दमकल को सूचित किया गया। इसके बाद उतई पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने वहां जाकर पाया कि घर के अंदर बुजुर्ग शिव प्रसाद खिलाड़ी है।

रायगढ़ के जंगल में मिली पति-पत्नी की लाश

रायगढ़, 18 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पति-पत्नी की लाश जंगल में मिली है। आशंका जताई जा रही है कि पति ने पहले पत्नी की गला दबाकर हत्या की और फिर खुद फांसी लगाकर जान दे दी। हालांकि, अभी तक घटना के पीछे की असली वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। घटना पूंजीपथरा थाना क्षेत्र का है।

तीन बदमाशों को किया गया जिला बदर, एक साल तक जिले की सीमा में नहीं कर सकते प्रवेश

धमतरी, 18 मई (एजेंसियां)। धमतरी जिले में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने गुंडा, बदमाशों पर लगातार वैधानिक कार्रवाई की जा रही हैं। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक की अनुशंसा पर वर्ष 2025 में जिले के तीन आदतन अपराधियों को जिला बदर किया गया है।

थाना सिटी कोतवाली धमतरी क्षेत्रान्तर्गत के सौरभ सोनी, गौरव मानिकपुरी संतदास मानिकपुरी ये तीनों आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर छोटी-छोटी बातों पर जान से मारने की धमकी देना, लड़ाई-झगड़ा करना, चाकू-तलवार दिखाकर डराना जैसे अपराधिक कृत्य करते आ रहा है। जिले के तीन और बदमाशों को आगामी एक वर्ष के लिए जिला धमतरी एवं समीपस्थ जिला रायपुर, बालोद, कांकेर, गरियाबंद, दुर्ग, कोण्डागांव की राजस्व सीमाओं से हट जाने (जिला बदर) का आदेश पारित किया है। जिला बदर किये गए बदमाशों का सौरभ सोनी निवासी आमातालाब रोड़, गौरव मानिकपुरी निवासी मोटर स्टैंड वार्ड और संतदास मानिकपुरी निवासी मकेश्वर वार्ड को किया गया है। जिला दण्डाधिकारी द्वारा इन तीनों बदमाशों को जिलों की राजस्व सीमाओं से बाहर चले जाने और एक वर्ष से पहले सक्षम न्यायालय की अनुमति के बगैर प्रवेश नहीं करने के आदेश दिये गये हैं। आदेश का पालन नहीं करने पर उसे वैधानिक कार्रवाई कर/बलपूर्वक उपरोक्त जिले की सीमाओं से बाहर निकाल दिये जाने के निर्देश दिये गये हैं। यदि इसके बाद भी वह इस आदेश का उल्लंघन करे तो उसके विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी।

कोडरमा में सड़क किनारे मिला अधजला शव

कोडरमा, 18 मई (एजेंसियां)। कोडरमा जिले के चंदवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवम आयरन फैक्ट्री के बाहर महतोआरा-जौंगी मार्ग पर एक शव बरामद किया गया है। शव की फिलहाल शिनाख्त नहीं हो पाई है। मिली जानकारी के अनुसार महतोआरा-जौंगी मार्ग पर अहले सुबह जब गांव के लोग गुजर रहे थे, तो सड़क किनारे एक अधजले व्यक्ति का शव दिखाई दिया। जिसके बाद वहां ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। लोगों ने इसकी सूचना चंदवारा पुलिस को दी। सूचना मिलते ही चंदवारा थाना प्रभारी धनेश्वर कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल में जुट गए। शव को देखकर ऐसा लग रहा था कि बीती रात ही किसी फैक्ट्री में काम के दौरान दुर्घटना का शिकार हुआ है। हांलाकि गला दबा कर मारने के निशान भी बॉडी में मिले हैं।

बाइक सवार तो घटना में नहीं शामिल

इधर मुख्यालय डीएसपी रतिभान सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू कर दी। इस दौरान घटनास्थल पर शव के पास से एक मोबाइल व एक बाइक का नंबर प्लेट पाया गया। जिसमें बाइक का रेजिस्ट्रेशन नम्बर (जेएच 12 एम 4934) अंकित था।

फिनलैंड में हवा में दो हेलीकॉप्टर की हुई भीषण टक्कर, 5 लोगों की मौत

फिनलैंड, 18 मई (एजेंसियां)। फिनलैंड में एक बड़ी दुर्घटना घटी है, जहां हवा में दो हेलिकॉप्टरों की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों हेलिकॉप्टर जमीन पर गिरकर क्रैश हो गए। पुलिस ने बताया कि इस घटना में पांच लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के वक्त दोनों हेलिकॉप्टर में पांच लोग ही सवार थे। हादसे को लेकर पुलिस ने बयान जारी कर कहा, इस हादसे में कई लोगों की मौत हुई है। पीड़ितों की पहचान की जा रही है और पुलिस व अन्य आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंचकर बचाव व जांच कार्य में जुटी हुई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इन दोनों हेलिकॉप्टर्स ने एस्टोनिया से उड़ान भरी थी और इनमें कुछ व्यवसायी सवार थे। एक हेलिकॉप्टर में तीन लोग बैठे थे और दूसरे में दो लोग सवार थे। पुलिस ने बताया कि यह हादसा फिलनैंड के कौटुआ शहर के पास दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में यूरा हवाई अड्डे के पास एक जंगली इलाके में हुई है। नेशनल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर जोहान्स सिरिला ने बताया, यूरा हवाई अड्डे के पास दो हेलिकॉप्टर के आपस में टकराने से पांच लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि दोनों हेलिकॉप्टर फिनलैंड के बाहर पंजीकृत थे। फिनलैंड के हेलसिंगिन सनोमैट अखबार का हवाला देते हुए एस्टोनियाई पब्लिक ब्रॉडकास्टिंग (ईआरआर) ने बताया कि एक हेलिकॉप्टर एस्टोनिया में और दूसरा ऑसट्रिया में पंजीकृत था और दोनों हेलिकॉप्टर एस्टोनियाई कंपनी के थे। हादसे की असली वजह क्या थी, इस पर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल, न तो मौसम खराब की जानकारी सामने आई है और न ही तकनीकी खराबी की। जांच एजेंसिया अब ब्लैक बॉक्स, फ्लाइट रिकॉर्ड्स और चश्मदीदों के बयान के आधार पर इस टक्कर की वजह जानने में जुटी है।

चीन से जे-10सी फाइटर जेट खरीदेगा भारत का 'दोस्त'

ऐसा करने वाला बन जाएगा दुनिया का पहला देश

मिस्र, 18 मई (एजेंसियां)। मिस्र दुनिया की सैन्य रणनीतियों में एक नई मिसाल बनने की तैयारी में है। जहां एक ओर यह देश पहले से ही अमेरिकी एफ-16, रूसी मिग 29 और फ्रांसीसी राफेल लड़ाकू विमानों का संचालन कर रहा है। वहीं अब वह जल्द ही चीनी जे-10सी फाइटर जेट को भी अपने हवाई बेड़े में शामिल कर सकता है। यह कदम मिस्र को दुनिया का पहला और इकलौता देश बना सकता है, जिसके पास चार अलग-अलग देशों के अत्याधुनिक लड़ाकू विमान होंगे। सितंबर 2024 में मिस्र में आयोजित अंतरराष्ट्रीय एयर शो में जे-10सी फाइटर जेट का प्रदर्शन होना और फिर अप्रैल 2025 में सभ्यता के ईगल नामक संयुक्त हवाई अभ्यास के दौरान एक मिस्री पायलट को जे-10सी में बैठे देखे जाने का फुटेज सामने आना—इन सबने इस बात की अटकलों को मजबूत कर दिया है कि मिस्र अब चीन के इस

आधुनिक 4.5वीं पीढ़ी के फाइटर जेट की ओर झुक रहा है। हालांकि फरवरी 2025 में चीनी रक्षा मंत्रालय ने मिस्र से जे-10सी की खरीद की खबरों को फर्जी करार दिया था, लेकिन जानकारों का मानना है कि मौजूदा घटनाएं संकेत देती हैं कि यह सौदा अब ज्यादा दूर नहीं।

दक्षिण कोरिया का एफए-50 या चीन का जे-10सी

एक ओर जहां मिस्र दक्षिण कोरिया के फाइटर जेट एफए-50 में रुचि दिखा रहा है, वहीं जे-10सी की संभावनाएं फिलहाल ज्यादा मजबूत नजर आती हैं। एफए-50 की कीमत कम है और यह स्टेल्थ फीचर्स से लैस है, जो विकासशील देशों के लिए बजट के लिहाज से उपयुक्त विकल्प बनाता है। हालांकि, जे-10सी की एयर-टू-एयर कॉम्बैट क्षमता, एक्टिव इलेक्ट्रॉनिक स्कैनिंग रडार (एईएसए) और इसकी पाकिस्तान में उपयोग की सफलता ने इसे मिस्र के लिए एक ज्यादा आकर्षक विकल्प बना दिया है। अगर मिस्र चीनी जे-10सी खरीदता है, तो वह पाकिस्तान के बाद दुनिया का दूसरा देश होगा जो इस विमान को ऑपरेट करेगा। इससे मिस्र की वायुसेना में एक रणनीतिक संतुलन आएगा क्योंकि जे-10सी चीन की आधुनिक युद्ध प्रणाली का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें पीएल-15 लंबी दूरी की मिसाइल, डिजिटल एवियोनिक्स, और सटीक हमले की क्षमता शामिल है।

मौजूदा समय में मिस्र की वायुसेना के पास 200 से अधिक एफ-16 है, जो अमेरिका से खरीदे गए हैं। 30 से अधिक मिग 29 – रूस से मिले हैं। 24 से ज्यादा राफेल फ्रांस से खरीदे गए और और अब संभवतः जल्द ही चीनी जे-10सी भी मिस्र के एयरफोर्स के पास होंगे। यह सब मिलकर मिस्र को दुनिया की सबसे विविध फाइटर जेट ऑपरेटिंग वायु सेनाओं में से एक बना देते हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह मिश्रित लड़ाकू बेड़ा मिस्र को अपनी कूटनीति स्वतंत्रता और राजनीतिक संतुलन को बनाए रखने में भी मदद करता है।

चिट्टा तस्करी में सलाखों के पीछे था बेटा, मां ने गम में तोड़ा दम, पति नशे में बेसुध

हमीरपुर, 18 मई (एजेंसियां)। नशा किस कद्र पूरे परिवार को तबाह कर रहा है, दिल को झकझोरने वाला ऐसा ही मामला जिला हमीरपुर में सामने आया। जिला मुख्यालय में एक महिला ने बेटे के जेल में जाने के गम में दम तोड़ दिया। बेटा चिट्टा तस्करी के आरोप में जेल में बंद था और पति नशे में बेसुध। सुबह के वक्त महिला ने घर में ही दम तोड़ दिया। घर में मौजूद 85 वर्षीय बुजुर्ग सास ने पड़ोसियों और रिश्तेदारों को इसकी खबर दी। मृतक महिला का पति नशे में इस कद्र बेसुध था कि वह श्मशानघाट तक नहीं जा सका। रिश्तेदारों ने महिला के बेटे को जेल से कुछ घंटों के लिए रिहा करवाकर श्मशानघाट लाया, जहां पर उसने मां को मुखाग्नि दी। अदालत से छह घंटे की रिहाई की इजाजत मिली थी। रिहाई के इन चंद घंटों में आरोपी अंतिम संस्कार में शामिल हुआ, लेकिन अंडर ट्रायल होने की वजह से उसे पैरोल नहीं मिली है।

अरुणाचल प्रदेश में महसूस किए गए भूकंप के झटके

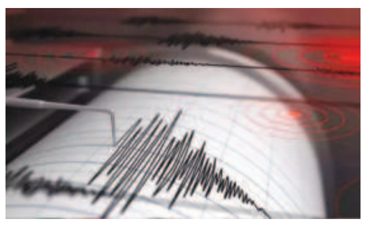

ईटानगर, 18 मई (एजेंसियां)। भारत के अरुणाचल प्रदेश राज्य में भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि अरुणाचल प्रदेश के दिबांग घाटी में सुबह 05:06:33 बजे भारतीय मानक समय (आईएसटी) के अनुसार, रिक्टर स्केल पर 3.8 की तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप की तीव्रता मध्यम होने की वजह से फिलहाल किसी जानमाल के नुकसान या बड़े पैमाने पर क्षति की कोई खबर नहीं है। भूकंप के झटके महसूस होने के बाद स्थानीय निवासियों में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल रहा। 3.8 की तीव्रता का भूकंप आमतौर पर इमारतों को कोई खास नुकसान नहीं पहुंचाता है, लेकिन इसे महसूस किया जा सकता है।

इंडोनेशिया में भी भूकंप के झटके

वहीं, इंडोनेशिया के उत्तरी सुमात्रा में रिक्टर स्केल पर 4.6 तीव्रता का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने यह जानकारी दी। सुमात्रा में रविवार सुबह 02:50:22 बजे (भारतीय मानक समय) भूकंप आया।

नेपाल में आया था 4.6 तीव्रता का भूकंप

नेपाल में बुधवार को 4.6 तीव्रता का भूकंप आया था। नेपाल के भूकंप निगरानी केंद्र ने यह जानकारी दी थी। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, भूकंप बुधवार शाम 6:11 बजे आया, जिसका केंद्र देश के पूर्व में सोलुखुम्बु जिले के छेस्कम क्षेत्र में स्थित था। भूकंप के झटके काठमांडू और अन्य पड़ोसी जिलों में भी महसूस किए गए थे। हालांकि, भूकंप से किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हुआ।

'रूसी खुफिया एजेंसी ने ड्रग्स में फंसाकर मस्क को ब्लैकमेल करने की कोशिश की', एफबीआई के पूर्व एजेंट का दावा

वॉशिंगटन, 18 मई (एजेंसियां)। अमेरिका की संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के एक पूर्व एजेंट ने दावा किया कि रूस की खुफिया एजेंसी ने अरबपति कारोबारी एलन मस्क को सेक्स और ड्रग्स के जाल में फंसाकर ब्लैकमेल करने की कोशिश की। मस्क राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगी माने जाते हैं। यह दावा पूर्व खुफिया एजेंट जोनाथन ब्यूमा ने जर्मन टीवी चैनल जेडडीएफ की एक डॉक्यूमेंट्री में कही। ब्यूमा ने बताया कि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूसी जासूसों ने एलन मस्क और पेपाल के सह-संस्थापक पीटर थिएल पर नजर रखना शुरू किया। उन्होंने गोपनीय जानकारी जुटाई, ताकि जरूरत पड़ने पर उसे उनके खिलाफ इस्तेमाल किया जा सके। डॉक्यूमेंट्री में ब्यूमा ने कहा, मस्क का असंयमित महिलाओं और ड्रग्स, खासकर केटामाइन की तरफ झुकाव, रूसी खुफिया एजेंसियों के लिए मौका था कि वे इसका फायदा उठाएं। उन्होंने यह भी कहा कि मस्क को बर्निंग मैन उत्सव, अश्लील मनोरंजन और जुए का शौक है, जो उन्हें और ज्यादा कमजोर बनाता है और इसी वजह से वह जासूसी जाल में आसानी से फंस सकते हैं। एफबीआई में ब्यूमा ने 16 साल तक काम किया, लेकिन मार्च में उन्हें गोपनीय जानकारी एक पब्लिशिंग हाउस को लीक करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर 'गोपनीय जानकारी का खुलासा' करने का आरोप लगा और उन्हें 1 लाख डॉलर की जमानत पर रिहा कर दिया गया। ब्यूमा के मुताबिक, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को इस पूरे ऑपरेशन की जानकारी थी। उन्होंने कहा, जासूस इस मिशन में पुतिन की मंजूरी के बिना शामिल नहीं होते। हालांकि उन्होंने अपने दावों के स्रोत को नहीं बताया। पहले भी वॉल स्ट्रीट जर्नल ने रिपोर्ट दी थी कि 2022 में मस्क और पुतिन के बीच संपर्क हुआ था, जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था।

इस संपर्क के कारण यह सवाल खड़े हुए थे कि कहीं रूस अमेरिका के प्रभावशाली कारोबारी पर नियंत्रण तो नहीं चाहता? हाल ही में अमेरिका में मस्क की लोकप्रियता घटी है और उनकी टेस्ला जैसी कंपनी को आर्थिक नुकसान हुआ है। मस्क ने सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) अध्यक्ष के पद से हटकर फिर से टेस्ला पर फोकस करने का एलान किया है। पिछले हफ्ते मस्क अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ पश्चिम एशिया के दौरे पर भी गए। ट्रंप और मस्क साइबरट्रक (टेस्ला के इलेक्ट्रिक वाहन) काफिले के साथ पहुंचे और कतर के अमीर और अन्य उच्च स्तरीय नेताओं के साथ रात्रिभोज में शामिल हुए। मस्क का यूक्रेन के साथ भी संबंध पेचीदा रहा है।

इजरायल ने गाजा में लॉन्च किया ऑपरेशन गिदोन चैरियट्स, पिछले 24 घंटे में 150 से ज्यादा लोगों की मौत

यरुशलम, 18 मई (एजेंसियां)। इजराइल ने कहा कि उसने हमास पर बाकी बंधकों को रिहा करने के लिए दबाव बनाने के लिए गाजा पट्टी में एक बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया है। वहीं प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने वार्ता दल को आतंकवादी समूह के साथ अप्रत्यक्ष वार्ता के लिए कतर में रहने को कहा है। रक्षा मंत्री इजराइल कैट्ज ने कहा कि ऑपरेशन गिदोन चैरियट्स का नेतृत्व बड़ी ताकत से किया जा रहा है। नेतन्याहू ने लगभग दो दशकों से गाजा पर शासन करने वाले आतंकवादी समूह को नष्ट करने के उद्देश्य से दबाव बढ़ाने की कसम खाई थी। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों में इज़रायली हमलों में 150 से अधिक लोग मारे गए हैं। फिलिस्तीनी क्षेत्र में सैन्य अभियान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा इजरायल की यात्रा के बिना अपनी मध्य पूर्व यात्रा समाप्त करने के एक दिन बाद हुआ। ऐसी उम्मीद थी कि उनकी यात्रा से युद्धविराम समझौते या गाजा को मानवीय सहायता फिर से शुरू करने की संभावना बढ़ सकती है, जिसे इजरायल ने दो महीने से अधिक समय से रोक रखा है। एक इज़रायली अधिकारी ने कहा कि नेतन्याहू पूरे दिन दोहा, कतर और अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ में वार्ता दल के साथ लगातार संपर्क में थे और उन्होंने दल को वहीं रहने का निर्देश दिया। अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बात की, क्योंकि उन्हें मीडिया के साथ संवेदनशील वार्ता पर चर्चा करने का अधिकार नहीं था। हमास, जिसने ट्रम्प की यात्रा से पहले सद्भावना के तौर पर एक इज़रायली-अमेरिकी बंधक को रिहा किया था, एक ऐसे समझौते पर जोर देता है जो युद्ध को समाप्त करे और इज़रायली सेना की वापसी की ओर ले जाए - ऐसा कुछ जिसके लिए इज़रायल ने कहा कि वह सहमत नहीं होगा। इज़रायल की सेना ने सोशल मीडिया पर कहा कि वह तब तक नहीं रुकेगी जब तक बंधकों को वापस नहीं कर दिया जाता और आतंकवादी समूह को खत्म नहीं कर दिया जाता।

मैक्सिकन नौसेना का पोत न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन ब्रिज से टकराया; 200 से अधिक लोग थे सवार, दो की मौत

न्यूयॉर्क, 18 मई (एजेंसियां)। 200 से अधिक लोगों को लेकर जा रहा मैक्सिकन नौसेना का प्रशिक्षण पोत न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन ब्रिज से टकरा गया है। हादसे में कई लोगों के घायल होने की खबर है। जहाज कुआउटेमोक एक खास समारोह के लिए न्यूयॉर्क आया था। एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा सकता है कि शाम को जब जहाज इस पुल के नीचे से गुजरने वाला था, तब जहाज में एक ऊंचा खंबा (मस्तूल) पुल से टकरा गया। टक्कर के बाद जहाज के मस्तूल के कुछ हिस्से टूटकर गिर गए। टक्कर के बाद पुल पर भारी जाम की स्थिति बन गई। मैक्सिको की नौसेना ने भी जहाज के क्षतिग्रस्त होने की पुष्टि की है। घटना की जांच की जा रही है। न्यूयॉर्क फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक, अधिकारियों ने करीब 20 लोगों के घायल होने की बात कही है, लेकिन इस बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। जानकारी के मुताबिक, जहाज र एक विशाल हरा, सफेद और लाल मैक्सिकन झंडा लहरा रहा था। टक्कर के बाद यह नदी के किनारे की ओर बहता चला गया। आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। वे किनारे से दूर भागते नजर आए।

सिडनी नीडेल और लिली कैट्ज ने बताया कि वे सूर्यास्त देखने के लिए बाहर बैठे थे, जब उन्होंने जहाज को पुल से टकराते और उसका एक मस्तूल टूटते हुए देखा। करीब से देखने पर उन्होंने पाया कि जहाज पर कोई व्यक्ति ऊपर से लटक रहा था। उन्होंने दो लोगों को स्ट्रेचर पर जहाज से उतारकर छोटी नावों पर जाते देखा।

ब्रुकलिन ब्रिज 1883 में लोगों के लिए खोला गया था। इसकी लंबाई करीब 1600 फुट (490-मीटर) है। यह दो टावरों पर टिका हुआ है। शहर के परिवहन विभाग के अनुसार, हर दिन 100000 से अधिक वाहन और अनुमानित 32000 पैदल यात्री इसे पार करते हैं। इसका पैदल मार्ग एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण है। मैक्सिकन नौसेना के अनुसार कुआउटेमोक लगभग 297 फीट लंबा और 40 फीट चौड़ा (90.5 मीटर लंबा और 12 मीटर चौड़ा) है। यह पहली बार 1982 में रवाना हुआ था। हर साल यह नौसेना सैन्य स्कूल में कक्षाओं के अंत में कैडेटों के प्रशिक्षण को पूरा करने के लिए रवाना होता है। इस साल यह 6 अप्रैल को प्रशांत तट पर स्थित मैक्सिकन बंदरगाह अकापुल्को से रवाना हुआ, जिसमें 277 लोग सवार थे।

कहां-कहां जाने वाला था जहाज

जहाज को 15 देशों के 22 बंदरगाहों का दौरा करना था। इनमें किंग्स्टन (जमैका), हवाना (क्यूबा), कोजुमेल (मैक्सिको) और न्यूयॉर्क शामिल थे। इसने आइसलैंड के रेक्जाविक, फ्रांस के बोर्डो, सेंट मालो और डनकर्क एवं स्कॉटलैंड के एबरडीन सहित अन्य स्थानों पर जाने की भी योजना बनाई थी। इसकी कुल यात्रा 254 दिनों के लिए थी, इनमें से 170 दिन समुद्र में बिताए जाने थे।

बिना पायलट के 10 मिनट तक उड़ता रहा विमान, बड़ा हादसा होते-होते बचा

बर्लिन, 18 मई (एजेंसियां)। फ्लाइट से यात्रा करना किसे नहीं पसंद होगा, लेकिन इसके खतरे भी बहुत हैं। हाल ही में एक ऐसे मामले का खुलासा हुआ है, जिसे जानकर आपके भी होश उड़ जाएंगे। दरअसल, एक फ्लाइट करीब 10 मिनट तक बिना किसी पायलट के आसमान में उड़ती रही। गनीमत रही कि इस दौरान कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन ऐसी स्थिति में हादसे से इनकार भी नहीं किया जा सकता है। इस घटना के दौरान फ्लाइट में 199 यात्री और 6 चालक दल के सदस्य सवार थे। हालांकि हादसे के बाद विमान को निर्धारित एयरपोर्ट के बजाय अन्य एयरपोर्ट पर लैंड कराना पड़ा। दरअसल, जर्मन न्यूज ने इस मामले के बारे में बताया कि ये मामला पिछली साल 2024 में 17 फरवरी का है। यह हादसा तब हुआ जब एक फ्लाइट जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से स्पेन के सेविले जा रही थी। इसी दौरान लुफ्थांसा की एक फ्लाइट करीब 10 मिनट तक हवा में बिना पायलट के उड़ती रही। इसमें बताया गया है कि हादसे के दौरान मुख्य पायलट वॉशरूम चला गया था, जबकि उसके साथ का को-पायलट, जो विमान उड़ा रहा था, उसी वक्त अकेले होने की वजह से बेहोश हो गया। रिपोर्ट में बताया गया है कि शौचालय से लौटने के बाद मुख्य पायलट ने दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा अंदर से बंद होने की वजह से नहीं खुल सका। उसने कोड भी डालने का प्रयास किया, जिससे कॉकपिट में बजर बजता है, लेकिन तमाम प्रयासों के बाद भी वह कॉकपिट के अंदर नहीं जा सका। इस दौरान एक परिचारिका ने ऑनबोर्ड टेलीफोन का उपयोग करके सह-पायलट से संपर्क करने की कोशिश भी की। आखिरकार, कैप्टन ने एक आपातकालीन कोड टाइप किया, जिससे वह खुद ही दरवाजा खोल सकता था। हालांकि, दरवाजा अपने आप खुलने से कुछ समय पहले ही सह-पायलट ने बीमार होने के बावजूद उसे अंदर से खोल दिया।

घटना के दौरान वॉइस रिकॉर्डर में अजीबोगरीब आवाजें भी रिकॉर्ड हुई हैं, जिनसे यह पता चलता है कि यह एक गंभीर स्वास्थ्य आपातकाल जैसा था। इस पूरी घटना के बाद पायलट ने मैड्रिड में अनियोजित लैंडिंग करने का निर्णय लिया, जहां उसके सहयोगी को अस्पताल ले जाया गया। इस घटना को लेकर लुफ्थांसा ने बताया कि उसे जांच रिपोर्ट के बारे में पता है और उसके अपने उड़ान सुरक्षा विभाग ने भी जांच की है। हालांकि कंपनी ने जांच के बाद के नतीजों का खुलासा नहीं किया है।

2 जेहादी बने ट्रंप प्रशासन में ह्वाइट हाउस के सलाहकार, एक है लश्कर का आतंकवादी

वाशिंगटन, 18 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन में 2 आतंकवादियों की नियुक्ति ने पूरी दुनिया में सनसनी फैला दी है। इन्हें ह्वाइट हाउस के ले लीडर्स एडवाइजरी बोर्ड में रखा गया है। इनमें से एक का संबंध खूंखार आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से रहा है। जो कि कश्मीर समेत भारत में कई जगह पर आतंकी हमले का जिम्मेदार रहा है। ह्वाइट हाउस की वेबसाइट पर दोनों जेहादियों की नियुक्ति की सूचना भी जारी की गई है। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक नई समिति ले लीडर्स सलाहकार बोर्ड की घोषणा की। यह समिति धार्मिक स्वतंत्रता और विश्वास आधारित नीतियों पर सलाह देने का काम करेगी। इसी समिति में दो ऐसे मुस्लिमों को तथाकथित विद्वान बताकर शामिल किया गया है, जिनमें से एक का सीधा संबंध लश्कर-ए-तैयबा (होने देना) जैसे आतंकवादी संगठन से रहा है, जबकि दूसरे की नियुक्ति भी विवाद का विषय बन गई है।

नियुक्त किए गए दो विवादास्पद नाम इस्माइल रॉयर

मौजूदा समय में इस्माइल रॉयर अमेरिकी नागरिक है। वह 1990 के दशक के अंत और 2000 की शुरुआत में मुस्लिम युवाओं को चरमपंथी गतिविधियों में शामिल करने के लिए कुख्यात था। वर्ष 2000 में वह पाकिस्तान गया, जहां लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण लिया। इस दौरान उसने कश्मीर में भारतीय सेना के ठिकानों पर आतंकवादी हमलों में भी शामिल रहा।

गिरफ्तारी और सजा

साल 2003 में रॉयर को अमेरिका में आतंकवाद से जुड़े अपराधों में दोषी पाया गया। उसको 20 साल की सजा सुनाई गई थी, जिसमें से उसने लगभग 13 साल जेल में बिताए हैं। जेल से छूटने के बाद इस्माइल ने खुद को सुधारने का दावा किया। वर्तमान में वह सेंटर फॉर इस्लाम एंड रिलीजियस फ्रीडम में निदेशक के तौर पर काम कर रहा है। धार्मिक सहिष्णुता और मुस्लिम समुदाय के अंदर सुधार और संवाद को बढ़ावा देने की दिशा में सक्रिय होने का दावा करता है।

शेख हमजा यूसुफ

हमजा यूसुफ अमेरिका के एक प्रमुख इस्लामी विद्वान के तौर पर होने का दावा किया गया है, वह कैलिफोर्निया में जेतुना कॉलेज का सह-संस्थापक है। यह अमेरिका का पहला मान्यता प्राप्त इस्लामी लिबरल आर्ट्स कॉलेज है।

हमजा की पृष्ठभूमि

अमेरिका हमजा यूसुफ की छवि एक उदारवादी मुस्लिम चिंतक के रूप में पेश करता है, लेकिन उसके कुछ पुराने बयान, जिसमें उसने अमेरिका की विदेश नीति या इस्लामिक कट्टरपंथ पर तीखी टिप्पणी की थी, विवादों में रहे हैं। उसे भी जेहादी प्रवृत्ति का माना जाता है। वह विवादित चेहरा रहा है।

भारत की चिंता

लश्कर-ए-तैयबा को भारत में कई बड़े आतंकवादी हमलों, जैसे 2001 का संसद हमला और 2008 का मुंबई हमले के लिए जिम्मेदार माना जाता है। भारत में कई सुरक्षा विश्लेषकों और विदेश नीति विशेषज्ञों ने ट्रंप प्रशासन की इस नियुक्ति को कूटनीतिक असंवेदनशीलता करार दिया है।

अमेरिका में प्रतिक्रिया

अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा समुदाय और ट्रंप के राजनीतिक विरोधियों ने भी उनके इस कदम की कड़ी आलोचना की है। उनका कहना है कि पूर्व जिहादियों को व्हाइट हाउस स्तर की सलाहकार भूमिका देना राष्ट्र की सुरक्षा के लिए खतरे की घंटी हो सकता है।

ट्रंप प्रशासन का बचाव

इस विवाद के सामने आने के बाद ट्रंप कैंपेन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यह समिति धार्मिक स्वतंत्रता को मजबूत करने और समुदायों के बीच संवाद को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई है। दावा किया गया है कि इस्माइल रॉयर और यूसुफ जैसे व्यक्तियों की नियुक्ति यह दर्शाती है कि पुनर्वास और परिवर्तन संभव है और ऐसे व्यक्ति, जो अतीत में भटके रहे हों, अब समाज की भलाई के लिए काम कर सकते हैं।

अमेरिका की नीति पर सवाल

यह प्रकरण केवल अमेरिका की आंतरिक राजनीति या ट्रंप की नीतियों तक सीमित नहीं है। यह वैश्विक बहस को जन्म देता है। सवाल यह भी है कि क्या एक पूर्व आतंकवादी अपने अतीत से मुक्त होकर सार्वजनिक जिम्मेदारी निभा सकता है? क्या पुनर्वास की प्रक्रिया समाज के लिए लाभकारी हो सकती है, या इससे कट्टरपंथ को वैधता मिलती है? ट्रंप प्रशासन इस मुद्दे पर ₹माफी और परिवर्तन की बात करता है। इससे साबित होता है कि ट्रंप प्रशासन का रवैया आतंकवाद को लेकर दिखाने के लिए कुछ और एवं करने के लिए कुछ और है।

यमुनानगर में घूस ले रहा था होमगार्ड पुलिस चौकी का मुंशी फरार, गाड़ी छोड़ने के लिए मांगी थी रिश्वत

यमुनानगर, 18 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के यमुनानगर में घूसखोर होमगार्ड जवान पकड़ा गया है। माइनिंग गाड़ी को छोड़ने की एवज में मुंशी के लिए 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने होमगार्ड को गिरफ्तार किया है, जबकि भनक लगने पर मुंशी फरार हो गया। आरोपी होमगार्ड की पहचान बमनौली निवासी सुमित व मुंशी की करनाल के लोकेश राणा के तौर पर हुई है। आरोपी मुंशी ने 15 हजार की मांग पर ही अड़ा रहा था, लेकिन सौदेबाजी 10 हजार रुपये में हुई थी। इसके बाद शिकायतकर्ता गांव जाटोवाला आरिफ ने एसीबी पंचकूला को शिकायत दी थी। इसके बाद यह कार्रवाई हुई। शिकातकर्ता गांव जाटोवाला निवासी आरिफ ने बताया कि माइनिंग विभाग द्वारा रणजीतपुर में एक महीना पहले उसकी गाड़ी को माइनिंग करने के आरोप में जब्त किया गया था। यह गाड़ी रंजीतपुर पुलिस चौकी रणजीतपुर में खड़ी थी। गाड़ी को छुड़वाने के लिए वह बिलासपुर कोर्ट गया था जहां से उसे 15 मई को गाड़ी छुड़ाने के आदेश प्राप्त हो गए थे। इसके बाद रणजीतपुर चौकी पहुंच कर मुंशी लोकेश राणा से मिला। तब मुंशी ने गाड़ी को छोड़ने की एवज में होमगार्ड सुमित के जरिये 15 हजार की रिश्वत मांगी। लेकिन आरिफ ने कहा कि उसे पहले ही काफी नुकसान हो चुका है। उसका हाथ काफी तंग चल रहा है, वह यह राशि नहीं दे सकता। लेकिन मुंशी यह राशि लेने के लिए अड़ा रहा। इसके बाद शिकायतकर्ता ने तीन हजार रुपये देने की बात कही। लेकिन मुंशी नहीं माना। किसी तरह से सौदेबाजी 10 हजार रुपये में हो गई। परेशान होने के बाद आरिफ पंचकूला एसीबी के पास पहुंचा और अपनी शिकायत दी। आरोपियों को रंगेहाथों पकड़ने के लिए टीम ने आरिफ को यह राशि देकर भेज दिया और काम हो जाने पर इशारा करने को कहा गया।

बीजेपी ने रिश्वतकांड में गिरफ्तार विधायक के लगवाए होर्डिंग्स
राजकुमार रोत बोले- 'सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली'

बांसवाड़ा, 18 मई (एजेंसियां)। बागीदौरा विधायक जयकृष्ण पटेल की रिश्वत मामले में गिरफ्तारी के बाद भाजपा ने विरोध तेज कर दिया है। भाजपा की ओर से बागीदौरा विधायक जयकृष्ण पटेल के खिलाफ पोस्टर लगाए गए हैं। कुशलबाग मैदान स्थित भाजपा कार्यालय के निकट पोस्टर लगाए गए हैं। जिसे लेकर सांसद राजकुमार रोत सोशल मीडिया पर पोस्ट कर विरोध दर्ज किया।

राजकुमार रोत ने कहा कि वर्तमान बांसवाड़ा के भाजपा नेताओं को भ्रष्टाचार के होर्डिंग लगा के प्रचार-प्रसार करने का बहुत बड़ा शौक है, चलो अच्छी बात है। लेकिन बांसवाड़ा की जनता चाहती है कि विधायक जयकृष्ण पटेल के 20 लाख की

रिश्वत कांड वाले जो होर्डिंग लगाये हैं उसके दूसरी तरफ भाजपा के पूर्व व वर्तमान जिला अध्यक्षों एवं पानी वाले पूर्व मंत्री के ये करोड़ों अरबों के घोटाले की होर्डिंग भी लगा देते तो कितना बढ़िया रहता। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र की जनता समझ चुकी है। एक कहावत है – सौ चूहे खाकर

बिल्लियां हज को चली।

इधर, भाजपा ने बांसवाड़ा विधानसभा मुख्यालय पर रविवार को धरना प्रदर्शन की कार्य योजना तैयार की है। बागीदौरा विधायक के निलंबन के लिए नगर मंडल की बैठक भी की गई। इसमें जिला अध्यक्ष पूंजीलाल गायरी एवं पूर्व मंत्री धनसिंह रावत ने कहा कि धरना प्रदर्शन कुशलबाग से एकत्र होकर सभी मंडल के कार्यकर्ता पदाधिकारी सुबह 11 बजे कलक्ट्रेट पहुंचेंगे। जहां प्रदर्शन होगा। बैठक में राजेश कटारा, कन्हैयालाल राठौड़, मयंक जैन, चंकी शाह, नटवर तेली, किरण राठौड़, ओम प्रकाश सोनी व अन्य मौजूद रहे।

दूसरी ओर, बागीदौरा विधायक के निलंबन की मांग को लेकर बांसवाड़ा विधानसभा के प्रमुख कार्यकर्ताओं को बैठक सर्किट हाउस में भी हुई। इसमें पदाधिकारियों द्वारा सुबह 10 बजे सभी मंडल केंद्रों से बड़ी संख्या में पुराना भाजपा कार्यालय कुशलबाग मैदान के पास एकत्र होने की बात कही गई।

गौरतलब है कि भारत आदिवासी पार्टी के विधायक जयकृष्ण पटेल को एसीबी ने 20 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। हालांकि विधायक ने पैसों से भरा बैग भांजे को दे दिया था। भांजे ने पैसे रिश्तेदार को दे दिए, जिसने जमीन में गाड़ दिए थे। एसीबी टीम ने जमीन में दबे रुपए निकाल लिए।

बेकाबू ट्रक ने 12 लोगों को रौंदा
एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

डूंगरपुर, 18 मई (एजेंसियां)। डूंगरपुर में देर रात दर्दनाक हादसा सामने आया है। शादी समारोह से लौटते समय एक जीप सड़क से नीचे उतर गई। ऐसे में मौके पर भारी भीड़ लग गई। लोग जीप में से घायलों को बाहर निकाल रहे थे और उन्हें अस्पताल भेजने की तैयारी कर रहें थे। साथ ही जीप को भी बाहर निकालने का प्रयास कर रहे थे। इस बीच एक बेकाबू ट्रक आया और मौके पर आई एंबुलेंस को टक्कर मारी। एक बाइक को भी टक्कर मारते हुए पलट गया।

इस दर्दनाक हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। 8 लोग घायल हो गए। मरने वाले सभी एक ही परिवार के हैं। करीब चार घंटे तक ट्रक के नीचे दोपहिया वाहन (बाइक) और शव दबे रहे। घटना डूंगरपुर जिले के सावला इलाके की है। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। क्रेन के जरिए ट्रक हटाकर नीचे दबे शवों को बाहर निकाला जा सका।पुलिस ने बताया कि रात करीब 11.30 बजे बाद एक सवारी जीप पिंडावल हिलावड़ी गांव के बस स्टैंड के पास बेकाबू होकर रोड से उतर गई थी। कुछ सवारियों को चोट लगी थी। लोग घायलों की मदद के लिए जुटे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार में आ रहा ट्रक वहां खड़े लोगों के ऊपर पलट गया।

शादी समारोह से लौटते वक्त हुआ हादसा

आज अलसुबह 3.30 बजे ट्रक के नीचे से शव निकाले जा सके। घायलों को सागवाड़ा (डूंगरपुर) हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। जीप सवार सभी लोग पिंडावल गांव में एक शादी समारोह में गए थे। ये लोग शादी समारोह से वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान ये हादसा हुआ। घायलों को कई लोग बचाने के रुके थे। उनको भी ट्रक ने अपनी चपेट में ले लिया।

परिवार में मच गया कोहराम

हादसे में डूंगरपुर के सावला इलाके के ही बाड़ीगामा बड़ी गांव निवासी लवजी पाटीदार, डायालाल पाटीदार, सविता पाटीदार और भावेश पाटीदार की मौत हो गई है। मरने वालों के परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस की ओर से आज मृतकों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। जिसके बाद शवों को परिजनों को सुपूर्द किया जाएगा। पुलिस की ओर से हादसे की जांच की जा रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने विधानसभा अध्यक्ष पर लगाए आरोप, सियासत में आया उबाल

जयपुर, 18 मई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के हालिया फैसलों को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। गहलोत ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा कि देवनानी द्वारा लिए गए निर्णय न केवल इस संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुंचाते हैं, बल्कि निष्पक्षता की कसौटी पर भी खरे नहीं उतरते।

उन्होंने पहला आरोप लगाया कि पहले कांग्रेस के छह विधायकों को निलंबित किया गया। दूसरा आरोप लगाया कि बिना किसी पुष्ट प्रमाण के मीडिया की खबरों के आधार पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर उनकी अनुपस्थिति में टिप्पणी की गई, जो जनमत का अपमान है।

गहलोत ने आगे तीसरा आरोप लगाया कि

भाजपा विधायक को एक मई 2025 को अदालत से तीन साल की सजा मिलने के बावजूद अब तक उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द नहीं की गई है, जबकि सुप्रीम कोर्ट के लिली थॉमस फैसले में स्पष्ट कहा गया है कि दो साल या उससे अधिक की सजा होने पर सदस्यता उसी दिन से स्वतः समाप्त हो जाती है। चौथा आरोप लगाते हुए आगे लिखा कि कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद नरेश बुडानिया को 30 अप्रैल को विशेषाधिकार समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था, लेकिन मात्र 15 दिन बाद ही उन्हें इस पद से हटा दिया गया। यह विधानसभा के इतिहास में संभवतः पहली बार हुआ है कि इतनी अल्प अवधि में समिति अध्यक्ष बदले गए हों, जबकि सामान्यतः इनका कार्यकाल कम से कम एक वर्ष होता है। गहलोत ने विधानसभा अध्यक्ष से इन फैसलों पर पुनर्विचार करने और सदन की परंपराओं व विधिसम्मत प्रक्रिया के अनुरूप कार्य करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मर्यादा और निष्पक्षता की रक्षा के लिए यह आवश्यक है कि विधानसभा अध्यक्ष का आचरण निष्पक्ष और संविधानसम्मत हो।

दो महीने के बच्चे की मां को किया गिरफ्तार
देर रात विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने धरना किया समाप्त

बाड़मेर, 18 मई (एजेंसियां)। बाड़मेर के शिव इलाके में देर रात विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने अपना धरना समाप्त किया। देर रात करीब डेढ़ बजे बाड़मेर एडीएम सहित जिला स्तरीय अधिकारियों और ग्रामीण प्रतिनिधियों के बीच लंबी वार्ता के बाद सहमति बन पाई। करीब 8 घंटे तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद धरना समाप्त किया गया। इसके साथ ही आज होने वाले थाने के घेराव को भी स्थगित कर दिया गया।

मामला शिव मणिहारी गांव में हाईटेंशन टावर लगाए जाने को लेकर उत्पन्न विवाद को लेकर

था। जिसमें दो माह के बच्चे की मां को गिरफ्तार किया था। जिसके बाद मामला गरमा गया था। इस मामले में विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने ग्रामीणों के साथ थाना परिसर में धरना दे दिया।

विधायक ने प्रशासन और पुलिस पर गरीब किसानों पर अत्याचार करने का आरोप लगाया। रात एक बजे प्रशासन ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होगी और जनभावनाओं का सम्मान सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही विधायक भाटी के हस्तक्षेप के बाद इस घटनाक्रम में संलिप्त अधिकारियों पर उच्च स्तरीय जांच बैठा दी गई है।

भाटी ने इस मामले में मुख्य भूमिका निभाने वाले रामसर एसडीएम को लेकर प्रशासन के समक्ष गंभीर आपत्तियां दर्ज करवाईं। भाटी ने कहा कि उक्त अधिकारी पर पूर्व में भी अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटी सरकारी जमीनों की अवैध बिक्री के गंभीर आरोप लग चुके हैं। भाटी की मांग पर प्रशासन ने रामसर एसडीएम को तत्काल प्रभाव से हटाने का आश्वासन दिया है।

भाटी ने कहा कि जिन निर्दोष ग्रामीणों को पुलिस द्वारा बलपूर्वक हिरासत में लिया गया था, उन्हें तत्काल रिहा कर दिया गया है तथा उन पर किसी प्रकार की कानूनी कार्यवाही नहीं की जाएगी। इन सभी निर्णयों के उपरांत ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से धरना समाप्त करने की घोषणा की।

नकल-पेपरलीक मामलों पर हाईकोर्ट ने दिखाई सख्ती, छह आरोपियों को राहत देने से इनकार

जयपुर, 18 मई (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने भर्तियों में पेपरलीक, नकल और फर्जी दस्तावेज के मामलों में सख्ती दिखाई है। कोर्ट ने तीन अलग-अलग मामलों में 6 आरोपियों को जमानत का लाभ देने से इनकार कर दिया। हालांकि कोर्ट ने माना कि त्वरित ट्रायल हर व्यक्ति का संवैधानिक अधिकार है, इसलिए अधीनस्थ न्यायालय से ट्रायल में तेजी लाने को कहा। आईपीसी के साथ ही सार्वजनिक परीक्षाओं में नकल संबंधी कानून और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के अंतर्गत ये मामले दर्ज किए गए।

व्याख्याता ने डमी के रूप में दी परीक्षा

न्यायाधीश सुदेश कुमार बंसल ने स्कूल व्याख्याता अशोक कुमार विश्नोई की जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा कि इस मामले में जिनको जमानत मिली, वे मध्यस्थ थे और याचिकाकर्ता ने डमी अभ्यर्थी के रूप में परीक्षा दी। दोनों मामलों में अंतर है। इस कारण याचिकाकर्ता को जमानत नहीं दे सकते, लेकिन संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत ट्रायल त्वरित होनी चाहिए।

यह था मामला: अशोक कुमार विश्नोई पर अक्टूबर 2022 में स्कूल व्याख्याता भर्ती में लखाराम की जगह डमी अभ्यर्थी के रूप में परीक्षा देने का आरोप है। इस मामले में अजमेर में दर्ज एफआईआर में विश्नोई को

जनवरी 2024 में गिरफ्तार किया गया।

आरोपी का तर्क: सह आरोपी अर्जुन कुमार विश्नोई व हीराराम को जमानत पर रिहा हो चुके और ट्रायल में अभी प्रगति नहीं है।

असंख्य युवा कड़ी मेहनत करते हैं...

न्यायाधीश आशुतोष कुमार ने चयनित महिला पर्यवेक्षक मंजू भामू व नकल कराने वाले तुलछाराम कालेर को जमानत से इनकार करते हुए कहा कि मामला गंभीर है। सरकारी नौकरी के लिए असंख्य युवा कड़ी मेहनत व लगन से तैयारी करते हैं, लेकिन नकल व पेपरलीक के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इससे परीक्षाओं की शुचिता समाप्त हो रही है।

यह था मामलाः पर्यवेक्षक (महिला अधिकारिता) भर्ती 2018 की 6 जनवरी 2019 को परीक्षा हुई। ब्लूटूथ से नकल के लिए तुलछाराम ने मंजू भामू से 12 लाख रुपए लिए, वहीं तुलछाराम पर ऐसे ही 14 अन्य मामले भी दर्ज हैं।

आरोपियों का तर्क: तुलछाराम जनवरी से और मंजू भामू फरवरी 2025 जेल में है। मंजू की ३ वर्षीय बेटी की परवरिश नहीं हो पा रही।

आरोप गंभीर, नहीं दे सकते राहत

न्यायाधीश गणेशराम मीणा ने प्रदीप कुमार शर्मा, जगदीश सरण और मनदीप कुमार को जमानत का लाभ देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि यह मामला समाज के विरुद्ध अपराध से जुड़ा है और इन दस्तावेजों के आधार पर नौकरी पाने के मामले में कई कर्मचारियों को पकड़ा गया है। साथ ही अधीनस्थ अदालत से कहा कि ट्रायल जल्दी पूरी कराए जाए।

यह था मामलाः आरोपियों को विभिन्न भर्तियों में फर्जी खेल प्रमाणपत्र व अन्य दस्तावेज तैयार करने के मामले में करीब एक साल पहले पकड़ा था। आरोपियों ने करीब 43 हजार फर्जी दस्तावेज तैयार कर बेरोजगार युवाओं को उपलब्ध कराए।

सरकार का तर्क: लोक अभियोजक अमित पूनिया ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि आरोपी गवाहों को प्रभावित करेंगे।

66 भैंसों की मौत, अचानक भैंसों के मरने से रो पड़े ग्रामीण

बारां, 18 मई (एजेंसियां)। कोटा के बारां के जलवाड़ा में समाज कल्याण छात्रावास के पास गणेश तलाई में करंट से 40 पशुपालकों की 66 भैंसों की मौत हो गई। इससे आक्रोशित पशुपालकों ने स्टेट हाइवे 72 पर जाम लगा दिया। बारां से पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। लोग जब गणेश तलाई पहुंचे, तो वहां पर कई भैंसें अचेतावस्था में थी। उनको रस्सों के सहारे लोगों ने तलाई से खींच कर बाहर निकाला। पशुधन सहायक महावीर मौर्य ने बताया कि 40 पशुपालकों की 66 भैंसों की मौत हुई है। कई पशु पालक व महिलाएं भी अचानक भैंसों के मरने से मौके पर रोते, बिलखते रहे।

मौत का कारण करंट बता रहे

यहां गणेश तलाई मे होकर विद्युत लाइन निकली हुई है तथा विद्युत पोल भी गड़े हुए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि करीब 11 बजे विद्युत पोल पर स्पार्किंग हुई और जम्पर टूट गए।

बिजली से मौत – चिकित्सक

चिकित्सक सुबोध कांत माटे के अनुसार टीम के अंत्यपरीक्षण से व मृत भैंसों में जो लक्षण मिले है। उसमें बिजली के प्रभाव के कारण मौत होना पाया गया है। हालांकि जलदाय विभाग ने तलाई से पानी के नमूने भी लिए हैं।

खेत में बने पानी के कुंड में मिले 4 शव

चूरू, 18 मई (एजेंसियां)। ऐसा क्या हो गया कि चुरू जिले के सरदारशहर तहसील क्षेत्र के गांव बंधनाऊ दिखनादा में हुई दुःखद घटना ने न केवल नींद उड़ाई दी बल्कि जिसने भी सुना वह आवाक रह गया। घटना गांव बंधनाउ दिखनादा की है कि यहां के खेत में बनी ढाणी में स्थित पानी के कुंड में एक महिला और उसके तीन बच्चों के शव मिले। इस घटना की जानकारी मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया और लोगों की नींद उड़ गई। सूचना मिलते ही गांव के लोग का हुजूम घटना स्थल की ओर उमड़ पड़ा। आंखों में खौफ और थके कदमों से मौके पर पहुंचे लोगों सकते में नजर आए। घटना की सूचना पर सरदारशहर थाना के एएसआई प्रदीप मीणा पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे। जिन्होंने घटना की जानकारी प्राप्त करने के प्रयास किए। एएसआई प्रदीप मीणा के अनुसार गांव बंधनाउ दिखनादा के चेतनराम जाट का बेटा सुभाष अपने परिवार सहित खेत में स्थित ढाणी में रह रहा है। खेती बाड़ी के लिए उसके खेत में ट्यूबवेल बना हुआ है।

बताया जाता है कि वह ढाणी में आया तो उसे अपनी पत्नी और बच्चे कहीं दिखाई नहीं दिए। तभी उसने शोर मचाया तो आसपास के लोग एकत्रित हो गए। इधर-उधर देखा तो उसकी 25 वर्षीय पत्नी जेठी और पांच वर्षीय बेटी इशिका ढाणी के पास स्थित पानी की डिग्गी में पड़ी थी। 3 वर्षीय बेटी आरुषि व ढाई वर्षीय बेटा संजय ढाणी के पास बने पानी के कुंड में पड़े थे। सुभाष ने बेटी इशिका का शव डिग्गी से बाहर निकाल लिया।

मौके पर आए पुलिस के जवानों ने ग्रामीणों की सहायता से आरुषि और संजय का शव भी कुंड से बाहर निकलवाया। पुलिस ने चारों के शवों को सरदारशहर के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

सात क्विंटल से ज्यादा डोडा चूरा जब्त

चित्तौगढ, 18 मई (एजेंसियां)। जिले की बेगूं थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर दूसरी बड़ी सफलता हासिल की है। गई कार्रवाई में पुलिस ने सात क्विंटल से अधिक डोडा चूरा जब्त किया। आरोपी तस्कर भूसे की आड़ में यह अवैध सामग्री तस्करी कर रहा था। इससे एक दिन पहले ही पुलिस ने 9 क्विंटल से ज्यादा डोडा चूरा बरामद किया था। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिले में मादक पदार्थों की अवैध तस्करी के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बेगूं सीआई शिवलाल मीणा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कोटा नेशनल हाईवे-27 पर मेनाल सीमा क्षेत्र स्थित एक हाईवे पार्किंग पर नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान एक पिकअप वाहन, जिसमें गेहूं का भूसा भरा हुआ था, लाडपुरा से मेनाल की ओर आते हुए देखा गया। पुलिस ने जब वाहन को रुकने का इशारा किया तो चालक ने वाहन को भगा ले जाने का प्रयास किया लेकिन पुलिस टीम ने उसे चारों ओर से घेरकर पकड़ लिया। जब पिकअप में लदे भूसे को हटाकर तलाशी ली गई, तो पीछे की ओर छिपाकर रखे गए 29 बोरियों में अधकूचला व पिसा हुआ डोडा चूरा बरामद हुआ।

माउंटआबू के लोअर कोदरा बांध में डूबने से एक युवक की मौत
दो दोस्तों के साथ नहाने गया था; परिजन बेसुध

सिरोही, 18 मई (एजेंसियां)। सिरोही के माउंटआबू के लोअर कोदरा डेम में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक युवक अपने दो दोस्तों के साथ नहाने गया था। सूचना मिलने पर नगरपालिका आपदा प्रबंधन दल एवं पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे तथा करीब 1 घंटे की मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नागाणी जिला सिरोही निवासी कृष्णा (19) अपने दो अन्य दोस्तों के साथ माउंटआबू के लोअर कोदरा डैम में नहाने गया था। इस दौरान कृष्णा डैम में डूब गया। दोनों दोस्तों ने उसे बाहर निकालने का काफी प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। इस पर पुलिस को जानकारी दी गई। थानाधिकारी प्रदीप डांगा अपने सहयोगियों के साथ मौके पर पहुंचे तथा नगरपालिका आपदा प्रबंधन दल को सूचना देकर मौके पर बुलवाया गया।

आपदा प्रबंधन दल के सतपाल राणा, प्रेम राणा एवं मुकेश परिहार डैम में उतरे। करीब 1 घंटे की मशक्कत के बाद डैम में डूबे कृष्णा के शव को बाहर निकालकर मोर्चरी पहुंचाया गया। जहां पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस मामले में मृतक के चाचा मीठालाल द्वारा रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। अग्रिम जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार मृतक कृष्णा एवं उसके दोस्त माउंटआबू में परिहार धर्मशाला में काम करते थे।

चिप्स में जहर मिलाकर पत्नी की हत्या, पुलिस को गुमराह करने के लिए रचा ऐसा षड्यंत्र

दौसा, 18 मई (एजेंसियां)। करीब तीन महीने पहले महिला की हुई मौत मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया। सड़क दुर्घटना में महिला की मौत का मामला जांच के बाद हत्या में बदल गया। इस वारदात को अंजाम देने वाला कोई और नहीं बल्कि उसका पति ही निकला, जिसने हत्या के दिन मामले को दुर्घटना का रूप दिया था। मामले में पुलिस ने आरोपी पति महेश उर्फ जीतू सैनी निवासी आदर्श बस्ती टोंक फाटक जयपुर को गिरफ्तार किया है। दौसा पुलिस सीओ रविप्रकाश शर्मा ने बताया कि आरोपी पति महेश बीते 18 फरवरी को सुबह महाकुंभ ले जाने के बहाने पत्नी पारुल सैनी को जयपुर से कार से दौसा तक लाया था। इसके बाद सिविल लाइन इलाके में आकर रुका, जहां प्लानिंग के तहत उसने पारुल को चिप्स में जहर मिलाकर खिलाया। इसके बाद उसका नाक और मुंह दबाकर हत्या कर दी। पत्नी की मौत के बाद आरोपी ने हत्या को एक्सीडेंट का रूप देने के लिए कार को हाईवे से नीचे कूदा दिया। जहां कार एक गड्ढे.में जाकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी।

दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प
तलवार और पत्थरों से हमला

अलवर, 18 मई (एजेंसियां)। जिले के सदर थाना क्षेत्र के दादर गांव में रविवार को बच्चों के मामूली विवाद ने दो समुदायों के बीच खूनी संघर्ष का रूप ले लिया।

कश्मीरी पंडित और सिख समुदाय के बीच यह झगड़ा तलवार और पत्थरों के हमले में बदल गया, जिसमें दोनों पक्षों के आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। गांव में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, जिसे देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। घटना के दौरान सतनाम, मलकीत और जसवंत गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अलवर के सामान्य चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

5 शिक्षक सस्पेंड, डीईओ ने जारी किए आदेश

जालोर, 18 मई (एजेंसियां)। जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय प्रारंभिक शिक्षा जालोर की ओर से जिले में पदस्थापित पांच शिक्षकों को गंभीर आरोपों के चलते व विभिन्न भर्ती प्रकरणों में वांछित होने पर सेवा से बर्खास्त किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय प्रारंभिक शिक्षा मुनेश कुमार मीणा के अनुसार जालोर जिले के खिरोड़ी करावडी निवासी गणपतराम पुत्र मालाराम विश्नोई हाल निलंबित अध्यापक राजकीय प्राथमिक विद्यालय वाल्मीकि नगर सांचौर को कनिष्ट अभियंता परीक्षा 2020 पेपर लीक प्रकरण में एसओजी की ओर से वांछित होने पर 22 मार्च 2025 को निलंबित कर डीईओ प्रारंभिक शिक्षा कार्यालय में उपस्थिति देने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन एक मई 2025 तक इस कार्यालय में उपस्थित नहीं हुए। पेपर लीक प्रकरण में वांछित होने, राजकीय आदेश की अवहेलना करने, राजकीय सेवा से स्वैच्छिक अनुपस्थित रहने व आचरण संहिता का उल्लंघन करने पर गंभीर दुराचरण के चलते जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा ने इनकी प्रथम नियुक्ति तिथि 11 सितम्बर 2013 से इनकी सेवा समाप्त करने के आदेश जारी किए। वहीं, विभिन्न परीक्षाओं में नकल व पेपर लीक प्रकरणों में आरोपी सुनीलकुमार बेनीवाल पुत्र धीमाराम विश्नोई, निवासी हालीवाव पोस्ट विरावा सांचौर हाल निलंबित तृतीय श्रेणी अध्यापक राजकीय प्राथमिक विद्यालय बाटों का गोलिया विरावा को राजस्थान पुलिस उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2012, कनिष्ट लेखाकार भर्ती परीक्षा 2013, वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा 2016 में ब्लूटूथ डिवाइस द्वारा नकल करने, पेपर आउट करने के आरोप प्रमाणित पाए जाने पर प्रथम नियुक्ति तिथि 19 नवम्बर 2012 से सेवा समाप्त की गई।

ट्रेन की चपेट में आने से पैंथर की मौत

उदयपुर, 18 मई (एजेंसियां)। ग्रामीणों ने बताया कि सुबह के वक्त जब कुछ लोग रेलवे ट्रेक के पास से गुजरे तो देखा कि वहां एक पैंथर का शव पड़ा हुआ है। लोगों ने तुरंत वन विभाग को सूचना दी, जिस पर विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक जांच से स्पष्ट है कि पैंथर की मौत तेज रफ्तार ट्रेन की टक्कर से हुई है। हालांकि मौत के सही कारण और चोटों की विस्तृत जानकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मिल सकेगी।

यह क्षेत्र अरावली की पहाड़ियों और जंगलों से घिरा हुआ है, जहां वन्यजीवों की आवाजाही सामान्य मानी जाती है लेकिन रेलवे ट्रैक के नजदीक ऐसे हादसे यह दर्शाते हैं कि वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम अभी भी नाकाफी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी घटनाएं रोकने के लिए रेलवे ट्रैक के पास वन्यजीव चेतावनी संकेत, अंडरपास या ओवरपास जैसे संरचनात्मक उपायों की जरूरत है, ताकि जानवरों की आवाजाही सुरक्षित रह सके।

अगले सप्ताह से पांच गांवों में फिर से सर्वेक्षण होगा, जहां भूमि विवरण सही नहीं हैं : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि तेलंगाना राज्य में निज़ाम काल से अस्तित्व में रही भूमि से संबंधित मामले, जिनमें उचित सर्वेक्षण रिकॉर्ड नहीं हैं, का जल्द ही समाधान किया जाएगा। तेलंगाना राज्य में 413 गांव हैं, जिनमें या तो सर्वेक्षण रिकॉर्ड नहीं हैं या निजाम काल से उनका सर्वेक्षण नहीं हुआ है। पिछली बीआरएस सरकार पिछले एक दशक में इस मुद्दे को हल करने में विफल रही। जवाब में, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने इस समस्या से निपटने का संकल्प लिया है। 413 गांवों में से पांच में एक पायलट परियोजना शुरू की जाएगी और इस पहल से प्राप्त फीडबैक के आधार पर इसे अन्य गांवों में भी लागू किया जाएगा। रविवार को यहां जारी एक विज्ञप्ति में मंत्री ने बताया कि पायलट गांवों में महबूबनगर जिले के गंदीद मंडल में सालार नगर, जगतियाल जिले के भीरपुर मंडल में कोम्मानपल्ली (नया) गांव, खम्मम जिले के येरुपलेम मंडल में मुलुगुमाडा, मुलुगु जिले के वेंकटपुरम मंडल में नुगुरु और संगारेड्डी जिले के वटपल्ली मंडल में शहीद नगर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए दो तरीकों से संबंधित गांवों में व्यापक सर्वेक्षण किया जाएगा: हवाई/ड्रोन सर्वेक्षण विधि और शुद्ध ग्राउंड ट्रुथिंग विधि, और भू-जनमत संग्रह, कैडस्ट्रल मानचित्र और अधिकार पंजीकरण दस्तावेज तैयार किए जाएंगे। नई विधि भूमि की जानकारी, पारदर्शिता, विवाद समाधान और भूमि स्वामित्व में स्पष्टता लाएगी, जिसका अंततः किसानों और ग्रामीण भूस्वामियों को लाभ होगा, पोंगुलेटी ने कहा। मंत्री ने घोषणा की कि पायलट गांवों में पुनः सर्वेक्षण कराया जाएगा तथा सर्वेक्षण परिणामों के आधार पर इसे शेष गांवों में भी लागू किया जाएगा।

कांग्रेस ने एआईएमपीएलबी के वक्फ आंदोलन का समर्थन किया : शब्बीर अली

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुस्लिम समुदाय के साथ एकजुटता दिखाते हुए, कांग्रेस नेता मोहम्मद अली शब्बीर ने रविवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ चल रहे आंदोलन में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) को पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया। हैदराबाद में "वक्फ बचाओ, संविधान बचाओ आंदोलन" नामक एक गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करते हुए, शब्बीर अली ने कहा कि कांग्रेस पार्टी वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा और संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए सभी कानूनी और लोकतांत्रिक प्रयासों का समर्थन करेगी। एआईएमपीएलबी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कई प्रमुख इस्लामी विद्वानों, कानूनी विशेषज्ञों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड इस लड़ाई में अकेला नहीं है। कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से आपके साथ है। हम आपके सभी कदमों का समर्थन करते हैं, चाहे वे कानूनी लड़ाई हों, जन जागरूकता अभियान हों या विरोध प्रदर्शन हों, अली ने घोषणा की। उन्होंने याद दिलाया कि तेलंगाना देश का पहला राज्य है जिसने आधिकारिक तौर पर विवादास्पद वक्फ संशोधन अधिनियम का विरोध किया है, जिसके लिए 19 अगस्त, 2024 को सरकार स्तर की बैठक बुलाई गई है। अधिनियम की संसदीय यात्रा का जिक्र करते हुए शब्बीर अली ने बताया कि लोकसभा में विधेयक को 288 सांसदों ने पक्ष में और 232 ने विपक्ष में वोट देकर पारित किया, जिसमें कांग्रेस के सदस्य सुबह 3 बजे तक मतदान में शामिल रहे। राज्यसभा में 128 सदस्यों ने विधेयक का समर्थन किया, जबकि 95 ने इसके खिलाफ मतदान किया। उन्होंने कहा, संसद के लगभग आधे सदस्यों द्वारा इस विधेयक का विरोध करना यह साबित करता है कि इस पर राष्ट्रीय सहमति नहीं है। इस तरह के संवेदनशील कानून को लागू करने से पहले हर पार्टी का समर्थन लिया जाना चाहिए। मजबूत जन-आंदोलन का आह्वान करते हुए उन्होंने एआईएमपीएलबी के नेतृत्व में सभी आंदोलन कार्यक्रमों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए निचले स्तर पर समन्वय समितियों के गठन का सुझाव दिया। उन्होंने बोर्ड से टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ से मिलने और अपने कार्यक्रम का विवरण साझा करने का आग्रह किया, साथ ही आश्वासन दिया कि स्थानीय कांग्रेस नेता आंदोलन के हर कदम में शामिल होंगे। शब्बीर अली ने अपने संबोधन का समापन यह कहते हुए किया, यह लड़ाई सिर्फ मुसलमानों के लिए नहीं है। यह भारत की आत्मा, इसकी बहुलता और इसके संवैधानिक मूल्यों के लिए है।

बंडारू ने अपनी जीवनी के विमोचन के लिए रेवंत रेड्डी और चंद्रबाबू से मुलाकात की

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने आज हैदराबाद में तेलंगाना सरकार के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और आंध्र प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू से मुलाकात की। उनके साथ अलाई बलाई फाउंडेशन के अध्यक्ष विजया लक्ष्मी बंडारू और डॉ. जिग्नेश रेड्डी भी थे।

उन्होंने दोनों मुख्यमंत्रियों को जून, 2025 के पहले सप्ताह में हैदराबाद में अपनी आत्मकथा के विमोचन के लिए आमंत्रित किया। यह जानकारी हरियाणा के राज्यपाल के निजी सचिव कैलास नागेश ने दी।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके जुबली हिल्स स्थित आवास पर मुलाकात की। उनकी आत्मकथा का तेलुगु संस्करण हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। दत्तात्रेय ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को "प्रजला कठे ना आत्म कथा" पुस्तक के विमोचन के लिए आमंत्रित किया। हिंदी संस्करण, "जनता की कहानी, मेरी आत्मकथा", हाल ही में दिल्ली में जारी किया गया था।

शराब की कीमतें फिर बढ़ने की संभावना

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। इस साल फरवरी से शुरू में बीयर की कीमतों में वृद्धि के बाद, नकदी की कमी से जूझ रही राज्य सरकार अब कथित तौर पर सभी ब्रांडों की शराब की कीमतों में लगभग 10 से 15 प्रतिशत की वृद्धि करने की योजना बना रही है। संशोधित कीमतें सोमवार से लागू होने की संभावना है। सस्ती शराब की कीमतों में संशोधन नहीं किया जाएगा। बढ़ी हुई शराब की कीमतों से सरकार को हर महीने करीब 130 करोड़ से 150 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने की उम्मीद है।

शराब के ब्रांड की संशोधित मूल्य सूची पहले से ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर घूम रही है, लेकिन राज्य सरकार की ओर से कोई आधिकारिक आदेश या पुष्टि नहीं हुई है। शराब डीलरों ने भी कहा कि आबकारी विभाग की ओर से अभी तक कोई सूचना नहीं मिली है। जानकारी के अनुसार, कीमतों में कम से कम 40 से 60 रुपये प्रति बोतल की बढ़ोतरी की जा रही है। उदाहरण के लिए, 12 साल पुरानी बैलेंटाइन ब्लेंडेड स्कॉच व्हिस्की, जो अभी 4,150 रुपये में बिक रही है, की कीमत बढ़कर 4,210 रुपये होने की संभावना है। इसी तरह, 12 साल पुरानी जॉनी वॉकर ब्लैक लेबल, जो अभी 4,690 रुपये में बिक रही है, की कीमत 4,730 रुपये हो सकती है।

सूत्रों के अनुसार, मूल्य निर्धारण समिति ने राज्य सरकार से शराब की कीमतों में करीब 10 से 15 प्रतिशत की वृद्धि करने की सिफारिश की थी। अधिकारियों ने संकेत दिया कि फाइल को अंतिम मंजूरी के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के पास भेजा गया है और आदेश कभी भी आने की उम्मीद है। शराब डीलरों के बीच भी आदेशों और उनके कार्यान्वयन को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

बंजारा हिल्स के एक शराब व्यापारी ने कहा कि अभी तक आबकारी विभाग की ओर से कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। हमें सिर्फ़ वॉट्सऐप मैसेज के ज़रिए कीमतों में बढ़ोतरी के बारे में पता चला है। इसी तरह डीलरों में मौजूदा स्टॉक को लेकर भी आशंका है। तेलंगाना वाइन डीलर्स एसोसिएशन के एक पदाधिकारी ने कहा कि मौजूदा स्टॉक के बारे में कोई स्पष्टता नहीं है। क्या विभाग हमें मौजूदा कीमतों पर या बढ़ी हुई कीमतों पर स्टॉक बेचने की अनुमति देगा, यह स्पष्ट नहीं है।

याद रहे कि राज्य सरकार ने फरवरी में बीयर की कीमतों में 15 प्रतिशत की वृद्धि की थी। तदनुसार, किंगफिशर अल्ट्रा बीयर (650 मिली), जो 210 रुपये में बिकती थी, अब 250 रुपये में बेची जा रही है। किंगफिशर विवाद के तुरंत बाद कीमतों में वृद्धि की गई, जहां यूनाइटेड ब्रुअरीज लिमिटेड (यूबीएल) ने राज्य में पेय पदार्थों की स्थिर कीमतों के कारण घाटे का हवाला देते हुए तेलंगाना बेवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (टीजीबीसीएल) को किंगफिशर और हेनेकेन बीयर की आपूर्ति रोकने का फैसला किया था। शुरूआत में मुख्यमंत्री ने कहा था कि सरकार दबाव की रणनीति पर ध्यान नहीं देगी, लेकिन अंततः कीमतें बढ़ा दी गईं।

तेरापंथ युवक परिषद का वीतराग पथ कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अमृत वैली में साध्वी डॉ. गवेषणाश्री जी आदि ठाना 4 के सानिध्य में तेरापंथ युवक परिषद द्वारा वीतराग पथ कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य विषय मोह से मोह क्या रहा।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार कार्यक्रम का संचालन साध्वी मेरुप्रभा जी ने किया। तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष अभिनंदन नाहटा ने कार्यक्रम की शुरूआत की। उन्होंने अमृत आंचलिया के समाज के विभिन्न क्षेत्रों में दिए गए सहयोग की सराहना की। तेयुप हैदराबाद के उपक्रम भिक्षु प्रज्ञा मंडली द्वारा विजय गीत का संगान हुआ।

कार्यशाला के अंतर्गत, मोह से मोह क्या? विषय पर आधारित विभिन्न प्रस्तुतियां हुईं। थावचा पुत्र नामक लघु नाटिका में श्रीमती काजल जैन और वर्षा संचेती ने प्रभावशाली प्रस्तुति से दर्शकों को प्रभावित किया। साध्वीश्री मयंकप्रभा जी ने अपने उद्बोधन में मानव जीवन को सार्थक बनाते हुए वीतराग पथ पर बढ़ने की प्रेरणा दी।

कार्यशाला के अंतिम चरण में अनाथी मुनि के जीवन पर आधारित हृदयस्पर्शी नाटक में वंश जैन और आदित्य संचेती ने उत्कृष्ट प्रस्तुति दी। साध्वी डॉ. गवेषणाश्री जी ने चौदह गुणस्थानों की विवेचना करते हुए जीवन के अंतिम लक्ष्य तक पहुंचने का मार्ग बताया और मोह के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए राग को कम करने के उपाय बताए। कार्यशाला में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया और मोह से मोह क्या? विषय पर गहन जानकारी प्राप्त की।

प्रजा भवन में डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क ने रूस के महावाणिज्यदूत वलेरी खोदजाएव के साथ सौहार्दपूर्ण बैठक की।

बाघ के शिकार के आरोप में 12 संदिग्ध हिरासत में

कुमराम भीम आसिफाबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पेंचिकलपेट मंडल के येल्लूर गांव में शुक्रवार को एक बाघ की बिजली से हुई मौत के मामले में संदिग्ध भूमिका के चलते शनिवार को वन अधिकारियों ने एक दर्जन लोगों को हिरासत में लिया। सूत्रों ने बताया कि वन्यजीवों के शिकार करने वाले और बिजली के जाल का इस्तेमाल करने के संदेह में 12 लोगों को हिरासत में लिया गया है और अधिकारियों द्वारा उनसे पूछताछ की जा रही है। वे येल्लूर और आसपास के गांवों के रहने वाले हैं।

अधिकारी बाघ के नाखून, खाल और खोपड़ी बरामद करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जिन्हें शिकारियों ने लूट लिया था। उनका मानना है कि अगर वे बाघ के नाखून और खाल जब्त कर लें तो अपराध साबित करना आसान हो जाएगा। उन्हें संदेह था कि अपराधियों ने नाखून और त्वचा बेच दी होगी।

एसटी किसान कांग्रेस सरकार की इंदिरा सौरा गिरि जला विकास योजना से आशंकित

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कई मौजूदा योजनाओं के आंशिक कार्यान्वयन और कई अन्य को जमीन पर उतारने में विफलता को देखते हुए, अनुसूचित जनजाति (एसटी) किसानों के बीच प्रस्तावित इंदिरा सौरा गिरि जला विकासम योजना के प्रभावी कार्यान्वयन को लेकर आशंकाएं हैं। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, जिनका राज्य के वित्त और फंड की कमी पर हाल ही में गुस्सा किसानों के लिए एक और चिंताजनक कारक है, सोमवार को इंदिरा सौरा गिरि जला विकासम योजना शुरू करने की उम्मीद है। इस योजना के तहत, सरकार का लक्ष्य एसटी किसानों को सौर पंप सेट (ऑफ-ग्रिड) आधारित सिंचाई सुविधाएं प्रदान करके वन अधिकार मान्यता (आरओएफआर) भूमि का व्यापक विकास करना है।

इसके लिए राज्य सरकार ने 2025-26 वित्तीय वर्ष से शुरू होने वाले पांच वर्षों के लिए चरणबद्ध तरीके से 6 लाख रुपये की इकाई लागत के साथ 12,600 करोड़ रुपये के बजट परिव्यय के साथ योजना की घोषणा की। हालांकि, चूंकि कांग्रेस सरकार रैतु भरोसा के तहत कई किसानों और आत्मीय भरोसा के तहत भूमिहीन मजदूरों को सहायता देने में विफल रही है, इसलिए कई रैयत नई योजना के कार्यान्वयन को लेकर आशंकित हैं। इसके अलावा, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की ओर से वन विभाग पर बोरवेल खोदने, ट्रैक्टर चलाने की अनुमति न देने और अन्य प्रतिबंध लगाने की शिकायतें भी आई हैं।

हिंदू 2 हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू 2 हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग आरंभ चाणक्य और एच2एच सशक्त ने मल्टी चैप्टर बिजनेस मीट का आयोजन किया। यह बिजनेस मीट सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए थी। बैठक का आयोजन भाग्यनगर में हिंदू व्यापारियों की मदद और उन्हें बढ़ावा देने के लिए किया गया था।

बैठक का आयोजन होटल ताजमहल नारायणगुडा हैदराबाद में किया गया था। इस मीट के विशेष अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल बलदवा और शिव सेना पार्टी तेलंगाना के राज्य अध्यक्ष शिवाजी सुंकारू थे। अध्यक्ष दत्तात्रेय बेन्ने और अजय सिंह के साथ हेमंत पपानी, राधा, डॉ. पूनम नोमुलवार रतन, कृष्ण मोहन जैसे अन्य सदस्यों ने बैठक का नेतृत्व किया। बैठक संस्थापक एचटूएच गीतेश काटे के नेतृत्व और मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

पेद्दापल्ली में बढ़िया किस्म के चावल की तस्करी शुरू

पेद्दापल्ली, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से सफेद राशन कार्ड धारकों को वितरित किए जाने वाले बढ़िया किस्म के चावल को कथित तौर पर अवैध व्यापारियों द्वारा अन्य स्थानों पर तस्करी किया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि चावल के वितरण के अगले महीने ही बढ़िया किस्म के चावल की तस्करी शुरू हो गई। इसका खुलासा तीन दिन पहले पेद्दापल्ली जिले के धर्माराम में चावल से लदी एक लॉरी की जब्ती से हुआ।

विश्वसनीय सूचना के आधार पर, नागरिक आपूर्ति टास्क फोर्स ने बुधवार की सुबह वाहनों की जांच की और मंचेरियल से अवैध रूप से चावल ले जा रहे ट्रक को जब्त कर लिया।

गरीबों को बढ़िया किस्म का चावल उपलब्ध कराने और पीडीएस चावल की तस्करी को रोकने के लिए राज्य सरकार ने राज्य में उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से बढ़िया किस्म का चावल उपलब्ध कराने का फैसला किया। हालांकि सरकार ने घोषणा की थी कि उगादी पर इस योजना को शुरू किया जाएगा, लेकिन वितरण पिछले दो महीनों से ही शुरू हुआ है। लोग चावल पाने के लिए राशन की दुकानों के सामने कतार में भी लग रहे हैं।

और जल्द ही, अवैध ऑपरेटर, जो अवैध रूप से पीडीएस चावल को दूसरे राज्यों में ले जाकर पैसे कमाते थे, ने बढ़िया किस्म के चावल की तस्करी शुरू कर दी है। कथित तौर पर वे राशन डीलरों से और सीधे लाभार्थियों से चावल इकट्ठा कर रहे हैं। यह आरोप लगाया गया है कि अवैध व्यापारी, जो 12 से 14 रुपये देकर सामान्य किस्म का चावल खरीदते थे, अब 18 से 20 रुपये दे रहे हैं।

पेद्दापल्ली जिला कथित तौर पर महाराष्ट्र में पीडीएस चावल की तस्करी का केंद्र बिंदु है। अवैध संचालक, जो ट्रेनों के माध्यम से चावल ले जाते थे, ने कथित तौर पर पुलिस द्वारा कड़ी निगरानी के बाद अपने तरीके बदल लिए हैं, और कहा जाता है कि वे कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के हिस्से के रूप में बनाए गए बैराजों पर सड़कों का उपयोग कर रहे हैं। सुंडिला और अन्नाराम बैराजों के अलावा, कालेश्वरम अंतर-राज्यीय पुल का भी कथित तौर पर चावल की तस्करी के लिए उपयोग किया जा रहा है।

वैध पंजीकरण संख्या प्लेटों के बिना चलने वाले वाहनों के खिलाफ अभियान

890 वाहनों के खिलाफ हुई कार्रवाई

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद आयुक्तालय में पश्चिमी क्षेत्र पुलिस ने बिना और अनियमित संख्या प्लेटों के वाहन चलाने वाले उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू करने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया है। ऐसे वाहन चलाना मोटर वाहन अधिनियम, 1988 का स्पष्ट उल्लंघन है, और कानून प्रवर्तन और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौतियां पेश करता है। दुर्घटनाओं, अपराधों और उल्लंघनों के मामलों में अनुचित या गायब नंबर प्लेटें वाहन की पहचान में बाधा डालती हैं, जिससे सड़कों पर सुरक्षा और जवाबदेही से समझौता होता है। 14 अप्रैल, 2025 से प्रवर्तन कार्यक्रम के तहत पश्चिमी क्षेत्र पुलिस द्वारा करीब 890 वाहनों को हिरासत में लिया गया। पुलिस उपायुक्त, पश्चिमी क्षेत्र, हैदराबाद शहर, एस.एम. विजय कुमार ने बताया कि ऐसे उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ जुर्माना, वाहन जब्ती और कानूनी कार्यवाही सहित तत्काल दंडात्मक कार्रवाई शुरू की जा रही है।

बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों को हमारे गश्ती कर्मियों द्वारा रोका जाता है और उन मामलों में गहन पूछताछ के बाद वाहनों को हिरासत में लिया जाता है, जहां उनका उपयोग करने वाले व्यक्ति पर्याप्त सबूत और कारण नहीं दे पाते हैं। इसके बाद पुलिस चौकी का प्रभारी अधिकारी स्वामित्व, ड्राइविंग लाइसेंस आदि से संबंधित सभी दस्तावेजों की जांच करेगा और मोटर वाहन अधिनियम के उल्लंघन के लिए छोटे-मोटे मामले दर्ज किए जाएंगे। बाद में, संबंधित व्यक्तियों द्वारा न्यायालय में उपस्थित होकर जुर्माना भरने और वाहन में उचित नंबर प्लेट लगाने के बाद ही वाहनों को छोड़ा जाएगा। बार-बार उल्लंघन करने वालों को ड्राइविंग लाइसेंस के निलंबन या रद्दीकरण सहित कठोर दंड का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि सभी वाहन मालिकों को सलाह दी जाती है कि सुनिश्चित करें कि उनके वाहनों पर केंद्रीय मोटर वाहन नियम के अनुसार फ़ॉन्ट, आकार और दृश्यता के मामले में नंबर प्लेट लगी हो। सजावटी प्लेट, स्टिकर या ऐसी किसी भी चीज़ का उपयोग करने से बचें जो पंजीकरण संख्या की दृश्यता को अस्पष्ट करती हो, यदि ऐसा कोई हो, तो वाहन मालिक उसे ठीक कर लें और वाहन पर उचित पंजीकरण संख्या लगा दें। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग सभी नागरिकों से आग्रह करता है कि वे अपने आस-पास बिना नंबर प्लेट वाले ऐसे किसी भी वाहन की संदिग्ध गतिविधि की पहचान करें और ऐसे व्यक्तियों की तस्वीरें और वीडियो बनाकर पुलिस को सूचित करें। इससे स्थानीय पुलिस स्टेशन के अधिकारी क्षेत्र में निगरानी रख सकेंगे और ऐसे लोगों को पकड़ सकेंगे, जो बिना नंबर प्लेट के वाहनों का उपयोग कर रहे हैं और पूछताछ के बाद कानूनी कार्रवाई शुरू कर सकेंगे।

इंडो-पैसिफिक में तेलुगु एडवेंचर, दो दिग्गज फिजी के लिए रवाना

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश की समृद्ध समुद्री विरासत और समुद्री यात्रा की परंपराओं को जारी रखते हुए, दो दिग्गज और वरिष्ठ नागरिक, कर्नल के श्रीनिवास (सेवानिवृत्त) पूर्व ईएमई और कैप्टन सीडीएनवी प्रसाद (आईएन) (सेवानिवृत्त), दोनों राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (1980) के 63वें कोर्स से, 14 मई 2025 को सुबह 1000 बजे (समय क्षेत्र-12) न्यूजीलैंड के ओपुआ खाड़ी से सावुसावु, फिजी के लिए रवाना हुए हैं, जो भारत के लिए अपनी यात्रा के पहले चरण में अपनी 34 फीट लंबी सेलबोट टीवाईएसटीआईई पर सवार हैं। उनकी नाव वर्तमान में पोलैंड में पंजीकृत है, लेकिन बाद में विशाखापट्टनम पहुंचने पर भारतीय पंजीकरण में बदल जाएगी और संभवतः इसका नाम बदलकर 'विशाखा' (विशाखापट्टनम बंदरगाह के सम्मान में) कर दिया जाएगा। दोनों अधिकारी तेलुगु मिट्टी के बेटे हैं और प्रतिष्ठित सैनिक स्कूल कोरुकोंडा-1971 प्रवेश बैच के गौरवशाली पूर्व छात्र हैं। पिछले 63 वर्षों में, स्कूल ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और अन्य रक्षा प्रशिक्षण संस्थानों में कैडेटों को खिलाने में शानदार योगदान दिया है। गलवान की प्रसिद्धि के महान कर्नल संतोष बाबू, एमवीसी (मरणोपरांत), स्कूल के पूर्व छात्र हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

भारत को दहलाने ...

दोनों ने विजयनगरम के एक सुनसान इलाके में एक ट्रायल विस्फोट किया था और संभावित आतंकी हमलों की योजना बना रहे थे। हालांकि हैदराबाद उनकी सूची में था या नहीं, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है। गिरफ्तारी के बाद उन्हें अदालत में पेश किया गया।

पुलिस के मुताबिक, सिराज और समीर दोनों सोशल मीडिया के जरिए एक दूसरे के संपर्क में आए थे। वे सऊदी अरब में एक हैंडलर की मदद से विस्फोटों को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे। हैंडलर सिराज और समीर को विस्फोटों को अंजाम देने के लिए उकसा रहा था। उन्होंने कहा, हमें अभी तक पता नहीं चला कि आईएसआईएस के गुर्गे किस जगह विस्फोट करने की योजना बना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ऑनलाइन ऑर्डर देने के बाद गुर्गों ने विस्फोटक कहां से खरीदे और बम विस्फोट का प्लान कहां-कहां बनाया था। पुलिस ने कहा कि वह सऊदी अरब में हैंडलर के बारे में और जानकारी जुटाने की कोशिश में हैं। मामला की जांच जारी है।

लश्कर के गाजी ...

इस हमले में आतंकियों ने भारी गोलीबारी की थी, जिसमें सात जवान शहीद हुए थे। बाद में जांच एजेंसियों ने इस हमले की प्लानिंग से जुड़े जो नाम सामने लाए, उनमें अबू सैफुल्लाह सबसे ऊपर था।

अबू सैफुल्लाह ने 2005 में बंगलौर में हुए सिलसिलेवार धमाकों की साजिश भी रची थी। इन धमाकों से बंगलौर शहर दहल गया था। आईटी कंपनियों और सरकारी प्रतिष्ठानों को निशाना बनाते हुए हमला किया गया था।

साल 2006 में नागपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मुख्यालय को निशाना बनाकर एक बड़ा हमला करने की कोशिश की गई थी। हालांकि समय रहते सुरक्षाबलों ने हमलावरों को ढेर कर दिया, लेकिन जांच में साफ हुआ कि इस हमले के पीछे भी अबू सैफुल्लाह का ही दिमाग था।

स्थानीय सूत्रों और सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, अबू सैफुल्लाह की हत्या किसी सुनियोजित टारगेट किलिंग का हिस्सा हो सकती है। अबू सैफुल्लाह जम्मू-कश्मीर में भारत विरोधी आतंकी गतिविधियों का संचालन कर चुका था और पाकिस्तान लौटने के बाद वह सिंध में जमात और लश्कर के लिए भर्ती व फंडिंग जैसे अभियानों में सक्रिय था।

इस हत्या ने पाकिस्तान के आतंकी नेटवर्कों के भीतर गुटबाजी और आंतरिक टकराव की आशंकाओं को भी जन्म दे दिया है। अबू सैफुल्लाह जैसे प्रशिक्षित और गाज़ी घोषित आतंकी की इस तरह हत्या, यह बताती है कि पाकिस्तान में आतंक के संरक्षक अब खुद असुरक्षित होते जा रहे हैं। साथ ही यह घटना एक और संकेत देती है कि सिंध जैसे इलाकों में भी आतंकी संगठनों के भीतर आपसी प्रतिद्वंद्विता या विरोध तेज हो चुका है।

सीजेआई बोले-महाराष्ट्र ...

उन्होंने कहा- मैं सभी का बहुत आभारी हूं। मुझे जो प्यार और सम्मान मिला है, उससे मैं अभिभूत हूं। 40 साल से मुझे यह प्यार मिल रहा है। आज का समारोह अविस्मरणीय है। मैं अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं ढूंढ पा रहा हूं। 14 मई को जब मैंने भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली, तो महाराष्ट्र ने मुझ पर बहुत प्यार बरसाया। पूरे राज्य से लोगों ने समारोह देखने की इच्छा व्यक्त की, लेकिन सीमाओं के कारण मैं सभी को शामिल नहीं कर सका।

बार काउंसिल के इवेंट में कहा था- जज जमीनी हकीकत नजरअंदाज नहीं कर सकते :

सीजेआई बीआर गवई ने शनिवार को बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के सम्मान समारोह में मौजूद थे। तब उन्होंने कहा था कि जज जमीनी हकीकत को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। आज की न्यायपालिका मानवीय अनुभवों की जटिलताओं को नजरअंदाज करते हुए कानूनी मामलों को सख्त काले और सफेद शब्दों में देखने का जोखिम नहीं उठा सकती। सीजेआई ने इस बात पर जोर दिया था कि न्यायपालिका में लोगों से दूरी रखना असरदार नहीं है। उन्होंने इस धारणा को खारिज कर दिया कि सुप्रीम कोर्ट के जजों को लोगों से जुड़ने से बचना चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पंजाब किंग्स ने 10 रन से जीता रोमांचक मैच

राजस्थान रॉयल्स ने फिर आखिरी ओवर में गंवाया मैच

जयपुर, 18 मई (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स के साथ खेले गए मुकाबले में पंजाब किंग्स ने एक रोमांचक जीत दर्ज कर ली है. सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए मैच में पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 220 रनों का लक्ष्य तय किया था और फिर गेंदबाजों ने इस लक्ष्य को डिफेंड किया और 10 रनों से मैच को अपने नाम कर लिया.

पंजाब किंग्स ने बनाए थे 219 रन

राजस्थान रॉयल्स के साथ खेले गए मैच में टॉस जीतकर श्रेयस अय्यर ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. जहां, पंजाब को

शुरुआत अच्छी नहीं मिली, लेकिन टीम ने अच्छा बाउंस बैक किया.

प्रियांश आर्या 9, प्रभसिमरन सिंह 21 और मिचेल ओवन बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए.

इसके बाद श्रेयस अय्यर 30 रन बनाकर पवेलियन लौटे. वहीं, वडेरा 37 गेंद पर 70 रन की पारी खेलकर अपनी टीम की वापसी कराकर आउट हुए.

इसके बाद शशांक सिंह और अजमतुल्लाह ओमरजाई के बीच भी अर्धशतकीय साझेदारी हुई और अपनी टीम को 219 के स्कोर तक ले गए. शशांक ने 30 गेंद पर 59* रनों की तूफानी पारी खेली, तो वहीं ओमरजाई 9 गेंद पर 21 रन बनाकर नाबाद लौटे.

'कोहली को भारत रत्न दो' सुरेश रैना ने की सबसे बड़ी मांग

चेन्नई, 18 मई (एजेंसियां)। टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान करने के बाद से ही विराट कोहली का जिक्र हर किसी की जुबान पर है. कोहली का ये फैसला आसानी से किसी के भी गले नहीं उतर रहा क्योंकि इस फॉर्मेट को उन्होंने सबसे ज्यादा पसंद किया और इसका सबसे ज्यादा प्रमोशन भी किया. ऐसे में कोहली के फैसले पर चर्चा लगातार जारी है और इस फॉर्मेट के लिए उनके योगदान की खूब तारीफ हो रही है. इसी चर्चा के बीच अब एक भारतीय दिग्गज ने कोहली को भारत रत्न देने की सबसे बड़ी मांग कर दी है.

विराट कोहली को देश के सबसे बड़े नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करने की ये मांग की है टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सुरेश रैना ने. आईपीएल

2025 में 17 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के मुकाबले के दौरान रैना ने ये मांग की. आईपीएल में बेंगलुरु की राइवल चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेल चुके पूर्व स्टार बल्लेबाज ने एक चर्चा के दौरान ये मांग की. कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के ऐलान के बाद रैना ने उन्हें सम्मानित करने के लिए ये सुझाव दिया है.

भारतीय क्रिकेट में योगदान के लिए मिले सम्मान

विराट ने 12 मई को अचानक ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर सबको चौंका दिया था. हैरानी इस बात की थी कि कोहली ने ये ऐलान IPL 2025 के बीच एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किया, जबकि सबको उम्मीद थी कि उन्हें मैदान के बीच विदाई मिलेगी. मगर अचानक उन्होंने सबको हैरान कर दिया. ऐसे मे जब बारिश के कारण बेंगलुरु-कोलकाता का मैच शुरू ही नहीं हो पाया तो ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स के एक शो के दौरान रैना की ओर से भारत रत्न की मांग उठी.

कोहली की टेस्ट विरासत को लेकर चर्चा के दौरान बाएं हाथ के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज रैना ने कहा, "विराट कोहली ने जितनी उपलब्धियां हासिल की हैं, भारत और भारतीय क्रिकेट के लिए उन्होंने जो भी किया है, उसके लिए उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए. भारत सरकार को उन्हें भारत रत्न अवॉर्ड देना चाहिए."

सचिन के लिए सरकार ने बदले थे नियम

भारतीय खेलों के इतिहास में आज तक सिर्फ एक ही खिलाड़ी को भारत रत्न सम्मान मिला है. वो हैं सचिन तेंदुलकर. महान बल्लेबाज तेंदुलकर को फरवरी 2014 में उस वक्त की केंद्र सरकार ने भारत रत्न देने की सिफारिश की थी और फिर तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने सचिन को ये सम्मान दिया. उससे पहले और उसके बाद आज तक किसी को भी ये सम्मान नहीं मिला. यहां तक कि किसी भी खिलाड़ी को भारत रत्न अवॉर्ड देने का प्रावधान कभी था ही नहीं और सिर्फ सचिन के लिए उस वक्त इन नियमों को बदला गया था. अब कोहली को ये सम्मान मिलता है या नहीं, आने वाले दिनों में साफ होगा.

नीरज की नजरें अब 90 मीटर से अधिक भाला फेंकने पर

कहा- जेलेजनी के साथ कर रहे कुछ पहलुओं पर काम

नई दिल्ली, 18 मई (एजेंसियां)। राहत और खुशी के साथ-साथ थोड़ी निराशा भी महसूस कर रहे भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कहा कि अब जबकि वह 90 मीटर का आंकड़ा पार कर चुके हैं तो वह और आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे क्योंकि उनका शरीर अब उन चोट से लगभग मुक्त हो गया है जो पिछले कुछ वर्षों से उन्हें परेशान कर रहीं थी। दोहरे ओलंपिक पदक विजेता 27 वर्षीय नीरज ने तीसरे प्रयास में भाले को 90.23 मीटर तक पहुंचाया और 90 मीटर या इससे अधिक करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए जिसकी अगुवाई उनके वर्तमान कोच चेक गणराज्य के जान जेलेजनी कर रहे हैं। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे एशियाई और कुल मिलाकर 25वें खिलाड़ी बने। हालांकि जर्मनी के जूलियन वेबर ने बाजी पलट दी और अपने छठे और

अंतिम थ्रो में 91.06 मीटर के प्रयास के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक जीता।

नीरज ने स्पर्धा के बाद कहा, 'मैं 90 मीटर के प्रयास से बहुत खुश हूं लेकिन यह असल में थोड़ा खट्टा-मीठा अनुभव है। लेकिन कोई बात नहीं मैं और मेरे कोच अब भी मेरे थ्रो के कुछ पहलुओं पर काम कर रहे हैं। हमने इस साल फरवरी में ही साथ काम करना शुरू किया था। मैं अब भी चीजें सीख रहा हूं। पिछले कुछ वर्षों से मुझे हमेशा ग्रोइन में कुछ महसूस होता था। इस वजह से मैं अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं दे पाया। इस साल मैं बहुत बेहतर महसूस कर रहा हूं। हम कुछ पहलुओं पर भी काम करेंगे और इसलिए मेरा मानना है कि मैं इस साल विश्व चैंपियनशिप से पहले की प्रतियोगिताओं में 90 मीटर से अधिक भाला फेंक सकता हूं।'

निगाह सितंबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप पर

विश्व चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में आयोजित की जाएगी जिसमें हरियाणा के नीरज गत चैंपियन हैं। नीरज के प्रदर्शन में जेलेजनी के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले साल नवंबर में उन्हें नीरज के कोच के रूप में नियुक्त किया गया था लेकिन इस दिग्गज भारतीय खिलाड़ी ने कहा कि वे फरवरी से ही साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'कोच जेलेजनी के साथ दक्षिण अफ्रीका में बहुत मेहनत की है। ' जेलेजनी के नाम 98.48 मीटर तक भाला फेंकने का विश्व रिकॉर्ड है और वह आमतौर पर डायमंड लीग में नहीं जाते लेकिन चेक गणराज्य का यह कोच चोपड़ा के साथ यहां आया था क्योंकि उन्हें लगा था कि इस प्रतियोगिता में 90 मीटर के आंकड़े को पार किया जा सकता है।

धोनी को लेकर बयान देना पड़ा हरभजन सिंह को भारी

फैंस ने लगा दी क्लास

बेंगलुरु, 18 मई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जिनका जबरदस्त फैन बेस है। महेंद्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा और विराट कोहली ऐसे ही नाम हैं, जिनको लेकर क्रिकेट फैंस के बीच जबरदस्त क्रेज देखने को मिलता है। इसी क्रेज को लेकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कुछ ऐसा कह दिया है, जिससे बवाल खड़ा हो गया है। उनके इस बयान ने एक बहस को भी जन्म दिया है।

हरभजन ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स मैच के दौरान 'स्टार स्पोर्ट्स' पर धोनी को लेकर कहा, 'वह तब तक खेल सकते हैं, जब तक वह खेलना चाहते हैं। अगर यह मेरी टीम होती, तो मैं अलग फैसला लेता। फैंस चाहते हैं कि वह खेलना जारी रखें। अगर किसी खिलाड़ी के पास असली फैंस हैं, तो वो सिर्फ धोनी हैं। बाकी तो सब पेड हैं। बाकी के जो नंबर आप इधर-उधर देखते हो, उनको छोड़िए। उस पर कभी और चर्चा करेंगे।'

इस पैनल में पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा भी मौजूद थे। वो हरभजन सिंह के बयान को सुनकर हंस पड़े और कहा कि उन्हें इतना भी सच नहीं बोलना था। इस पर हरभजन ने बिना किसी हिचकिचाहट के जवाब देते हुए कहा कि किसी को तो बोलना ही था।

बता दें कि विराट के टेस्ट फॉर्मेट से संन्यास लेने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कई फैंस उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंचे। यहां सभी फैंस ने बेंगलुरु-कोलकाता मुकाबले के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम को सफेद समुद्र में बदलने का संकल्प लिया। हालांकि फैंस की उम्मीदों पर बारिश ने पानी फेर दिया और यह मैच बिना किसी टॉस के ही रद्द हो गया।

आरसीबी के प्रशंसक बड़ी संख्या में उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए बाहर आए। प्रशंसकों ने एक अभियान चलाया और विराट कोहली के टेस्ट करियर का जश्न मनाने के लिए आरसीबी बनाम केकेआर के मुकाबले के दौरान चिन्नास्वामी को सफेद समुद्र में बदलने का संकल्प लिया। कोहली को श्रद्धांजलि देने के लिए हजारों प्रशंसक सफेद जर्सी पहनकर स्टेडियम में आए। दुर्भाग्य से, वे विराट कोहली को खेलते हुए नहीं देख पाए क्योंकि मैच बारिश के कारण धुल गया था।

बांग्लादेश की यूएई पर 27 रन से जीत: टी-20 सीरीज में 1-0 की बढ़त

परवेज हुसैन ने 53 गेंदों में 103 रन बनाए

शारजाह, 18 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश और यूएई के बीच खेली जा रही दो मैचों की टी20I सीरीज का आगाज 17 मई से हुआ। पहले टी20 इंटरनेशनल मैच में बांग्लादेश की टीम ने संयुक्त अरब अमीरात को 27 रन से मात देकर सीरीज की शुरुआत जीत के साथ की। इस मैच में यूएई के कप्तान मुहम्मद वसीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया।

पहले बैटिंग करने आई बांग्लादेश की टीम ने इस तरह निर्धारित 20 ओवर में परवेज हुसैन इमोन के शतक के दम पर 7 विकेट खोकर 191 रन बनाए। इसके जवाब में यूएई की टीम 20 ओवर में 164 रन बूनाकर ढेर हुई। बांग्लादेश की गेंदबाजी भी कमाल की रही, जिसकी वजह से उन्होंने ये मैच अपने नाम किया।

पहले बैटिंग करने आई बांग्लादेश की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 191 रन बनाए। टीम की शुरुआत भले ही खराब रही हो, लेकिन परवेज हुसैन इमोन ने टीम की पारी को संभालकर रखा। उन्होंने 54 गेंदों का सामना करते हुए 100 रन की पारी खेली, जिसमें उनके बल्ले से 5 चौके और 9 छक्के निकले। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 185 का रहा।

22 साल के परवेज का ये शतक सिर्फ 53 गेंदों पर आया। शतक बनाने के बाद अगली गेंद पर वह जवादुल्लाह का शिकार बने। परवेज इस शतक को लगाने के बाद बांग्लादेश के लिए एक पारी में सबसे ज्यादा 9 छक्के मारने वाले बल्लेबाज भी बने। अभी तक किसी भी बल्लेबाज ने 7 से ज्यादा छक्के नहीं मारे थे। इस तरह टी20 इंटरनेशनल में बांग्लादेश के लिए ये सबसे तेज शतक रहा।

परवेज के अलावा कप्तान लिटन कुमार दास ने 11 रन तो मोहम्मद तौहीद के बल्ले से 20 रन निकले। जाकेर अली 13 रन ही बना सके।

8 बल्लेबाज नहीं छू सके दहाई का आंकड़ा

इसके जवाब में 192 रन का पीछा करने उतरी यूएई की टीम की भी शुरुआत खराब रही। कप्तान मुहम्मद वसीम के अलावा कोई भी बल्लेबाज 50 रन के आंकड़े को नहीं छू सका। मुहम्मद के बल्ले से 39 गेंद पर 54 रन निकले। राहुल चोपड़ा ने 35 रन, जबकि आसिफ खान ने 42 रन की पारी खेली।

इसके अलावा 8 बल्लेबाज ऐसे रहे, जो दहाई का आंकड़ा नहीं छू पाए। तीन बल्लेबाज शून्य पर ही पेवेलियन लौटे। इस तरह यूएई की टीम बांग्लादेश की गेंदबाजी भी कमाल की रही। हसन महमूद ने तीन विकेट, जबकि तनजीम, महेदी और मुस्तफिजुर रहमान को दो-दो सफलता मिली। तनवीर इस्लाम के खाते में एक विकेट आया।

अर्जेंटीना में होने वाले चार देशों के टूर्नामेंट के लिए जूनियर महिला टीम का ऐलान

खेल डेस्क, 18 मई (एजेंसियां)। टीम में दूसरे गोलकीपर के रूप में एंजिल हर्षा रानी मिंज शामिल हैं जबकि विद्याश्री वी को स्टैंडबाई रखा गया है। डिफेंस में ममिता ओरम, लालथंतलुआंगी, मनीषा, पूजा साहू, पार्वती टोपनो, नंदिनी और साक्षी शुक्ला को जगह मिली है।

जूनियर महिला हॉकी टीम

हॉकी इंडिया ने अर्जेंटीना के रोसारियो में होने वाले आगामी चार देशों के टूर्नामेंट के लिए 24 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला टीम की घोषणा की जिसमें गोलकीपर निधि को कप्तान बनाया गया है जबकि हिना बानो उप-कप्तान होंगी। यह टूर्नामेंट 25 मई से दो जून तक खेला जाएगा, जिसमें भारत और मेजबान अर्जेन्टीना के अलावा उरुग्वे और चिली की टीम हिस्सा लेंगी।

दिसंबर में होने वाले जूनियर वर्ल्ड कप की तैयारी के हिस्से के रूप में भारतीय टीम प्रत्येक टीम के खिलाफ दो मैच खेलेगी जो उसे अपने प्रदर्शन का मूल्यांकन करने, टीम संयोजन का आकलन करने और रणनीतियों को बेहतर करने में मदद करेगा। भारतीय जूनियर महिला

जूनियर वर्ल्ड कप के लिहाज से अहम है दौरा

हॉकी टीम के कोच तुषार खांडेकर ने विज्ञप्ति में कहा कि हम इस टीम से अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की पहचान करना चाहते हैं, विशेषकर जूनियर वर्ल्ड कप को देखते हुए जो सिर्फ 6 महीने दूर है। यह दौरा खिलाड़ियों को बहुमूल्य अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि हम उन्हें सीनियर टीम में जगह बनाने के लिए भी तैयार कर रहे हैं। यह बदलाव तभी संभव है जब वे वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करें जो इस दौरे को बेहद महत्वपूर्ण बनाता है।

पहले मैच में भारत की चिली से भिड़ंत

टीम में दूसरे गोलकीपर के रूप में एंजिल हर्षा रानी मिंज शामिल हैं जबकि विद्याश्री वी को स्टैंडबाई रखा गया है। डिफेंस में ममिता ओरम, लालथंतलुआंगी, मनीषा, पूजा साहू, पार्वती टोपनो, नंदिनी और साक्षी शुक्ला को जगह मिली है। मिडफील्ड में प्रियंका यादव, अनीशा साहू, रजनी केरकेट्टा, बिनिमा धन, खैदेम शिलेमा चानू, संजना होरो, सुप्रिया कुजूर और प्रियंका डोगरा शामिल होंगी। हुडा खान और मुनमुनी दास को स्टैंडबाय मिडफील्डर के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। फॉरवर्ड के तौर पर हिना बानो, सोनम, सुखवीर कौर, गीता यादव, लालरिनपुई, कनिका सिवाच और करमनप्रीत कौर चुना गया है। सेलेस्टिना होरो को स्टैंडबाय के रूप में नामित किया गया है। भारत का पहला मैच 25 मई को चिली से होगा।

क्या मेसी को भारत में खेलते देख पाएंगे फैंस?

अर्जेंटीना टीम के दौरे पर केरल के खेल मंत्री का बयान

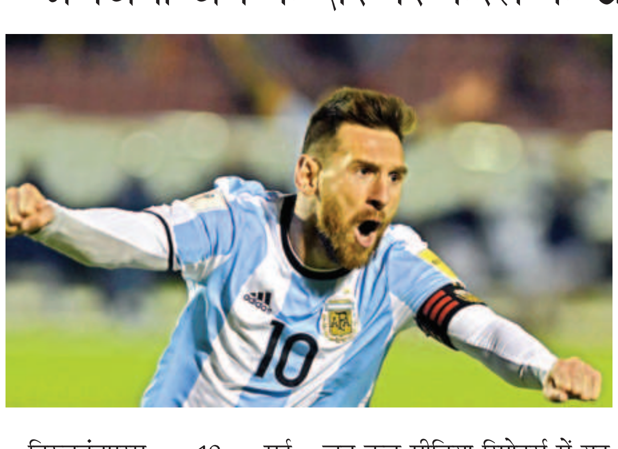

तिरुवनंतपुरम, 18 मई (एजेंसियां)। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने भरोसा दिलाया कि दिग्गज खिलाड़ी लियोनल मेसी की अगुआई में अर्जेन्टीना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम सरकार की घोषणा के अनुसार राज्य का दौरा करेगी। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस शीर्ष फुटबॉल टीम को राज्य में लाना सरकार की नहीं बल्कि प्रायोजकों की जिम्मेदारी है।

मीडिया रिपोर्ट्स में किया गया था यह दावा

केरल के खेल मंत्री की प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है कि अर्जेंटीना टीम ने केरल का अपना निर्धारित दौरा रद्द कर दिया है क्योंकि प्रायोजकों ने अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन किया है। इस पर मीडिया से बात करते हुए केरल के खेल मंत्री ने कहा कि कोच्चि स्थित रिपोर्टर ब्रॉडकास्टिंग कंपनी ने अर्जेंटीना टीम के साथ करार किया था और अनुबंध अभी बरकरार है।

प्रायोजकों को लेकर केरल के खेल मंत्री का बयान

अब्दुरहीमान ने कहा कि प्रायोजकों ने आश्वासन दिया है कि वे बिना किसी देरी के इस संबंध में भुगतान संबंधी मसलों को जल्द ही सुलझा लेंगे। उन्होंने कहा, 'इसलिए अभी हम यह नहीं कह सकते कि मेसी और अर्जेंटीना की टीम केरल नहीं आएगी। हालांकि कुछ पहलुओं में कुछ देरी हुई है लेकिन फिलहाल कोई भ्रम नहीं है।'

केरल के खेल मंत्री ने प्रायोजकों पर भरोसा जताया

प्रायोजकों पर भरोसा जताते हुए मंत्री ने कहा कि उन्हें सरकार से पूरा समर्थन मिल रहा है। खेल मंत्री ने आगे कहा कि सरकार को इस संबंध में प्रायोजकों पर निर्भर रहना पड़ता है क्योंकि वह अर्जेंटीना जैसी शीर्ष टीम को लाने का भारी-भरकम खर्च नहीं उठा सकती। अब्दुरहीमान ने कहा कि सरकार ने रिपोर्टर ब्रॉडकास्टिंग कंपनी सहित दो प्रायोजकों पर ध्यान केंद्रित किया था और आवश्यक मंजूरी प्राप्त करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को उनके विवरण प्रस्तुत किए थे। उन्होंने कहा, 'लेकिन पहला प्रायोजक आरबीआई के पात्रता मानदंडों को

इटालियन ओपन के फाइनल में पहुंचे सिनर

रोम, 18 मई (एजेंसियां)। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर ने टॉमी पॉल के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई जहां उनकी भिड़ंत कार्लोस अल्कारेज से होगी। सिनर ने दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी टॉमी पॉल को सेमीफाइनल में 1-6, 6-0, 6-3 से हराया। वह 1976 में एड्रियानो पेनेटा के बाद रोम ट्रॉफी जीतने वाला इटली का पहला पुरुष खिलाड़ी बनने के लिए चुनौती पेश कर रहे हैं।

इससे पहले अल्कारेज ने लोरेंजो मुसेटी के खिलाफ 6-3, 7-6 की आसान जीत के साथ खिताबी मुकाबले में जगह बनाई।अल्कारेज ने सिनर के खिलाफ अक्तूबर में चीन ओपन के दौरान दोनों खिलाड़ियों के बीच हुआ पिछला मुकाबला टाईब्रेकर में जीता था। सिनर हालांकि अल्कारेज के खिलाफ उस हार के बाद से लगातार 26 मैच जीत चुके हैं। जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के रूप में अपनी तीसरी ग्रैंड स्लैम खिताबी जीत के बाद सिनर अपना पहला टूर्नामेंट खेल रहे हैं।

टेटे विश्व चैंपियनशिप में श्रीजा को मिली हार

अन्य भारतीय खिलाड़ी जीत के साथ अगले दौर में

दोहा, 18 मई (एजेंसियां)। भारत की नंबर एक खिलाड़ी श्रीजा अकुला पहले दौर में हारकर बाहर हो गईं, लेकिन दीया चिताले और मानुष शाह सहित देश के अन्य खिलाड़ी यहां टेबल टेनिस विश्व चैंपियनशिप में महिला और पुरुष एकल स्पर्धाओं के दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रहे। युगल वर्ग में भी भारतीय जोड़ियां दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रही। मुखर्जी बहनों के साथ दीया चिताले और यशस्विनी घोरपड़े की जोड़ी ने टेबल टेनिस विश्व चैंपियनशिप में अपने-अपने महिला युगल के शुरुआती मैच जीत लिए।

मानव ठक्कर और मानुष शाह की पुरुष युगल भारतीय जोड़ी ने भी जीत के साथ अपना अभियान शुरू किया। अपने खेल में आमतौर पर बेहद कम गलतियां करने वाली अकुला थाईलैंड की सुथासिनी सावेत्ता से 1-4 (11-9 8-11 6-11 5-11 2-11) से हार गईं। यह भारतीय खिलाड़ी के लिए निराशाजनक प्रदर्शन रहा क्योंकि वह दुनिया की 84वें नंबर की खिलाड़ी से हारकर टूर्नामेंट के शुरुआती दौर से ही बाहर हो गयी। श्रीजा पहला गेम जीतने के बाद अपनी लय गवां बैठीं और लगातार गलतियां करते हुए महज 33 मिनट में हार गईं। एशियाई खेलों की पदक विजेता अयहिका और सुतिर्था ने तुर्की की ओजगे यिलमाज और एसे हाराक की जोड़ी को पांच गेमों के रोमांचक मुकाबले में 3-2 (4-11 11-9 10-12 11-9 11-7) से हराया। इस परिणाम का मतलब है कि भारतीय जोड़ी ने छह मैचों की हार का सिलसिला खत्म करते हुए आईटीटीएफ विश्व चैम्पियनशिप के अगले दौर में प्रवेश किया। दीया और यशस्विनी की दूसरी भारतीय महिला युगल जोड़ी भी उज्बेकिस्तान की मैग्डिवा और एर्केबेवा की जोड़ी को 3-1 (9-11 11-2 11-9 11-8) से हराकर प्रतियोगिता के दूसरे दौर में पहुंच गई। ठक्कर और शाह की भारतीय जोड़ी ने मौजूदा सत्र में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए डेनी कोजुल और पीटर हरिबर की स्लोवेनिया की जोड़ी पर सीधे गेम में जीत हासिल की। उन्होंने 3-0 (11-7 11-8 11-6) से एकतरफा जीत दर्ज की।

कई हंसती खेलती जिंदगियां अग्निकांड में हो गई स्वाहा

गुलजार हौज चौराहा अग्निकांड में संकरी गली और रास्ते राहत में बने रोडा

मुन्नी मोदी और प्रहलाद मोदी, सुमित्रा मोदी व राजेन्द्र कुमार मोदी, पंकज मोदी व वर्षा मोदी, अभिषेक मोदी

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गुलजार हौज चौराहा अग्निकांड में अग्निशमनकर्मी 17 लोगों की जिंदगी बचाने में कामयाब रहे। गुलज़ार हौज चौराहा अग्निकांड में संकरी गली और रास्तें राहत में परेशानी का कारण बने रहे। चारमीनार के पास गुलजार हौज चौरास्ता पर एक जी+2 इमारत में रविवार सुबह लगी भीषण आग में कई बच्चों समेत 17 लोगों की जान चली गई और कई अन्य झुलस गए। सुबह 6.16 बजे ग्राउंड फ़्लोर पर लगी आग तेजी से ऊपरी आवासीय मंजिलों तक फैल गई, जिससे कई परिवार अंदर फंस गए। आपात स्थिति का जवाब देते हुए, मोगलपुरा फायर स्टेशन से एक पानी का टेंडर सबसे पहले घटनास्थल पर पहुंचा। अग्निशमन, खोज और बचाव अभियान तुरंत शुरू किए गए। भारी प्रयास में, अग्निशमन कर्मियों ने पहली मंजिल पर फंसे 17 व्यक्तियों को बचाने और उन्हें अस्पतालों में ले जाने में कामयाबी हासिल की। मृतकों में 70 वर्षीय बुजुर्ग प्रहलाद और मुन्नी, 65 वर्षीय राजेंद्र मोदी और 60 वर्षीय सुमित्रा शामिल हैं। आग ने दुखद रूप से बच्चों की जान भी ले ली, जिनमें 7 वर्षीय हमी, 4 वर्षीय प्रियांश, 2 वर्षीय इराज, 3 वर्षीय आरुषि, 4 वर्षीय ऋषभ, 1.5 वर्षीय प्रथम, 3 वर्षीय अनुयान और 4 वर्षीय इद्दू शामिल हैं। अन्य पीड़ितों में अभिषेक, 31 वर्षीय शीतल, 35 वर्षीय वर्षा, 35 वर्षीय पंकज, 36 वर्षीय और रजनी, 32 वर्षीय शामिल हैं। संकरी गलियों और घटनास्थल तक पहुंच के खराब रास्ते के कारण, निकटवर्ती दमकल केंद्रों से तुरंत सहायता बुलाई गई। कुल मिलाकर, 11 वाहनों और एक उन्नत अग्निशमन रोबोट सहित 12 अग्निशमन उपकरण तैनात किए गए थे। ऊपरी मंजिलों तक पहुंचने के लिए ब्रोंटो स्काईलिफ्ट हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म का भी इस्तेमाल किया गया। इस ऑपरेशन में 17 अधिकारी और 70 कर्मचारी शामिल थे और यह दो घंटे से अधिक समय तक चला। अग्निशमन विभाग ने कहा कि आग लगने के संदिग्ध कारण की अभी भी जांच की जा रही है तथा संपत्ति के नुकसान की सीमा का अभी पता लगाया जाना बाकी है।

सरकार ने अग्नि दुर्घटना के पीड़ितों के परिवारों के लिए 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार गुलजार हौज के पास हुई दुखद अग्नि दुर्घटना में अपनी जान गंवाने वालों के परिवारों के समर्थन में मजबूती से खड़ी है। गुलजार हौज अग्नि दुर्घटना में 17 लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए राज्य सरकार ने मृतकों के परिवारों को 5-5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने उस्मानिया शवगृह में मीडिया से बात करते हुए यह घोषणा की। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देशानुसार उपमुख्यमंत्री खम्मम जिले के मधिरा से उस्मानिया अस्पताल पहुंचे। उन्होंने मंत्री पोन्नम प्रभाकर और दामोदर राजा नरसिम्हा के साथ स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने शवगृह में पीड़ितों के परिवारों से मुलाकात की और हार्दिक संवेदना और सहानुभूति व्यक्त की, तथा प्रार्थना की कि ईश्वर उन्हें इस दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें। उन्होंने हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद, जीएचएमसी आयुक्त कर्णन और अग्निशमन सेवा महानिदेशक वाई. नागी रेड्डी से भी घटना का ब्यौरा मांगा। उपमुख्यमंत्री ने बाद में शवगृह के गेट पर मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार प्रभावित परिवारों के साथ हर संभव तरीके से खड़ी रहेगी। भट्टी विक्रमार्क ने हैदराबाद के पुराने शहर में गुलजार हौज के पास सुबह-सुबह लगी आग में 17 लोगों की मौत को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और पूरी कैबिनेट इस घटना से बेहद दुखी है। घटना की जानकारी मिलने पर रेवंत रेड्डी ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और मंत्रियों और अधिकारियों के साथ फोन पर समन्वय करते हुए त्वरित अग्निशमन और बचाव अभियान के निर्देश दिए, जिसकी उन्होंने मिनट-दर-मिनट निगरानी की। हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचे और जमीनी स्तर पर स्थिति की निगरानी की। भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा उस्मानिया अस्पताल पहुंचे और सुनिश्चित किया कि घायलों को उचित चिकित्सा मिले। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि जब वे मधिरा निर्वाचन क्षेत्र के दौरे पर थे, तब रेवंत रेड्डी ने व्यक्तिगत रूप से फोन करके उन्हें अस्पताल पहुंचकर स्थिति की समीक्षा करने का निर्देश दिया, जिसके बाद वे तुरंत उस्मानिया अस्पताल पहुंचे। उस समय तक मुख्यमंत्री को अग्निशमन विभाग, जीएचएमसी, पुलिस, राजस्व और स्वास्थ्य अधिकारियों से अपडेट मिल चुके थे और वे व्यक्तिगत रूप से पीड़ितों के परिवार के सदस्यों से बात कर संवेदना व्यक्त कर रहे थे। प्रारंभिक जांच के अनुसार, आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी प्रतीत होती है। अग्निशमन विभाग को सुबह 6:16 बजे घटनास्थल से फोन आया और सुबह 6:17 बजे मोगलपुरा से एक दमकल गाड़ी भेजी गई, जो सुबह 6:20 बजे घटनास्थल पर पहुंची और ऑपरेशन शुरू किया। अग्निशमन विभाग ने फंसे हुए 17 लोगों को बचाया और उन्हें अस्पताल पहुंचाया। बचाव अभियान में कुल 12 वाहन लगाए गए, जिनमें 11 दमकल गाड़ियां और एक अग्निशमन रोबोट शामिल है। इस अभियान में 17 अग्निशमन अधिकारी और 70 कर्मचारी शामिल थे, जिन्होंने आग को फैलने से रोकने के लिए काम किया। भट्टी विक्रमार्क ने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने पिछली आग की घटनाओं को गंभीरता से लिया है और भविष्य में ऐसी त्रासदियों से बचने के लिए राज्य मंत्रिमंडल में दो से तीन बार आवश्यक निवारक उपायों पर चर्चा की है।

भट्टी विक्रमार्का ने आग दुर्घटना स्थल का दौरा किया

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने रविवार को पुराने शहर के गुलज़ार हौज में आग दुर्घटना स्थल का दौरा किया। बाद में मीडिया से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा, अग्निशमन कर्मियों ने तीन मिनट के भीतर प्रतिक्रिया दी। सभी विभागों ने समन्वय में काम किया। अग्निशमन विभाग को शाम 6:17 बजे घटना के बारे में कॉल मिली और शाम 6:20 बजे तक अग्निशमन कर्मियों ने आग बुझाना शुरू कर दिया। आग को अन्य क्षेत्रों में फैलने से रोकने के लिए उपाय किए गए। भट्टी विक्रमार्का ने कहा, अगर यह त्वरित प्रतिक्रिया नहीं होती, तो जान-माल का बहुत बड़ा नुकसान हो सकता था। हम यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे कि गुलज़ार हौज में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी घटनाओं के खिलाफ निवारक उपायों को लागू करने के लिए दो से तीन दिनों में एक गंभीर बैठक आयोजित की जाएगी। भट्टी ने कहा, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। आग बुझाने के दौरान एक दमकलकर्मी गंभीर रूप से बीमार पड़ गया और फिलहाल उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

किसान को पानी में खींच ले गया मगरमच्छ

नारायणपेट, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार दोपहर यहां कुसुमूर्ति गांव में एक मगरमच्छ ने एक किसान पर हमला कर दिया और उसे भीमा नदी में खींच लिया। जी. टिप्पन्ना और शिवप्पा गौड़ा धान के खेतों में पानी की व्यवस्था कर रहे थे। शिवप्पा ने जब पानी का पंप चालू किया तो उन्होंने देखा कि खेतों में पानी नहीं पहुंच रहा है। टिप्पन्ना धूल और कचरे को साफ करना चाहता था जो फुट वाल्व को अवरुद्ध कर सकता था और पानी में जा सकता था। स्थानीय मीडिया के अनुसार शिवप्पा ने बताया कि मगरमच्छ, जो पानी में था, ने तुरंत टिप्पन्ना पर हमला कर दिया और उसे गहरे पानी में खींच लिया। गांव वालों ने मगरमच्छ को टिप्पन्ना को नदी में घसीटते हुए भी देखा। चूंकि जिस जगह पर फुट वाल्व गिराया गया था, वह जगह गहरी थी, इसलिए गांव वालों ने कुछ मछुआरों से टिप्पन्ना को बचाने का आग्रह किया, लेकिन उनकी कोशिशें रंग नहीं लाईं। रिपोर्ट के अनुसार, तिप्पन्ना के परिवार के सदस्य तट पर इंतजार कर रहे थे।

आग लगने की घटना : सीएम ने अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करने का आदेश दिया

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद के पुराने शहर में गुलजार हौज के पास आग लगने की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। आग लगने की घटना में फंसे परिवारों को बचाने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने के लिए शीर्ष अधिकारियों को निर्देश देते हुए, मुख्यमंत्री ने घायलों को पास के अस्पतालों में स्थानांतरित करने और बेहतर चिकित्सा उपचार प्रदान करने के आदेश जारी किए। उन्होंने आग लगने की घटना के बारे में मंत्री पोन्नम प्रभाकर से फोन पर बात की और बचाव अभियान तेज करने के आदेश दिए। मुख्यमंत्री ने पुलिस और अग्निशमन सेवा विंग द्वारा बचाव और राहत कार्यों के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में भी जानकारी ली। रेवंत रेड्डी ने फोन पर पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और उन्हें सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। आपदा प्रबंधन और अग्निशमन सेवाओं के महानिदेशक नागी रेड्डी को राहत कार्यों की बारीकी से निगरानी करने के लिए कहा गया है।

राज्यपाल ने गुलजार हौज अग्निकांड पर गहरा दुख व्यक्त किया

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने हैदराबाद में चारमीनार के पास गुलजार हौज में हुई दुखद अग्नि दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। रविवार को यहां जारी एक विज्ञप्ति में राज्यपाल ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस दुर्घटना को अत्यंत दुखद बताते हुए राज्यपाल ने कहा, इस दुखद अग्निकांड में कीमती जानें जाने और घायलों के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। उन्होंने अधिकारियों को घायलों को हर संभव चिकित्सा सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया और दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

गुलजार हौज अग्नि दुर्घटना में किशन रेड्डी के आरोपों का अग्निशमन विभाग ने खंडन किया

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना अग्निशमन आपदा प्रतिक्रिया दल ने केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी और विपक्षी नेताओं द्वारा की गई टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दी है कि गुलजार हौज अग्नि दुर्घटना स्थल पर आग पर काबू पाने के लिए अग्निशमन दल ने समय पर प्रतिक्रिया नहीं दी और उनके पास नवीनतम उपकरण नहीं थे।

इसने स्पष्ट किया कि आग सुबह 6.16 बजे लगी और मुगलपुरा अग्निशमन दल के कर्मचारी घटना के 10 मिनट के भीतर दुर्घटना स्थल पर पहुंच गए। इसने कहा कि आग तीन मंजिला इमारत में लगी थी। विभाग ने बताया कि आग भूतल से ऊपरी मंजिलों तक फैल गई और आग बुझाने में दो घंटे लग गए। इसने कहा कि अग्निशमन रोबोट की मदद से बचाव अभियान चलाया गया और बचाव अभियान के दौरान स्की लिफ्ट और हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। इसने कहा कि आग दुर्घटना का वास्तविक कारण अभी पता नहीं चल पाया है। डीजी नागिरेड्डी ने केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वे कुछ ही मिनटों में घटनास्थल पर पहुंच गए थे और उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री का यह कहना सही नहीं है कि उनके पास नवीनतम उपकरण नहीं थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने 11 दमकल गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया, बचाव अभियान चलाया और कुछ लोगों को बचाया।

सरकारी कर्मचारियों, पेंशनभोगियों के अधिकारों के लिए लड़ेगी बीआरएस

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के अधिकारों की रक्षा के लिए निर्णायक कदम उठाते हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने लंबे समय से लंबित मांगों को पूरा करने के लिए कांग्रेस सरकार पर दबाव बनाने के लिए एक समन्वित अभियान शुरू करने की योजना की घोषणा की है। मुख्य विपक्ष के रूप में, बीआरएस नेताओं ने जोर देकर कहा कि वे चुप नहीं रह सकते, जबकि लाखों कार्यरत और सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी उपेक्षा और कठिनाई का सामना कर रहे हैं।

पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव के नेतृत्व में वरिष्ठ नेता टी हरीश राव के आवास पर एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें कर्मचारी संघों के पूर्व नेताओं, सेवानिवृत्त अधिकारियों और विभिन्न शिक्षक एवं कर्मचारी संघों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में पिछले 18 महीनों में बिगड़ती स्थिति पर चर्चा की गई, जिसमें बताया गया कि राज्य सरकार कर्मचारियों से चुनाव से पहले किए गए अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है। लंबित महंगाई भत्ते (डीए) का भुगतान, वेतन संशोधन आयोग (पीआरसी) की सिफारिशों को लागू करना और समय पर पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभ जारी करना जैसी मुख्य मांगें पूरी नहीं हुई हैं। कई उपस्थित लोगों ने चिंता व्यक्त की कि बुनियादी अधिकारों से भी वंचित किया जा रहा है, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को बुढ़ापे में दर-दर भटकना पड़ रहा है। रामा राव और हरीश राव दोनों ने राज्य सरकार की उदासीनता पर गहरी चिंता व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि मुख्य विपक्ष के तौर पर सरकारी कर्मचारियों के साथ खड़ा होना हमारा कर्तव्य है। जब तक लाखों कर्मचारी लापरवाह सरकार के हाथों पीड़ित रहेंगे, हम चुप नहीं बैठेंगे। नेताओं ने आने वाले दिनों में एक स्पष्ट कार्य योजना विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। पार्टी ने सेवारत कर्मचारी संघ नेताओं के लिए अपने समर्थन की भी घोषणा की और पूर्व संघ प्रमुखों, विशेष रूप से उन लोगों से पार्टी के अभियान में भाग लेने का आग्रह किया, जिन्होंने तेलंगाना राज्य के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। नेताओं ने कहा कि बीआरएस हमेशा कर्मचारियों की आकांक्षाओं और अधिकारों के साथ खड़ा रहा है।

असम पुलिस ने एक व्यक्ति का किया गिरफ्तार

संगारेड्डी, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कोंडापुर मंडल के सुदूर गोलापल्ली गांव में शनिवार को उस समय कुछ नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला, जब असम पुलिस ने असम के मूल निवासी मोफिजुल असलम (19) को गिरफ्तार कर लिया, जो कथित तौर पर फर्जी सिम कार्ड का इस्तेमाल कर रहा था और संगारेड्डी के एक फार्महाउस में काम कर रहा था। ऑपरेशन सिंदूर के बाद असम पुलिस ने इन फर्जी सिम कार्ड का इस्तेमाल करने वाले लोगों पर नज़र रखने के लिए पूरे देश में ऑपरेशन घोस्ट सिम शुरू किया था। असम पुलिस ने अब तक तेलंगाना में एक व्यक्ति सहित सात लोगों को पकड़ा है।

पुलिस के अनुसार, ये व्हाट्सएप अकाउंट फर्जी सिम कार्ड का इस्तेमाल करके बनाए गए थे, जिनके ओटीपी पाकिस्तान भेजे गए थे। इन सिम कार्ड का इस्तेमाल कथित तौर पर साइबर अपराध और भारत विरोधी गतिविधियों के लिए किया गया था। पाकिस्तान से जुड़े असलम की गिरफ़्तारी से शांत रहने वाला यह गांव सदमे में है। असम पुलिस ने संगारेड्डी पुलिस की मदद से ऑपरेशन को अंजाम दिया।

30 भेड़ों की मौत, 40 बीमार

पेद्दापल्ली, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। धर्माराम मनल के बोम्मारेड्डीपल्ली में अज्ञात कारणों से लगभग 30 भेड़ें मर गईं और 40 बीमार हो गईं। गांव के चरवाहों कोम्मू कनकैया, कोम्मू राजेशम, रेचावेनी मल्लेशम, सम्मेदा कोमुराया और दादी नागैया के पास करीब 500 भेड़ें थीं। इनमें से पिछले दो दिनों में करीब 70 भेड़ें बीमार पड़ गईं और 30 की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि बाकी 40 भेड़ें बीमार थीं और मृत भेड़ों की कीमत 3 लाख से 5 लाख रुपये के बीच थी। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि भेड़ों की मौत जहरीला भोजन खाने से हुई है या किसी और कारण से। शनिवार को मंडल के पशु चिकित्सक डॉ. अजय कुमार ने गांव का दौरा कर मृत भेड़ों की जांच की। अजय कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि भेड़ें खेतों के किनारे खरपतवार नियंत्रण के लिए छिड़के गए ऑर्गनोफॉस्फेट कीटनाशक के सेवन से बीमार हुई होंगी। आगे की जांच के बाद इसकी पुष्टि हो सकेगी।

महांकाली में खून से लथपथ मिला अज्ञात शव

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के महांकाली में शनिवार रात कुछ लोगों ने एक अज्ञात व्यक्ति की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, सुबह स्थानीय लोगों ने मंजू थिएटर स्थित जेके फर्नीचर की दुकान के पास फुटपाथ पर खून से लथपथ व्यक्ति का शव देखा। महांकाली पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि हमलावरों ने व्यक्ति के सिर पर पत्थर फेंका जिससे उसकी मौत हो गई। हमें संदेह है कि पीड़ित और हत्यारे के बीच झगड़े के बाद हत्या की गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आसपास लगे क्लोज सर्किट कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है।

साइकिल मैराथन 2025 : फिटनेस के साथ जीएसटी दिवस मनाएगा

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की 8वीं वर्षगांठ 1 जुलाई, 2025 को जीएसटी दिवस के रूप में मनाई जाएगी, जिसका विषय "जीएसटी : करों का सरलीकरण, नागरिकों का सशक्तिकरण" होगा। जीएसटी दिवस 2025 के उत्सव के एक भाग के रूप में, सीजीएसटी और सीमा शुल्क, हैदराबाद जोन ने "फिट इंडिया अभियान 2025" के समन्वय में 18 मई, 2025 को साइकिल मैराथन का आयोजन किया है। मैराथन को सिकंदराबाद जीएसटी आयुक्तालय के प्रधान आयुक्त राकेश गोयल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह आयोजन सुबह 6 बजे शुरू हुआ और इसमें अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मैराथन नेकलेस रोड के पास पीवी ज्ञान भूमि से शुरू हुई और जल विहार तक 3 किमी की दूरी तय कर हैदराबाद साइकिलिंग क्लब में वापस लौटी। इस आयोजन को सानिया मिर्जा और पीवी सिंधु जैसी मशहूर हस्तियों ने सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया। आयोजन के दौरान, सिकंदराबाद जीएसटी आयुक्तालय के प्रधान आयुक्त राकेश गोयल ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और अपनी जीवनशैली में पैदल चलना, साइकिल चलाना आदि जैसे दैनिक व्यायाम को शामिल करने के महत्व पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में राकेश गोयल, प्रधान आयुक्त और आयुक्त मनोज कुमार रजक, साधु नरसिम्हा रेड्डी, अतिरिक्त आयुक्त रघु किरण, दसारी बलैया, विशाल प्रताप सिंह, संयुक्त आयुक्त रामकृष्ण, तरुण रेड्डी और कर्मचारियों ने भाग लिया। इस आयोजन ने न केवल स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा दिया, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था में जीएसटी के महत्व को भी मजबूत किया।

बीआरएस ने की लाभार्थियों के चयन की जांच की मांग

करीमनगर, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेताओं ने राज्य सरकार से इंदिराम्मा आवास योजना के लिए लाभार्थियों के चयन में अनियमितताओं की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने इसे राज्य का सबसे बड़ा घोटाला बताते हुए कहा कि कांग्रेस नेता 50 हजार रुपये की रिश्वत लेकर अपने लोगों को मकान आवंटित कर रहे हैं और पात्र लाभार्थियों को दरकिनार कर रहे हैं।

सरकारी आदेश संख्या 7 के अनुसार प्रजापालन कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों के आधार पर पात्र लाभार्थियों को आवास आवंटित किए जाने चाहिए। इसके अलावा, लाभार्थियों का चयन ग्राम सभाओं के माध्यम से किया जाना चाहिए। हालांकि, यह जुलूस कांग्रेस नेताओं की इच्छा के अनुसार किया जा रहा है, उन्होंने आरोप लगाया और चेतावनी दी कि यदि पात्र लाभार्थियों को आवास नहीं दिए गए तो वे आंदोलन करेंगे।

बीआरएस विधायक गंगुला कमलाकर, पाडी कौशिक रेड्डी और अन्य नेताओं ने शनिवार को कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर उनसे बीआरएस सरकार के दौरान करीमनगर में किए गए विकास कार्यों को जारी रखने का अनुरोध किया। जब उनसे बीआरएस शासन के दौरान जिले में बनाए गए चेक डैम के नुकसान के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने सरकार से इस मामले की जांच करने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

कौशिक रेड्डी ने दलित बंधु योजना का मुद्दा भी उठाया और राज्य सरकार से लाभार्थियों को तत्काल राशि जारी करने को कहा।

उन्होंने यह भी कहा कि बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव ने स्पष्ट कर दिया है कि रेवंत रेड्डी को अपना पूरा कार्यकाल पूरा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी को अपने कैबिनेट सहयोगियों पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, उत्तम कुमार रेड्डी और अन्य से खतरा हो सकता है, लेकिन बीआरएस से नहीं। उन्होंने कहा कि पार्टी की सरकार गिराने की कोई योजना नहीं है।

टीटीडी अगस्त के लिए ऑनलाइन कोटा जारी करेगा

तिरुमाला, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) 19 मई को सुबह 10 बजे अपनी आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से अगस्त महीने के लिए श्रीवारी अर्जित सेवा टिकट और आवास का ऑनलाइन कोटा जारी करेगा। भक्तगण 21 मई को सुबह 10 बजे तक इन सेवा टिकटों के लिए इलेक्ट्रॉनिक डिप के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। लकी डिप में चुने गए लोगों को अपने टिकट की पुष्टि के लिए 21 से 23 मई के बीच दोपहर 12 बजे तक भुगतान पूरा करना होगा। कल्याणोत्सवम, उनजल सेवा, अर्जित ब्रह्मोत्सवम, सहस्र दीपंकर सेवा और श्रीवारी सलाकटला पवित्रोत्सवम के टिकट 22 मई को सुबह 10 बजे उपलब्ध होंगे। अगस्त महीने के लिए वर्चुअल सेवा और उनके संबंधित दर्शन स्लॉट 22 मई को दोपहर 3 बजे जारी किए जाएंगे। अंगप्रदक्षिणम टोकन 23 मई को सुबह 10 बजे जारी किए जाएंगे। श्रीवाणी ट्रस्ट के टिकट 23 मई को सुबह 11 बजे जारी किए जाएंगे, जबकि वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांग दर्शन कोटा दोपहर 3 बजे जारी किया जाएगा। विशेष प्रवेश दर्शन टिकट (300 रुपये) 24 मई को सुबह 10 बजे जारी किए जाएंगे, जबकि तिरुमाला और तिरुपति में कमरों के लिए आवास कोटा उसी दिन दोपहर 3 बजे जारी किया जाएगा। श्रीवारी सेवा (तिरुमाला और तिरुपति दोनों), परकामनी सेवा, नवनीत सेवा और समूह नेता (वरिष्ठ सेवक) सेवा के लिए जुलाई महीने का कोटा 29 मई को सुबह 11 बजे जारी किया जाएगा।

केटीआर ने 2001 के तेलंगाना सिंहगर्जना को किया याद

हैदराबाद, 18 मई (स्वतंत्र वार्ता)। 2001 में आज ही के दिन करीमनगर में आयोजित ऐतिहासिक तेलंगाना सिंहगर्जना रैली को याद करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने शनिवार को इस आयोजन को एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया, जिसने तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं को बढ़ाया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सिंहगर्जना की गर्जना दिल्ली तक गूंजी, जिसने हमारे राज्य आंदोलन की नींव रखी। तेलंगाना सिंहगर्जना की 24वीं वर्षगांठ मनाने के लिए सोशल मीडिया पर उन्होंने कहा कि बीआरएस सुप्रीमो के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में ऐतिहासिक रैली ने तेलंगाना राज्य आंदोलन का मार्ग तैयार किया।

इस रैली में पूरे क्षेत्र से लाखों उत्साही समर्थक शामिल हुए थे, जिसने उस समय संशय और विरोध के बावजूद अलग राज्य की मांग को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। लोगों की दृढ़ता और नेतृत्व की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इसने लंबे समय से चले आ रहे सपने को हकीकत में बदल दिया, और अंततः 2014 में तेलंगाना के गठन का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने राज्य बनने के बाद से एक दशक में हुई प्रगति की भी सराहना की तथा चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में शासन और विकास के एक मॉडल के रूप में तेलंगाना के उदय पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पहचान के लिए संघर्ष से लेकर विकास में मानक स्थापित करने तक - यह यात्रा तेलंगाना के लोगों की दूरदर्शिता और प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

भारत डायनॅमिक्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
रक्षा मंत्रालय
गाचीबावली, हैदराबाद-500 032.

संदर्भ: बीडीएल/सीसी/ओटी/जीटी/001/2025-26 तारीख: 19-05-2025

ई-प्रापण संक्षिप्त निविदा सूचना

स्वदेशी स्पर्धात्मक बोली आमंत्रित की जा रही हैं

अनु. क्र.	निविदा आईडी	विवरण
1.	66328	बीडीएल की सभी इकाइयों को दवाओं की आपूर्ति

अधिक जानकारी के लिये कृपया https://bdltenders.abcprocure.com इस संकेतस्थल पर जाएं। बोलियां केवल ऑनलाइन जमा की जानी चाहिए। "शुद्धिपत्र, यदि कोई हो तो, वह केवल हमारी ई-पोर्टल के माध्यम से ही जारी किया जाएगा / वह समाचार पत्र में नहीं किया जायेगा।"

अपर महाप्रबंधक

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.